एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A Govt. Of India Enterprise)

e-assuring
iNDIA

वेस्ट रीसाइक्लिंग
पर्यावरण की रक्षा
विकास को बढ़ावा

Recycling Waste
Protecting Environment
Promoting Growth

48 वीं वार्षिक रिपोर्ट 2013 • 48th Annual Report 2013

Turning Waste into Wealth

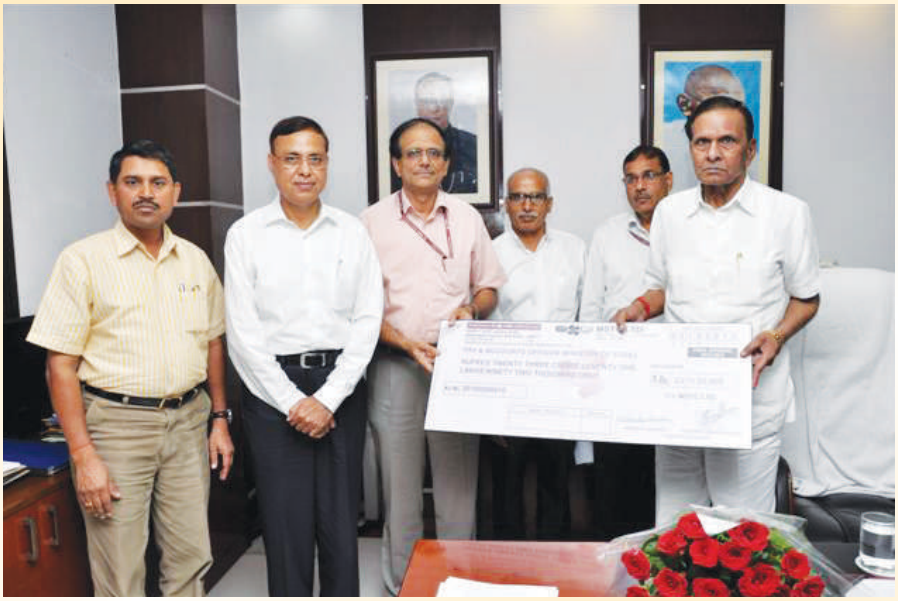

माननीय इस्पात मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा को श्री जी मोहन कुमार, सचिव (इस्पात) एवं मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लि. द्वारा लाभांश का चैक प्रदान

Hon'ble Minister of Steel, Shri Beni Prasad Verma is receiving dividend cheque in presence of Shri G. Mohan Kumar, Secretary (Steel) and other senior officials of the Ministry from Shri S K Tripathi, CMD, MSTC

सचिव (इस्पात)
श्री डी आर एस चौधरी
(31 अगस्त 2013 तक)

Secretary (Steel)
Shri D R S Chaudhary
(till 31st August, 2013)

सचिव (इस्पात)
श्री जी मोहन कुमार

Secretary (Steel)
Shri G Mohan Kumar

माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री एम. विराप्पा मोयली से इंडिया प्राइड अवार्ड ग्रहण करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड

India Pride Award is being handed over by Hon'ble Minister of Petroleum and Natural Gas Shri M. Veerappa Moily to Shri S.K. Tripathi, Chairman and Managing Director, MSTC Limited

48

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report 2012-13

निदेशक मंडल
Board of Directors **2**

दृष्टि एवं ध्येय
Vision & Mission **4**

अध्यक्षीय भाषण
Chairman's Statement **6**

निदेशक मंडल की रिपोर्ट
Directors' Report **8**

निरंतर विकास कार्यनिष्पादन प्रतिवेदन
Sustainability Development Performance Report **39**

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report **56**

तुलन-पत्र
Balance Sheet **68**

लाभ-हानि खाता
Profit & Loss Accounts **69**

वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां
Notes to Financial Statements **70**

नगद प्रवाह ब्यौरा
Cash Flow Statement **96**

सहायक कंपनी का विवरण
Statement regarding subsidiary company **98**

सहायक कंपनी
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड का
प्रतिवेदन एवं लेखा:

Accounts & Report of
subsidiary company:
Ferro Scrap Nigam Limited

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Shri S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

श्री जे. पी. शुक्ला
Shri J. P. Shukla

श्री सूरज भान
Shri Suraj Bhan

श्री डी. पी. सिंह
Shri D. P. Singh

श्री के. एल. मेहरोत्रा
Shri K. L. Mehrotra

श्री एन सी झा
Shri N C Jha

श्री ए. के. बसु
Shri A. K. Basu

श्री बी. बी. सिंह
Shri B. B. Singh

श्री जी. एस. चुघ
(03.08.12 तक)
Shri G. S. Chugh
(upto 3.8.12)

प्रबंधन दल
Management Team

श्री एस. एस. चौधुरी
मुख्य महा प्रबंधक (मा.स.प्र.)
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (HRM)

सुश्री मधुमिता बसु
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Ms. Madhumita Basu
Chief Vigilence Officer (upto 11.02.2013)

श्री एस अम्बष्ठ
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S Ambasta
Chief Vigilence Officer (from 26.08.2013)

श्री अशोक कुमार
महाप्रबंधक (बीडी)
Shri Ashok Kumar
GM (BD)

श्री आर के चौधुरी
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
Shri R K Chaudhuri
GM (F&A)

कंपनी सचिव
श्री सुब्रत कुमार राय

Company Secretary
Shri Subrata Kumar Ray

लेखापरीक्षक
मेसर्स पी. डी. रुंगटा एंड कंपनी
सनदी लेखापरीक्षक

Auditors
M/s. P. D. Rungta & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स	**Bankers**
आईसीआईसीआई बैंक	ICICI Bank
एचडीएफसी बैंक	HDFC Bank
बैंक ऑफ इंडिया	Bank of India
इंडियन बैंक	Indian Bank
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	Union Bank of India
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	State Bank of India
पंजाब नेशनल बैंक	Punjab National Bank
युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया	United Bank of India

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
225-सी आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड
कोलकाता 700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 2287 7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road
Kolkata 700 020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 2287 7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Registrar and Transfer Agents :
C B Management Services (P) Ltd.
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700019

रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेन्टस् :
सी बी मैनेजमेंट सार्विसेस प्राइवेट लिमिटेड
पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता - 700019

दृष्टि एवं ध्येय | Vision & Mission

दृष्टिकोण

ट्रेडिंग व्यवसाय में विषेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना।

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा ई-कॉमर्स के माध्यम से पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

(क) देसी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्त्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप मे उभरना और इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लाजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजसक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजक्शन प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15% आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for various commodities handled by it making transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.

c) To promote e-commerce/e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

एमएसटीसी आज भारत में ई-कामर्स की सबसे बड़ी स्वतंत्र कंपनी है। इस कंपनी की प्रति कर्मचारी रु. 60.61 लाख कर पूर्व लाभ है। यह संभवतः भारतीय कंपनियों में सबसे अधिक है। एमएसटीसी आज श्रेणी-एक की मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह इस्पात मन्त्रालय के प्रशासनाधीन शेड्यूल बी कंपनी है।

एमएसटीसी लिमिटेड का गठन 1964 में हुआ था। एक छोटी-सी ट्रेडिंग कंपनी आज एक बहुउत्पाद ट्रेडिंग कंपनी में बदल चुकी है। यह भारतीय उद्योग के इस्पात एवं संबंधित क्षेत्र के आयातित और देशीय कच्चे माल की सोर्सिंग करने के रूप में मुख्य भूमिका अदा कर रही है।

एमएसटीसी का प्रधान कार्यालय कोलकाता में है। इसका आज क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई और मुंबई में है। शाखा कार्यालय बैंगलोर, बड़ौदा एवं विशाखापत्तनम में है। पांच फिल्ड कार्यालय त्रिची, भोपाल, हैदराबाद, तिरुपति और लखनऊ में है।

एमएसटीसी आज निरंतर लाभ देने वाली कंपनी है। इसने राष्ट्र के लिए धन अर्जित किया है। लाभांश, कर और लाभ के माध्यम से इसने देश के राजस्व में अपना योगदान दिया है। 2012-13 में इस कंपनी का रिकार्ड करपूर्व लाभ रु.193.40 करोड़ है और इसकी आरक्षित राशि रु.687.16 करोड़ है।

एमएसटीसी स्क्रैप के पुनश्चक्रण में सहयोग करता है ताकि इनका कच्चे माल के रूप में औद्योगिक उपयोग हो सके। इससे लागत खर्च कम हो जाता है। प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा की संरक्षा होती है और अंतिम रूप से पर्यावरण की रक्षा होती है।

एमएसटीसी गरीबों के उत्थान के प्रति प्रतिबद्ध है और नैगमिक सामाजिक दायित्व के निर्वाह और समुचित सेवाओं के माध्यम से वंचित नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को भी उन्नत करती है।

एमएसटीसी के पास वरिष्ठ प्रबंधकों की प्रतिबद्ध और सक्षम टीम है और छोटी, मगर शिक्षित एवं प्रभावकारी 319 कर्मचारियों की टीम कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में है।

एमएसटीसी आज | MSTC TODAY

MSTC Today, is largest standalone e-commerce company in India with a PBT of Rs. 60.61 lakh per employee which is possibily highest among the Indian Companies. MSTC is a category I, miniratna Public Sector Schedule B Company under the administrative control of Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964, MSTC Ltd., a small trading company has grown into a large multiproduct diversified trading company serving the Indian industry by being a prime catalyst in sourcing of imported/domestic raw materials for the steel and allied sector.

Headquartered at Kolkata, MSTC today is having regional office at Kolkata, Delhi, Chennai and Mumbai with branch offices at Bangalore, Vadodara, and Visakhapatnam. Five field offices are located at Trichy, Bhopal, Hyderabad, Tirupati & Lucknow.

MSTC today is a continuous profit making company creating wealth for the nation by a large contribution with its dividend, taxes and profit. Company ended up the year 2012-13 with all time record profit before tax of ₹ 193.40 Crore and has created a reserve of ₹687.16 Crore.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use of raw materials and thereby reduces input cost, conserves energy and natural resources and ultimately protects the environment.

MSTC is committed to protection of environment and natural resources and has taken up various sustainable development programmes.

MSTC is committed to the upliftment of poor and improving the quality of life of "under privileged citizens" by various CSR initiatives and appropriate services.

MSTC has a committed and competent team of senior management and a small but qualified and effective team of 319 employees located at different offices of the company.

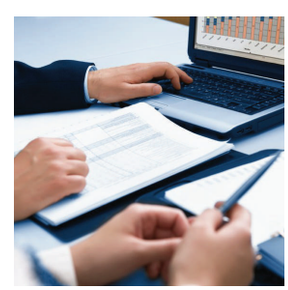

प्रिय शेयरधारकगण,

कंपनी की इस 48वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए तथा आपकी कंपनी के कार्य निष्पादन में वृद्धि का एक और वर्ष आपके समक्ष पेश करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। यह वृद्धि न सिर्फ वित्तीय नतीजों के परिप्रेक्ष्य में बल्कि ई-कॉमर्स व्यापार तथा सरकारी व्यवसाय की ओर विविधता जैसे अन्य क्षेत्रों के लिहाज से भी हासिल हुई है। यह सेवा आधारित होने के नाते देश पर स्थायी असर डालेगी, जो कि प्रतिकूल देशव्यापी आर्थिक अवस्था में समेकन चरण के दौर से गुजर रही है।

हालांकि व्यवसाय सिर्फ लाभ के लिए नहीं है लेकिन आइए मैं शुरुआत करता हूँ आपको यह सूचित करते हुए कि आपकी कंपनी ने वर्ष 2012-13 की समाप्ति पर रु. 193 करोड़ का रिकॉर्ड कर पूर्व लाभ (पीबीटी) अर्जित किया है, जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले तकरीबन 10% ज्यादा है।

एजेंसी व्यवसाय क्षेत्र में हमारा कुल व्यवसाय रहा रु. 15,482.46 करोड़ का। रॉ पेट कोक, रॉक फॉस्फेट एवं बराइट जैसे नए मदों को लौह अयस्क, मैंगनीज अयस्क, मानव केश, कोयला, स्क्रैप तथा सरप्लस स्टोर्स को पारंपरिक तालिका में जोड़ा गया है।

आपकी कंपनी देश में अकेली सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी के रूप में उभरी है। सिस्टम एसटीक्यूसी प्रमाणित सीवीसी अनुपालक तथा सीएमएमआई लेवेल 3 के रूप में अनुमोदित है, इसका मतलब सिस्टम के पास है सॉफ्टवेयर विकास में पर्याप्त परिपक्वता। हमारे ग्राहकों तथा प्रधानों द्वारा वांछित कार्यनिष्पादन की वर्द्धित मात्रा एवं गुणवत्ता से कदम मिलाने के लिए हम युवा कर्मियों की नियुक्ति एवं उन्हें प्रशिक्षित करने की अनवरत प्रक्रिया में लगे हुए हैं।

मुझे आपसे यह बाँटते हुए खुशी हो रही है कि समझौता ज्ञापन लक्ष्य जिसे सरकार ने ई-कॉमर्स व्यवसाय के लिए वर्ष 2012-13 के दौरान एमएसटीसी के लिए निर्धारित किया था, के तहत् एमएसटीसी ने वास्तव में हासिल किया था रु. 15,482.47 करोड़, जो कि लक्ष्य के मुकाबले 28% तक अधिक है। मैं यहाँ यह उल्लेख करना चाहता हूँ कि कम सेवा शुल्क चार्ज कर रहे तथा हमेशा जहाँ भी सम्भव हो व्यवसाय का हिस्सा लेकर भागने की कोशिश कर रहे छोटे प्लेयर के बावजूद कार्यनिष्पादन का रुख ऊर्ध्वमुखी रहा।

विपणन क्षेत्र में हमने रु. 10024 करोड़ मूल्य की सामग्री प्राप्त की है; जिसमें शामिल हैं थर्मल कोल, नेफ्था, लौह अयस्क, कोयला, कोक आदि।

"वेस्ट रीसाइक्लिंग पर्यावरण की रक्षा विकास को बढ़ावा"

Dear Shareholders,

I am extremely happy and delighted to welcome you all to this 48th annual general meeting of the Company and present before you yet another year of growth in performance of your company. The growth is achieved not only with respect to the financial results but also with respect to other areas such as diversifications towards e-commerce businesses and government businesses. This being service based will have stabilizing impact on the company which is undergoing consolidation phase in adverse countrywide economic situation.

Though business is not only for profit but let me start by informing that your Company has closed the year 2012-13 with a record profit before tax (PBT) of Rs.193 crore, which is approximately 10% more than that of the previous year

The total business stands at Rs.15,482.46 crore in the agency business segment. New item like raw Pet Coke, Rock Phosphate and Baryte have been added to the traditional list of iron ore, manganese ore, tea, human hair, coal, scrap and surplus stores.

Your Company has emerged as the largest stand alone e-commerce company in the country. The system is STQC certified CVC complaint and approved as CMMI level 3 which means that systems have adequate maturity in software development. We are into a continuous process of recruitment and training of young executives to cope up with increased volume and quality of performance desired by our customers and principals.

"Recycling Waste Protecting Environment Promoting Growth"

अपने कार्य निष्पादन के आधार पर हम वर्ष 2012-13 के लिए 'उत्कृष्ट' रेटिंग पाने की आशा करते हैं।

जहाँ तक शेयरधारकों का संबंध है, हम उन्हें पर्याप्त रूप से पारितोषिक देते आ रहे हैं, जो कि पिछले दशक हेतु हमारे द्वारा प्रदान किए गए लाभांश की दर में स्पष्ट रूप से झलकती है। कंपनी ने 31.03.2013 को रु. 687.16 करोड़ की पर्याप्त आरक्षित राशि सृजन कर ली है। बोनस शेयर जारी करने के शेयरधारकों का बहुप्रतीक्षित सपना साकार होने जा रहा है। कंपनी वर्ष 2012-13 में 3:1 के अनुपात में यानी हर एक इक्विटी शेयर के लिए 3 बोनस शेयर जारी करने जा रही है।

शेयरधारकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से हमने रजिस्ट्रार एण्ड ट्रांसफर एजेण्ट की नियुक्ति की है तथा शेयरों के डिमटेरियलाइजेशन की संभावनाओं की खोज में भी लगे हुए हैं, हालांकि कि सूचीबद्ध कंपनियों की तुलना में हमारे फ्लोटिंग शेयर की संख्या कम है।

कोई भी व्यापारिक संगठन चिन्ताओं से मुक्त नहीं है। वर्ष 2008-09 में किए गए सोने के जेवरों के निर्यात के तहत् बकाया राशि वसूलने के

I am happy to share with you that against the MOU target which Govt. had fixed for MSTC for the year 2012-13 for e-commerce business, the actual was Rs.15,482.47 cr. which is higher by 28% than the target. I would like to mention here that the upward trend of performance is despite the presence of small players charging lower service charges and always attempting to run away with chunks of businesses wherever possible.

In the marketing segment we have procured materials worth Rs.10024 crores comprising of Thermal Coal, Naphtha, Iron Ore, Coal, Coke etc. On the basis of our performance we expect to get "Excellent" rating for FY-2012-13.

So far as shareholders are concerned, we have rewarded them substantially which is evident from the rate of dividend we have been paying for last decade. The Company has created a substantial amount of reserves which stood at Rs.687.16 crore as 31.03.2013. The much awaited wish of the shareholders for issues of bonus shares has been made into a reality with Company issuing bonus

अध्यक्षीय संबोधन | CHAIRMAN'S STATEMENT

लिए देश एवं विदेश के विभिन्न न्यायिक एवं प्रवर्तन फोरम में आज भी हमारी लड़ाई जारी है। हमें आशा है न्याय की जीत होगी तथा हम अपनी राशि वसूल करने में सक्षम होंगे।

आपकी कंपनी सभी स्टेकधारकों के साथ स्पष्ट, पारदर्शी एवं उचित सौदे में विश्वास करती है तथा भारत सरकार द्वारा जारी निगमित अभिशासन दिशानिर्देश का अनुपालन करने के अलावा नैतिक आचरणों का अनुपालन भी करती है।

आपकी कंपनी सामाजिक उत्थान गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से शामिल है तथा देश के विभिन्न भागों में कई छोटी एवं बड़ी परियोजनाओं का बीड़ा उठाया है। इन गतिविधियों में शामिल हैं गरीब तबके के लोगों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना, सड़क, भवन एवं कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण, ट्यूब वेल की स्थापना, प्राइमरी स्कूल आदि का निर्माण।

सरकारी नीति के अनुसार, प्रोत्साहनयोग्य विकास के अधीन परियोजनाएँ हाथ में ली गयी हैं। एमएसटीसी ने सुन्दरबन क्षेत्र में एक बड़े द्वीप हिंगालगंज में पश्चिम बंगाल सरकार की मॉडेल एजेंसी डब्ल्यूबीआरईडीए के सहयोग से विभिन्न सौर ऊर्जा परियोजनाओं का वित्त पोषण किया है तथा परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी किया है।

आपकी कंपनी श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने में लगी हुई है तथा हमें आशा है कि इस वर्ष के दौरान सकारात्मक नतीजे सामने आएँगे।

कंपनी पर अपना विश्वास और भरोसा कायम रखने तथा मुझे और मेरी टीम को अपना बहुमूल्य सहयोग देने के लिए मैं अपने सभी शेयरधारकों, खास तौर से भारत सरकार जो कि हमारे सबसे बड़े शेयरधारक हैं, को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ तथा उनका आभार प्रकट करता हूँ। हमारी टीम वर्षों से कंपनी के प्रति समर्पित है तथा राष्ट्र के लिए धन का सृजन कर रही है। चूँकि यह कंपनी अपने काम बाहर के स्रोतों से नहीं करवाती है, इसलिए यह अपने कर्मचारियों की ईमानदारी, ज्ञान एवं कुशलता पर पूरी तरह से निर्भर है तथा उनमें अपना विश्वास बनाए रखती है। मैं, सहयोगी पीएसयू, हमारे बहुमूल्य ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं एवं बैंकरों का भी समान रूप से शुक्रगुजार हूँ।

पूजा और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ !

जय हिन्द !

एस के त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
48वीं वार्षिक साधारण सभा
27 सितम्बर, 2013

shares at the ratio of 3:1, i.e. 3 shares to each equity share, in the year 2012-13.

In order to give better services to shareholders we have appointed Registrar and Transfer Agents and also are exploring the possibility of dematerialization of shares though we have lesser number of floating shares compared to listed companies.

No business organisation is free of concerns. We are still fighting battles in various judicial and enforcement forums of the country and abroad to recover the outstanding against export of gold Jewellery which took place in 2008-09. We hope justice shall prevail and we would be able to recover our money.

Your Company believes in disclosures, transparency and fair deal with all stakeholders and complies with ethical practices, apart from complying with the Corporate Governance guidelines issued by Govt. of India.

Your Company is actively involved in social uplift activities and has taken up various small and big projects in various parts of the country. Those activities are for providing vocational training programmes for the underprivileged, building, roads and community centres, installing tube wells, constructing primary schools etc.

In line with Govt. policy, projects under Sustainable Development have been taken up. MSTC has financed for various solar energy projects in a big island called Hingalganj in Sundarban area in collaboration with WBREDA, which is the model agency of Govt. of West Bengal and have also implemented the projects.

The Company is in process of establishing a shredding plant and we expect positive breakthrough during this year.

I express my heartiest thanks and gratefulness to all the shareholders particularly Govt. of India, being the major shareholder, for trust and confidence reposed on the Company and support extended to me and my team who are committed to the Company and have created wealth for the nation year after year. Since this company does not out source its work to outsiders, it remains greatly dependent on sincerity, knowledge and skills of its employees and reposes immense faith in them. I am equally thankful to the sister PSUs, our valued customers, suppliers and bankers for the continuous support.

Best wishes for Puja and Dipawali.

Jai Hind!

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director
48th Annual General Meeting
27 September, 2013

निदेशक मंडल की रिपोर्ट

सेवा में,
शेयरधारको,
एमएसटीसी लिमिटेड,

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 48वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि **रु.15415.54 करोड़** है। पिछले वर्ष 2011-12 में **रु.15925.91 करोड़** थी। 2011-12 के समानांतर 2012-13 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)*	
	2012-13	2011-12
स्क्रैप और मैंगनीज ओर आदि की बिक्री	4380.13	3147.68
कोयले की बिक्री	5512.91	8560.05
आयरन ओर	5522.50	4218.18
कुल (क)	**15415.54**	**15925.91**

ख) ई -प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)*	
	2012-13	2011-12
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	66.92	79.12
कुल (क+ख)	**15482.46**	**16005.03**

ग) व्यापार

वर्ष 2011-12 के **रु. 5746.15 करोड़** के विरुद्ध इस वर्ष व्यापार प्रभाग के कुल व्यवसाय की मात्रा **रु. 10024.20 करोड़** है। वर्ष 2012-13 के साथ-साथ 2011-12 का ब्रेक-अप नीचे दर्शाया गया है:

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)*	
	2012-13	2011-12
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्री	6608.70	2076.00
देशी सामग्री	3415.50	3670.15
कुल (ग)	**10024.20**	**5746.15**
महायोग (क+ख+ग)	**25506.66**	**21751.18**

DIRECTORS' REPORT

To
The Shareholders
MSTC Limited.

Directors are pleased to present the 48th Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2013.

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at **Rs.15415.54 Cr.**, against **Rs.15925.91Cr.** in 2011-12. Break-up for the year 2012-13 vis-à-vis 2011-12 is as follows:

Business Segment	*Volume of Business (Rs. in Crore)*	
	2012-13	2011-12
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	4380.13	3147.68
Sale of Coal	5512.91	8560.05
Iron ore	5522.50	4218.18
Total (A):	**15415.54**	**15925.91**

B) e-PROCUREMENT

Business Segment	*Volume of Business (Rs. in Crore)*	
	2012-13	2011-12
e-Procurement (B)	66.92	79.12
Total (A+B)	**15482.46**	**16005.03**

C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of **Rs. 10024.20 Cr.** against **Rs. 5746.15 Cr.** in 2011-12. Break-up for the year 2012-13 vis-à-vis 2011-12 is as follows:

Business Segment	*Volume of Business (Rs. in Crore)*	
	2012-13	2011-12
Procurement of:		
Imported materials	6608.70	2076.00
Indigenous materials	3415.50	3670.15
Total: (C)	**10024.20**	**5746.15**
Grand Total (A+B+C)	**25506.66**	**21751.18**

विगत पांच वर्षों के व्यापार की मात्रा

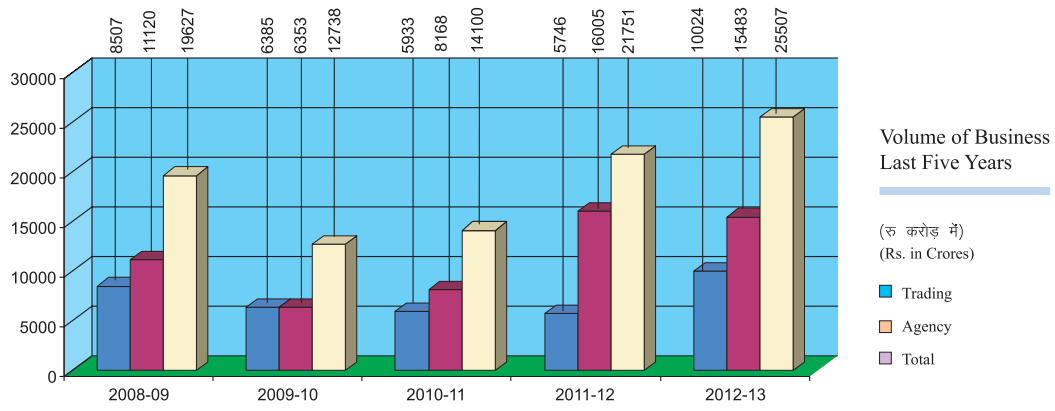

Volume of Business
Last Five Years

(रु करोड़ में)
(Rs. in Crores)

वित्त

पिछले वर्ष **रु.118.39 करोड़** के विरुद्ध इस वर्ष करोपरांत लाभ **रु.130.73 करोड़** है, जो कि पिछले वर्ष यानी 2011-12 की तुलना में **रु.12.34 करोड़** अधिक है।

वर्ष 2011-12 एवं 2012-13 के लिए कंपनी का वित्तीय परिणाम नीचे दिया गया है: -

(रु. लाख में)

	2012-13	2011-12
व्यवसाय की मात्रा	2550666.23	2175118.00
करपूर्व लाभ	19340.00	17615.00
कर	6267.00	5776.00
करोपरांत लाभ	13073.00	11839.00
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	880.00	220.00
आरक्षित	68716.00	59386.00
लाभांश (%)	300	1077
प्रति शेयर आय (रु.) *(अंकित मूल्य रु.10/-)*	148.56 (बोनस के पश्चात)	538.14
प्रति कर्मचारी पीबीटी	60.61	57.60

लाभांश

31 मार्च, 2013 के दौरान निदेशकों ने 300% अंतरिम लाभांश की घोषणा कर चुकी है। उन शेयरधारकों को लाभांश प्रदान किया जाएगा, जिनका नाम वार्षिक साधारण सभा की बैठक तिथि को सदस्य रजिस्टर में उल्लिखित है।

FINANCIAL

Profit after tax stands at **Rs. 130.73 Crore** as against **Rs. 118.39 Crore** last year, which is **Rs. 12.34 Crore** more than last year. i.e. 2011-12.

Financial results of the company for the year 2012-13 & 2011-12 are given below: -

(Rs. in lakh)

	2012-13	2011-12
Volume of Business	2550666.23	2175118.00
Profit before tax	19340.00	17615.00
Tax	6267.00	5776.00
Profit after tax	13073.00	11839.00
Paid up capital (Equity)	880.00	220.00
Reserves	68716.00	59386.00
Dividend (%)	300	1077
Earning per share (₹) *(Face value Rs.10/-)*	148.56 *(Post Bonus)*	538.14
PBT Per Employee	60.61	57.00

DIVIDEND

The Directors have recommended a dividend of **300%** for the year ended 31st March, 2013. Dividend shall be paid to the shareholders whose names will appear in the register of the members as on " record date".

आरक्षित निधि

31 मार्च, 2012 को कंपनी की सामान्य आरक्षित निधि **रु. 59,386 लाख** थी। वर्ष के दौरान लाभ में से **रु.9984 लाख** का स्थानांतरण सामान्य आरक्षित निधि में किया गया एवं 31 मार्च, 2013 को सामान्य आरक्षित निधि **रु. 68716 लाख** है।.

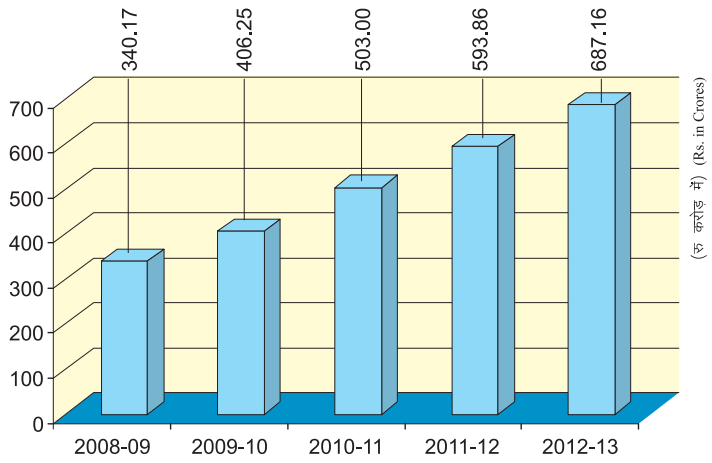

विगत पांच वर्षों में आरक्षित
Reserves in last five years

RESERVES

General Reserves of the Company stood at **Rs. 59386 lakh** as on 31st March, 2012. During the year **Rs. 9984 Lakh** have been transferred to General Reserve from profit and as on 31st March, 2013 the General Reserves stand at **Rs. 68716 Lakh** .

सिस्टम प्रभाग

एमएसटीसी की आईटी संचरना देश में अत्यधिक आधुनिक और इ-कॉमर्स व्यवसाय को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से करने में सक्षम है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग शक्तिशाली आईबीएम पावर सीरिज 740 सर्वर से सुसज्जित है, यह अधिक भार वहन करने की क्षमता रखता है और हजारों समवर्ती उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान कर सकता है। यह सर्वर ऊर्जा के स्तर पर काफी सक्षम है, जिससे ऊर्जा की बचत होगी।

मुंबई डिजास्टर रिकवरी साईट के तर्ज पर समान रूप से कोलकाता में भी डेटा सेंटर की स्थापना की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा के प्रति सचेत है। अधिकतम सुरक्षा प्राप्त करने के लिए फायरवाल, आईपीएस, एमएमडीओएस आदि की स्थापना करके सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी है।

सभी नेटवर्क उपकरणों मसलन, राउटर्स एवं स्वीच सीआईएससीओ से हैं और यह आईपीवी6 में जाने के लिए पूर्णत: तैयार है। सुरक्षा यंत्र जैसे फायरवाल एवं आईपीएस अनाधिकृत अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए लगाया गया है।

एमएसटीसी ने आवधिक गहन और कमजोरी परीक्षण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित किया है। आवधिक एप्लिकेशन सुरक्षा टेस्टिंग प्रणाली एसटीक्यूसी द्वारा संचालित है, जो कि आईटी एवं संचार मंत्रालय, भारत सरकार का आनुषांगिक विभाग है।

एमएसटीसी ने प्रधान कार्यालय के साथ सभी क्षेत्रीय कार्यालय तथा पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय जिसके एमपीएलएस-वीपीएन के माध्यम से जोड़ा जा चुका है, को छोड़कर और शाखा कार्यालय को जोड़कर वरच्यूअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) कार्यान्वित करने की दिशा में है। यह केंद्रीय आंतरिक प्रणाली से सक्षम होगा एवं अधिक सुरक्षित तरीके से व्यवहार किया जा सकेगा।

एमएसटीसी एक आंतरिक इंड-टू-इंड ई-प्रोक्योरमेंट सोल्यूशन विकसित कर चुकी है। इस ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली में सीवीसी, आईटी एक्ट 2000 एवं आईटी संशोधित एक्ट 2008 के सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है, जो कि एसटीक्यूसी द्वारा परीक्षण पूरा होने के समीप है।

एमएसटीसी सर्वर कोलकाता में वर्ष भर अनवरत कार्यशील है। सिस्टम विभाग वृत्तिक योग्यता से सुसज्जित है, जो कि लगातार अपने ज्ञान को अद्यतन तकनीक के साथ उन्नत करते रहते हैं।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी द्वारा आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

एमएसटीसी का इ-कॉमर्स विभाग भी आईएसओ 9001:2008 गुणवत्ता प्रमाणित है।

SYSTEMS DIVISION

MSTC's IT infrastructure is by far the most sophisticated in the country to take up e-commerce services in a secure and transparent manner.

MSTC's IT Department is equipped with the latest powerful IBM Power Series 740 Servers having large processing power and can serve thousands of concurrent users. The servers are highly energy efficient leading to saving in power consumption.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as in Kolkata Data Center.

MSTC places high importance to information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing Firewall, IPS, MMDOS, etc.

All network equipments like routers and switches are from CISCO and are totally ready for IPv6 migration. Security Appliances like Firewalls and IPS are also in place to prevent unauthorized intrusion.

MSTC ensures security through periodical penetration and vulnerability testing. Periodical Application Security Testing is conducted by STQC an annexe department in Ministry of Communication and IT, Govt. of India.

MSTC is also in its way to implement Virtual Private Network (VPN), connecting HO to all other regions and branches except Western Regional Office (WRO) which is already connected via MPLS-VPN. This will enable the centralized internal applications to be used by all in a more secured manner.

MSTC has developed an in-house end-to-end e-Procurement solution. All CVC, IT Act 2000 and IT Amendment Act 2008 guidelines have been followed in this e-Procurement Application, which is nearing completion of audit by STQC.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems dept. is well equipped with qualified professionals who continuously keep themselves upgraded with knowledge of latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2005 certified from STQC.

MSTC e-commerce division is also ISO 9001:2008 Quality certified.

एमएसटीसी के ई-कॉमर्स प्रभाव का सीएमएमआई द्वारा लेवल - III का प्रमाणपत्र

CMMI Level - III Certification of MSTC's e-commerce division

मानव संसाधन विकास (एचआरडी)

वर्ष 2012-13 में कंपनी ने व्यवसाय वृद्धि एवं वित्तीय निष्पादन दोनों दृष्टिकोण से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह प्रबंधन के तीक्ष्ण निर्देशन को दर्शाता है तथा संगठन के सभी स्तर पर श्रमशक्ति के उच्च मनोबल को भी दर्शाता है। सार्थक व्यवसाय वृद्धि के कारण और सेवानिवृत्त सहित पदत्याग को ध्यान में रखते हुए वर्ष के दौरान विभिन्न पदों में कुछ नियुक्ति की गई। केवल श्रमशक्ति की वृद्धि की नहीं बल्कि संस्थान के निष्पादन अग्रसर करने के साथ कंपनी की कार्यशक्ति की विविधता को बढ़ाने के लिए। इसने एज-मिक्स एवं स्कील-मिक्स को बेहतर बनाने में भी मदद किया है।

वार्षिक खेलकूद का उद्घाटन
Inauguration of Annual Sports

वर्ष 2012-13 के दौरान मानव संसाधन विभाग ने भारत के विशिष्ट संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमीनारों, आदि में लगभग 24 कार्यपालकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। वर्ष 2012-13 एमओयू में प्रशिक्षण के लिए निर्धारित लक्ष्य को कंपनी ने सफलापूर्वक प्राप्त किया है और 13 कार्यपालकों को इ-कॉमर्स/ई-प्रोक्योरमेंट, सिस्टम्स, लीडरशिप इत्यादि के प्रशिक्षण में भेजा गया था। महिला कर्मचारियों को महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों में भेजा गया। इस वर्ष बहुत से वरिष्ठ अधिकारियों को प्रबंधन के कार्यों में नेतृत्व भूमिका समझाने के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया गया।

इसके अतिरिक्त वर्ष 2012-13 के दौरान कर्मचारियों के लिए आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और लगभग 35 कर्मचारियों को विकासात्मक प्रशिक्षण दिया गया।

कमजोर वर्गों का कल्याण

कंपनी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए समय-समय पर राष्ट्रपति की ओर से जो सरकारी नीतियां और प्रक्रियां की घोषणा आरक्षण, छूट, रियायत इत्यादि के संबंध में की जाती है, उसे को आत्मसात करती है।

कमजोर वर्गों की नियुक्ति एवं पदोन्नति के मामले में निर्देशों का पालन किया जाता है। वर्ष के दौरान विभागीय पदोन्नति समिति एवं चयन समिति दोनों के लिए एससी/एसटी/ओबीसी सदस्यों के प्रतिनिधियों के लिए प्रावधान किया गया है। वर्ष 2012-13 के दौरान कंपनी ने एससी/एसटी, ओबीसी एवं शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए विशेष नियुक्ति प्रक्रिया को हाथ में लिया गया है। नवनियुक्तों में अल्पसंख्यक समुदाय के 2 व्यक्तियों को लिया गया है।

वर्ष के दौरान कंपनी के 11 एससी, 1 एसटी, 6 ओबीसी कार्यपालकों को आंतरिक एवं संस्थानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों दोनों के लिए प्रायोजित किया गया था।

इसके साथ ही एमएसटीसी एससी/एसटी इम्प्लाइज काउंसिल, जिसका प्राथमिक कार्य इस कंपनी के इस वर्ग के कर्मचारियों के हित की रक्षा करना है, को सभी तरह का सहयोग और सहायता दी गई।

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (HRD)

2012-13 has exhibited outstanding performance in terms of both business growth and financial performance. It represents sound direction of the Management and also the high level of morale of the manpower at all levels of the Organization. Owing to the significant business growth and also to take care of the separations including superannuation, some recruitments were made during the year at various levels and capacities to equip with not only more manpower to forge our organizational performance forward but also to enhance the dynamism in the workforce of the Company. This has also helped in improving the age-mix and skill-mix.

During the year 2012-13, the Human Resource Department successfully trained approximately 24 executives, through an assortment of training programmes, workshops and seminars, organized by specialized Institutes of India. The MOU targets for the year 2012-13 were successfully achieved under which executives were trained on e-Commerce/e-procurement, Systems, leadership, etc. Several Women employees were exposed to Women empowerment programmes. This year many senior level executives were sponsored for senior management programmes in ace institutes in India for enabling them to assume lead roles in the management functions.

In addition to this, several focused In-house training programmes for employees were organized during the year 2012-13 and approximately 35 employees were exposed to developmental training.

WELFARE OF WEAKER SECTIONS

The Company has duly observed the Presidential Directives issued from time to time in regard to reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government.

The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. Provision for adequate representation of SC/ST/OBC members in both Departmental Promotion Committees as well as Selection Committees has been made during the year. Special recruitment drives for SC/ST, OBC & PWD have been undertaken by the Company during the year 2012-13. Out of the fresh recruitments made, 2 persons belong to the minority community. During the year, 11 SC, 1 ST and 6 OBC executive employees of the Company were sponsored for training programmes, both In-House and Institutional training programmes.

In addition, all possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

नारी सशक्तिकरण

वर्ष 2012-13 में नारी सशक्तिकरण एचआर के लिए मुख्य मुद्दों में से एक था। तदनुसार, महिला कर्मचारियों के कार्यस्थल पर महिलाओं यौन प्रताड़ना को रोकने के संवेदीकरण कार्यक्रम में नामित किया गया था। फोरम ऑफ वूमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) का आजीवन नैगमिक सदस्य होने के नाते, एमएसटीसी ने नारी सशक्तिकरण पर डब्ल्यूआईपीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कई महिला कर्मचारियों को नामित किया था। कंपनी की एक कार्यपालक डब्ल्यूआईपीएस के कार्यकारी बॉडी की सदस्या हैं जो कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में महिला कर्मचारियों के विकास में सक्रिय योगदान कर रही हैं एवं सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज की लड़कियों/महिलाओं के उत्थान में भी लगी हैं।

एमएसटीसी के 7 क्षेत्रीय शाखा कार्यालयों में से 2 महिला कार्यपालकों द्वारा मार्गदर्शित है। इसके अतिरिक्त एक महिला कार्यपालक प्रधान कार्यालय के ट्रेडिंग विभाग को भी मार्गदर्शित कर रही हैं।

EMPOWERMENT OF WOMEN

In the year 2012-13, one of the thrust areas for HR was Women Empowerment. Accordingly, a number of women employees were nominated for sensitization programme on prevention of sexual harassment of women at workplace. Being a Corporate Life Member of the Forum of Women in Public Sector (WIPS), MSTC had nominated several women employees to participate in the programmes organized by WIPS on women empowerment. An executive of the Company is a member of the Executive Body of WIPS which actively contributes to the development of women employees in PSUs and also underprivileged girls/women in the society through CSR activities.

Out of the 7 field offices of MSTC, 2 are being headed by women executives; besides this, one lady executive is also heading the Trading Department in the Head office.

निशक्त व्यक्ति अधिनियम, 1995 का कार्यान्वयन

2012-2013 (31.03.2013 की स्थिति के अनुसार) के दौरान निशक्त व्यक्ति अधिनियम 1995 के कार्यान्वयन की स्थिति

IMPLEMENTATION OF THE PERSONS WITH DISABILITIES ACT, 1995

Status of implementation of the Persons with Disabilities Act, 1995 during the year 2012-2013 (As on 31-03-2013)

कर्मचारियों की संख्या Number of Employees		निशक्त व्यक्तियों की संख्या Number of Disabled Persons		कुल बीएल+एचआई+एलडी Total BL+HI+LD	निशक्त व्यक्तियों के % (कॉलम 3 एवं 1) % age of disabled persons (Col. 3 & Col.1)	यदि कॉलम 4 में आंकड़े 3% से कम हों तो कारण बताएं In case figure in Col.4 is less than 3% reasons therefore	कमी को पूरा करने के लिए की गई कार्रवाई Action taken to fill up the short fall
(1)		(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
ग्रुप/Group		एचआई/HI	एलडी/LD				
अ/A	168	1	3	4	2.38		
ब/B	51	1	1	2	3.92	*	
स/C	86	-	3	3	3.48		
द/D	14	-	-	-	शून्य/NIL		
कुल/Total	319	2	7	9	2.82		

*समूह बी में कोई भर्त्ती नहीं की जा रही है।/*No recruitment being done in Group B

परिभाषा: बीएल-अंधपन अथवा कम दृष्टि, एचआई-श्रव्य सहायता, एलडी-चलने फिरने में असमर्थता/Legends: BL-Blindness or low vision HI-Hearing Impairment, LD-Locomotor disorder

31.03.2013 की स्थिति के अनुसार एमएसटीसी की जनशक्ति

MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2013

	एचओ HO	इआरओ ERO	एनआरओ NRO	डब्ल्यूआरओ WRO	एसआरओ SRO	बैंगलोर BLR	वाइजैग VIZ	भोपाल BHPL	बड़ौदा VDORA	हैदराबाद HYD	कुल TOTAL
कार्यपालक/EX	82	10	20	14	11	10	8	1	9	3	168
गैर-कार्यपालक/NEX	60	15	20	15	10	10	11	3	7	0	151

अनुसूचित जाति/अन्य अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग/शारीरिक रूप से विकलागों (31.03.2013 की स्थिति)
SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED (STATUS AS ON 31-03-2013)

ग्रुप GROUP	कुल TOTAL	एससी SC (%)	एसटी ST (%)	ओबीसी (%) OBC (%)	शारीरिक विकलांग PHYSICALLY HANDICAPPED (%)
अ/A	168	25 (14.88)	10 (5.95)	31 (18.45)	4 (2.38)
ब/B	51	10 (19.60)	1 (1.96)	शून्य/NIL	2 (3.92)
स/C	86	22 (25.58)	2 (2.32)	15 (17.44)	3 (3.48)
द/D	14	6 (42.85)	1 (7.14)	1 (7.14)	शून्य/NIL
कुल/TOTAL	319	63 (19.74)	14 (4.38)	47 (14.73)	9 (2.82)

31.03.2013 को पुरुष/महिला की स्थिति/ **MALE/FEMALE AS ON 31-03-2013**

	पुरुष/MALE	महिला/FEMALE	कुल/TOTAL
कार्यपालक/EX	143	25	168
गैर-कार्यपालक/NEX	126	25	151
कुल/TOTAL	269	50	319

लोक शिकायत निवारण तंत्र

एमएसटीसी कारपोरेट पोर्टल www.mstcindia.co.in द्वारा ऑनलाईन लोक शिकायत के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जाती है। इस पोर्टल के अधीन प्रिंसिपल/क्रेता अपनी शिकायत पंजीकृत कर सकते हैं एवं यूनिक सिस्टम जनित कोड की सहायता से शिकायतों की स्थिति से अवगत हो सकते हैं। वे ऑनलाईन पंजीकृत शिकायत की प्रगति को भी देख सकते हैं।

मंत्रालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार एक सीपीजीआरएएमएस (सेंट्रल पब्लिक ग्रिवेंस रिड्रेस एंड मॉनोटरिंग सिस्टम) हमारे नैगमिक वेबसाईट के होम पेज पर प्रदान की गई है, जिसकी देख-रेख नामित अधिकारियों द्वारा की जाती है।

शिकायत सेल की स्थापना हमारे विभिन्न क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में भी की गयी है इसलिए शिकायतों का तत्काल निपटान और मामले को निपटाने के लिए कार्रवाई की जा सकती है।

कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर विभागीय प्रधान तथा क्षेत्रीय/शाखा प्रबंधक द्वारा कार्रवाई भी की जाती है। कुछ शिकायतें डाक द्वारा केंद्रीय शिकायत सेल में भी प्राप्त की गयी। दैनंदिन कार्यालय संचालन में कर्मचारियों द्वारा प्राप्त विभिन्न औपचारिक/गैर औपचारिक शिकायतों पर विभागीय प्रधान, स्टॉफ यूनियन जैसा जहां उचित समझा जाता है, से परामर्श करके मानव संसाधन विभाग निपटाता है।

उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार कार्यस्थल पर महिलाओं की शारीरिक उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कार्रवाई भी की जाती है।

GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

Online registration of Public Grievance has been provided by MSTC's corporate portal www.mstcindia.co.in. Under this portal the Principal/Buyer can register their grievances and view the status with the help of a unique system generated code for the complaints. They can also view the progress of grievance registered online.

As per instruction received from Ministry a link of CPGRAMS (Central Public Grievance Redress & Monitoring System) is also provided in the home page of our corporate website which is monitored by nominated officials.

Grievance cells have also been constituted in different Regional and Branch offices so that grievances can be sorted out immediately and take action to solve the cases.

Grievances from the employees are also taken care by the HOD's and Region/Branch Managers. Some of the grievances are also received at the Central Grievance Cell by post. Moreover the HR Dept. attends to various formal/informal grievances received from employees in day to day running of the office in consultation with the HODs' & Staff Unions, wherever necessary.

As per Supreme Court Order prevention of sexual harassment of women at work is also taken care.

सूचना अधिकार अधिनियम 2005

एमएसटीसी ने एक सीपीआईओ, एक पीआईओ और एक एपीआईओ को प्रधान कार्यालय में नामित किया है। प्रत्येक क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय में भी एक पीआईओ और एक एपीआईओ आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों को प्रभावशाली-प्रकमण के लिए नामित किया गया है। आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त आवेदनों में याचिक सूचनाएं अधिनियम के अनुकूल प्रदान की गई हैं। सभी तिमाही रिपोर्ट को निश्चित समय के भीतर ऑनलाईन प्रस्तुत किया जाता है। 2012-13 के दौरान कुल 55 आवेदनों/अनुरोधों को प्राप्त किया गया है और उनमें से 52 आवेदनों/अनुरोधों का निष्पादन किया गया है और अन्य 02 मामलों को अस्वीकृत किया गया है और शेष 01 प्रक्रियाधीन है।

राजभाषा

एमएसटीसी राजभाषा त्रिमास का उद्घाटन 14 सितम्बर, 2012 को किया गया था। इस अवधि के दौरान हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाओं का आयोजन प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में किया गया। कुल 15 अधिकारीगण/कर्मचारीगण को हिंदी प्रतियोगिताओं एवं हिंदी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कुल 03 अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी परीक्षाओं के लिए नामित किया गया। तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजा गया। राजभाषा अधिनियम के अनुसार प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखा कार्यालयों में निरीक्षण किया गया था। मंत्रालय द्वारा निरीक्षण के समय सभी कागजात उपलब्ध कराए गए। 10 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन प्रदान किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 24.12.2012 को आयोजन किया गया था। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निगरानी किया गया। समय-समय पर राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कार्यान्वयन के लिए परिपत्र जारी किए गए। मंत्रालय की बैठक एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में उपस्थित हुई। राजभाषा विभाग के आईएसओ 9001:2008 प्रमाण-पत्र का नवीकरण किया गया। प्रधान कार्यालय एवं क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के कम्प्यूटरों में यूनिकोड स्थापित किया गया। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन आए कागजातों को हिंदी में अनुवाद किया गया। आवश्यकतानुसार अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध कराया जाता है। वार्षिक प्रतिवेदन का हिंदी संस्करण भी प्रस्तुत किया गया। राजभाषा अधिनियम का अनुपालन किया गया। इस्पात मंत्रालय एवं इसकी हिंदी सलाहकार समिति राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में अपने दिशा-निर्देश हमेशा प्रदान किए।

सतर्कता

संगठन में शुद्धता, अखंडता और कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार पर Zero Tolerance की नीति का एमएसटीसी में निरंतर अनुपालन किया जाता है। सतर्कता विभाग ने भ्रष्टाचार से संघर्ष करने के लिए निरोधक कार्रवाई का प्रावधान है तथा संस्थान के कार्य व्यापार में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व बोध की वृद्धि की है।

RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

MSTC nominated a CPIO, a PIO and an APIO in the Head office. Every region/branch has PIO and an APIO as well for effectively processing the RTI applications received at various locations of the company. Provisions of Right to Information Act 2005 have been duly complied for processing the applications/requests received under RTI Act 2005. All the quarterly reports have been submitted on-line within the specified time. During the year 2012-13, total 55 applications/requests have been received and out of those 52 applications/requests have been disposed and another 2 cases have been rejected and remaining 01 is under process.

OFFICIAL LANGUAGE

Rajbhasha Trimas was inaugurated on 14 September 2012. During this period, Hindi competition and Hindi workshop were organized in Head office and in regional and branch offices. Total 15 officers/employees were awarded prizes for winning in Hindi competitions and for passing Hindi examinations. Total 03 officers/employees were nominated for the Hindi examination conducted by Hindi Teaching Scheme, Official Language Deptt. Govt. of India. Quarterly reports and annual report were sent to the Ministry. As per the Official Language Act, inspection was done in Head office and regional and branch offices. All materials for inspection were made available at the time of inspection done by the Ministry. Incentive was provided to 10 officers and employees. Hindi workshop for senior officers was organized on 24.12.2012. Official Language Implementation meeting was organized. Monitoring for implementation of Official Language was done. Circular for implementation of section 3(3) of Official Language Act 1963 was issued from time to time. Ministry meeting and Town Official Language meeting were attended. ISO 9001:2008 certification of Official Language Department was renewed. Unicode was installed in head office and regional and branch offices.

Documents coming under section 3(3) of Official Language Act were translated to Hindi. Translations from English to Hindi and vice versa have been provided as and when required. Hindi version of Annual report was also submitted. Official Language Act has been complied with. Ministry of Steel and its Hindi Salahkar Samity continuously provided their guidance about implementation of Official Language Act.

VIGILANCE

MSTC have been consistently following the policy of Zero Tolerance on corruption for the maintenance of purity, integrity and efficiency in the organization. The emphasis of Vigilance Department has been to have in place effective preventive measures to fight against corruption and also to increase transparency and accountability in the functioning of the organization.

एमएसटीसी भ्रष्टाचार के सख्त खिलाफ है • MSTC has zero tolerance for corruption

एमएसटीसी द्वारा एक ह्वीसल ब्लोवर योजना तैयार की गयी, जिसका उद्देश्य था कर्मचारियों को अच्छे विश्वास के साथ मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा लेखा परीक्षा समिति तक पहुँचने का अवसर प्रदान करना, अगर वे कंपनी में अनैतिक एवं अनुचित कार्रवाई या किसी भी अन्य गलत व्यवहार का अनुपालन करते हैं एवं उन कर्मचारियों के खिलाफ कोई भी प्रतिकूल कार्मिक कार्रवाई करने से प्रबंधन कार्मिक को रोकना। आंतरिक नियंत्रणों के विकास की सुविधा के लिए संगठन में निगमित धोखाधड़ी नीति भी प्रतिष्ठित की गयी, जिससे धोखाधड़ी को पहचानने एवं उसे रोकने में मदद मिलेगी। एमएसटीसी ने सार्वजनिक ठेकों में भ्रष्टाचार रोकने के लिए वर्ष 2007 के सितम्बर में इंटेग्रिटी पैक्ट को लागू किया तथा ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके पश्चात्, सार्वजनिक सेवा प्रदान प्रणाली को नागरिक-केन्द्रित बनाने के लिए एमएसटीसी की निगमित वेबसाइट पर एक लिंक प्रदान किया गया ताकि सेण्ट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रिवेंस रिड्रेसल एण्ड मॉनीटरिंग सिस्टम (सीपीजीआरएएम) को चालू किया जा सके। फिर, एमएसटीसी सतर्कता विभाग आईएसओ 9001-2008 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का अनुपालन करता है। उपर्युक्त के अलावा, सतर्कता विभाग समय-समय पर विभिन्न स्रोतों से प्राप्त शिकायतों को निपटाता है। यह विभाग सीबीआई से परामर्श करके उन अधिकारियों के नाम का उल्लेख करते हुए, जिनकी ईमानदारी या सत्यनिष्ठा के विरुद्ध शिकायत, संदेह है, संदेहजनक इमान रखने वाले अधिकारियों की तालिका तथा सहमत तालिका भी तैयार करता है। उपर्युक्त के अलावा, सतर्कता विभाग संगठन में चल रही वर्तमान प्रक्रिया एवं अभ्यासों का अध्ययन भी करता है, जिसका उद्देश्य है उन प्रक्रियाओं अथवा अभ्यासों को रूपांतरित करना, जो भ्रष्टाचार का अवसर प्रदान करते हैं।

सुंदरबन क्षेत्र के सुदूर गाँव के वंचित नागरिकों के घर में एमएसटीसी द्वारा सोलर लाइट की स्थापना

Solar light installed by MSTC in houses of under priviledged citizen in remote village in Sundarban area

एमएसटीसी के पास है अपने खुद की ई-कॉमर्स प्रणाली, जिसका नाम है www.mstcecommerce.com। इसका विकास एवं प्रबंधन एमएसटीसी के निजी अनुभव एवं समर्पित इंजीनियरों द्वारा होता है। इसके पास है खुद का सर्वर तथा डेटा सेण्टर। अपने स्क्रैप, व्यवहृत/परित्यक्त संयंत्र एवं मशीनरी, कोयला, आयरन ओर आदि की बिक्री के लिए ज्यादातर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा सरकारी विभागों द्वारा एमएसटीसी की सेवाओं का लाभ उठाया जा रहा है।

A Whistle Blower Scheme has been formulated by MSTC to provide opportunity to employees to access in good faith, to the Chief Vigilance Officer and Audit Committee in case they observe unethical and improper practices or any other wrongful conduct in the Company and to prohibit managerial personnel from taking any adverse personnel action against those employees. The Corporate Fraud Policy has also been established in the organisation to facilitate the development of Internal Controls which will help in detection and prevention of Fraud. MSTC also implemented Integrity Pact and signed MOU with Transparency International India in September 2007 for preventing corruption in public contracting. Further, for making the public service delivery system more citizen-centric, a link has been provided at MSTC's Corporate website to Centralised Public Grievance redressal and Monitoring System (CPGRAM). Again, MSTC Vigilance Department complies with ISO 9001-2008 Quality Management System.

Apart from the above, Vigilance Department handled complaints received from various sources from time to time. It also prepares Agreed List and list of Officers of Doubtful Integrity by including the names of officers against whose honesty or integrity there are complaints, doubts or suspicions, in consultation with the CBI. Apart from the above, Vigilance Department undertakes study of existing procedure and practices prevailing in the organisation with a view to modifying those procedures or practices which provide scope for corruption.

MSTC has its own ecommerce system namely www.mstcecommerce.com developed and managed by its own experienced and dedicated engineers. It has its own server and data centre. MSTC's services are being availed by almost all the PSUs and Government Departments for sale of their scrap, used/condemned plant and machinery, coal, iron ore etc. Its e-procurement services are also being availed by its principals. The

इसकी ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं का लाभ इसके प्रिंसिपलों द्वारा भी उठाया जा रहा है। संगठन में टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल का नतीजा है लगातार ग्राहक सहयोग, जिससे लेन-देन में और पारदर्शिता लाने के अलावा व्यवसाय में सर्वांगीण सुधार संभव होगा। ई-नीलामी और ई-प्रोक्योरमेंट के जरिए प्रमुख क्षेत्रों में आईटी सुविधा प्रदान की गयी थी ताकि सभी स्टेकधारकों को अतिरिक्त लाभ प्रदान के अलावा निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को बढ़ावा मिले। तथापि, समय-समय पर प्रणाली में लगातार सुधार करने की जरूरत होती है ताकि इसे अन्य लोकप्रिय प्रचालन प्रणाली के अनुकूल बनाया जा सके। जनित क्षेत्रों की नियमित आधार पर पहचान करनी होगी ताकि किसी भी स्तर पर ऑफ-लाइन (विषय से हटकर) निर्णय लेने का कोई भी अवसर ना हो। फिर, प्रणाली को और पारदर्शी बनाने के लिए ई-नीलामी तथा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम दोनों के लिए ऑफ-लाइन पूर्व-बोली बयाना राशि भुगतान को हतोत्साहित करने के लिए प्रयास करने की भी जरूरत है।

सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, कर्मचारियों को समय-समय पर बदलते रहने के साथ ही साथ संवेदनशील पदों पर बदलाव को भी सुनिश्चित करना होगा। इसके पश्चात, आम आदमी के साथ लेन-देन में शामिल कार्यों की विभिन्न श्रेणियों तथा आवेदन की प्रक्रिया के लिए निर्धारित समय-सीमा हेतु एक सिटीजेन'स चार्टर भी लेने की आवश्यकता है।

वर्ष के दौरान, सतर्कता विभाग ने 29 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2012 तक ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' का आयोजन किया था। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पालन का विषय था ''ट्रांसपरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट''। इस अवसर पर, दिनांक 3 नवम्बर, 2012 को कोलकाता में संगठन के निगमित कार्यालय में उपर्युक्त विषय पर एक सेमीनार का भी आयोजन किया गया था।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणी

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 619(3)(बी) के अनुरूप कंपनी के वार्षिक लेखा पर सीएजी की टिप्पणी को निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अंश के रूप में माना जाएगा।

निदेशक मंडल का उत्तरदायित्व

कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 217(2एए) के प्रावधानों की अपेक्षानुसार, निदेशक मंडल ने बताया है कि:-

वार्षिक लेखा तैयार करते वक्त प्रयोजनीय लेखा मानकों को पूरी तरह से अनुपालन किया है एवं जहां इन मानकों से हटकर कार्रवाई की गई है, वहां उसके साथ समुचित स्पष्टीकरण दिए गए हैं।

निदेशकों ने इस तरह की लेखा नीतियों को चुना है, उनका बराबर अनुसरण किया है एवं इस तरह के निर्णय लिए हैं, और प्राक्कलन तैयार किए हैं, जो युक्तिपूर्ण हैं और तर्कसंगत हैं एवं जिनसे कंपनी के 31.03.2013 तक के कार्यकलापों की एवं वित्त वर्ष 2012-13 में कंपनी के लाभ की सही और सटीक तस्वीर प्रकट होती है।

निदेशकों ने कंपनी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के वास्ते एवं धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमिताओं के रोकने व पकड़ने हेतु कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अनुरूप उचित लेखा प्रतिवेदन के रखरखाव हेतु उचित एवं पर्याप्त ध्यान रखा है। निदेशकों ने 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षक लेखा एक ऑनगोइंग कनसर्न के आधार पर तैयार किया है। यथाआवश्यक लेखा रिकार्ड के रखरखाव हेतु समुचित और पर्याप्त कदम उठाए हैं।

निदेशकों ने 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तात्कालिक सरोकार के आधार पर तैयार किया है।

increased use of technology in the organization has resulted in continuous customer support resulting in all round improvement in the business besides bringing greater transparency in the transaction. Through e-auction and e-procurement, IT was leveraged in key areas for promoting fairness and transparency and also for deriving advantage to all stakeholders. However, continuous improvement in the system needs to be made from time to time to make it compatible with the other popular operating systems. Prone area also needs to be identified on regular basis so that there is no scope for off-line decision making at any stage. Again, efforts also need to be made to discourage off-line pre-bid EMD payment both for e-auction and e-procurement system to make the system more transparent.

According to CVC guidelines, periodical rotation of employees as well as rotation in sensitive posts requires to be ensured. Further, a Citizen's Charter is also requires to be drawn prescribing time-limits for processing of applications and various categories of work involving public dealing.

During the year, Vigilance department was instrumental in organizing "Vigilance Awareness Week" from 29th October to 3rd November, 2012. The theme of observing Vigilance Awareness Week was TRANSPARENCY IN PUBLIC PROCUREMENT. On this occasion, a Seminar was also organized on the above subject at the Corporate office of the organization at Kolkata on 3rd November, 2012.

COMMENTS BY COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA (CAG)

Comments of CAG on the Annual accounts of company in terms of section 619(3)(b) of the Companies Act, 1956, shall be deemed as part of Directors' Report.

DIRECTORS RESPONSIBILITY STATEMENT

As required under the provisions of Section 217(2AA) of the Companies (Amendment) Act, 2000, Board of Directors state that:

In the preparation of annual accounts the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures;

Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company as at 31.03.2013 and of the profit of the company for the financial year 2012-13.

Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

Directors have prepared the annual accounts for the year ended 31st March, 2013 on a going concern basis.

एमएसटीसी ने बेरोजगार युवकों के लिए स्कील डेवलपमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम का अर्थपोषण किया, तसबीर में एमएसटीसी के अधिकारी के साथ परीक्षाणार्थी हैं

MSTC has sponsored skill development training programmes for unemployed youths under CSR initiative; seen in the picture are learners with MSTC official

सीएसआर के अंतर्गत एमएसटीसी द्वारा उत्तरप्रदेश के सुदूर गाँव में वित्तपोषित एवं स्थापित हैंड पम्प से पानी लेते हुए

A lady using water from one of the hand water pumps installed in remote village of U.P. by sponsored by STC under CSR Scheme

लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अनुसरण में, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने वर्ष 2012-13 के लिए सर्वश्री पी.डी. रूंगटा एण्ड कंपनी, सनदी लेखापाल, सेण्टर प्वाइंट, 21 , हेमन्त बसु सरणी, तीसरी मंजिल, आर. एन. 317, कोलकाता-700 001, पश्चिम बंगाल को कंपनी के संवैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन कंपनी के वार्षिक लेखों के साथ संलग्न कर दिया गया है। लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब (उत्तर) को निदेशकों के प्रतिवेदन के अनुलग्नक III में स्थान दिया गया है।

निदेशकगण

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, जो कि पूर्णकालीन निदेशक हैं। श्री जे पी शुक्ला, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री सूरज भान, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक श्री जी एस चुघ, पूर्व सीएमडी, वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड स्वतंत्र निदेशक 03.08.2012 से सेवा समाप्त, श्री के एल मेहरोत्रा, पूर्व सीएमडी, मॉयल एवं श्री डी पी सिंह, भारतीय प्रशासनिक सेवा (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व सचिव (टैक्सटाइल) बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री एन सी झा, पूर्व सीएमडी, सीआईएल 10 अक्टूबर, 2012 से तृतीय स्वतंत्र निदेशक नियुक्त हैं।

नैगमिक सामाजिक दायित्व

एक कारपोरेट नागरिक के रूप में एमएसटीसी पूरी तरह से निगमित सामाजिक दायित्व के क्षेत्र में प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, एमएसटीसी समाज के विकास में सहायता करने के लिए, कम, मध्यम और उच्च मूल्य की विभिन्न परियोजनाओं का कार्य शुरु किया है। चूंकि एमएसटीसी की कोई भी विनिर्माण इकाई नहीं है और एक ट्रेडिंग कंपनी है, इसलिए एमएसटीसी की सीएसआर गतिविधियां देश के विभिन्न राज्यों में फैली हुई हैं। एमएसटीसी

AUDITORS

Pursuant to Section 619(2) of the Companies Act, 1956, the Comptroller and Auditor General of India, has appointed M/s. P.D. Rungta & Co., Chartered Accountants, Centre Point, 21, Hemanta Basu Sarani, 3rd Floor, R.N. 317, Kolkata-700 001, West Bengal, as Statutory Auditors of the Company for the year 2012-13. The report of Auditor is attached to the annual accounts of the Company. Management replies on the comments/observations of the Auditors are placed at annexure III to Directors Report.

DIRECTORS

Board of Directors of MSTC Ltd. presently constitutes of Shri S.K. Tripathi, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial), who are whole time directors. Shri J.P. Shukla, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India and Shri Suraj Bhan, Economic Adviser, Ministry of Steel are Government nominee directors. Shri G.S. Chugh, ex-CMD, Western Coalfields Ltd. ceased to be an independent director w.e.f. 03.08.2012, Shri K.L. Mehrotra, ex-CMD, MOIL and Shri D.P. Singh, IAS(Retd.) & ex-Secretary(Textiles) are independent directors in the Board. Shri N.C. Jha, ex-CMD, CIL, have been appointed third independent director w.e.f 10th October, 2012.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

As a Corporate citizen, MSTC is fully committed in the area of Corporate Social Responsibility. In the last few years, MSTC has undertaken various projects of low, medium and high value to assist in the developments of the society. Since MSTC does not have any manufacturing unit and is a trading company, the CSR activities of MSTC are spread over in different states of the country. MSTC has taken various initiatives for social infrastructure

ने सामाजिक संरचनाओं के विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएं हाथ में ली हैं। जैसा कि एससी/एसटी/ओबीसी एवं अशक्त बच्चों के लिए विद्यालय भवन का निर्माण/विस्तारीण, शारीरिक/मानसिक प्रतिबंध एवं अशक्त बच्चों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, मानसिक विकारग्रस्त एवं शारीरिक प्रतिबंध बच्चों के लिए गतिविधि कक्ष का निर्माण, सड़क निर्माण, हैंड पंप एवं सौर लाईट परियोजनाओं का संस्थापन है।

एमएसटीसी सतत विकास प्रयत्नों के लिए भी प्रतिबद्ध है। हिंगलगंज ब्लॉक, सुंदरवन क्षेत्र विद्युतविहीन एक बड़ा द्वीप है, जिसमें कई सौर ऊर्जा परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया गया है। वेस्ट बंगाल रिन्यूवेबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (डब्ल्यूबीआरईडीए) पश्चिम बंगाल सरकार की एक संस्था ने परियोजनाओं में सहयोग किया एवं इसका कार्यान्वयन किया है। फोटोवोलटाईक की स्थापना, होम लाईटिंग सिस्टम/पावर पैक, सोलर फोटोवोलटाईक स्ट्रीट लाईटिंग सिस्टम, सोलर फोटोवोलटाईक पावर प्लांट, सौर पानी गरम पद्धति एवं सौर कुकर, सौर फोटोवोलटाईक लैनटर्न आदि परियोजना हैं। इन परियोजनाओं के लिए बृहत जनसंख्या जो गरीब लोग कृषि एवं मछली पकड़ने का काम करता है, उनको फायदा हुआ है। वर्ष 2012-13 में, कंपनी ने रु.128.28 लाख नैगमिक सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास परियोजना पर रु.65 लाख खर्च किए हैं।

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन एवं प्रबंधन के विचार-विमर्श का ब्यौरा और व्याख्या अनुलग्नक 2 में प्रस्तुत किया गया है और वह इस वार्षिक प्रतिवेदन का हिस्सा है।

सहायक कंपनी-फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

दो वर्षों का परिचालन परिणाम नीचे दिया जा रहा है:-

(रु. करोड़ में)

	2012-13	2011-12
i. विविध प्राप्ति सहित सेवा शुल्क एवं अन्य आय (रु. करोड़ में)	197.81	174.49
ii. करोपरांत लाभ (रु. करोड़ में)	1.96	1.38

आभार ज्ञापन

निदेशक मंडल, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए उनके मूल्यवान सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए माननीय इस्पात मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारियों, रक्षा मंत्रालय का अन्य विभिन्न केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों, राज्य सरकार, विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकरों एवं अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। निदेशकगण अपने ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा साल-दर-साल कंपनी के प्रति दिखाए गए भरोसे एवं विश्वास के लिए उनका आभारी है।

आपके निदेशकगण कर्मचारियों की लगनशीलता और परिश्रम की भी हार्दिक सराहना करते हैं, जिसकी बदौलत पिछले कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए और आगे बढ़ना संभव हुआ है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

(एस के त्रिपाठी)

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

development like construction / extension of school building for SC/ST/OBC and disabled students, vocational training for mentally, physically challenged and disabled children, construction of activity room for mentally retarded and physically handicapped children, construction of road, installation of hand pumps, and installation of solar lights projects.

MSTC is also committed to Sustainable Development Initiatives. A few solar energy projects have been implemented in Hingalganj Block, Sundarban area which is a big island without electricity. West Bengal Renewable Energy Development Agency (WBREDA), a Govt. of West Bengal Organisation, have implemented and collaborated with the projects. The projects are installation of photovoltaic, home lighting system / power pack, solar Photovoltaic Street lighting system, solar photovoltaic power plant, solar water heating system and distribution of solar cooker, solar photovoltaic lantern etc. The projects have benefited huge population of the area where poor people are engaged in cultivation and fishing. In the year 2012-13, Company has spent Rs.128.28 Lakh on Corporate Social Responsibility and Rs. 65 lakhs on Sustainable Development Project.

CORPORATE GOVERNANCE

Separate details on Corporate Governance and Management Discussion and Analysis are attached herewith as Annexure-II and forms part of this Annual Report.

SUBSIDIARY COMPANY – FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

The operational results of the two years are given below: -

(Rs. in Crore)

	2012 – 13	2011 – 12
i) Service Charge including misc. receipts and other income (Rs. in Cr.)	197.81	174.49
ii) Profit after Tax (Rs. in Cr.)	1.96	1.38

ACKNOWLEDGEMENT

The Board of Directors wish to place on record their gratitude to the Hon'ble Union Minister for Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry and various other Central Government Ministries, the State Governments, various public sector undertakings, private companies, the bankers and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. The Directors express their gratitude to customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your company year after year.

Your Directors also place on record the appreciation of the sincere efforts made by employees which has resulted in excellent performance of the Company.

For & on behalf of Board of Directors

(S. K. Tripathi)

Chairman & Managing Director

अनुलग्नक : I

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2ए) के अनुसार कर्मचारियों का विवरण

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 (2ए) के साथ पठित कंपनी (कर्मचारियों का विवरण) नियम, 1975 के प्रावधानों के तहत अपेक्षित कर्मचारियों की संख्या, जिनका मासिक पारिश्रमिक रुपए 5.00 लाख से कम नहीं है, **शून्य** है।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1)(ई) के साथ पठित कंपनी (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में विवरण का प्रकटीकरण) नियम, 1988 के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समाविष्ट, विदेशी विनिमय आय एवं खर्चों का विवरण।

चूंकि कंपनी एक ट्रेडिंग प्रतिष्ठान है, इसलिए क्रियाकलाप की प्रकृति को देखते हुए तकनीकी समाविष्ट एवं ऊर्जा संरक्षण नहीं है।

विदेशी मुद्रा आय एवं खर्चे

माल आयात व अन्य मद में कुल विदेशी मुद्रा खर्च वर्ष 2011-12 में **रुपए 142748 लाख** की तुलना में वर्ष 2012-13 में **रुपए 661291.00 लाख** हुआ। वर्ष 2012-13 के दौरान कंपनी ने विदेशी मुद्रा में रुपए शून्य अर्जित की। विगत वर्ष यानी 2011-12 में विदेशी मुद्रा की आय शून्य थी।

Annexure: I

Annexure to Directors Report

Particulars of Employees in terms of Sec.217 (2A) of the Companies Act. 1956

As required under the provisions of Section 217(2A) of the Companies Act, 1956 read with the Companies (Particulars of Employees) Rules, 1975, number of employees whose remuneration is not less than `5 Lakh per month is nil.

Particulars of conservation of energy, technology absorption, foreign exchange earnings and outgo as per section 217(1) (e) of the Companies Act, 1956, as read with the Companies (Disclosures of particulars in the report of Board of Directors) Rules, 1988.

Since the Company is a trading concern, considering the nature of activities there is no technology absorption and conservation of energy.

Foreign Exchange Earnings & Outgo

The total foreign exchange outgo during the year 2012-13 for import of goods and others was **Rs.661291 Lakh** as against Rs.142748 Lakh in the year 2011-12. The company has earned Rs. NIL Lakh in foreign exchange during the year 2012-13. In the previous year i.e. 2011-12, the foreign exchange earning was Rs.NIL Lakh.

अनुलग्नक : II

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन पर एमएसटीसी की नीति

एमएसटीसी की यह मान्यता है कि निगमित अभिशासन को प्रधान प्रक्रिया और संरचना बताना चाहिए, जिसके माध्यम से कंपनी अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके।

एमएसटीसी अपने प्रबंधन के हर स्तर पर पारदर्शिता और अखंडता के लिए प्रयत्नशील रहता है। एमएसटीसी के स्टैकहोल्डर एवं ऐसे व्यक्ति जो किसी भी रूप में एमएसटीसी से संबद्ध हैं, के द्वारा प्रदर्शित निरंतर आस्था को समय पर घोषित करने में भरोसा रखता है।

निगमित अभिशासन के अनिवार्य दिशा-निर्देशों के अनुपालन के अलावा एमएसटीसी व्यवसाय के दौरान उच्च मूल्य मानदंड, मूल्य प्रतिबद्धता, पारदर्शिता तथा सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के अनुसरण की अभिलाषा रखता है, जिससे निगमित अभिशासन प्रणाली को सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जा सके। निगमित अभिशासन के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम के लिए कारपोरेट अभिशासन की ओर से मई, 2010 में जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अनुपालन 2012-13 में किया गया है तथा भविष्य में भी किया जाएगा। तिमाही रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत किया गया है एवं स्वमूल्यांकन के अनुसार डीपीई के निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2012-13 के लिए एमएसटीसी उत्कृष्ट श्रेणी में है।

Annexure: II

CORPORATE GOVERNANCE

MSTC's POLICY ON CORPORATE GOVERNANCE

Effective corporate governance practices to provide for an enabling environment for achievements of the objectives of the company, have been the basic management philosophy of the company.

MSTC makes all out efforts for transparency and integrity at all levels of management for continuance of the confidence reposed in its management by the stakeholders and persons connected with it in any other capacity.

Apart from compliance of mandatory guidelines on Corporate Governance MSTC aspires to follow high ethical standards, commitment to values while doing business, maintain transparency and best governing practices. The guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises as issued on May 2010, have been complied with in the year 2012-13 and shall be complied with in future also. The quarterly reports have been submitted on time and as per self evaluation format, MSTC is in "excellent" category in compliance of Corporate Governance guidelines of DPE, for the year 2012-13.

निदेशक मंडल

गठन

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, जो कि पूर्णकालीन निदेशक हैं। श्री जे पी शुक्ला, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री सूरज भान, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय, सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री सूरज भान को श्री डी बी सिंह की जगह निदेशक नियुक्त किया गया। श्री एन सी झा, पूर्व निदेशक एवं अध्यक्ष (कार्यकारी), कोल इंडिया लिमिटेड, श्री के एल मेहरोत्रा, पूर्व सीएमडी, मॉयल एवं श्री डी पी सिंह, भारतीय प्रशासनिक सेवा (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व सचिव (टैक्सटाइल) बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री जी एस चुघ, पूर्व सीएमडी, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड 03.08.2012 तक अन्य स्वतंत्र निदेशक थे। श्री एन सी झा, पूर्व निदेशक, 10 अक्टूबर, 2012 को श्री जी एस चुघ की जगह निदेशक नियुक्त किए गए।

नव नियुक्त निदेशकों का संक्षिप्त परिचय

श्री एन सी झा

श्री एन सी झा, जिन्हें वर्ष के दौरान श्री जी एस चुघ की जगह स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया था, पूर्व सीएमडी, कोल इंडिया लिमिटेड हैं।

निदेशकों को पारिश्रमिक

स्वतंत्र निदेशक किसी पारिश्रमिक के अधिकारी नहीं हैं। वे केवल बैठक के लिए प्राप्य शुल्क के अधिकारी हैं। बैठक शुल्क सरकारी निदेशक को नहीं दिया जाता है। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं दो अन्य कार्यकारी निदेशक पूर्णकालिक कर्मचारी सेवा शर्तों के अनुरूप पारिश्रमिक पाने के अधिकारी हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान सीएमडी एवं दो कार्यकारी निदेशक ने वेतन और भत्ता के रूप में रु.68.00 लाख का पारिश्रमिक प्राप्त किया है। कंपनी ने भविष्य निधि में रु.5.00 लाख का योगदान किया है तथा रु.1.00 लाख के चिकित्सा खर्च भी प्रतिपूर्ति की है। कंपनी की ओर से सीएमडी एवं निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) को कार भी दिए गए हैं। वे डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परफॉरमेंस रिलेटेड पे (पीआरपी) के भी अधिकारी हैं।

निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड

वित्तीय वर्ष 2012-13 में हुई एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का रिकार्ड नीचे दर्शाया गया है। वर्ष के दौरान हुई बोर्ड की सभी बैठकों में सीएमडी उपस्थित थे।

BOARD OF DIRECTORS:

COMPOSITION

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri S.K. Tripathi, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial), who are whole time Directors. Shri J.P. Shukla, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India, and Shri Suraj Bhan, Economic Advisor, Ministry of Steel, are Government nominee directors. Shri Suraj Bhan has been appointed director in place of Shri D.B. Singh,. Shri N.C. Jha ex-director & Chairman (Acting), Coal India Ltd., Shri K.L. Mehrotra, ex-CMD, MOIL and Shri D.P. Singh, IAS (Retd.) & ex-Secretary (Textiles) are independent directors in the Board. Shri G.S. Chugh, ex-CMD, Western Coalfields Ltd., was the other independent director upto 03.08.2012. Shri N.C. Jha ex-director appointed director on 10th October, 2012 in place of G.S. Chugh.

BRIEF INFORMATION OF THE NEWLY APPOINTED DIRECTORS

Shri N.C. Jha

Shri N.C. Jha who was appointed director during the year in place of Shri G.S. Chugh as independent director is ex-CMD, Coal India Ltd.

REMUNERATION TO THE DIRECTORS

Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees for attending Board and Board Committee Meeting. Sitting fees are not given to Government Directors. CMD, and other two functional directors, being in whole time employment, are entitled to remuneration as per terms of employment.

Remuneration received by CMD and two functional directors as salary and allowances is Rs.68.00 lakh, company's contribution to PF is Rs.5.00 lakh and reimbursement of medical expenses is Rs.1.00 lakh for the year 2012-13. CMD, D(F) and D(C) are also provided car by the company. They are also entitled to Performance Related Pay (PRP) as per DPE Guidelines.

DIRECTORS' ATTENDANCE RECORD

Record of Attendance of the Directors during the Board Meetings of MSTC Ltd held in the F.Y. 2012-13 is placed below. CMD was present in all the Board Meetings during the year.

बोर्ड बैठक की संख्या Board Meeting No.	बोर्ड बैठक की तारीख Board Meeting Date.	श्री डी पी सिंह Shri D. P. Singh	श्री जे पी शुक्ला Shri J. P. Shukla	श्री एन सी झा Shri N. C. Jha	श्री जी एस चुघ Shri. G. S. Chugh
248	26.06.2012	✓	✓	–	✓
249	16.07.2012	✓	✓	–	✓
250	08.11.2012	✓	✓	✓	–
251	06.12.2012	✓	✓	✓	–
252	04.01.2013	✓	✓	✓	–
253	02.03.2013	✓	✓	✓	–

बोर्ड बैठक की संख्या Board Meeting No.	बोर्ड बैठक की तारीख Board Meeting Date.	श्री ए के बसु Shri A. K. Basu	श्री बी बी सिंह Shri B. B. Singh	श्री के एल मेहरोत्रा Shri K. L. Mehrotra	श्री सूरज भान Shri Suraj Bhan
248	26.06.2012	✓	✓	✓	✓
249	16.07.2012	✓	✓	✗	✓
250	08.11.2012	✓	✓	✓	✓
251	06.12.2012	✓	✓	✓	✓
252	04.01.2013	✓	✓	✓	✗
253	02.03.2013	✓	✓	✓	✓

05 सितंबर 2012 को हुई वार्षिक साधारण सभा की बैठक में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) उपस्थित थे।
CMD, Director (Finance) and Director (Commercial) attended the last AGM held on 5th September 2012.

हमारे निदेशक अन्य कंपनियों में निदेशक के पद पर

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, एमएसटीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी, के भी अध्यक्ष हैं। श्री बी बी सिंह, निदेशक, वाणिज्यिक, एमएसटीसी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, एमएसटीसी की सहायक कंपनी, में एमएसटीसी के नामित निदेशक हैं। श्री जी एस चुघ, एमएसटीसी के स्वतंत्र निदेशक, 03.08.2012 तक फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, एमएसटीसी की सहायक कंपनी, के निदेशक थे। श्री के एल मेहरोत्रा एमएसटीसी के स्वतंत्र निदेशक, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, एनबीसीसी लिमिटेड एव फेकर एलॉस लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री जे पी शुक्ला एवं श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक, एमएसटीसी, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त), एमएसटीसी तथा श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक, एमएसटीसी अन्य किसी भी कंपनी में निदेशक पद पर नहीं हैं।

निदेशक मंडल की समितियां

एमएसटीसी ने निदेशक मंडल की चार समितियां बनायी हैं। 1. लेखा परीक्षण समिति 2. पारिश्रमिक समिति 3. शेयर अंतरण समिति 4. सतत विकास समिति

(i) लेखा परीक्षण समिति

श्री एन सी झा, स्वतंत्र निदेशक, लेखा परीक्षण समिति के अध्यक्ष हैं। श्री के एल मेहरोत्रा, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक इस समिति के सदस्य हैं। श्री जी एस चुघ, स्वतंत्र निदेशक 03.08.2012 तक लेखा परीक्षण समिति के अध्यक्ष थे। लेखा परीक्षण समिति डीपीई द्वारा जारी निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करती है।

वित्तीय वर्ष 2012-13 में आयोजित एमएसटीसी लिमिटेड की लेखा परीक्षण समिति की बैठक में निदेशकों की उपस्थिति

बैठक संख्या Meeting No.	बैठक की तारीख Meeting Date.	श्री के एल मेहरोत्रा Shri K. L. Mehrotra	श्री सूरज भान Shri Suraj Bhan	श्री जी एस चुघ Shri G. S. Chugh	श्री एन सी झा Shri N. C. Jha
25	21.04.2012	✗	–	✓	–
26	25.06.2012	✓	–	✓	–
27	27.11.2012	✓	✓	–	✓
28	01.03.2013	✓	✓	–	✓

DIRECTORSHIP HELD BY THE DIRECTORS

Shri S.K. Tripathi, CMD, MSTC is also Chairman of Ferro Scrap Nigam Ltd., subsidiary of MSTC. Shri B.B. Singh, Director (Commercial), MSTC, is also MSTC nominee director in Ferro Scrap Nigam Ltd. Shri G.S. Chugh, Independent Director of MSTC, was a director of Ferro Scrap Nigam Ltd., subsidiary of MSTC till 03.08.2012. Shri K. L. Mehrotra, Independent Director of MSTC, is an independent director in Bharat Dynamics Ltd, NBCC Ltd and Facor Alloys Ltd. Shri J. P. Shukla and Shri Suraj Bhan, Government Nominee Director, MSTC, Shri A. K. Basu, Director(Finance), MSTC and Shri D. P. Singh, Independent Director of MSTC are not holding directorship in any other company.

COMMITTEES OF THE BOARD

MSTC has constituted four committees of the Board viz. Audit Committee, Remuneration Committee, Share Transfer Committee and Sustainable Development Committee.

(i) Audit Committee

Audit Committee comprises of Shri N.C. Jha, independent director, as chairman with Shri K. L. Mehrotra, independent director and Shri Suraj Bhan, Government nominee director as members. Till 03.08.2012 Shri G.S. Chugh, independent director was Chairman of the Audit Committee. The Audit Committee complies with the guidelines issued by DPE on Corporate Governance.

ATTENDANCE OF THE DIRECTORS IN THE AUDIT COMMITTEE MEETINGS OF MSTC LTD HELD IN THE F.Y. 2012-13

(ii) पारिश्रमिक समिति

श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक इस समिति के अध्यक्ष हैं। श्री एन सी झा, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान सरकार द्वारा नामित निदेशक इसके सदस्य हैं।

(iii) शेयर हस्तांतरण समिति

शैयरधारकों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने हेतु मंडल ने एक शेयर हस्तांतरण समिति गठित की है। इसमें श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) और श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) हैं। यह समिति डूपलिकेट एवं विभाजन शेयर प्रमाण पत्र जारी करो का निर्णय भी लेते हैं।

(iv) सतत विकास समिति

डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार एक सतत विकास समिति का गठन निदेशक मंडल के स्तर पर किया गया है। श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक इस समिति के अध्यक्ष हैं तथा श्री ए के बसु, निदेशक, वित्त एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक, वाणिज्यिक इस समिति के सदस्य हैं। डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार निदेशक मंडल स्तर पर नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास समिति गठित होने को है। निदेशक मंडल ने अब एक सीएसआर एवं एसडी समिति का गठन किया है। श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक, इन समितियों के अध्यक्ष और श्री एक के बसु, निदेशक (वित्त), एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) सदस्य हैं। यह समिति कंपनी के सीएसआर एवं एसडी की गतिविधियों पर डीपीई के दिशा-निर्देशों एवं कंपनी की नीति के अनुसार नजर रखेगी।

आचार संहिता

डीपीई द्वारा निगमित अभिशासन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुकूल एमएसटीसी ने निदेशक मंडल एवं एमएसटीसी के नामित वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता बनायी है। यह आचार संहिता कंपनी के वेबसाईट www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। सभी निदेशक मंडल और नामित वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों ने इस आचार संहिता के अनुपालन की सहमति दी है। इससे संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।

बोर्ड को दी गई सूचना

- वार्षिक प्रचालन योजना तथा बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- पूंजीगत बजट और कोई अद्यतन सूचना
- कंपनी तथा इसके प्रचालन प्रभागों अथवा कारोबार सेगमेन्टों का वित्तीय परिणाम
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति तथा अन्य समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त।
- मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा कंपनी सचिव की नियुक्ति अथवा हटाने सहित बोर्ड स्तर से एक श्रेणी नीचे के स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती और पारिश्रमिक से संबंधित जानकारी।
- कारण बताओ, डिमांड प्रासिक्यूशन नोटिस तथा पेनल्टि नोटिस जो कि विषय की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।
- घातक अथवा गंभीर दुर्घटनाएं, खतरनाक घटनाएं, कोई भौतिक बहिस्राव अथवा प्रदूषण समस्या।
- कंपनी के लिए अथवा कंपनी द्वारा वित्तीय बाध्यताओं में कोई महत्वपूर्ण चूक अथवा कंपनी द्वारा बेचे गए सामान के लिए काफी मात्रा में भुगतान प्राप्त नहीं होना।

(ii) Remuneration Committee

The committee has been constituted with Shri D.P. Singh, independent director as chairman, Shri N.C. Jha, independent director, as member and Shri Suraj Bhan, Government nominee director, as member.

(iii) Share Transfer Committee

In order to render better services to the shareholders Board has constituted a share transfer committee comprising of Shri A.K. Basu Director (Finance) and Shri B.B. Singh Director (Commercial). This committee also decides on issue of duplicate and split share certificates.

(iv) Sustainable Development Committee

As per DPE guidelines, a board level committee on Sustainable Development was constituted with Shri D.P. Singh, independent director as chairman and Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial) as members. As per present guideline by DPE, a Board level Corporate Social Responsibility and Sustainable Development Committee has to be constituted. Board has now constituted a CSR and SD Committee with Shri D.P. Singh, independent director, as Chairman and Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial) as members. This committee will oversee the CSR and SD activities of the company in terms of the DPE guidelines and policy of the company.

CODE OF CONDUCT

A Code of Conduct for all Board members and designated senior Management of MSTC Ltd. has been laid down in accordance with the Guidelines on Corporate Governance by DPE. The Code of Conduct is available on the website of the company www.mstcindia.co.in All Board members and designated senior Management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct. A declaration signed by the Chief Executive Officer (CEO) to this effect is enclosed at the end of this report.

INFORMATION PLACED BEFORE THE BOARD OF DIRECTORS

- Annual operating plans and budgets and any updates.
- Capital budgets and any updates.
- Financial results for the company and its operating divisions or business segments.
- Minutes of meetings of audit committee and other committees of the board.
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary.
- Show cause; demand prosecution notices and penalty notices which are materially important.
- Fatal or serious accidents, dangerous occurrences, any material effluent or pollution problems.
- Any material default in financial obligations to and by the company, or substantial non-payment for goods sold by the company.

वर्ष 2013 में उत्कृष्ट वित्तीय निष्पादन के लिए बीटी पुरस्कार

B T Award for excellent financial performance in 2013

- किसी निर्णय अथवा आदेश जो कंपनी के आचरण के संबंध में निंदा प्रस्ताव पारित कर सकता है अथवा दूसरे उपक्रम के बारे में प्रतिकूल विचार ले सकता है जिसका कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है सहित संभावित जो अथवा काफी संख्या में उत्पाद देयता दावों से संबंधित कोई मुद्रा।
- किसी संयुक्त उद्यम अथवा सहयोग करार का ब्यौरा।
- ऐसे लेन-देन जिनमें सदभाव, ब्राण्ड साम्या, अथवा बौद्धिक सम्पत्ति के लिए काफी भुगतान किया जाना हो।
- महत्वपूर्ण श्रम समस्याएं और उसका प्रस्तावित समाधान। वेतन समझौता हस्ताक्षरित करने, स्वैच्छिक सेवा निवृत्त योजना का कार्यान्वयन आदि जैसे मानव संसाधन/औद्योगिक संबंधों में कोई महत्वपूर्ण विकास।
- निवेश, सहायक कंपनियों, परिसम्पत्तियों जो कारोबार के समान्य रूप में नहीं है, के भौतिक स्वरूप की बिक्री।
- विदेशी मुद्रा एक्सपोजर का तिमाही ब्यौरा और विदेशी मुद्रा दर के प्रतिकूल उतार चढ़ाव, यदि भौतिक हो, के जोखिम को सीमित करने के लिए प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम।

किसी विनियामक, सांविधिक और शेयरधारक सेवा जैसे लाभांश का भुगतान प्राप्त नहीं होना, शेयर हस्तांतरण में विलम्ब आदि का अनुपालन नहीं करना।

- Any issue, which involves possible public or product liability claims of substantial nature, including any judgment or order which, may have passed strictures on the conduct of the company or taken an adverse view regarding other enterprises that can have negative implications on the company.
- Details of any joint venture or collaboration agreement.
- Transactions that involve substantial payment towards goodwill, brand equity, or intellectual property.
- Significant labour problems and their proposed solutions. Any significant development in Human Resources/Industrial Relations Front like signing of wage agreement, implementation of Voluntary Retirement Scheme etc.
- Sale of material nature, of investments, subsidiaries, assets, which is not in normal course of business.
- Quarterly details of foreign exchange exposures and the steps taken by management to limit the risks of adverse exchange rate movement, if material.
- Non-compliance of any regulatory, statutory requirements and shareholders service such as non-payment of dividend, delay in share transfer etc.

सामान्य सभा की बैठक / GENERAL BODY MEETINGS

i. विगत तीन वर्षों की वार्षिक साधारण सभा की तिथि, समय एवं स्थान / (i) Date, Time and Venue of the last three Annual General Meetings

	दिनांक/Date	समय/Time	स्थान/Venue
1.	5 सितम्बर, 2012 (बुधवार) 5 September, 2012 (Wednesday)	11.00 बजे 11.00 A.M.	कंपनी का पंजीकृत कार्यालय / Registered Office of the Company पता-/ Address- एमएसटीसी लिमिटेड/ MSTC LIMITED 225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड, कोलकाता-700 020 225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata-700 020
2.	20 सितम्बर, 2012 (मंगलवार) 20 September, 2012 (Tuesday)	11.00 बजे 11.00 A.M.	-तदैव- - do -
3.	20 सितम्बर, 2011 (सोमवार) 20 September, 2011 (Monday)	11.00 बजे 11.00 A.M.	-तदैव- - do -

ii. विगत तीन वार्षिक साधारण सभा में पारित विशेष प्रस्ताव

बैठक संख्या	पारित विशेष प्रस्ताव
47वीं	एक
46वीं	कुछ नहीं
45वीं	कुछ नहीं

(ii) Special resolutions passed in the previous three Annual General Meetings

Meeting No.	Special resolutions passed
47 th	One
46 th	NIL
45 th	NIL

iii. वर्तमान वर्ष की वार्षिक साधारण सभा की तिथि, समय एवं स्थान

वर्तमान वर्ष की वार्षिक साधारण सभा अगस्त 2013 महीने में कभी होगी।

iii. AGM of the current year: Date, Time and venue

Current year's AGM will be held sometime in the month of August 2013.

प्रबंधन विमर्श एवं विश्लेषण

1. कंपनी का व्यवसाय

एमएसटीसी लि. के दो प्रमुख व्यवसाय क्षेत्र हैं-पहला ई-कॉमर्स और दूसरा ट्रेडिंग। ई-कॉमर्स जिसके दो हिस्से हैं फॉरवर्ड ई-ऑक्शन और ई-प्रोक्योरमेंट। इसमें ई-टेंडर एवं ई-रीवर्स ऑक्शन शामिल हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान व्यवसाय की कुल मात्रा का तकरीवन 61% ई-कॉमर्स से है और इस क्षेत्र में व्यापार की असीम संभावनाएं हैं।

2012-13 के दौरान व्यवसाय की कुल मात्रा का 39% ट्रेडिंग व्यवसाय का है। एमएसटीसी फेसिलिटेटर का काम करता है और मुख्य रूप से क्रेता की ओर से सेकेंडरी इस्पात उत्पादक एवं पेट्रोकैमिकल उद्योग के लिए कच्चे माल की प्राप्ति का वित्त पोषण करता है। इस कार्य के लिए एमएसटीसी प्रतिशत के आधार पर सेवा प्रभार प्राप्त करता है।

2. ई-कॉमर्स व्यवसाय

इस पोर्टफोलिओ में एमएसटीसी सेवा प्रदाता के रुप में सेलिंग एजेंसी व्यवसाय, ई-सेल्स एवं ई-प्रोक्योरमेंट के लिए काम करता है।

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय

इस संभाग में एमएसटीसी केंद्रीय सरकार के कार्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी कंपनियों की ओर से ई-निलामी के जरिए उनके लिए सेलिंग एजेंट के रूप में स्क्रैप, अधिशेष स्टोर, अप्रचलित निराकृत सामग्री, ई-वेस्ट, यंत्र एवं संयंत्र, भू एवं भवन आदि के निपटान के लिए सेवा प्रदाता का कार्य करता है। एमएसटीसी रक्षा विभाग, राज्य विद्युत कंपनियों, सड़क परिवहन निगमों, सीपीडब्ल्यूडी आदि के स्क्रैप की बिक्री करती रही है। अभी-अभी शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने अपने निराकृत जहाज की निलामी के ऑक्शन का कार्य एमएसटीसी को सौंपा है।

ई-सेल्स

ई-सेल्स में प्रमुख उत्पाद जैसे- कोयला, लिगनाइट, आयरन ओर, क्रोम ओर, मैंगनीज ओर, एग्री प्रोडक्ट मसलन-चाय, दाल, शहद तथा मानव केश की भी बिक्री ई-ऑक्शन के माध्यम से विभिन्न प्रिंसिपलों की ओर से की जाती है।

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1. Company's Business

MSTC Ltd. has two major business verticals namely e-Commerce and trading. e-Commerce comprises of forward e-Auction and e-Procurement comprising of e-tender & e-reverse auction. E-Commerce constituted about 61% of total volume of business during 2012-13 and has potential to grow exponentially.

In trading business which constitute about 39% of total volume of business during 2012-13. MSTC acts as a facilitator and provides finance for the procurement of raw materials primarily for secondary steel producers and petrochemical industries on behalf of the buyers against consideration of service charge on percentage basis.

2. E-Commerce Business

In this port folio MSTC acts as a service provider for Selling Agency Business, e-Sales and e-Procurement.

Selling Agency Business

In this portfolio, MSTC acts as a service provider for disposal of scrap, surplus store, obsolete & condemned items, e-waste, plant & machinery, land & buildings etc. by way of e-auction on behalf of majority of Central Govt., PSUs, State PSUs and private companies by acting as selling agent. MSTC has been selling scrap of Defence, State power houses, Road Transport Corporations, CPWD etc. Shipping Corporation of India has entrusted the work of auction of condemned ships to MSTC recently.

E-Sales

It also covers sales of prime products such as coal, lignite, iron ore, chrome ore, manganese ore, agri-products like tea, pulses, honey and also human hair on behalf of the various principals by way of e-auction.

(रु करोड़ में)
(Rs. in Crores)

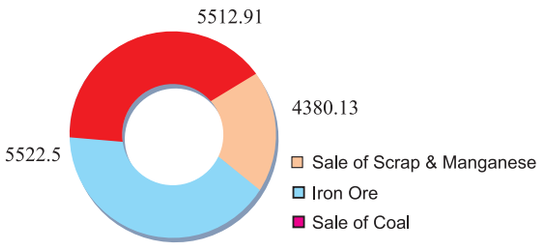

2012-13 में एजेंसी व्यवसाय का निष्पादन
The performance of Agency Business for the year 2012-13

(रु करोड़ में)
(Rs. in Crores)

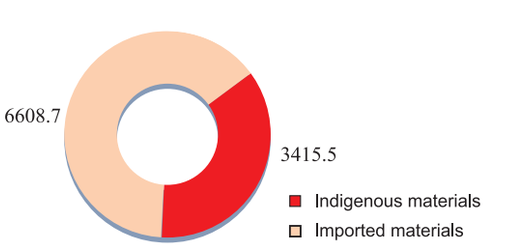

2012-13 में व्यापार प्रभाग के व्यवसाय का निष्पादन
The performance of Trading Division for the year 2012-13

वर्ष 2012-13 के दौरान हमारे व्यवसाय क्षेत्र में दो नए संभावी व्यवसाय जूड़ गए। एमएसटीसी के पोर्टल के जरिए ऑयल रिफाईनरीज के उप उत्पाद रॉपेट कोक को वृहत मात्रा में विक्रय किया जा रहा है। अन्ध्रप्रदेश में उत्पादित दूसरा खनिज बाराईटस् एमएसटीसी लि. के पोर्टल द्वारा नियमित रूप से विक्रय किया जा रहा है।

ई-प्रोक्योरमेंट

इस संभाग में दो प्रभाग हैं-पहला ई-टेंडर और दूसरा ई-रीवर्स ऑक्शन। एमएसटीसी अपने ग्राहकों मुख्यत: केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उपक्रमों, राज्य सरकार के उपक्रमों- की खरीदारी के लिए ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्रदान करता है।

एमएसटीसी ने ई-प्रोक्योरमेंट से संबंधित सभी गतिविधियों को शामिल करते हुए एक आद्योपांत पैकेज तैयार किया है। इसमें मांग पत्र तैयार करने से लेकर क्रय आदेश जारी करना तक शामिल है। इस पैकेज में ई-टेंडर और ई-रीवर्स ऑक्शन दोनों की सुविधा उपलब्ध है। इस पैकेज में क्रेता संगठन के लिए मांग पत्र को सुनियोजित करना, एनआईटी तथा संशोधन जारी करना, ऑन-लाइन बोली प्राप्त करना तथा संभावित क्रेताओं के साथ पूर्व-बोली निश्चित करना, ई-टेंडर खोलना, बोलियों का ऑन-लाइन मूल्यांकन करना और कीमतों की तुलनात्मक विवरण तैयार करना शामिल है। इसी तरह कोई विक्रेता अपने को किसी खरीदार कंपनियों के लिए रजिस्टर कर सकता है, टेंडर में भागीदारी के लिए टेंडर चुन सकता है, और संपूर्णत: सुरक्षित वातावरण में अपनी बोली प्रस्तुत करता है और इलेक्ट्रिानिक टेंडर में उपस्थित रह सकता है। यह ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम क्रेता और विक्रेता दोनों के खर्च में बचत करने में सहायक है, समय कम करता है, और संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और त्रुटिरहित बनाता है। यह पैकेज एमएसटीसी के आंतरिक विभाग में तैयार किया है और इसे सफलतापूर्वक काम में लाया जा सकता है। साथ-ही-साथ अपने ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जा सकता है। इस पैकेज को बनाते हुए सीवीसी द्वारा जारी नवीनतम के दिशा-निर्देशों तथा आईटी धारा 2000 एवं 2008 के संशोधनों का पालन किया गया है। ये सभी दिशा निर्देश ज्यादातर सुरक्षा और जीएफआर से संबंधित हैं। एसटीक्यूसी, जो कि भारत सरकार के आईटी अधिनियम विभाग संबद्ध कार्यालय एक है, ने सुरक्षा, सीवीसी दिशा-निर्देशों, आईटी एक्ट के प्रावधानों तथा जीएफआर के नियमों को शामिल करते हुए एक समेकित दिशा-निर्देश तैयार किया है एवं सीवीसी के 12.01.2012 के दिशा-निर्देशों के अनुसार यह अनिवार्य है कि ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली एसटीक्यूसी के दिशा-निर्देशों का पालन करे।

During the year 2012-13, two new potential businesses have come to our fold. Raw pet coke which is a by product of oil refineries is being sold in large volume through MSTC's portal. Barytes is another mineral produced in Andhra Pradesh which is being regularly sold through MSTC's portal.

E-Procurement

It consists of two modes i.e. e-tender and e-reverse auction. MSTC provides for e-procurement portals for purchase of items by its clients mostly Govt. departments and PSUs.

MSTC has developed an end-to-end e-Procurement package to cover all procurement activities starting from raising of indent to issuance of Letter of Intent or Purchase Order. The package includes both e-tender and e-reverse auction facilities. Thus the package enables the Buyer organization to manage their indents, issue NIT and Corrigenda, receive on-line bids, carry out pre-bid meetings with prospective vendors, conduct electronic tender opening, on-line evaluation of bids and generate Price Comparative Statement. Similarly, the vendors can register for specific Buyer organization, choose the tenders for participation, submit bid in a fully secured environment, witness electronic tender opening etc. The e-procurement system will help in cost savings for both buyers and vendors, reduce procurement cycle time, make the entire process transparent, fair and error free. The package has been developed in-house and will provide ease of operation to as well as ease of customization as and when needed by the clients. The package has been developed to comply with the latest guidelines issued by CVC, the provisions of IT Act 2000 and its amendment of 2008. These guidelines mostly deal with the security issues and GFR norms. STQC, which is an attached office of Department of IT, Government of India, has also developed a comprehensive guideline to cover security aspect, CVC guidelines, IT Act provisions and GFR norms and as per the CVC guideline dated 12.01.2012 it is mandatory that e-procurement system comply with these guidelines of STQC.

इन दिशा-निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चत करने के लिए एमएसटीसी एसटीक्यूसी किया को नियुक्त किया है तथा संयुक्त रुप से काम कर रहा है। एसटीक्यूसी के दिशा-निर्देशों के अधिकांश मदों का पालन ई-प्रोक्योरमेंट पैकेज में किया गया है, इसके साथ ही, एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र रखने वाला प्रथम ई-कॉमर्स सेवा प्रदान बन जाएगाएमएसटीसी, जिससे एमएसटीसी को ई-प्रोक्योरमेंट में अधिक व्यवसाय पाने में मदद मिलेगी। अनुपालन प्रमाणपत्र जून 2013 के अंदर जारी होने का संभावना है। इसके साथ ही, एसटीक्यूसी प्रमाणपर्त रखने वाला प्रथम ई-कॉमर्स सेवा प्रदान बन जाएगा एमएसटीसी, जिससे एमएसटीसी को ई-प्रक्योरमेंट में अधिक व्यवसाय पाने में मदद मिलेगी।

ई-कॉमर्स प्रभाग

इस प्रभाग में आईबीएम निर्मित नवीनतम पी सीरिज (PV-6) सर्वर है। यह सर्वर प्रतिबिंब सहित एक साथ 10,000 कॉनकरेंट हीट ले सकता है। यह मुंबई में डिजास्टर रिकवरी सर्वर के रूप में काम करता है। इस प्रभाग को आईएसओ 9001:2008 से प्रमाणित किया गया है और प्रणाली आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

ग्राहकों को अत्यधिक पारदर्शी और निष्पक्ष पद्धति से सेवा सुनिश्चित करने के लिए एमएसटीसी ई-कॉमर्स सिस्टम ने सीवीसी के नवीनतम दिशा-निर्देशों एवं आईटी एक्ट 2000 और उसमें हुए संशोधनों का पालन किया है। सीवीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार एसटीक्यूसी द्वारा निर्धारित अवधि पर सिस्टम प्रभाग की परीक्षा की जाती है। एसटीसीक्यू भारत सरकार के सूचना तकनीकी एवं संचार मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र थर्ड पार्टी एजेंसी है। ऊपर उल्लिखित सभी पहलूओं ने सिस्टम को अनमोल, अद्यतन और सर्वोत्कृष्ट बनाया है। एमएसटीसी अपने वर्तमान व्यवसाय के साथ-साथ नए व्यवसाय क्षेत्र की तलाश में हमेशा ही रहता है। एमएसटीसी का नया व्यवसाय क्षेत्र कृषि उत्पाद, वन उत्पाद, बन सृजन, बैंक एनपीए, ऋण वसूली ट्रिब्यूनल (डीआरटी) के अधीन आस्तियां, मानव केश, आदि है।

ई-कॉमर्स व्यवसाय में सेवा प्रदाता एक स्वतंत्र और निरपेक्ष एजेंसी होना चाहिए। इसलिए एमएसटीसी अपने विक्रेताओं को बेहतर कीमत और क्रेताओं को बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराना सुनिश्चित करता है।

एमएसटीसी ने अपने प्रिन्सिपल और ग्राहकों को ई-कॉमर्स सेवा उपलब्ध कराने हेतु ई-कॉमर्स मॉड्यूल (एमएसटीसी ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयार) बनाया है। इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयार को आंतरिक व्यवस्थाओं की माध्यम से बनाया गया है। विभिन्न प्रिन्सिपलों की जरूरतों के अनुसार समय समय पर इसका कास्टमाइजेसन किया जाता है। एमएसटीसी ने इसके लिए पेटेंट प्राप्त किया एवं भारत सरकार के कॉपी राइट के उप-रजिस्टर द्वारा पंजीकृत है।

सीएमएमआई इन्सिट्यूट यूएसए से एमएसटीसी को सीएमएमआई लेबल 3 में मूल्य निरुपित किया है। सीएमएमआई लेबल 3 निम्नानुसार हैः म्यच्यूरिटि लेवल 3 में एप्रैसल मे उल्लेख है की कंपनी डिफाइंड लेबल में कार्य निष्पादन करती है। प्रक्रिया सुसज्जित स्टेंडर्ड टूल पद्धति प्रक्रिया वर्णित है। संस्था का स्टेंडर्ड प्रक्रिया जो म्यच्यूरिटि लेबल 3 का आघार है, संस्थापित एवं समय समय पर उन्नत किया गया।

कुल ई-कॉमर्स व्यवसाय का प्रभागवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

एजेंसी व्यवसाय (स्क्रैप का निपटान)

वर्ष 2012-13 के दौरान, कुल व्यवसाय की मात्रा रु.2691.23 करोड़ है जबकि पिछले वर्ष यह रु.2595.54 करोड़ थी।

एजेंसी व्यवसाय (ई-सेल्स)

वर्ष 2012-13 के दैरान कुल ई-सेल्स व्यवसाय रु. 12724.31 करोड़ का है। पिछले वर्ष रु. 8133.56 करोड़ था। यह विगत वर्ष की तुलन में 95.80% अधिक है।

कोयला, आयरन ओर, लिगनाईट अन्य खनिज, मानव केश, चाय आदि की बिक्री की मात्रा नीचे दी गई है:

MSTC has appointed STQC and is jointly working for compliance of the guidelines. Majority of the STQC guidelines have been completed and the compliance certificate is expected to be issued by end of June, 2013. With this, MSTC will become the first e-commerce service provider to have STQC certificate which will help MSTC garner business in e-procurement.

E-Commerce Division

It has latest P series (I/PV-6) server of IBM make capable of taking 10,000 concurrent hits with a mirror image server acting as a disaster recovery server located at Mumbai. The division is accredited with ISO 9001:2008 and the system has the ISO 27001:2005 certification.

MSTC e-commerce system complies with latest CVC guidelines, and Information Technology Act 2000 & its subsequent amendments to ensure services to customers in a most transparent and fair manner.

As per the CVC guidelines, the system is periodically audited by STQC, an independent third party agency under Ministry of Communication and Information Technology, Government of India. All the aforesaid features make the system an unique, state-of-the-art and par excellence. MSTC has always been attempting new business segments apart from the existing ones such as agri-products, forest produce, Bank NPAs, assets under Debt Recovery Tribunals(DRT), human hair etc.

In e-commerce the service provider should be an independent & neutral agency. Thus MSTC ensures to give the best prices to the sellers and best products to the buyers.

MSTC developed e-Commerce Modules (MSTC e-commerce application Software'") for providing e-commerce services to its principals and customers. This Application Software was designed in house and also being customized from time to time to suit the requirement of various principals. A patent to the effect has been earned by MSTC and registered by the Deputy Registrar of Copyrights, Government of India.

MSTC has been apprised at CMMI Level 3 from CMMI Institute, Carnagic Mellon, USA for its e-commerce Software Development. CMMI Level 3 states as follows:-

An appraisal at maturity level 3 indicates the organisation is performing at a "defined" level. At this level, processes are well characterized and understood and are described in standards, procedures, tools and methods. The organization's set of standard process which is the basis for maturity level 3, is established and improved over time.

Total e-commerce business is given as under:

Agency Business- for Scrap Disposal

During the year 2012-13, the total volume of business achieved is Rs.2691.23 Crore against previous year's achievement of Rs.2595.54 Crore.

Agency Business- for e-Sales

The total e-sales business during 2012-13 was Rs 12724.31 crore as against the corresponding figure of Rs 8133.56 crore during last year. It is in excess of 95.80 % compared to previous year.

The volume of sales of coal, iron ore, lignite, other minerals, human hair, tea etc. are given as under:

उत्पाद	मूल्य(रु. करोड़ में)	मूल्य (रु. करोड़ में)
	2012-13	2011-12
कोल	5512.00	8560.05
लिगनाइट	311.66	223.55
आयरन ओर	5522.50	4218.18
मैंगनीज ओर	201.32	92.84
मानव केश	215.34	143.32
चाय	146.21	92.43
क्रोम ओर	491.95	0.00
रॉपेट कोक	214.00	0.00
रॉक फॉसफेट	12.06	0.00
बाराईट ओर	96.36	0.00
कुल	**12724.31**	**13330.37**

एमएसटीसी के वाइजैग कार्यालय ने हैदराबाद में ए.पी. हाउसिंग बोर्ड से संबंधित जमीन की बिक्री भी की है।

ई-प्रोक्योरमेंट

वर्ष के दौरान रु.66.92 करोड़ का व्यवसाय हुआ और पिछले वर्ष रु.79.12 करोड़ का व्यवसाय हुआ था। वास्तविक भारत सरकार की नीति, जो यह बताती है कि प्रोक्योरमेंट इलेक्ट्रानिक मोड में किया जाना चाहिए, जिससे निकट भविष्य में व्यवसाय में कई गुना वृद्धि होगी। ई-प्रोक्योरमेंट सर्विस देने वाले का स्वतंत्र और निष्पक्ष होना महत्वपूर्ण है। एमएसटीसी अपने सभी ई-कॉमर्स के लेन-देन और सेवाओं में थर्ड पार्टी रहते हुए अपनी यह स्थिति सुनिश्चित करती है।

संक्षेप मे., एमओयू में निर्धारित लक्ष्य (उत्कृष्य) ई-कॉमर्स व्यवसाय के कुल मात्रा के लिए रु.12100 करोड़ के विरुद्ध इस वर्ष रु.15482.46 करोड़ का व्यवसाय हुआ है। यह लक्ष्य से 28% अधिक है।

बजार में कई प्रतियोगियों जिनके पास कम संरचना है और वे कम दर पर सेवा उपलब्ध कराने के वाबजूद यह उपलब्धि है।

एमएसटीसी देश में सर्वोत्तम ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता है। एमएसटीसी के पास बड़ी संख्या ग्राहक एवं व्यवसाय पोर्टफोलियों हैं। ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रमुख बने रहने के लिए एमएसटीसी लगातार व्यवसाय में नए क्षेत्र की तलाश कर रहा है।

श्री जे पी शुक्ला, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, एमएसटीसी के मुम्बई कार्यालय के अधिकारायों-कर्मचारियो के साथ

Shri J P Shukla, Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India with officers & employees of MSTC Mumbai Office

ट्रेडिंग व्यवसाय

ट्रेडिंग एमएसटीसी के व्यवसाय का मुख्य आधार है। एमएसटीसी एक फेसिलेटटर के रूप में काम करता है अथवा क्रय-विक्रय मोड में तथा सेकेंडरी इस्पात उत्पादक तथा उससे संबंधित उद्योगों की ओर से कच्चे माल के क्रय का वित्त पोषक के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी निर्यात व्यवसाय भी करता है। यद्यपि 2012-13 में बिलकुल ही निर्यात नहीं हुआ है।

आयात के लिए एमएसटीसी अपनी उचित उद्यम के पश्चात चयनित क्रेताओं की ओर से विदेशी आपूर्तिकर्ता पर एवं क्रेता के स्पेशिफेकेशन के अनुसार कच्चे माल की आपूर्ति के लिए रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी (आरएमपी) के

Item	Value (in Rs. Crore)	Value (in Rs.crore)
	2012-13	2011-12
Coal	5512.91	8560.05
Lignite	311.66	223.55
Iron Ore	5522.50	4218.18
Manganese Ore	201.32	92.84
Human Hair	215.34	143.32
Tea	146.21	92.43
Chrome Ore	491.95	0.00
Raw Pet Coke	214.00	0.00
Rock Phosphate	12.06	0.00
Baryte Ore	96.36	0.00
Total	**12724.31**	**13330.37**

MSTC Vizag office has also taken up sale of land in Hydrabad belonging to A.P. Housing Board.

E-Procurement

The actual business during the year was **Rs. 66.92 Crore** as against Rs. 79.12 Crore during the corresponding period of previous year. Due to Govt. policy which states that procurement is to be done in electronic mode, this figure is slated to rise manifold in future. Independence and neutrality of e-procurement service provider is important. MSTC ensures this by remaining 3rd party in all its e-commerce transactions & services.

In nutshell, against the MoU target (excellent) of Rs.12100 Crore for the total volume of e-commerce business, actual during the year was **Rs.15482.46 Crore** which is 28% higher than the target.

These achievements are despite the presence of a number of players in the market who have scanty infrastructure in e-commerce and charge at low rates for their services.

MSTC is the largest e-commerce service provider in the country due to its largest client base and portfolio of business under its fold. It is continuously expanding its business in diverse fields to remain market leader in e-commerce sector.

Trading Business

Trading has been the mainstay of MSTC's business. MSTC acts in a facilitator mode or purchase-sale mode and finances the procurement of raw materials on behalf of primarily the secondary steel producers and its allied industries. Besides this, MSTC is also into export business. Though there has been no export business in the year 2012-13.

नियमानुसार तथा कीमत और सुपूदर्गी शर्त्त पर क्रेता की सहमति से एल/सी खोलती है। सामग्री को हाईसी सेल के आधार पर क्रेता को बेचा जाता है, जिसे एमएसटीसी के पास बंधक रखा जाता है और सामग्री का मालिकाना क्रेता के पास होता है। आयातित सामग्री या देशीय स्त्रोत से प्राप्त सामग्री को एमएसटीसी की कस्टडी में क्रेता की जगह पर रखा जाता है। इसके लिए एक कस्टोडियन की नियुक्ति के माध्यम से क्रेता की जमीन पर पर रखा जाता है और एमएसटीसी, कस्टोडियन और क्रेता के बीच एक ती-नतरफा करार होता है। क्रेता को भुगतान करके कैश एंड कैरी आधार पर अपनी आवश्यकता के अनुसार सामग्री उठाने की अनुमति होती है।

थर्मल कोल का आयात

भारत में विभिन्न ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती हुई आयातित थर्मल कोल की पूर्ति के आशय से एमएसटीसी ने थर्मल कोल की आपूर्ति के व्यवसाय में डोर डिलेवरी के आधार पर कदम रखा है। एमएसटीसी अपने व्यावसायिक सहयोगियों (जिनका चयन एमएसटीसी द्वारा खुले टेंडर के माध्यम से किया गया होता है) के माध्यम से बैक-टू-बैक के आधार पर थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए क्रेताओं द्वारा जारी टेंडरों में शामिल होता है। वर्ष 2012-13 में एमएसटीसी ने 4.66 मिलियन एमटी आयातित थर्मल कोल की आपूर्ति की है, जिसकी कीमत रु.2306.01 करोड़ है।

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से श्रेष्ठ शाखा पुरस्कार प्राप्त करते हुए विशाखापत्तनम शाखा के शाखा प्रबंधक श्री ए राजामणिक्कम

Shri A Rajamonikkam, BM, Vizag receiving best branch award from CMD, Shri S K Tripathi

आयातित थर्मल कोयले की मांग और आपूर्ति में गैप को मिटाने के लिए एमएसटीसी ने भारत में ग्राहकों की ओर से आयातित थर्मल कोयले की रिवर्स ई-ऑकशन पर जोर डाला है। भारतीय ग्राहक द्वारा दिए गए कोल स्पेसिफिकेशन के अनुसार एमएसटीसी रिवर्स ई-ऑकशन संचालन करेगा। विदेशी आपूर्ति कर्ता (खनि मालिक) जो एमएसटीसी के साथ पंजीकृत होगा वे ई-ऑकसन में डोर डेलिवरी के आधार पर एल 1 होने लिए बीड करेगा। एमएसटीसी सुपुर्दगी के आधार प्रति टॉन कोयले के लिए मार्क आप चार्ज करेगा।

नन-लिंक्ड कोल की आपूर्ति

मांग और आपूर्ति में गहरी खाई की वजह से विभिन्न ऊर्जा क्षेत्र अपनी कुल आवश्यकता को सीआईएल/एससीसीएल खनन के लिंक से पूरा करने में कठिनाई का सामना करता है। एमएसटीसी क्रेता के स्पेशिफिकेशन के अनुकूल ओपेन टेंडर जारी करते हुए डोर डिलेवरी के आधार पर थर्मल/कोकिंग कोल की आपूर्त्ति से इस खाई को पाटता है। एमएसटीसी अपनी इन सेवाओं के लिए प्रति टन के हिसाब से मार्कअप लेता है।

वर्ष 2012-13 में ट्रेड (मार्केटिंग) प्रभाग का कुल व्यवसाय रु. 10024.20 करोड़ है। जबकि एमओयू लक्ष्य (उत्कृष्ट) रु. 5280 करोड़ का था। लक्ष्य की तुलना में वास्तविक व्यवसाय में 90 % की वृद्धि है। पिछले वर्ष कुल व्यवसाय रु. 5746.15 करोड़ था।

For imports, MSTC opens L/C on overseas supplier on behalf of buyers who are selected after their due diligence and as per Risk Management Policy (RMP) norms for supply of raw materials as per the buyers' specification and consent for price and delivery terms. The material is sold to buyers on 'High-Sea' sale basis wherein the material is pledged to MSTC and the ownership rests with the buyers. The materials thus sourced through import or from domestic sources are kept in the custody of MSTC at the premise of buyers through a custodian appointed for this purpose after signing a tripartite agreement between MSTC, the custodian and the buyers. The buyers are allowed to lift the material against their requirement on payment under cash & carry basis.

Import of Thermal Coal

In order to meet the ever increasing demand of imported thermal coal by the various power utilities in India, MSTC has embarked upon the business for supplying thermal coal to such buyers on door delivery basis. MSTC participates in the tenders floated by the buyers for supply of thermal coal through its business associates (empanelled annually through an open tender by MSTC) on back-to-back basis. MSTC supplied **4.66** million MT of imported thermal coal valued at **Rs.2306.01 Crore** during 2012-13.

Taking an innovative solution for import of thermal coal to meet demand supply gap MSTC has embarked upon reverse e-auction of imported thermal coal on behalf of the buyers in India. In this solution MSTC will conduct e-reverse auction as per the coal specification provided by Indian buyers. The foreign suppliers (Mine owners) who will be registered with MSTC will participate in the e-auction and bid to become L-1 on Door Delivery basis. MSTC will charge its mark-up on per ton of coal delivered basis.

Supply of Non-linked Coal

Due to acute demand supply gap, various power utilities find it difficult to meet their total requirement through linkage from CIL/SCCL mines. MSTC does meet this gap by supplying thermal/coking coal by floating open tenders as per specification of buyers on door delivery basis and MSTC charges mark-up on per tonne basis against this service.

The total performance of the Trade (Marketing) division during the year 2012-13 stands at **Rs.10024.20 Crore** as against MoU target (excellent) of Rs.5280 Crore, an increase by about **90%.** However, the performance during previous year was at Rs.5746.15 Crore.

संवृद्धि एवं भाविक विकास के लिए नए क्षेत्र की तलाश

1. वर्ष 2011-12 के दौरान ट्रेडिंग व्यवसाय में कंपनी ने एक आघात झेला। एक ऐसी पार्टी ने जिसका ट्रेडिंग व्यवसाय में 40% का अंश था, अपना व्यवसाय एमएसटीसी के साथ बंद कर दिया क्योंकि उसका अधिग्रहण किसी दूसरी कंपनी ने किया।

   बहरहाल, वर्ष 2012-13 में कंपनी ने किसी एक बड़े ग्राहक पर निर्भरता कम कर मध्यम आकार के ग्राहकों को व्यवसाय को सशक्त करने के लिए अपने साथ जोड़ा। कोयले से ई-सेल्स से सेवा प्रभार की उगाही कम होने पर भी एमएसटीसी ने कंपनी का बटम लाईन पार किया।

2. एजेंसी व्यवसाय एवं ई-सेल्स में कंपनी ने अपने साथ पहली बार बहुत सारे नए ग्राहकों को जोड़ने में सफलता प्राप्त की और उल्लेखनीय संवृद्धि की। एमएसटीसी ने नए क्षेत्र में भी व्यवसाय किया। जैसे मानव केश/कृषि उत्पाद, चाय, आयरन ओर, क्रोम ओर रॉ पेट कोक बराईट आदि का इ-ऑक्शन।

3. प्रतियोगी व्यवसाय-परिवेश की चुनौतियों के बावजूद आपकी कंपनी ने वर्ष 2012-13 में बहुत अच्छा व्यवसाय किया। व्यवसाय की कुल मात्रा रु.25506.66 करोड़ रही जबकि वर्ष 2011-12 में यह रु.21751 करोड़ थी।

भाविक योजनाएं

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में त्वरित विकास करते हुए एमएसटीसी देश की अकेली ई-कॉमर्स की अग्रणी कंपनी बनी है। ई-कॉमर्स का दायरा बढ़ाते हुए उसके सामने जो भी संभावनाएं आती हैं, उसे एमएसटीसी लेने के लिए तैयार है। एमएसटीसी नई एवं विविधतापूर्ण व्यवसाय कर रहा है। इसमें कृषि उत्पाद मसलन चाय, तूर डाल, सागो, गोरगां नाट एवं वन उत्पाद मसलन तेंदु पत्ता, टिंबर, शाल सीड तथा मानव केश, फ्लाई ऐस आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने जमीन, एपार्टसेंट, बैंक का एमपीए एवं डीआरटी के तहत आस्थियां आदि का व्यवसाय भी हाथ में लिया है।

कुन्नुर में ऊपासी के लिए चाय के ई ऑक्शन की शुरुआत

Launch of E Auction of Tea for Upasi in Coonoor

एमएसटीसी का कई उल्लेखनीय कदम :

1. कुन्नूर के टी-सर्व की चाय का ई-ऑक्शन की सफलता से अनुप्रेरित होकर उपासी (यूनाइटेड प्लांटर्स एसोशिएसन ऑफ साउथ इंडिया) ने चाय के ई-ऑक्शन के लिए एक करार किया। प्रिमियम क्वॉलिटी टी का पहला ई-ऑकशन 15 अप्रैल, 2013 हुआ। आने वाले समय में उपासी मसालों तथा अन्य वन उत्पाद के ई-ऑक्शन के लिए भी विचार कर रही है।

2. एमएसटीसी ने अंध्रप्रदेश सरकार के साथ उसके सभी विभागों के लिए फारवर्ड एवं रिवर्स ई-ऑकशन के लिए माइलस्टोन करार हस्ताक्षर किया है। एमएसटीसी अन्य राज्य तथा वनविभाग को अपनी ई-कॉमर्स सेवा प्रदान करने के लिए करार हस्ताक्षर करने के अग्रिम स्टेज पर है। इससे ई-कॉमर्स के क्षेत्र में कंपनी को उपर उठाया।

Diversification for growth and future development.

1. During the year 2011-12, the trading business of the company received a hit as a big customer which accounted for 40% of the total turnover of trading division had suddenly stopped business with MSTC due to the acquisition by other company.

   However, during the year 2012-13 the company could add medium size customers to reduce dependence on single bigger customer to stay afloat. As a result inspite of reduced service charge realised from e-sales of coal, MSTC could exceed the bottom line of the company.

2. In the agency business and e-sales, the company could add many first time customers and register a substantial growth. MSTC also opened up many new lines of business such as e-auction of human hair, agri-products, tea, iron ore, chrome ore, raw pet coke, Barytes etc.

3. In spite of the challenges of the competitive business environment, the company has performed exceedingly well in the year 2012-13 registering a business volume of Rs.25506.66 Crore as against the achievement of Rs.21751.18 Crore during 2011-12.

Future Outlook

Growing rapidly in the e-commerce space, MSTC has become the largest standalone e-commerce service provider in the country. It is poised to grab every opportunity that comes in its way spreading its wings in e-commerce. MSTC is attempting new & diverse lines of business such as tea, turdal, sago, gorgon nut in agri-products, tendu leaves, timber, sal seed in forest products, human hair, fly ash etc. Apart from this, MSTC has also undertaken the e-auction of land, apartments, banks' NPAs and also assets under DRT etc.

Some of the major opportunities MSTC is pursuing are:

1. Encouraged by the success of e-auction of tea for 'Tea Serve' at Conoor, the UPASI (United Planters Association of South India) has signed an agreement for e-auction of Tea. The first e-auction of Premium quality Tea was held on 15th April, 2013. The e-auction of spices and other forest items are also being considered by UPASI in the days to come.

2. MSTC has signed milestone agreement with Andhra Pradesh Govt. for providing both forward and reverse e-auction for all its departments. MSTC is in the advanced stage of signing agreements with another state Government for providing e-commerce services including forest Deptt. It may give major boost to the company's performance in e-commerce space.

3. भारत सरकार की ओर से खनिजों की बिक्री ई-ऑक्शन के माध्यम से करने की ताजा पहल ने एमएसटीसी के लिए अवसर का एक - नया द्वार खोला है। उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन (ओएमसी) के साथ क्रोम ओर के ई-ऑक्शन का अनुबंध हुआ है। भविष्य में आयरन ओर, मैंगनिज ओर तथा राज्य के अन्य खनिजों के लिए भी रास्ता बनेगा।
4. एमएसटीसी प्रथम चरण में उत्पादकों के स्थल पर अथवा महानगर की बड़ी मंडियों में फल और सब्जियों के ई-ऑक्शन के लिए उपयुक्त साझेदार के साथ साफ्टवेयर परियोजना की संभावना की तलाश कर रही है। दूसरे चरण में उसके भंडारण एवं परिवहन की लॉजिस्टिक तैयार करेगी।
5. एमएसटीसी की नजर संभावनापूर्ण कई अवसरों में रेडियो तरंग के लिए एफएम चैनल्स, कोल ब्लॉक्स की ई-ऑक्शन भी कुछ-एक हैं। इन पर एमएसटीसी की नजर है। एमएसटीसी ई-वेस्ट के पुनश्चक्रण में प्रमुख भूमिका निभाती है और अपने ग्राहकों के लिए कचड़ा से कंचन पैदा करती है।
6. प्रमुख उत्पाद की ई-बिक्री के क्षेत्र में एमएसटीसी के पास कई तरह की सामग्री हैं। मसलन-सीआईएल/ एससीसीएल का कोयला, ओएमसी का क्रोम ओर तथा अभी-अभी राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम वेस्ट बंगाल मिनरल डेवलपमेंट एंड मार्केटिंग लिमिटेड कंपनी (डब्ल्यूबीएमडीएमसीएल) को पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर के निकट उसके कोल ब्लॉक के कोयला को ई-ऑक्शन करने के लिए अपनी सेवाएं देना आरंभ किया है।
7. मिनरल फारवर्ड का ई-ऑक्शन कर रही है। एमएसटीसी ने नए उत्पादों रॉ पेट कोक (आरपीसी) को शामिल किया है, जो कि ऑयला रिफायनरिज की एक उप उत्पाद है और बैराइट्स जो मुख्यत: आंन्ध्र प्रदेश राज्य के खानों में पाया जाता है। जब इस क्षेत्र को हम पूरी तरह से हासिल कर लंगे तो एमएसटीसी को परिणात्मक व्यवसाय मिलेगा।
8. भारत में आयातीत थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए आयात के संवर्द्धन के लिए एमएसटीसी निजी कोयला व्यापारियों के साथ इस आशय से संवाद कर रही है कि पत्तन पर ही उनके स्टॉक को ई-ऑक्शन के माध्यम से बेचा जा सके।
9. ई-प्रोक्योरमेंट एक और संभावनापूर्ण क्षेत्र है, इस क्षेत्र में व्यवसाय पाने के लिए एमएसटीसी त्वरित कदम उठा रही है। एमएसटीसी भारत सरकार के सूचना तकनीकी एवं संचार मंत्रालय के अधीन एसटीक्यूसी से अपने इ-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के लिए प्रमाण-पत्र पाने में लगी हुई है। यह सभी सेवा प्रदाताओं के लिए अनिवार्य है। रक्षा मंत्रालय विभिन्न सामन्यों एवं सेवा के ई-प्रोक्योरमेंट के लिए एमएसटीसी के प्रति क्रियात्मक विचार रखती है, जिससे एमएसटीसी के ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय के बास्केट में उफान आएगा।
10. एमएसटीसी ने अपने द्वारा विकसित किए गए इन्टरनेट आधारित सिस्टम से साधारण सामग्री की ई-प्रोक्योरमेंट के लिए रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के साथ करार किया है।
11. ट्रेडिंग व्यवसाय के क्षेत्र में, चूंकि यह क्षेत्र जोखिमों से भरा हुआ है इसलिए एमएसटीसी फेसिलेटेटर मोड में व्यवसाय संवृद्धि में रुचि नहीं रखती है। इसलिए एमएसटीसी ऐसी कुछ ही चुने हुए कंपनियों के साथ व्यवसाय करेगी, जिनकी साख तथा विगत निष्पादन अच्छी है। एमएसटीसी स्टॉक एंड सेल के आधार पर कई सामग्री मसलन-सोना, खाद, रबड़, चावल, गेहूँ, दाल, कोयला आदि के निर्यात/आयात के लिए आगे बढ़ सकती है।
12. एमएसटीसी विनिर्माण के क्षेत्र में निकट भविष्य की संभावित समांकलन पहल के तहत स्क्रैप स्रेडिंग प्लांट लगाकर प्रवेश करना चाहती है। यह देश की पहली ऐसी परियोजना होगी।
13. एमएसटीसी डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार पुनरुज्जीवित ऊर्जा के क्षेत्र में सतत विकास के लिए परियोजनाएं हाथ में लेने के लिए अभिप्रेरित है। अनुपालन के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए सलाहकार की नियुक्ति की जाएगी।
14. सीएसआर गतिविधियों के तहत एमएसटीसी डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुकूल परियोजनाएं हाथ में लेती हैं।

3. The recent initiative of the Government for sale of minerals through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has just concluded signing of agreement with Odisha Mining Corporation (OMC) for e-auction of chrome ore lump which may usher in a similar opportunity for iron ore, manganese ore and other minerals in the state.
4. MSTC is exploring possibility of taking software projects in alliance with a suitable partner for e-auction for fruit & vegetable either at big mandi in metropolitan city or at the growers' site in the first phase and thereafter, logistics for its storage & transportation in second phase.
5. MSTC is also exploring opportunities in e-auction of some of the landmark e-auctions such as FM Channel for radio waves, coal blocks etc. MSTC plays a major role in recycling of e-waste and helps create wealth from the waste for its customers.
6. In e-sales of prime products, MSTC has made headway in a variety of items such as coal for CIL/SCCL, chrome ore for OMC, and has recently added into its kitty a new state PSU client namely West Bengal Mineral Development & Marketing Company Ltd. (WBMDMCL) for e-auction of coal from their coal block near Durgapur in West Bengal.
7. Taking e-auction of minerals forward. MSTC has added new products namely Raw pet coke(RPC) which is a by product of oil refineries and Barytes which is mined mainly in the State of Andhra Pradesh. When fully harnessed these minerals may give sizeable business to MSTC.
8. To augment imported thermal coal supply in India, MSTC is in dialogue with private coal merchants to sell imported coal through e-auction by MSTC from the stock at the ports itself.
9. E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid strides to grab the business. MSTC leads in the process of obtaining Certificate from STQC a department under Ministry of IT and Communications, GOI for its e-procurement portals, a mandatory requirement for each service provider. Ministry of Defence is actively considering MSTC for its e-procurement for various goods and services which may give Phillip to MSTC's basket of e-procurement business.
10. MSTC signed an agreement with Ministry of Defence, Government of India for e-procurement of general items through internet based system developed by MSTC.
11. In trading business, MSTC is not very upbeat to increase business in a facilitator mode as this business is fraught with risks. Hence, MSTC will have business with few selected parties having good credibility and past performance. MSTC will rather pursue export/import on "stock and sale" basis for certain commodities like fertilizer, rubber, rice, wheat, pulses, coal etc.
12. MSTC seeks to diversify into the manufacturing by setting up a scrap shredding plant as a forward integration drive in the near future. This plant is being setup for the first time in the country.
13. MSTC intends to take up projects for sustainable development in the field of renewable energy as per the DPE guidelines. A consultant will be engaged to prepare project report for implementation.
14. Under CSR activity, MSTC takes up projects as per the DPE guidelines.

सचेतक अभियुक्ति :

प्रबंधन विमर्श तथा विश्लेषण कंपनी की आंकलन, प्रक्षेपित तथा आंकलन के तहत अभियुक्ति है। वास्तविक परिणाम ऐसी परिक्षेपना से भिन्न हो सकती है तथा यह आर्थिक स्थिति तथा संबंधित देशीय एवं अंतर्देशीय बाजार में उद्योग मांग पर निर्भर करती है। प्रक्षेपण तथा आंकलन को सरकार के विनियम, जिसमें फिजकल रेगूलेशन तथा अन्य आकस्मिक कारक हैं, भी प्रभावित कर सकती है।

प्रचालन एवं निष्पादन से संबंधित वित्तीय मानदंडों पर विचार- विमर्श

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि रु.**15415.54** करोड़ है। पिछले वर्ष 2011-12 में रु. **15925.91** करोड़ थी। 2011-12 के समानांतर 2012-13 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2012-13	2011-12
स्क्रैप और मैंगनीज की बिक्री	4380.13	3147.68
कोयले की बिक्री	5512.91	8560.05
आरयन ओर	5522.50	4218.18
कुल (क)	**15415.54**	**15925.91**

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2012-13	2011-12
ई-प्रोक्योरमेंट	66.92	79.12
कुल (क+ख)	**15482.46**	**16005.03**

ग) व्यापार

इस साल विपणन विभाग के व्यवसाय की कुल राशि **रु. 10024.20** करोड़ है। पिछले वर्ष 2011-12 में **रु. 5746.15** करोड़ थी। 2011-12 के समानांतर 2012-13 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2012-13	2011-12
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्री	6608.70	2076.00
देशीय सामग्री	3415.50	3670.15
कुल	**10024.20**	**5746.15**
महायोग (क+ख+ग)	**25506.66**	**21751.18**

Cautionary Statement:

Statements under "Management Discussion and Analysis" are on company's estimates, projections and estimates. Actual results may materially differ from such projections and depend on economic condition and industry demand in the relevant domestic and international market. Government regulations including fiscal regulations and other incidental factors may also affect the projections and estimates.

DISCUSSION ON FINANCIAL PARAMETERS WITH RESPECT TO OPERATIONS AND PERFORMANCE

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at **Rs. 15415.54Cr.**, against **Rs. 15925.91 Cr.** in 2011-12. Break up for the year 2012-13 vis-à-vis 2011-12 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (Rs. Crore)	
	2012-13	2011-12
Sale of Scrap & manganese	4380.13	3147.68
Sale of Coal	5512.91	8560.05
Iron ore	5522.50	4218.18
Total (A)	**15415.54**	**15925.91**

B) e-PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (Rs. Crore)	
	2012-13	2011-12
e-Procurement	66.92	79.12
Total (A+B)	**15482.46**	**16005.03**

C) TRADING

The performance of marketing division shows a total volume of business of **Rs. 10024.20 Cr.**, against Rs. 5746.15 Cr. in 2011-12. Break-up for the year 2012-13 vis-à-vis 2011-12 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (Rs. Crore)	
	2012-13	2011-12
Procurement of:		
Imported materials	6608.70	2076.00
Indigenous materials	3415.50	3670.15
Total (C)	**10024.20**	**5746.15**
Grand Total (A+B+C)	**25506.66**	**21751.18**

5. सॉट (SWOT) विश्लेषण

शक्ति और कमजोरियां

एमएसटीसी की शक्तियां स्क्रैप और अधिशेष मदों के व्यवसाय, प्राथमिक उत्पाद के इ-बिक्री एवं कच्चे उत्पादों का साधन के लिए ठोस अनुभव पर निर्भर करती हैं। अनुभवी कर्मचारी वर्ग, सुसज्जित अद्यता अवसंरचना, विवेकपूर्ण निर्धारित पॉलिसी सभी मिलकर एमएसटीसी को एक दक्ष सेवा प्रदाता बनाया है।

अद्यतन अवसंरचना के साथ एमएसटीसी के कार्यपालक द्वारा इ-कॉमर्स सेवा को हैंडल किया जाता है। सिस्टम में आईटी एक्ट, 2000 एवं सीवीसी के दिशा निर्देश द्वारा अनिवार्य अद्यतन विशेषताएं हैं एवं इसके अनुवर्ती संशोधन एवं भारत सरकार, सूचना औद्योगिक मंत्रालय का विभाग, तीसरी पार्टी एजेंसी एसटीक्यूसी द्वारा समय-समय पर लेखा परीक्षा की जाती है। एमएसटीसी शीघ्र देश की अकेली कंपनी होगी, जिसके पास एसटीक्यूसी के दिशा-निर्देश अनुपालन हेतु प्रमाण-पत्र होगा, जो ई-प्रोक्योरमेंट सेवा प्रदाता के रूप में सेवा प्रदान हेतु वित्त मंत्रालय के अधिसूचना के अनुसार एक आवश्यक मानक है।

एमएसटीसी की इ-कॉमर्स सेवा के लिए 20000 से ज्यादा ग्राहक हैं, जिनके लिए अखंड सेवा उपलब्ध करायी जाती है। देश के कोने-कोने में प्रत्येक ग्राहकों को कम समय में दक्ष सुगम सेवाएं प्रदान की जाती है। आयात क्षेत्र में, बहुत सारे बड़े उद्योग साधन के लिए एमएसटीसी पर निर्भर करता है। इसका कारण है कि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, बैंकरों, अन्य स्टेक होल्डरों एवं ग्राहकों के साथ उत्तम व्यावसायिक संबंध। एमएसटीसी ने अपने ट्रेडिंग व्यवसाय को मजबूत बनाने के लिए फिलहाल जोखिम प्रबंधन नीति (आरएमपी) का संशोधन किया है।

कर्नाटक में आयरन ओर की ई निलामी के लिए मॉनिटरिंग कमिटि के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर

Signing of Agreement with Monitoring Committee for e-Auction of Iron Ore in Karnataka

कमजोरियों का कारण हो सकता है कि सामग्री की कीमत के उतार-चढ़ाव के सबंध में कम ज्ञान, ग्राहक कंपनी के कम आय व्यवसाय पर आय निर्भर करता है। इसमें ग्राहक द्वारा चूक के कारण शासनीय जोखिम शामिल हैं। ट्रेडिंग व्यवसाय के लिए अवसंरचना की कमी और एक्जिम व्यवसाय के लिए कैनालाइजिंग एजेंटों की शून्य स्थिति की कमजोरियां हो सकता है। यह हमारे साथी जैसे एमएमटीसी, एसटीसी आदि के विपरीत है। एमएसटीसी में 319 कर्मचारी हैं, जिसके लिए सीधे आयात, निर्यात या देशीय व्यापार में लिप्त होने के लिए सुसज्जित नहीं है।

संभावनाएं एवं संकट

विभिन्न वस्तुओं विशेषत: खनिज, कृषि और वनउत्पाद के ई-कॉमर्स के लिए विशाल संभावनाए हैं। कंपनी के लिए स्क्रैप, लौह एवं इस्पात संसाधन में रण-नीतिक वायदा एकीकरण, लॉजिस्टिक में संयुक्त उद्यम, वस्तु विनिमय या माइनिंग कार्यकलाप- कुछ उद्भव्य संभावनाएं हैं। ई-प्रोक्योरमेंट एवं कृषि उत्पाद के ई-मार्केटिंग में भी एमएसटीसी के लिए पर्याप्त संभावनाए हैं। सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में खनिज के अवैध खनन के प्रतिबंध की संभावना एवं ई-ऑक्शन के माध्यम से खानों के उपज की बिक्री के लिए उद्भूत सम्मति एमएसटीसी के व्यवसाय के लिए अच्छा है।

SWOT ANALYSIS

Strengths & Weaknesses

MSTC's strength lies in substantial experience in dealing with scrap, surplus items, e-sale of prime products and sourcing of raw-materials. The experienced people, equipped with latest infrastructure, prudentially laid down policies together make MSTC an efficient service provider.

The e-commerce service is handled by well experienced people and backed by state of the art infrastructure. The system has the latest features as mandated by CVC guidelines & IT Act 2000 and its subsequent amendments and is being audited periodically by third party agency namely STQC, a deptt. under Ministry of Communications and IT , Govt. of India. Shortly MSTC will be the only company in the country to have achieved the compliance certificate from STQC for its guidelines which is one of the essential criteria as per the Ministry of Finance notification for serving as e-procurement service provider.

MSTC has largest client base of 20000 plus for e-commerce services which depicts our customer orientation & seamless services being made available to them. Our pan India presence provides comforts in terms of efficient, less time consuming hassle free services available at door steps to our customers living in every nook & corner of the country. In the import segment, many big names in the industry have relied upon MSTC for sourcing of raw-materials due to excellent business relationship with overseas suppliers, bankers, other stake holders and buyers. MSTC has recently revised Risk Management Policy (RMP) to consolidate its trading business. Weaknesses can be attributed to low domain knowledge in volatility in price of materials and less revenue dependent business of the customer companies. It involves manageable risks in the event of default by the customers. Weaknesses may also be attributed to deficient infrastructure for trading business. Also MSTC has nil status of canalizing agent for Exim business unlike our peer companies such as MMTC, STC, etc. have in trading business. MSTC has a small work force of 319 employees spread across the country and therefore is not equipped to indulge in direct export/ import or domestic trade.

Opportunities & Threats

There is huge opportunity for e-commerce business of various commodities particularly in minerals, agricultural and forest products. Strategic forward integration in processing of scrap, iron & steel, joint venture in logistics, commodity exchanges or mining activities are some of the emerging opportunities for the company. There also exists ample opportunities for MSTC in e-procurement

आज के दिन में कोई भी व्यवसाय आशंकारहित नहीं है। एमएसटीसी के लिए आयात और निर्यात पर भारत सरकार की नीति संतर्जक है। ग्राहक दूसरे व्यापारियों के पास चले जाते हैं अथवा स्वयं ही व्यापार करने लगती हैं। छोटी कंपनियां आ रही हैं और कम प्रभार शुल्क का ऑफर देते है। बहरहाल, एमएसटीसी इस तरह की आशंकाओं के प्रति सतर्क है और इन आशंकाओं के निवारण के लिए पद्धतियां हमेशा बनाती रहती हैं।

तकनीकी विकास की वजह से स्क्रैप का सेकेंडरी उद्भवन कम हो गया है, जिसकी वजह से सेलिंग एजेंसी व्यवसाय के क्षेत्र में व्यवसाय की मात्रा कम हुई है।

ई-कॉमर्स की छोटी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके सिस्टम में सुरक्षा की व्यवस्थाएं कम हैं। ऐसी छोटी कंपनियां कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं और असंगत कम सेवा प्रभार दर पर व्यवसाय प्राप्त कर रहे हैं।

हाल में मौजूदा ग्राहकों ने एमएसटीसी को सेवा प्रभार कम करने के लिए बाध्य करता है, जिससे बटम-लाईन हिट हो सकता है जब तक समग्र व्यवसाय में आनुपातिक वृद्धि न हो। इसके अलावा, ग्राहकों ने खुद निविदा किया है, जिससे असामान्य स्थिति में एमएसटीसी के लिए टेंडर पाना कम हो जाता है।

अस्थापना दिवस समारोह पर एमएसटीसी द्वारा आयोजित मैजिक शो के दौरान, श्री पी सी सरकार, जादुगर और सीएमडी, एमएसटीसी, अपने परिवार के सदस्यों के साथ
Shri P C Sirkar, Magician with CMD along with their family members during a magic show organised by MSTC as foundation day celebration

जोखिम और सरोकार

एजेंसी व्यवसाय

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय में पारंपरिक जोखिम है। क्योंकि प्रिंसपल किसी भी समय अपना माल खुद बेचने का निर्णय ले सकता है। प्रिंसिपल टेंडर का सहारा ले रहे हैं और छोटी कंपनियां कम सेवा प्रभार मांग रही हैं क्योंकि उनकी संरचना में निवेश कम है और सीवीसी के दिशा-निर्देश और आईटी एक्ट, 2000 के प्रति उनका कोई दायित्व नहीं है। बहरहाल, गुणवत्ता और पारदर्शिता की वजह से एमएसटीसी इस क्षेत्र में अपने अधिकांश व्यवसाय को कायम रखे हुए है।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते एमएसटीसी के लिए यह अनिवार्य है कि वह सीवीसी के दिशा-निर्देशों का/आईटी एक्ट, 2000 के निर्देशों का तथा एसटीक्यूसी के परीक्षण की आवश्यकताओं से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करे। इसके लिए एमएसटीसी को सिस्टम संरचना में बड़ी राशि का निवेश करना पड़ता है। लेकिन निजी कंपनियों के ऊपर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं। अगर सरकारी विभाग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने टेंडर दस्तावेजों में सेवा प्रदाता के लिए सीवीसी के दिशा-निर्देशों के पालन की अनिवार्यता का प्रावधान नहीं करते हैं तो एमएसटीसी के लिए आदेश पाना क्रमश: कठिन होता जाएगा। क्योंकि निजी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके लिए कम सेवा दर पर काम करना मुमकिन हो जाता है।

and e-marketing of agri-products. The likely ban in illegal mining of various minerals in the states by the Government and the consensus emerging for sale of mines' produce through e-auction augers well for MSTC business.

Any business, now a days is not without threat. For MSTC, threat is Government policy on import and export, customers shifting to other trading companies or choosing to make direct imports, small players coming in and offering lesser service charges. However, MSTC is aware of such threats and always makes strategies to come out of these threats.

Technological development has reduced secondary arising of scrap leading to lower trading volume in agency business segment.

Of late, small players in e-commerce space having scanty infrastructure and less security features in their system are mushrooming and eating away business on the strength of unreasonably lower service charges rates.

customers are forcing MSTC to reduce service charge which may hit bottom-line unless there is commensurate increase in overall volume of business. Besides this, customers are also resorting to tenders in which case MSTC's chance to win the tender gets diminished mainly due to skewed and non levels playing field conditions.

RISKS AND CONCERNS

Agency Business

Selling agency business has inherent risk since principal can any time decide to do the selling job themselves. Of late, principals are resorting to tendering and small players are quoting very less rate of service charge owing to their less investments in infrastructure and nil obligation towards CVC guidelines and IT Act, 2000. However, because of quality and transparency, MSTC has retained most of the business in this segment.

Being a PSU, MSTC has to follow all the guidelines issued by CVC, regulation of IT Act 2000 and other audit requirements of STQC for which, MSTC has to invest huge amount towards Systems infrastructure, whereas, the private players are not under any such obligation. Therefore, unless Government Departments and PSUs insist upon fulfillment of criteria in line with CVC guidelines by the service providers in the tender documents, it would be increasingly difficult for MSTC to get orders, since private players, having scanty infrastructure, can afford to quote very low service charge.

यहां यह उल्लेख करना अप्रसांगिक नहीं होगा कि 31 मार्च, 2012 तक मेसर्स कोल इंडिया लिमिटेड ने कोयले के ई-सेल पर सेवा प्रभार का भुगतान बिक्रय मूल्य के प्रतिशत के आधार पर किया है। कोल इंडिया लिमिटेड ने 01 अप्रैल, 2012 से दो वर्षों के लिए एमएसटीसी के पोर्टल के माध्यम से कोयले को बेचने का काम हमें सौंपा है। इस बार प्रति ऑक्शन के आधार पर निर्धारित राशि का भुगतान सेवा शुल्क के रूप में प्राप्त होगा। बिक्री-कीमत चाहे जितनी भी हो। इसके अतिरिक्त ई-ऑकशन के लिए एमएसटीसी को 50% की जगह 40% कोयला मिला है। भुगतान नीति तथा वितरण नीति में इस परिवर्तन की वजह से कोयले के ऑक्शन से मिलने वाली सेवा शुल्क में काफी कमी आई है।

ट्रेडिंग व्यवसाय (आयात एवं निर्यात)

इस क्षेत्र में मुख्यत: उद्योगों के लिए कच्चे माल की व्यवस्था आयात या देशीय स्रोत से करने का कार्य करता है। एमएसटीसी के प्रतिभूति में माल रहता है तथा भुगतान के आधार पर सुपुर्दगी किया जाता है। ग्राहकों के नियत उत्पादनमें परिवर्तन एवं बाजार में अस्थिरता के कारण उनके द्वारा बनाए गए समय सारण के अनुसार माल न उठाने की जोखिम स्वाभाविक है।

जोखिम, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली एवं उनकी उपयुक्तता

वर्ष 2008-09 में रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी को एमएसटीसी में लागू किया गया। एमएसटीसी यह सुनिश्चित करती है कि कंपनी की आंतरिक नि-यंत्रण प्रणाली रिस्क की अपेक्षाओं के अनुकूल कार्य करती है एवं इसे और बेहतर एवं प्रभावी बनाने हेतु अधिक सुरक्षा उपायों को शामिल कर रही है।

मेसर्स केपीएमजी को इस वर्ष के लिए कंपनी की आंतरिक लेखा परीक्षण के लिए नियुक्ति किया गया था और उनके प्रतिवेदन को प्रबंधन के समक्ष नियमित अंतराल पर रखा जाता है एवं महत्वपूर्ण मुद्दों का संक्षिप्त विवरण को लेखा समिति के समक्ष रखा जाता है। समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यों का समीक्षा करती है और समिति की अनुशंसाओं को निदेशक मंडल के समक्ष पेश किया जाता है और वे निदेशक मंडल के विचार के अनुसार लागू करते हैं। लेखा समिति विभिन्न वित्तीय विवरणों का भी रिस्क विश्लेषण एवं नियंत्रण के लिए कार्य करती है।

ऊर्जा एवं संसाधनों का संरक्षण

एमएसटीसी मुख्यत: विभिन्न ग्राहकों के लिए स्क्रैप सामग्री विशेषत: फेरस स्क्रैप तथा इन स्क्रैप के रिसाईक्लिंग के लिए व्यापार करता है। इस तरह एमएसटीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण कम करने में दोबारा इस्तेमाल के योग्य में फेरस स्क्रैप के पुन:चक्रण द्वारा ऊर्जा के संरक्षण में काम करता है एवं ग्राहक द्वारा प्रक्रिया के बाद पुन: व्यवहार के लिए विभिन्न प्रकार के स्क्रैप का ऑक्शन करता है।

मानव संसाधन के विकास पर सूचनाएं, औद्योगिक संबंध और निगमित सामाजिक दायित्व का उल्लेख निदेशक मंडल की रिपोर्ट में किया गया है।

It may not be out of place to mention that till 31st March 2012 service charge on e-sale of coal was paid by M/s Coal India Ltd. on the basis of percentage of sale value. They have entrusted the job of sale of coal through MSTC's portal for two year w.e.f. 1st April 2012. But this time the service charge is receivable as a fixed amount on the basis of every auction event irrespective of sale value. Moreover, distribution of coal to MSTC for e-Auction also changed to 40% from 50% earlier. Due to change in the policy of payment and distribution policy of service charge the income from coal auction has declined considerably.

Trading Business (import & export)

This segment mainly functions as sourcing of raw materials for industries either through import or domestically. The materials remain pledged to MSTC and delivery is given on payment basis. There is inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market.

RISKS, INTERNAL CONTROL SYSTEMS AND THEIR ADEQUACY

Risk Management Policy in MSTC was introduced in the year 2008-09. The policy has been revised during the year. MSTC makes it certain that the internal control system functions within the risk appetite of the company and is being fine tuned to include more safeguards for being more effective.

M/s. KPMG, audit wing, was assigned with the internal audit function of the company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee. The committee analyses the functions of the internal control system and recommendations of the committee are put up to the Board and those are implemented as per the considerations of the Board. Audit Committee also considers various financial statements for risk analysis and control.

CONSERVATION OF ENERGY AND RESOURCES

MSTC works primarily in the field of procurement of scrap materials, specially ferrous scraps from different consumers and trading of those scraps for recycling. Thus, MSTC works for the conservation of the natural resources, reduction in pollutants, conservation of energy by recycling ferrous scraps into a re-useable form. MSTC is in a way recycling company that consolidates facilities and auctions scrap of various types for reuse after processing by its buyers.

Information on development of HR, Industrial Relations and Corporate Social Responsibility is mentioned in the Directors' Report.

निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार अन्य उद्घोषणाएं

1. व्यापारियों के साथ व्यावसायिक लेन-देन से संबंधित ऐसा कोई विशेष मामला नहीं है, जो कंपनी के हित में द्वंद्व की संभावना हो।
2. कंपनी की ओर से अनुपालन का मामला नहीं देखा गया है और न ही इसकी कोई सूचना है। सांविधिक प्राधिकरण द्वारा विगत तीन वर्षों में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के मामलों के संबंध में न कोई कठोर पत्राचार किया है और न ही कोई दंड दिया है और न ही कोई मामला दर्ज है।
3. भारत सरकार द्वारा दिशानिर्देशित एवं निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी को कंपनी ने लागू किया है। लेखा परीक्षण समिति के समक्ष किसी भी व्यक्ति के पहुंच को इंकार नहीं किया गया है और कंपनी ने व्हिसल ब्लोअर से व्यक्तिगत हानि से बचाव किया है।
4. निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया और निगमित अभिशासन पर एक अलग रिपोर्ट वार्षिक प्रतिवेदन में अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
5. कंपनी द्वारा राष्ट्रपति के सभी आदेशों का इस वर्ष एवं विगत तीन वर्षों में पालन किया गया है।
6. लेखा में ऐसे किसी भी खर्च को डेविट नहीं किया है, जो व्यवसाय से संबंधित न हो।
7. निदेशक मंडल तथा उच्च प्रबंधन के लिए ऐसे कोई खर्च नहीं किए गए हैं, जिनकी प्रकृति व्यैक्तिक हो।
8. कुल खर्च का 1.09% प्रशासनिक खर्च है।
9. कंपनी के वित्तीय परिणाम कंपनी के वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। समस समय पर कॉर्पोरेट विज्ञापन में भी इसे प्रकाशित किया जाता है।

FURTHER DISCLOSURES AS PER CORPORATE GOVERNANCE GUIDELINES

1. There is no materially significant related party transaction that may have potential conflict with the interest of the company.
2. No non-compliance by the company has been observed /reported. No statutory authority has issued any strictures or levied penalty or any matted related to any guidelines issued by the Government during last three years.
3. Company has formulated a whistle blower policy in line with Government guidelines duly approved by Board. No person has been denied personal access to Audit Committee and company has protected whistle blower from adverse personal action.
4. Corporate Governance guidelines have been complied with and a separate report on Corporate Governance is placed as Annexure to Annual Report.
5. All Presidential guidelines have been complied with by the Company for the year and also during last three years.
6. No items of expenditure have been debited in books of accounts, which are not for the purpose of business.
7. No expenses are incurred which are personal in nature for the Board of Directors and Top Management.
8. Administrative expenses are 1.09 % of total expenses.
9. The financial results are available in the website of the company i.e. www.mstcindia.co.in. From time to time they are also published in corporate advertisements.

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

(एस के त्रिपाठी)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

For & on behalf of Board of Directors

(S. K. Tripathi)

Chairman & Managing Director

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का प्रमाणीकरण

मैं यह घोषणा करता हूं कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जून, 2008 को अपनी 229वीं की बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रसारित व्यावसायिक आचार संहिता एवं मूल्यों के मॉडल कोड को ग्रहण किया है एवं सभी वरिष्ठ प्रबंधकों ने इस वर्ष के लिए इस आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

CMD'S CERTIFICATION

I declare that the Model Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management issued by the Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises was adopted by the Board of Directors of the company in its 229th meeting held on 27-06-08 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the current year.

(S.K. Tripathi)
Chairman and Managing Director

एस बंद्योपाध्याय एंड कं.
कंपनी सेक्रेटरीज

उकील माठ, एन एस सरणी
एन. घोषपाड़ा, बाली
हावड़ा-711227
दूरभाष : 98301-05541
E-mail: sb_co@rediffmail.com

निगमित अभिशासन का प्रमाण-पत्र

एमएसटीसी के सदस्यगण,

हमने 31मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड द्वारा **निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की परीक्षा की है, जो कि भारी उद्योग मंत्रालय एवं सार्वजनिक उपक्रम, सार्वजनिक उपक्रमों का विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी परिपत्र संख्या 18(8)/2005-जीएम दिनांक 14 मई, 2010 में केंद्रीय लोक उद्योग 2010 के निगमित अभिशासन पर दिए गए दिशा-निर्देश में उल्लिखित है।**

निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है। हमारी जांच केवल प्रक्रिया और उसके अनुपालन तक सीमित थी, जिसे कंपनी में निगमित अभिशासन के लिए अपनाया गया था। यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर विचार की अभिव्यक्ति है।

हमारी राय में और हमें दी गई सूचनाओं और स्पष्टीकरण को हम प्रमाणित करते हैं कि निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन, जो ऊपरि उल्लिखित दिशा-निर्देशों में है, किया गया है।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पैरा 8.2.1 के अनुपालन में प्रमाण-पत्र जारी किया गया है।

कृते एस बंद्योपाध्याय एंड कं.
कंपनी सेक्रेटरीज
ह/-
(संजीव कुमार बंद्योपाध्याय)
सदस्य सं. एफसीएस 5910
सी पी नं. 6004

उकील माठ, एन एस सरणी
उत्तरी घोषपाड़ा, बाली
हावड़ा, पश्चिम बंगाल
पिन-711227
11 जुलाई, 2013

S. BANDYOPADHYAY & CO.
Company Secretaries

Ukil Maath, N. S. Sarani,
N. Ghoshpara, Bally,
Howrah – 711227.
Phone: 98301-05541
E-mail: sb_co@rediffmail.com

Certificate on Corporate Governance

To the members of
MSTC LIMITED

We have examined the compliance of the conditions of Corporate Governance by MSTC LIMITED for the year ended 31st March, 2013, as stipulated in **Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises 2010 issued by Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises, Department of Public Enterprises vide their O.M. No. 18(8)/2005-GM dated 14th May, 2010.**

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of the management. Our examination was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Company for ensuring the compliance of the conditions of Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of the opinion on the financial statements of the Company.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we certify that the Company has complied with the conditions of corporate governance as stipulated in the above-mentioned guidelines.

This certificate is issued in compliance of Para 8.2.1 of the above guidelines.

For **S. BANDYOPADHYAY & CO.**
Company Secretaries
Sd/-
(Sanjib Kumar Bandyopadhyay)
Membership No.FCS 5910
C. P. NO.: 6004

Ukil Maath, N. S. Sarani,
North Ghoshpara, Bally, Howrah, West Bengal .
Pin – 711227.
11th July, 2013

निरंतर विकास कार्यनिष्पादन प्रतिवेदन
Sustainability Development Performance Report

1.0 प्रस्तावना एवं पृष्ठभूमि

1.1 निरंतर विकास (आगे एसडी के क्रय के रूप में संदर्भित) इस प्रकार की पहल और कार्रवाई को व्यक्त करता है जहां वर्तमान मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति उनकी जरूरतों को पूरा करने हेत भावी पीढ़ी की योग्यता पर कोई समझौता नहीं किया जाता है। मूल रूप से इसका उद्देश्य है- संसाधनों का संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों को बिना कोई क्षति पहुंचाए मूल्य उत्पन्न करना।

1.2 निरंतर विकास पर डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर एमएसटीसी ने एसडी पर एक नीति तैयार की है, जिसे दिनांक 9.4.2012 को बोर्ड ने अनुमोदित कर दिया है।

1.3 निम्नलिखित निदेशकों को लेकर एक बोर्ड स्तरीय एसडी समिति का गठन किया गया था:-

i) श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक, अध्यक्ष के रूप में

ii) श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त), सदस्य के रूप में

iii) श्री बी बी सिंह, निदेशक(सी), सदस्य के रूप में

2.0 एमएसटीसी निरंतर विकास नीति:

2.1 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) में एसडी गतिविधियों की एकता संभव नहीं हो सकती है, क्योंकि एक व्यापारिक कंपनी होने के नाते एमएसटीसी निर्माण एवं प्रसंस्करण गतिविधियों से जुड़ी नहीं है। तथापि गौण आइटमों में व्यापार की प्रकृति के परिणामस्वरूप प्राथमिक उत्पादन में बचत होती है और उनके द्वारा प्राकृतिक संसाधनों में बचत तथा पर्यावरण की सुरक्षा होती है। उस सीमा तक अपने कोर व्यवसाय गतिविधि के द्वारा एमएसटीसी पर्यावरण की सुरक्षा में अपना योगदान देती है। एमएसटीसी की स्क्रैप की ई-नीलामी तथा अन्य पुराने एवं बेकार आइटमों एवं स्ट्रक्चर्स सुविधा रिसाइक्लिंग और ऊर्जा क्षपत, सीओ2 उर्जा तथा प्राकृतिक संसाधनों को बचाता है।

2.2 इन दिशा निर्देशों के अंतर्गत एक एसडी गतिविधि को योग्यता प्राप्त करने के लिए इस प्रकार की गतिविधि निम्नलिखित का अंश नहीं होगी :-

क) एमएसटीसी के कोर व्यवसाय के अंश के रूप में (यानी कुछ भी जो किसी भी हालत में करने के लिए कहा जाय)

ख) लागू विधिक/सांविधिक जरूरतों के अनुपालन में एक क्रियान्वित

ग) एक गतिविधि जो प्राथमिक तौर पर एमएसटीसी के स्टाफ को लाभान्वित करता है।

घ) एमएसटीसी के स्टाफ सदस्यों द्वारा असमन्वित स्वैच्छिक प्रयास/

ड़) संगठनों/संस्थानों को निम्न अनुदान एवं सहायता।

2.3 कंपनी एसडी परियोजना के कार्यान्वयन एवं वित्त पोषण के लिए संसाधन सुनिश्चित करेगी। वित्तीय आवंटन सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार होगा। प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए बजट निर्धारित किया जाएगा। एमएसटीसी संसाधनों, संगठनीय संरचना, तकनोलॉजी एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

1.0 Introduction and Background

1.1 Sustainable development (hereinafter referred as SD) refers to such initiatives and actions where the present human needs are met without any compromise on the ability of the future generation to meet their needs. It basically aims at conservation of resources and generating values without depletion of the natural resources.

1.2 Based on the guidelines issued by DPE on Sustainable Development MSTC prepared a S.D. Policy which was approved by the Board on 9.4.2012

1.3 A Board level S.D.Commitee was also constituted with the following directors..

(i) Shri.D.P.Singh,Independent Director,as Chairman

(ii) Shri.A.K.Basu,D(F) as member

(iii) Shri B.B.Singh,D(C) as member

2.0 MSTC Sustainable Development Policy

2.1 Integration of SD activities into existing Environment Management System(EMS) may not be possible as MSTC, being a trading company is not involved in manufacturing or processing activity. However, the nature of trading in secondary items ultimately results to saving in primary production and thereby saving in natural resources and protection of environment. To that extent, MSTC by nature of its core business activity contributes in protecting the environment. MSTC's e-auction of scrap and other outdated and obsolete items and structures facilitates recycling and saves energy consumption, CO2 emissions and natural resources.

2.2 To qualify as an SD activity under these guidelines, such an activity shall not be

a) a part of the core business of the MSTC (i.e. something which it is in any case stated to do)

b) one implemented in compliance of the applicable legal/statutory requirements.

c) an activity which primarily benefits the staff of the MSTC

d) an uncoordinated voluntary effort by members of the staff of the MSTC

e) mere grants/assistance to organizations/institutions.

2.3 The Company shall ensure resources for financing and implementation of S.D. projects Financial allocation shall be as per the MOU signed with the Government. Budget shall be fixed for each financial year. MSTC shall ensure the availability of resources, organizational infrastructure, technology and financial resources.

2.4 एसडी समिति समय समय पर योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी। अंतिम मूल्यांकन बाहरी एजेंसी/विशेषज्ञ या सलाहकार अथवा एमएसटीसी से प्रमाणित कार्मिकों द्वारा किया जाएगा।

एसडी पर वार्षिक प्रतिवेदन इस्पात मंत्रालय के जरिए डीपीई को दिया जाएगा।

3.0 एमएसटीसी द्वारा निरंतर विकास गतिविधियां

3.1 एमएसटीसी में निरंतर विकास गतिविधियां इस वर्ष WBREDA के सहयोग से चलाई गयी थी, जो कि पश्चिम बंगाल में नवीकरणयोग्य ऊर्जा समाधान के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। WBREDA ने पश्चिम बंगाल के हिंगलगंज ब्लॉक के अधीन कई सौर ऊर्जा उपयोगकर्ता उपकरण एमएसटीसी की वित्तीय सहायता से स्थापित किया है।

सौर पी वी लालटेन

सौर पी वी लालटेन एक पोर्टेबल फोटो बोल्टाइक उपकरण है, जिसमें प्रकाश को रखने के लिए सोलर पी वी मोड्यूल, सीलयुक्त रखरखाव युक्त बैटरी तथा उपयुक्त रिफलेक्टर केसिंग शामिल है। सीएफएल या एलईडी किसी तरह की बत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां एलईडी लाइटिंग फिक्सचर इस्तेमाल होते हैं। इन्हें कालीतला में रामकृष्ण मिशन के जरिए हिंगलगंज की गरीब जनता को दिए गए हैं। इन लालटेनों का प्रयोग स्कूली बच्चों के शिक्षा-अर्जन के लिए किया जा रहा है।

मकान लाइटिंग सिस्टम

सौर पी वी मॅकान लाइटिंग एक स्थायी फोटो वोल्टाइक उपकरण है, जिसमें सोलर पी वी मोड्यूल, लेड एसिड बैटरी तथा उपयुक्त रिफलेक्टर केसिंग होती है ताकि प्रकाश को रखा जा सके। सीएफएल अथवा एलईडी किसी प्रकार की बत्तियों का इस्तेमाल किया जा सकता है। यहां दो सीएफएल तथा एक एलईडी लाइटिंग फिक्सचर के इस्तेमाल होते हैं। मकान लाइटिंग सिस्टम पांच ग्राम पंचायतों-(जोगेशगंज, कालीतला, गोविंदकाठी दुलडाली, साहबखाली) में वितरित किया गया है।

स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम

सौर पी वी स्ट्रीट लाइटिंग एक स्थायी फोटो बोल्टाइक उपकरण है, जिसमें प्रकाश को रखने के लिए सोलर पी वी मोड्यूल, लेड ऐसिड बैटरी तथा उपयुक्त रिफलेक्टर केसिंग होती है। सीएलएफ लाइटिंग फिक्सचर का इस्तेमाल किया जाता है। सोलर पी वी स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम को विभिन्न प्रमुख कोनों में लगाई गयी है।

सोलर पी वी पावर प्लांट

सौर पी वी पावर प्लांट एक स्थायी फोटो वोल्टाईक उपकरण है, जिसमें प्रकाश को रखने के लिए सोलर पी वी मोड्यूल, लेड ऐसिड बेटरी, इंवर्टर तथा उपयुक्त रिफलेक्टर केसिंग होती है। सीएफएल या एलईडी किसी भी तरह की बत्तियों का प्रयोग किया जा सकता है। सोलर पी वी पावर प्लांट 6 स्कूलों में (05 KWp प्रत्येक) तथा एसएस, जोगेशगंज (02 KWp) में लगाए गए हैं, जिससे लाईट, पंखा, कंप्यूटर, पंप आदि चलाए जाते हैं।

2.4 The SD Committee shall review implementation of the plans from time to time. Final evaluation shall be carried out properly by external agency/specialist or consultant or certified personnel from MSTC.

Annual Report on S.D. shall be given to DPE through Ministry of Steel.

3.0 Sustainable Development Activities by MSTC

3.1 Sustainable development activities in MSTC was taken up during this year in collaboration with WBREDA, the Nodal agency for implementation of Renewable Energy Solutions in West Bengal. WBREDA has installed a number of Solar Energy utilizing equipments as under in Hingalgunj Block of West Bengal with the financial assistance of MSTC:-

Solar PV Lanterns

Solar PV Lantern is a portable Photo Voltaic device comprising of Solar PV Module, sealed maintenance free battery and suitable reflector casing to hold the luminary. CFL or LED any of these two types of luminaries can be used. Here LED lighting fixture are used. These have been delivered to poor population of Hingalganj through the Ramakrishna Mission at Kalitala. These lanterns are being utilised for obtaining education for the school children.

Home Lighting Systems

Solar PV Home Lighting is a fixed Photo Voltaic device comprising of Solar PV Module, Led Acid Battery and suitable reflector casing to hold the luminary. CFL or LED any of these two types of luminaries can be used. Here two nos. of CFLs and one no LED lighting fixture are used. Home Lighting Systems have been distributed at 05 nos. of Gram Panchayets [Jogeshganj, Kalitala, Gobindakathi, Duldali, Sahebkhali]

Street Lighting System

Solar PV Street Lighting is a fixed Photo Voltaic device comprising of Solar PV Module, Led Acid Battery and suitable reflector casing to hold the luminary. CFL or LED both these two types of luminaries can be used. Here CFL lighting fixture is used. Solar PV Street Lighting Systems are installed at different important corners of public interest.

Solar PV Power Plant

Solar PV Power Plant is a fixed Photo Voltaic device comprising of Solar PV Module, Led Acid Battery, inverter and suitable reflector casing to hold the luminary. CFL or LED any these two types of luminaries can be used. Solar PV Power Plants have been installed at 06 nos. of schools [05 KWp each] and at SS, Jogeshganj [02 KWp] to operate light, fan, computer, pump etc.

पावर प्लांट का विवरण इस प्रकार हैः-

क्र.सं	स्कूल का नाम	ग्राम पंचायत	उपयोगिता	छात्रों की (संख्या)
i	कालीतला हाई स्कूल	कालीतला	लाइट, पंखा कंप्यूटर	350
ii	गोविंदकाठी शिक्षा निकेतन	गोविंदकाठी	-वही-	380
iii	हेमागर हाई स्कूल	जोगेशगंज	-वही-	650
iv	पंचपल्ली डीएस हाई स्कूल	साहबखाली	-वही-	460
v	पीकेएस प्रियानाथ एच एस स्कूल	जोगेशगंज	-वही-	380

4.0 वर्ष 2012-13 के लिए समझौता ज्ञापन के अनुसार खर्च का वित्तीय लक्ष्य था रु.65 लाख, जो कि गत वित्त वर्ष के शुद्ध लाभ 0.55% के समान था। रु.114.9 लाख की कुल लागत की परियोजना क्रियान्वित की गयी, जिनमें से एमएसटीसी का अंश है रु.79.43 लाख और WBREDA का अंश है रु.35.47 लाख।

5.0 परियोजना का निरीक्षण एवं मूल्यांकन सितम्बर, 2013 में श्री स्वपन कुमार मोदक, प्रमाणित ऊर्जा लेखा-परीक्षक (ई.ए.8467) द्वारा किया गया। श्री मोदक को एमएसटीसी की ओर से WBREDA द्वारा लगाया गया था।

6.0 संभावित योजनाएं

जैसा कि समझौता ज्ञापन 2012-13 में उल्लिखित है, एसडी गतिविधि की संभावित योजना को एमएसटीसी द्वारा लिए जाने हेतु एक बाहरी एजेंसी यानी खुली निविदा के आधार पर चुने हुए सलाहकार द्वारा तैयार किया गया है। सलाहकार ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे एसडी समिति द्वारा विचार किया गया। आने वाले वर्षों में, एसडी प्रयासों के रूप में जल एवं जल संसाधनों के संरक्षण को भी एमएसटीसी द्वारा अपनायी जा रही है।

Power Plant details are provided below:-

S No.	Name of the School	Gram Panchayet	Utility	No. of student (Heads)
i)	Kalitala High School	Kalitala	Light, Fan, Computer	350
ii)	Gobindakathi Shiksha Niketan	Gobindakathi	- Do -	380
iii)	Hemnagar High School	Jogeshganj	- Do -	650
iv)	Panchapally, D.S. High School	Sahebkhali	- Do -	460
v)	PKS Priyanath H.S. School	Jogeshganj	- Do -	380

4.0 The Financial target of expenditure as per MOU for the year 2012-13 was Rs.65 lakhs which is equivalent to 0.55% of net profit of the previous financial year. The project executed are for a total cost of Rs.114.9 lakhs out of which MSTC's share is of Rs.79.43 lakhs and WBREDA's share is of Rs.35.47 lakhs.

5.0 The project have been inspected and evaluated by Shri.Swapan Das Modak,certified Energy Auditor (E A 8467) in September,2013.Shri.Modak was engaged by WBREDA on behalf of MSTC.

6.0 Perspective Plan

As stipulated in MOU 2012-13,a perspective plan of S.D. activity to be undertaken by MSTC have been prepared by an external agency i.e. a consultant selected on the basis of open tender. The consultant has submitted the report which have been considered by the S.D.Committee. Conserving water and water resources is also being adopted by MSTC as a part of its S.D. efforts in years to come.

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

सांविधिक लेखा परीक्षक की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के उत्तर

Management Replies on the comments/observations of the Statutory Auditor

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
I	निर्यात पर विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर लाभ हानि लेखे पर नोट के नोट सं. 15 (क) पर संदर्भ आमंत्रित किए जाते है, जिसे एएस-11 के अनुसार लेखाबद्ध नहीं किया गया है। यदि एएस-II का अनुपालन कंपनी करती तो मुद्रा लाभ वर्ष के दौरान रु. 4,688 लाख बढ़ जाता (संचयी रु.14,778 लाख 31.03.2013 तक)। इसके परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 14,778 लाख कम बताया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त से संबंधित विदेशी मुद्रा का लाभ हानि उस रकम तक संबद्ध आपूर्ति कर्ताओं पर डाल दिया गया है, जो उन्हें देय है। इस प्रकार व्यापार देय को रु.14,556 लाख कम बताया गया है और उपर्युक्त लाभ के शुद्ध प्रभाव के कारण वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ रु.71 लाख कम दिखाया गया है (संचयी रु.222 लाख, 31.03.2013 तक)। Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes to Accounts, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have increased by Rs. 4,688 lacs for the year (cumulative Rs. 14,778 lacs upto 31.03.2013). Consequently Trade Receivables are understated by Rs. 14,778 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto to the amount payable to them. Thus trade payables are understated by Rs. 14,556 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of net profit of the Company Rs. 71 lacs for the year (cumulative Rs. 222 lacs upto 31.03.2013).	विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव के कारण सेवा शुल्क के खाते पर ही सिर्फ प्रभाव पड़ा है, जिसे सिर्फ क्रिस्टलीकरण के समय ही निर्धारित एवं बुक किया जा सकता है। The impact arises only on account of service charge due to exchange fluctuation which can be ascertained and booked only at the time of crystallization.
II	व्यापार प्राप्त रु.4,50,180 लाख तथा व्यापार देय रु.3,61,452 लाख में से क्रमशः रु.2,56,491 लाख तथा रु.3,61,452 लाख के संबंध में शेष की पुष्टि कंपनी द्वारा पार्टियों से प्राप्त नहीं की गयी है। इन शेषों की पुष्टि से उत्पन्न होने वाले प्रभाव पर इस टिप्पणी करने में असमर्थ है। Out of total Trade Receivable of Rs. 450,180 lacs and Trade payable of Rs. 361,452 lacs, balance confirmation in respect of Rs. 256491 lacs and Rs. 361,452 lacs respectively have not been obtained from the parties by the Company. We are unable to comment on the effect arising on confirmations of these balances.	प्राप्त एवं देय के शेषों का मिलान आवधिक तौर पर किया जाता है। व्यक्तिगण करारों के निपटान के समय भी मिलान किया जाता है। सभी ग्राहकों को शेषों की पुष्टि करने के लिए अनुरोध किया गया। तथापि, सभी ग्राहकों ने पुष्टि नहीं की। सोने के जेवरातों के निर्यात के खाते प्राप्त रु.58,963 लाख की रकम, जिसके लिए शेष की पुष्टि करने की आवश्यकता नहीं है, न्यायाधीन है। चूँकि व्यापार देय एलसी के तहत है, अतः शेष की पुष्टि आवश्यक नहीं है। Balances of receivables and payables are periodically reconciled. Reconciliation is also done at the time of settlement of individual contracts. Requests for confirmation of balances had been sent to all the customers. However, all the customers did not send the confirmation.. An amount of Rs. 58963 lacs is receivable on account of export of gold jewellery for which balance confirmation is not required, being sub-judice. Since trade payables are generally against LCs, no balance confirmation is required.

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
III	वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्री की आपूर्ति के लिए सेसा इंटरनेशनल से रु.6,278 लाख की व्यापार प्राप्त की रकम से संबंधित लेखे के नोट के अंतर्गत नोट सं.15 (सी) के मद्देनजर जिसके विरुद्ध कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया प्रारंभ की गयी है, प्रगति पर है। कंपनी ने पत्तन पर पड़े हुए सामान के निपटान से इस मामले में रु 223 लाख वसूल किए हैं तथा शेष सामग्री के लिए विक्री की रकम रु.102 लाख अभी तक प्राप्तकर्ता के पास रखी गयी हैं। चूँकि रु.5,953 लाख शेष रकम के संबंध के कोई प्रावधान नहीं किया गया है, कंपनी का शुद्ध लाभ अधिक बताया गया है तथा उस सीमा तक प्रावधान कम बताया गया है, In view of Note No. 15 (c) of Notes to Account relating to Trade Receivables amounting to Rs. 6,278 lacs from Sesa International for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and in progress. The company has realized Rs. 223 lacs in this case from disposal of goods lying at port, and further sale proceeds for balance material Rs.102 lacs is kept with the receiver till now. Since no provision has been made in respect of the balance amount of Rs. 5,953 lacs the net profit of the company has been overstated and provision has been understated to that extent.	मामला न्यायाधीन है, जैसा कि लेखों पर नोट 15 (सी) में स्पष्ट किया गया है। अतः, इस स्तर पर लेखो में किसी प्रकार के प्रावधान की जरूरत नहीं है। The matter is subjudice as explained at 15(c) of Notes on Accounts. Hence no provision is required to be made in the books at this stage.
IV	कंपनी ने कॉनरॉस स्टील्स प्राइवेटस लि. (सीएसपीएल) के लिए जुलाई, 2010 में 2500 एमटी हॉट रोल्ड (एचआर) क्वायल्स खरीदा था, जिसकी कीमत रु.929 लाख है, जिसमें से उन्होंने अप्रैल, 2012 से रु. 367 लाख मूल्य का माल नहीं उठाया है। वह सीएसपीएल से वसूलीयोग्य है तथा व्यापार प्राप्त (नोट सं. 15) में शामिल किया गया है। इस बीच, स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. (एसटीसी), सीएसपीएल की अन्य क्रय एजेसी ने दावा किया तथा इस प्रकार के न उठाए गए एचआर क्वायल पर कब्जा इसलिए कर लिया कि वह माल उनके पास बंधक रखा गया है। मामला अभी पंचाट के अधीन है तथा विभिन्न न्यायालयो में सूट पेडिंग हैं। हमारे विचार से चालू लेख पद्धति के अनुसार रु.10 लाख की प्रतिभूति के समायोजन के बाद न वसूल हुए रु.357 लाख की रकम का प्रावधान किया जाना चाहिए। इस प्रकार प्रावधान न करने के परिणामस्वरूप लाभमें अधिक तथा रु.357 लाख उसी सीमा तक प्रावधान कम बताया गया है। The Company had procured 2500 M.T. of Hot Rolled (HR) Coils valuing Rs. 929 lacs in July, 2010 for Conros Steels Private Limited (CSPL), out of which they did not lift material valuing Rs. 367 lacs since April, 2012. The same is recoverable from CSPL and is included in Trade Receivables (Note No.15) Meanwhile, State Trading Corporation of India Limited (STC), another procurement agency of CSPL claimed and took possession of such unlifted HR Coils on the ground that the said goods are pledged to them. The matter is presently under arbitration and suits are pending in various courts. In our opinion, as per prudent accounting practice, provision should have been made for unrealised Rs. 357 lacs after adjustment of	बकायों की वसूली के सम्बन्ध में मामला पंचाट के अधीन है। एमएसटीसी ने रु. 372.78 लाख की रकम के लिए दिनांक 26.07.2013 को एक अंतरिम आदेश प्राप्त किया है। आदेश का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अलावा यद्यपि एसटीसी ने न उठाए गए एच आर क्वायल्स का उल्टा दावा किया है, जो कि न्यायाधीन है, सीएसपीएल ने हमेशा अपने विभिन्न पत्राचारों के जरिए एमएसटीसी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार किया है। गत दो वर्षों के लिए ब्याज को रूढ़िवादी परंपरा के कारण लेखाबद्ध नहीं किया गया है, कंपनी की संबद्ध लेखा नीति के अनुसार। सीएसपीएल ने बकायों को एकबाटगी निपटान के लिए एक प्रस्ताव हाल ही में प्रस्तुत किया है, जो कि विचाराधीन है। अतः यह महसूस किया गया कि सीएसपीएल के बकायों के लिए प्रावधान करने के संबंध के निर्णय लेने में हम एक वर्ष और प्रतीक्षा कर सकते है। The matter regarding recovery of dues is under the process of arbitration. MSTC has already received an interim order on 26.07.2013 for an amount of Rs. 372.78 lacs. The order is being executed. Besides, though STC has counter claimed for the unlifted HR Coils which is now subjudice, CSPL has always accepted their liability to MSTC through their various correspondences. Interest for last two years has not been accounted for due to convention of conservatism as per the relevant accounting policy of the Company. Moreover CSPL has very recently submitted a proposal for One Time Settlement of dues, which is also under consideration.

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
	Security Deposit of Rs.10 lacs. Thus, non-provisioning of the amount has resulted in overstatement of profit by Rs. 357 lacs and understatement of provision to that extent.	Therefore, it is felt that we may wait for another year to decide regarding provisioning for the outstanding of CSPL.
V	सुविधाकारक पद्धति के अधीन सामग्री की खरीद की दिशा में सर्वश्री तिरुपति फ्यूल्स प्राइवेट लि. (टीएफपीएल) से बकाया रु.6554 लाख (लेखों के नोट के नोट सं. 15 का फेसिलेटर मोड में खरीदा गया माल के लिए है। तथापि, वर्ष 2010-11 से उठाने का तरीका संतोषजनक नहीं रहा है। पार्टी ने नवम्बर, 2012 से रुग्न होने के लिए बोर्ड फॉर इंडास्ट्रियल एण्ड फाइनेंसियल रीकंस्ट्राकशन (बीआईएफआर) के पास आवेदन किया था। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा एमएसटीसी को निर्देश दिए गए हैं कि बीआईएफआर से बैगर पूर्व अनुमोदित के टीएफपीएल के खिलाफ कोई बलप्रयोगी कारवाई न करे। हमारी राय में, वर्तमान लेखा पद्धति के अनुसार, रु.560 लाख के बदले रु.1026 लाख की प्रतिभूति जमा को समायोजित करके रु.5528 लाख की रकम का प्रावधान किया जाना चाहिए, जिसके लिए कंपनी के पास प्रावधान है। इसके फलस्वरूप रु.4968 लाख लाभ से अधिक तथा प्रावधान से कम दर्शाया गया है। Trade Receivable include Rs. 6554 lacs(Refer Note No. 15 of Notes to Accounts) due from M/S Tirupati Fuels Private Limited (TFPL) towards materials procured under facilitator mode. However, lifting pattern has not been satisfactory since 2010-11. The party had applied to Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) on becoming sick in November, 2012. MSTC has been directed by the Hon'ble High Court on 19.03.2013 not to take any coercive action against TFPL without prior approval of BIFR. In our opinion, as per prudent accounting practice, provision should have been made for the amount of Rs. 5528 lacs after adjusting security deposit of Rs. 1026 lacs instead of Rs. 560 lacs for which the company holds provision. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by Rs. 4968 lacs.	वित्त वर्ष 2012-13 के दौरान रु.465 लाख मूल्य के कोक की आपूर्ति सेल की एक इकाई वीआईएसएल को की गयी थी, जिसका भुगतान की सीधे वीआईएसएल से प्राप्त हो गया था। भुगतान जारी करने में अस्वाभाविक विलम्ब के कारण वीआईएसएल को और आपूर्ति रोक दी गयी थी। पार्टी ने हाल में गांधीधाम प्लान्ट एवं वायजाग प्लान्ट दोनों में प्रचालन पुनः प्रारंभ किया है। ऐसी आशा है कि एकबार प्रेषण प्रारंभ कर दिया जाए, तो वे बकाये के तहत एमएसटीसी को भुगतान शुरू कर देंगे। आगे, चेकों के डिसऑनर होने के लिए एन.आई.एक्ट की धारा 138 के अधीन कानूनी कारवाई की गयी है। ऐसा अनुमान है कि उपर्युक्त कारवाई से आगे समय पर हम उससे बकाया प्राप्त करने में सक्षम होंगे। तथापि, पर्याप्त एहतियात मामले के रूप में 31.03.2013 को उनके बकाए का 10% का प्रावधान लेखों में किया गया है, जो रु.560 लाख होता है। During the financial 2012-13 coke worth Rs.465 lacs were supplied to VISL, a unit of SAIL for which payment has also been received directly from VISL. Further supply to VISL was stopped due to inordinate delay in release of payment. The party has recently re-started operation both at Gandhidham plant and Vizag plant. It is expected once the dispatches start they will resume payment to MSTC against the outstanding. Further, legal action has been taken under section 138 of the N.I. Act for dishonor of cheques. It is anticipated that the above action will enable us to liquidate their outstanding in due course. However, as a matter of abundant precaution, a provision of 10% of their dues as on 31.03.13 has been made in accounts amounting to Rs. 560 lacs.
VI	कंपनी ने अगस्त, 2008 में सर्वश्री मेहरकिरन एन्टरप्राइजेज लि. (एमकेईएल) के लिए रु.6,000 लाख मूल्य 27500 एमटी कोकिंग कोल खरीदा था। तथापि, एमकेईएल माल उठाने में असफल रहा तथा कोकिंग कोल की खरीद साथ ही साथ पूर्व में आयात किए गए कोकिंग कोल के बकाए को नियमित करने के लिए जुलाई, 2009 में एमएसटीसी के साथ एक ज्ञापन करार किया। जिसके अनुसार एमकेईएल से कुल बकाया रु.5,020 लाख की वसूली 36 महीनों में की जाएगी। परन्तु वसूली की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ बल्कि 31.3.13 को कुल बकाया बढ़कर रु.7,090 लाख हो गया, जैसा कि व्यापार प्राप्य में शामिल किया गया है (नोट सं. 15)। चूँकि रु.7,090 की वसूली की संभावना क्षीण है, वर्तमान लेख नीति का अनुसरण करते हुए प्रतिभूति जमा सामुहिक प्रतिभूति	एमकेईएल ने अपना प्रचालन अगस्त, 2012 से पुनः चालू किया है तथा जून, 2012 में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर कोयले की खरीद की जा रही है। तब से तीन शिपमेंट किए गए हैं। एमएसटीसी ने अप्रैल, 2012 से अगस्त, 2013 के दौरान एमकेईएल से रु.2,460 लाख का भुगतान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त हमने रु.84 लाख मूल्य की एलसी की पुष्टि की है, जिसके विरूद्ध आपूर्ति की गई तथा भुगतान प्रतिक्षित है। हमारे पास दो क्रयादेश भी हैं, जिसके तहत आपूर्ति लम्बित है - एक 500 एमटी की डानकुनी स्टील लि. से और दूसरा 2500 एमटी का क्रनकॉस्ट स्टील एण्ड पावर से कुल रु.505 लाख का। उत्पादन तथा साथ ही साथ विपणनीयता को ध्यान में रखते हुए यह उम्मीद है कि सम्पूर्ण बकाए की वसूली कर ली जाएगी। बकाए की वसूली में पहले की अपेक्षा अधिक समय लग रहा है, क्योंकि पिछले दो वर्षों से बाजार की स्थिति काफी प्रतिकूल रही है।

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
	रु.1,395 लाख की गयी बिक्री की दिशा में प्राप्त रु.516 लाख तथा रु.2,235 लाख मूल्य के बंधक स्टाक का समायोजन करने के बाद रु.2,944 लाख का प्रावधान किया गया। कंपनी ने इसके लिए रु.967 लाख का प्रावधान रखा है। शेष रकम का प्रावधान न करने के कारण लाभ के रु.1.977 लाख अधिक तथा उसी सीमा तक प्रावधान कम दर्शाया गया है।	यह भी नोट किया जाना चाहिए कि प्रतिभूति जमा सामुहिक प्रतिभूति की रकम तथा बंधक स्टॉक का समायोजन करने के बाद शुद्ध बकाए की रकम रु.2944 लाख के बदले रु.2117 लाख है (दिनांक 31.03.2013 को स्टॉक का मूल्य लेखा परीक्षा द्वारा रु.827 लाख तक कम माना गया है (3062-2235 लाख)। पार्टी के साथ लेनदेन अभी भी जारी है। तथापि, पर्याप्त एहतियात उपाय के रूप में रु.967 लाख का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2013-14 के दौरान इसकी समीक्षा की जाएगी तथा वास्तविक स्थिति के आधार पर यथोचित प्रावधान किया जाएगा।
	The Company had procured 27,500 M.T. of coking coal valuing Rs. 6,000 lacs for Meherkiran Enterprises Ltd (MKEL) in August, 2008. However, MKEL failed to lift the material and entered into a Memorandum of Agreement in July, 2009 with MSTC for further procurement of coking coal as well as to regularize the dues of coking coal imported earlier. The recovery of principal amount being uncertain, the Company entered into a revised scheme in June 2012 according to which total dues of Rs. 5,020 lacs from MKEL had to be recovered within 36 months, but the status of recovery had not improved and total dues has increased to Rs. 7,090 lacs as on 31.03.2013 as included in trade Receivables (Note No. - 15). As the possibility of recovery of Rs. 7,090 lacs is remote, following prudent accounting policy, provision should have been made for an amount of Rs. 2944 lacs after adjusting security deposit/ collateral security of Rs. 1,395 lacs, receivable towards sales made Rs.516lacs and value of pledged stock of Rs. 2,235 lacs. The company holds a provision of Rs. 967 lacs on this account. Non provisioning of the balance amount has resulted in overstatement of Profit for an amount of Rs. 1.977 lacs and understatement of provision to that extent.	MKEL has re-started their operation w.e.f. August 2012 and fresh procurement for coal is being made on the basis of Board's approval of June 2012. Since then 3 shipments have taken place. MSTC has received a payment of Rs. 2460 lacs from MKEL during April'12 to August'13. In addition, we have confirmed LCs worth Rs. 84 lacs against which supplies have been completed and payment is awaited. We have also with us to two purchase orders for which balance supply is pending - one from Dankuni Steels Ltd. for 500 MT and another from Concast Steel and Power for 2500 MT totaling Rs. 505 lacs. Taking into account production vis-à-vis marketability, it is expected the entire dues will be realized. The liquidation of the outstanding is taking time more than the time envisaged earlier due to adverse market condition prevailing for last two years. It may further be noted that the net outstanding after adjusting SD/Collateral security and value of pledged stock is Rs. 2117 lacs in stead of Rs. 2944 lacs. The value of stock as on 31.3.13 has been less considered amounting to Rs. 827 lacs (3062 - 2235 lacs) by the audit. The transactions with the party are still continuing. However, as a measure of abundant precaution, provision has been made for Rs.967 lacs. This will be reviewed during FY 2013-14 and based on the actual position appropriate provisioning will be made.
VII	पार्टियों के चालू खाते में दर्ज डेविट एवं क्रेडिटों पर यानी शुद्ध आउटफ्लो एवं इनफ्लो पर प्रति वर्ष क्रमशः 15% एवं 7% प्रतिवर्ष व्याज चार्ज करने की कंपनी की नीति है। तथापि, ऐसा देखा गया है कि सर्वश्री इण्डो अमेरिकन इलेक्ट्रिकल लि., क्रेस्ट स्टील एण्ड पावर लि. के मामले में व्याज को लेखा बद्ध नहीं किया गया है तथा सर्वश्री तिरुपति फ्यूल्स प्रा. लि. एवं मेहरकिरन एण्टरप्राइजेज लि. के मामले में व्याज चार्ज नहीं किया गया है।	विवादास्पद पार्टियों के लिए, लेखा नीति सं. 1.1.6 (अन्य आय) के अनुसार, जिसका अनुसरण वर्षों से लगातार किया जा रहा है, अनिश्चयता और वसूली की खराब दर के कारण व्याज को मान्यता नहीं दी गयी है। **यह कार्य पद्धति राजस्व पहचान पर एएस-9 के क्लॉज 9.2 के साथ भी मेल खाती है, जिसमें कहा गया है कि कोई भी दावा उठाने समय जैसे मूल्य में इजाफा निर्यात प्रोत्साहन, व्याज आदि के यथोचित अनिश्चयता के साथ चरम संग्रह के आकलन की क्षमता में कमी हो, राजस्व पहचान को संबंद्ध अनिश्चयता की सीमा तक स्थगित कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में राजस्व पहचान करना**

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
	उपर्युक्त के परिणामस्वरूप, सर्वश्री इण्डो अमेरिकन एलेक्ट्रिकल लि. तथा क्रेस्ट स्टील एण्ड पावर प्रा. लि. के मामले में क्रमशः रु.228 लाख तथा रु.473 लाख की रकम तक ब्याज की आय का नुकसान हुआ है। पुनः सर्वश्री तिरुपति फ्यूल्स प्रा.लि. एवं मेहरकिरन एण्टरप्राइजेज लि. के मामले में ब्याज का हिसाव न लगाए जाने के कारण नुकसान का निर्धारण नहीं किया जा सकता। यद्यपि, उपर्युक्त पार्टियों के लिए ब्याज की आय का हिसाव नहीं लगाया गया है फिर भी कंपनी ने नियमित आधार पर उन्हें खरीद बिक्री की सुविधा प्रदान की है। हमारा मत है कि इस प्रकार से ब्याज का हिसाव न लगाए जाने के कारण आय को कम दर्शाया गया है उसी सीमा तक व्यापार प्राप्य भी कम दर्शाया गया है। The company has a policy of charging interest of 15% p.a. and 7% p.a. on the debits and credits recorded in the current account of parties i.e. on the net outflows and inflows respectively. However, it was observed that interest has not been accounted for in case of M/s. Indo American Electricals Ltd., M/s. Crest Steel & Power Pvt. Ltd., and not charged in case of M/s.Tirupati Fuels Pvt. Ltd. & M/s Meherkiran Enterprises Ltd. As a result of above, there is loss of Interest Income to the tune of Rs. 228 lacs and Rs. 473 lacs in case of M/s. Indo American Electricals Ltd. and M/s. Crest Steel & Power Pvt. Ltd. respectively. Further in case of M/s. Tirupati Fuels Pvt. Ltd. and M/s Meherkiran Enterprises Ltd., loss cannot be ascertained due to non calculation of interest. Even though interest income has not been accounted for the abovementioned parties, the company has been providing them with facilities of purchase/ sale on a regular basis. We are of opinion that non-accounting of such interest has led to understatement of Income and understatement of Trade receivables to that extent.	**सिर्फ तभी उचित होगा, जब यह युक्तिसंगत तौर पर निश्चित हो - कि चरम संग्रह कर लिया जाएगा।** जैसा कि ऊपर बताया गया है लेखों में ब्याज से आय की पहचान के संबंध में अनुसरण की जा रही लेखा-पद्धति का वास्तविक प्रचालन से कोई संबंध नही है। इतना ही नहीं, यद्यपि लेखों में पहचान नहीं किया गया ब्याज का दावा इन पार्टियों से हमेशा किया जाता है तथा माल के उठाने हेतु जारी कीमतें निर्धारित करते समय उन पर विचार भी किया जाता है। लेखा परीक्षा की धारणा है कि आय एवं व्यापार प्राप्यों को भी कम दर्शाने पूरी तरह से एएस-9 के क्लॉज 9.5 के विरुद्ध है, जिसमें कहा गया है कि **जब राजस्व की पहचान अनिश्चयता के प्रभाव के कारण स्थगित की जाती है, यह उस अवधि का राजस्व माना जाता है, जिसमें इसकी विधिवत पहचान होती है।** For the parties in question, interest has not been recognized due to uncertainty/ poor rate of realization in terms of Accounting Policy no. 1.1.6 (Other Income) which is being followed consistently over the years. **This practice is also in consonance with Clause 9.2 of AS-9 on Revenue Recognition which states 'Where the ability to assess the ultimate collection with reasonable certainty is lacking at the time of raising any claim e.g., for escalation of price, export incentives, interest etc., revenue recognition is postponed to the extent of uncertainty involved. In such cases, it may be appropriate to recognize revenue only when it is reasonably certain that the ultimate collection will be made …. ".** The accounting practice being followed in respect of recognition of interest income in books as explained above has no relevance with the actual operations. Furthermore, although not recognized in books, interest is being always claimed from these parties and also considered while fixing issue prices for lifting of materials. Audit contention that there is an understatement of income and also trade receivables is totally in contradiction with Clause 9.5 of AS-9 which states **"When recognition of revenue is postponed due to the effect of uncertainties, it is considered as revenue of the period in which it is properly recognized."**
VIII	आयात, क्रय एवं बिक्री के मामले में लेन-देन को बिल ऑफ लेडिंग की तारीख को प्रचलित विनिमय दर के बदले लेटर ऑफ क्रेडिट की तय तारीख के विनिमय दर पर लेखों में लेखाबद्ध किया जाता है। तथापि, कंपनी के लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, परन्तु बिक्री एवं खरीद के आंकड़े उस सीमा तक अधिक/कम दर्शाया जाता है, जितना लेखों में	लेखा नीति सं. 1.6.1 एवं 2 के अनुसार, खरीद को वास्तविक भुगतान के आधार पर बुक किया जाता है तथा बिक्री को वास्तविक भुगतान जोड़ मार्क अप पर बुक किया जाता है। यदि अगले वित्त वर्ष में भुगतान करना हो, ऐसे मामले में बुकिंग वित्त वर्ष की आखिरी तारीख को प्रचलित स्पॉट विनिमय दर के आधार पर किया जाता है। पद्धति का अनुसरण वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। एएस-11 के अनुसार लेखा नहीं किया गया है, क्योंकि समस्त

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
	विदेशी मुद्रा लाभ/हानि की पहचान नहीं की जाती। हम रकम बताने में असमर्थ है, क्योंकि वह निर्धारणयोग्य नहीं है। यह लेखा मानक 11 विदेशी मुद्रा दर में बदलाव का प्रभाव का भी उल्लंघन है। In case of Imports, Purchase and Sales transaction are accounted for in the Books of Account at the Exchange Rates on the due dates of Letter of Credit instead of exchange rates prevailing on the date of Bill of Lading. However, there is no impact on the profitability of the Company but sales and purchases figures are over / under stated to that extent to which foreign exchange gain / loss is not recognized in the Books of Accounts. We are unable to quantify the amount as the same is not ascertainable. This is also in violation Accounting Standard 11 "Effects of changes in foreign exchange rates"	लेन-देन बैक-टु-बैक आधार पर किया जाता है, जिसका कंपनी के लेखों में विनिमय उतार-चढ़ाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। As per Accounting Policy no. 1.6. 1 & 2, purchases are booked based on actual remittance and sales are booked on actual remittance plus mark up. In case of remittance falling in next financial year, booking is done on the basis of spot exchange rate prevailing on the last date of the financial year. The practice is being followed on consistent basis over the years. Accounting as per AS-11 has not been done since all the transactions are done on back to back basis having no effect of exchange fluctuation in the books of the Company.
IX	'प्रचालन से राजस्व' जैसा कि नोट सं. 18 (क) में उद्घाटित किया गया है रु.21 लाख के सेवा शुल्क तथा रु.908 लाख की प्रतिभूति जमा पर व्याज के व्यतिक्रम के उपरान्त नेटेड ऑफ किया गया है (अन्य प्रचालन राजस्व के अधीन समुहबद्ध) गलती से पूर्व के वर्षों में आय के रुप में बुक किया गया था। अबधि के लिए शुद्ध लाभ व हानि पर लेखा मानक 5 के अनुसार लेखा नीतियों में परिवर्तन एवं पूर्व अवधि आइटम को लाभ व हानि के विवरण के केस में इस प्रकार प्रकट किया जाना चाहिए कि इससे प्रभाव को चालू वर्ष के लाभ पर आसानी से ज्ञात किया जा सके। चूँकि इसप्रकार के व्यतिक्रम पूर्व अवधि आइटम के रूप में पहचाना नहीं गया है, यह लेखा मानक 5 के प्रकटन जरुरतों का विरोधाभास है। "Revenue from Operations" as disclosed in Note No. 18 (a) is netted off after reversal of service charge of Rs. 21 lacs and Interest on security deposit of Rs. 908 lacs (Grouped under "Other operating revenue") wrongly booked as income in earlier years. As per Accounting Standard 5 on Net Profit or Loss for the period, prior period items and change in accounting policies, such prior period items should have been disclosed in the face of Statement of Profit and Loss in a manner that its impact on the current year's profit can be easily perceived. Since such reversal have not been recognized as prior period item, this is in contradiction to disclosure requirements of Accounting Standard-5.	किए गए समायोजन को पूर्व अवधि के अधीन माना नहीं जा सकता, क्योंकि इस प्रकार वे व्यतिक्रम की इंदराज को मामलों के गुण-दोष पर विचार करने के बाद चालू वर्ष के दौरान लिए गए निर्णय के रुप में पारित किया गया था। तथापि, एएस-5 के प्रकटीकरण की जरूरतों के विरुद्ध नहीं है। The adjustments carried out cannot be treated under prior period since the entry for such reversal was passed as a result of decision taken during the current year after considering merit of the cases. Hence, there is no contradiction to disclosure requirements of AS-5.

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
X	जैसा कि लेखा पर नोट के नोट सं. 15(ख) में बताया गया है, व्यापार प्राप्य में रु.59863 लाख 46 पार्टियों से जुड़े सोने के जेवरात के निर्यात व्यापार प्राप्य शामिल है, जो कि विभिन्न स्तरों पर कानूनी विवाद के अधीन है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार ऐसे मामलों में वसूली नहीं की गयी है। ऐसे मामलों में संभावित गैर-वसूली कम वसूली को पूरा करने के लिए कंपनी के पास रु.900 लाख का प्रावधान है। हमें उपलब्ध कराई गयी सूचनाओं कागजातों के आधार पर इस प्रकार के प्रावधानों की प्रर्याप्तता पर टिप्पणी करने में हम असमर्थ हैं।	एमएसटीसी ने खरीददारों से बकाए की वसूली के लिए आवश्यक कानूनी उपाय चालू कर दिए हैं। यूएई में 44 मामलों तथा एक-एक सिंगापुर एवं कुवैत में खरीददारों के खिलाफ फाईल किए गए कुल मामलों में से एमएसटीसी ने अभी तक 42 डिक्रियाँ हासिल की हैं, जो कि उसके पक्ष में हैं। जिसकी रकम रु.65840 लाख (लगभग) होती है। डिक्री हासिल होने के उपरांत कई पार्टियों के विरुद्ध क्रियान्वयन मामले चालू किए जा चुके है। एमओए की शर्तों के अनुसार 6 सहयोगी आपूर्ति कर्ताओं के विरुद्ध पंच फैसला प्रक्रिया चालू कर दी गयी हैं। तीन (3) सहयोगियों के संबंध में रु.34723 लाख मूल्य के जीत प्राप्त की जा चुकी है, जो कि क्रियान्वयन के अधीन है। एक सहयोगी सर्वश्री उष्मा ज्वैलरी ने कंपनी के पास जमीनी सम्पत्ति गिरवी रख दी, जिसका मूल्य रु.3900 लाख है, जैसा कि मई 2010 में मूल्यांकन किया गया। उक्त परिसम्पत्वियों की बिक्री के लिए एक मुकदमा दायर किया जा चुका है, जिसके लिए बाम्बे उच्च न्यायालय द्वारा स्टे आर्डर जारी किया जा चुका है कि मालिकों द्वारा सम्पत्ति को बेचा/अंतरण नहीं किया जाय। वर्तमान बाजार की स्थिति को देखते हुए रु.3900 लाख से अधिक वसूल करने का एमएसटीसी को उम्मीद है। कंपनी ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निराकरण आयुक्त (एनसीडीआरसी) से अपना वैध दावा के निराकरण हेतु ईसीजीसी के विरुद्ध कानूनी मुकदमा भी दायर किया है। एमएसटीसी तथा ईसीजीसी दोनों ने आयुक्त के समक्ष एपीडेविट ऑफ एवीडेंस तथा लिखित वक्तव्य पेश किया है और तर्क 26.08.2013 से दैनिक आधार पर प्रारंभ होना है। मामलों की प्रगति के अनुसार एमएसटीसी को ईसीजीसी से पूरा दावा वसूल करने के प्रति पूरी आशा है। स्टैंडर्ड चाटर्ड बैंक (एससीबी) ने भी फैक्टरिंग व्यवस्था के अधीन लेन-देन के लिए बकाए के दावे के निराकरण के विरुद्ध बाम्बे उच्च न्यायालय में एक मुकदमा आईसीआईसीआई तोब्मार्ड, बीमा कंपनी के विरुद्ध दायर किया है। उच्च न्यायालय ने एकतरफा डिक्रि पास करते हुए प्रतिवादी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड को मूल राशि पर 12.25% की दर से व्याज सहित 21.01.2010 से भुगतान तक रु.14426 लाख की रकम एससीबी को अदा करने का आदेश दिया है। उपर्युक्त के अलावा, सीबीआई तथा ईडी ने भी सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं से जाँच के दौरान रु.11640 लाख मूल्य की परिसम्पत्तियाँ एवं सम्पत्तियाँ जब्त की हैं। एमएसटीसी सीबीआई कोर्ट से सम्पर्क करने की योजना बना रही है, ताकि जब्त परिसम्पत्तियाँ एमएसटीसी को हस्तांतरित की जा सके। बकायों की वसूली की स्थिति लेखों के नोट के पैरा 15 (ख) में पर्याप्त रुप से प्रकट की गई है। संक्षेप में, एमएसटीसी ने बकायों को वसूल करने के लिए तीन रणनीति बनाई है (1) सहयोगियों से पंच फैसला तथा बंधक संपत्तियों की बिक्री के जरिए (2) खरीददारों से न्यायालय के जरिए (3) हमारे दावे के विरुद्ध ईसीजीसी से। पुनः यह माना जा सकता है कि कानूनी प्रक्रिया में आम तौर पर काफी समय लगता है और यह 3 वर्षों के समय को पर्याप्त नहीं माना जा सकता है। इतना ही नहीं जैसा कि ऊपर कहा गया है, जब सभी कानूनी मामलों में सकारात्मक प्रगति है तो विवादास्पद बकायों के विरुद्ध और कोई प्रावधान करना उचित नहीं होगा।

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-III Annexure-III to Directors' Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*टिप्पणियाँ/अवलोकन Comments/ Observations*	*प्रबंधन का उत्तर Management's Replies*
	As stated in Note no 15(b) of Notes on Account, trade receivable include Rs. 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery involving 46 parties which are under litigation at various levels .As per information available ,no recovery has been made in these cases. The company holds provision for Rs. 900 lacs to cover possible non recovery/ short recovery in these cases. We are unable to comment to the adequacy of such provision on the basis of documents/information provided to us.	MSTC initiated necessary legal measures for realization of the dues from the buyers. Out of a total of 44 cases filed against buyers in UAE and one each in Singapore and Kuwait, MSTC has so far obtained 42 decrees in its favour amounting to Rs. 65840 lacs (approx.). Execution cases have already been initiated against a number of the parties after receipt of the decrees. As per terms of the MOA, arbitration proceedings have been initiated against six(6)associate suppliers. Awards have been received valuing Rs. 34723 lacs in respect of the three(3) associates which are in the process of execution. One of the associates M/s. Ushma Jewellers has mortgaged landed property to the company valuing Rs. 3900 lacs as per valuation done in May, 2010. A suit has already been filed for sale of the said properties for which a stay order has already been granted by the Bombay High Court not to sell/transfer the assets by the owners of the properties. MSTC is expected to realize much more than Rs. 3900 lacs as per current market condition. The Company has also initiated legal cases against ECGC for repudiation of its valid claims with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC). Both MSTC and ECGC have already submitted affidavits of evidence before the Commission and written submissions and arguments are due to start on a daily basis from 26.08.13. As per progress of the cases, MSTC is quite hopeful to recover the full claim from ECGC. Standard Chartered Bank (SCB) has also filed a Summary Suit against ICICI Lombard, insurance company at Bombay High Court against repudiation of claims covering dues for transactions under factoring arrangement. The High Court has passed an exparte decree ordering the defendant ICICI Lombard to pay to SCB a sum of Rs. 14416 lacs along with interest @12.25% on the principal amount from 21.01.2010 till payment. In addition to above, CBI and ED have seized assets and properties worth Rs. 11640 lacs during the course of investigation from the associate suppliers. MSTC is planning to approach CBI Court to transfer the seized assets to MSTC. The status of the realization of the dues have been adequately disclosed at Para 15 (b) of notes on accounts. In short, MSTC has taken three pronged strategy to recover the dues (1)from the associates through arbitration and sale of mortgaged properties, (2) from the buyers through court order and (3) from ECGC against our claim Further, it may be appreciated that the legal process normally takes a considerable time and for this a period of 3 years cannot be considered sufficient. More over, when there is a positive development in all the legal cases as stated above, it will not be appropriate to make any further provision against the dues in question.

लेखा प्रतिवेदन के अनुलग्नक के तहत लेखा परीक्षा अवलोकन पर पैरा के अनुसार टिप्पणियाँ
Para-Wise Comments on the Audit Observations under Annexure to Audit Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*लेखा अवलोकन Audit Observations*	*प्रबंधन की टिप्पणियाँ Management Comments*
Ia.	कंपनी नें वर्ष के दौरान फिक्सड् ऐसेट का वास्तविक सत्यापन नहीं किया है। हम वास्तविक सत्यापन तथा खाते में दर्ज किसी तरह के सामग्री असंगति पर कोई टिप्पणी नहीं कर पा रहे है, क्योंकि प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान वास्तविक सत्यापन नहीं किया गया। The company has not physically verified the fixed assets during the year. We are unable to comment if any material discrepancies in book record with physical verification record as no physical verification has been conducted during the year by the management.	वित्तीय वर्ष 2010-11 में फिक्स्ड ऐसेट का वास्तविक सत्यापन किया गया था। प्रबधन ने योजना बनाई है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में फिक्स्ड ऐसेट का वास्तविक सत्यापन किया जाएगा। Physical verification of Fixed assets was carried out in F.Y 2010-11. Management has planned to take up the physical verification of Fixed assets in F.Y 2013-14.
IV) 1.0 विपणन प्रभाग / **Marketing Department**		
1.0.1	विपणन नीति, जोखिम प्रबंधक नीति (आरएमपी) (पुरानी), तथा आरएमपी (नई) (27.02.2013 से प्रभावित का सही ढंग से अनुसरण क्रियान्वयन नहीं किया गया। इतना ही नहीं, जँहा कहीं उसको सुधार ने के लिए सीएमडी के अनुमोदन की आवश्यकता थी वह नहीं किया गया तो बाद में लिया गया। Marketing Policy, Risk Management Policy (RMP) (old) and RMP (new) (effective date 27.02.2013) were not properly followed/implemented. Moreover, wherever approval of CMD was required to ratify the same, it was not done or done post facto.	सामान्यतः नीतियों का पालन समुचित ढंग से किया जाता है। बहरहाल बाजार की विशेष स्थितियों की बजह से कई बार नीति से सूक्ष्म विचलन होता है तथा निगम के हित में बेहतर उगाही के लिए होता है। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त किया गया था। Policies are in general properly followed. However sometimes minor deviations occurred from the policy due to the particular situation of the market and also in the interest of the corporation for better realization for which approval of competent authority was obtained.
1.0.2	करार ज्ञापन, त्रिपक्षीय करार एवं बिक्री ऐजेंसी करार को मूल करार की समाप्ति के पहले नियमित रूप से नवीकृत नहीं किया गया। Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.	करार ज्ञापन नियमित आधार पर नवीकृत किया जाता है। नवीकृत के समय नवीन तथा नवीनतम दस्तावेजों, प्रमाणपत्रों, बैंक रिर्पोटों, लेखा विवरण, क्रेडिट रिर्पोट आदि की आवश्यकता होती है। इसकी वजह से समय लगता है तथा उपरोक्त के आधार पर ड्यू डिलिजेंस अत्यंत सावधानी पूर्वक और सतर्कता के साथ किया जाता है। अगर किसी भी तरह से व्यवसाय होता है तो वह अंतरिम अवधि में ग्राहक से स्वीकृति-पत्र लेने के बाद ही होता है। एमओए में यह स्पष्ट क्लॉज है कि एमओए की वैधता अवधि में खरीदी गई सामग्री पर वह वर्तमान एमओयू की समाप्ति पर भी सामग्री का उठाना पूरा होने तक तथा सामग्री की कीमत एसएसटीसी को भुगतान करने तक लागू रहेगा। MOAs are renewed on a regular basis. At the time of renewal, new and latest documents, certificates, bank reports, account statement, credit reports etc. are needed which takes time and due diligence is done on the basis of above with utmost care and caution. The business if at all is done it is after taking consent letters from the customers in the interim period. The MOAs have a clear clause that materials procured under the validity period of MOA will remain enforced even after the expiry of current MOA till the lifting is completed and material paid for to MSTC.

लेखा प्रतिवेदन के अनुलग्नक के तहत लेखा परीक्षा अवलोकन पर पैरा के अनुसार टिप्पणियाँ
Para-Wise Comments on the Audit Observations under Annexure to Audit Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. Auditors' Report Para No.	*लेखा अवलोकन Audit Observations*	*प्रबंधन का टिप्पणियाँ Management Comments*
1.0.3	बंधा के स्टॉक के मामले में एमएसटीसी ने सर्वश्री फैरोस्क्रेप निगम लि. (उनसे पहले ट्रानसेफ सार्विसेस लि.) के कस्टोडियन नियुक्त किया, जिनसे करार के अनुसार नियमित आधार पर साप्ताहिक रिपोर्ट (शर्तों के अनुसार यथा वांछित) जमा नहीं किया। कंपनी द्वारा ना तो संज्ञान लिया गया और ना हीं फिरसे मिलान किया गया। In case of pledged stock, MSTC appointed Custodian M/S Ferro Scrap Nigam Ltd (prior to them M/s Transafe Services Ltd.) do not submit Weekly Report (as required under the terms) on a regular basis as per agreement. Neither the same are given cognizance nor reconciled by the company.	मार्केटिंग विभाग द्वारा टेलीफोन और ई-मेल के माध्यम से स्टॉक की स्थिति और रिर्पोटस् साप्ताहिक रूप से लिया जाता है। एमएसटीसी के अधिकारीगण स्टॉकयार्ड का औचक निरीक्षण भी करते हैं। बहरहाल, अप्रैल 2013 से एफएसएनएल से साप्ताहिक रिर्पोट नियमित आना आरंभ हो गया है और जब कभी बुक स्टॉक तथा कस्टोडियन रिर्पोट में कोई अंतर पाया जाता है तो उसे रिकॉनसाइल किया जाता है और जरूरत अनुसार समुचित कारवाई की जाती है। Weekly stock position and reports are taken on phone by marketing department regularly and also through e-mails. MSTC officers also carry out regular and surprise inspection of the stockyards. However weekly reports have started coming from FSNL on a regular basis from April 2013 and whenever differences are observed between book stock and custodian report, the same are reconciled to ascertain the difference followed by appropriate action, if so called for.
2.0 क्षेत्रीय कार्यालय / **Regional Offices**		
2.0.1	सफलतापूर्वक की गई ई-निलामी के मामले में जिसमें खरीदार ने बयाना राशि जमा (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ प्रिंसिपल को किया है और उसके बाद माल उठाने में नकाम रहे हैं, कंपनी इस सूचना के अभाव में कि बयाना राशि को ज्बत कर लिया गया है की नहीं, सर्विसेस चार्ज का बिल बनाने में असमर्थ है। तथापि, वर्ष के दौरान कितनी संख्या में बयाना राशि ज्बत की गई है और उस पर बिल बनाया गया है उसे जानने के लिए कोई नियंत्रण पायंट नहीं है। In case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest money deposit (EMD) only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's forfeited during the year and billing thereon.	प्रिंसिपल द्वारा ईएमडी के जब्तीकरण से संबंधित सूचना पर कंपनी का संपूर्ण नियंत्रण है उसे स्पष्ट पुष्टि प्राप्त करने के बाद, चूंकि वित्तीय मामला है, एमएसटीसी सेवा प्रभार का बिल बनाता है। Company has full fledged system of controlling the information regarding forfeiture of EMDs by Principals. After getting clear confirmation from them, being a financial issue, MSTC raises service charge bills.
2.0.2	सेवा प्रभार बिल उस तारीख के बहुत बाद की तारीख में बनाए जाते है, जिस तारीख को खरीदार द्वारा पूरा माल उठा लिया गया हो। बिल आम तोर पर 2 से 3 महीनें के बाद प्रेषित किया जाता है। Service Charge bills are raised at a date much latter than the date on which entire liftment had been done by the buyer. Also the bills are dispatched generally after a time lag of 2-3 months.	अधिकांश मामलों में, बिल महीने के दौरान डीओ जारी करने के आधार पर मासिक रूप से बनाया जाता है। लेकिन लेखा परीक्षक ने जिस मामलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है वे डिफेंस से संबंधित है, जिसके लिए बिल एसआरओ (स्टोर रिलिज आर्डर के आधार पर बताया जाता है। यह विभिन्न इकाइयों से सामग्री का उठाना पूरा होने पर भेजा जाता है। जैसा कि लेखा परीक्षक की राय है, एमएसटीसी अपनी सभी इकाइयों को यह निदेश देगी कि बिल बनाने और उसके बाद डिस्पेच करने में देर न हो। In most of the cases, bills are raised on monthly basis, based on DOs issued during that month. But the cases cited by audit relate to defence, where service charge bills are raised based on SRO (Store release order) forwarded by various units on completion of lifting. As opined by Audit, MSTC will instruct units so that there is no delay in raising of bills and dispatch thereof.

लेखा प्रतिवेदन के अनुलग्नक के तहत लेखा परीक्षा अवलोकन पर पैरा के अनुसार टिप्पणियाँ
Para-Wise Comments on the Audit Observations under Annexure to Audit Report

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सं. *Auditors' Report Para No.*	*लेखा अवलोकन* *Audit Observations*	*प्रबंधन का टिप्पणियाँ* *Management Comments*
XI	हमारी कंपनी के अभिलेख की जांच तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण से कंपनी ने बैंक अथवा वित्तीय संस्थान को बकाए के पुर्नभुगतान कोई चुक नहीं की है, सीबाए इंडियन ओवरसीज बैंक से रु.138 लाख तथा स्टेंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु.14,416 लाख के ऋण को छोड़कर जैसा की लेखे के मद्द संख्या 5 में उल्लिखित है। According to the records of the Company examined by us and the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to a financial institution or bank except for the loan from Indian Overseas Bank Rs 138 lacs and Standard Chartered Bank Rs 14,416 lacs as mentioned in Note No. 5 of the Notes on Account.	दोनों ही मामले न्यायालयाधीन है एवं नोट सं. 5 में पर्याप्त उल्लेख किया गया है। Both the matter is under subjudice and have been adequately disclosed in note no 5 to the notes on accounts.
XII	सीबीआई ने 29 अप्रैल 2012 को कंपनी के तीन अधिकारियों को वर्ष 2008-09 में स्वर्ण आभूषण मामले में ग्रिफतार किया था। इसमे. पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शामिल थे। प्रबंधन ने हमें सूचित की है कि सीबीआई ने फरवरी 2013 में चार्ज शीट फाइल किया है। CBI has arrested three officials of the Company including ex-CMD on 29th April 2012 in the matter of Export of Gold Jewellery in the year 2008 and 2009. The management has informed us that charge sheets have been filed by CBI in February,2013.	कोई टिप्पणी नहीं। अभी भी सीबीआई की ओर से जांच-पड़ताल जारी है। No comments. The CBI investigation is still continuing.

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

एस के त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-IV Annexure-IV to Directors' Report

एमएसटीसी लिमिटेड, कोलकाता के 31 मार्च, 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के तहत् भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों एवं प्रबंधन का उत्तर

Management Reply to Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the Accounts of MSTC Limited for year ended 31st March 2013.

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां *Comments of the Comptroller and Auditor General of India*	*प्रबंधन का उत्तर* *Management's Reply*
तुलन - पत्र व्यापार प्राप्य - रु.450180.00 लाख लाभ व हानि लेखा कर-पूर्व लाभ - रु.19340.00 लाख तीन वर्षों से अधिक समय से बकाया सोना निर्यात की दिशा में व्यापार प्राप्य बकाया रकम का प्रावधान न करने के परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्य रु. 58963.18 लाख अधिक दिखाया गया है और साथ ही साथ उतनी ही रकम कर-पूर्व लाभ में अधिक दिखाया गया है। इसका प्रावधान करने से रु.19340.00 लाख कर-पूर्व लाभ रु.39623.18 लाख हानि हो जाती। Balance Sheet Trade Receivables : Rs.450180 lakh Profit and Loss Account Profit before tax : Rs.19340 lakh Non provision of outstanding amount of trade receivables towards gold export due for more than three years has resulted in over statement of trade receivables by Rs.58963.18 lakh as well as overstatement of profit by the same amount. Provisioning of the same would turn profit before tax of Rs.19340 lakh to loss of Rs.39623.18 lakh.	प्रबंधन का विचार है कि यद्यपि तीन वर्ष का समय व्यतीत हो चूका है, परन्तु इस प्रकार का प्रावधान काफी समय-पूर्व होगा, यदि पूरी वसूली की दिशा में हुई निम्नलिखित सकारात्मक प्रगति को ध्यान में रखा जाय। Management is of the view that although more than 3 years have passed but such a provision will be very pre-mature if the following positive developments leading towards full recovery are taken into account : (i) एमएसटीसी नें 46 विदेशी खरीदारों के विरुद्ध मामला फाईल किया है, जो 44 यूएई में और 1-1 कुवैत एवं सिंगापुर में हैं। एमएसटीसी को अभी तक 42 डिक्रियाँ मिल चुकी हैं, जो सभी उसके पक्ष में हैं। कुल डिक्रियों का मूल्य रु.65840 लाख होता है। शेष बचे 4 मामलों की डिक्रियाँ अगले तीन से चार महीनों में प्राप्त होने की आशा है। डिक्रियाँ प्राप्त होने के उपरान्त बड़ी संख्या में खरीदारों के विरुद्ध क्रियान्वयन मामले चालू किए जा चुके हैं। i) MSTC filed cases against 46 foreign buyers - 44 in UAE and 1 each in Kuwait and Singapore for their failure in payments. MSTC has so far obtained 42 decrees and all are in its favour. Total value of the decrees works out to Rs.65840 lakhs. Decrees for the remaining 4 cases are expected to be received within next three to four months, Execution cases have already been initiated against a number of buyers after receipt of the decrees. (ii) चूँकि ईसीजीसी ने निर्यातों के लिए विदेशी खरीदारों द्वारा दीर्घ अवधि असफलता के कारण एमएसटीसी का दावा गलत ढंग से अस्वीकार कर दिया है, एमएसटीसी ने 36 विदेशी ग्राहकों के विरुद्ध 36 मामले ईसीजीसी के खिलाफ नेशनल कंज्यूमर डिसप्यूट रिड्रेसल कमीसन के पास फाईल किए हैं। इसकी रकम रु.45000 लाख होता है। दोनो ओर से अपने-अपने साक्ष्य का हलफनामा कमीशन के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है। जमा दिए गए साक्ष्य के अनुसार, एमएसटीसी की स्थिति बेहद मजबूत है। मामलों की सुनवाई अंतिम सत्र पर हैं। प्रबंधन को पूरी आशा है कि कमीशन द्वारा उसके पक्ष में फैसले दिए जाएँगे। ईसीजीसी की अस्वीकार्यता का मुख्य आधार है कि सोने के जेवरातों के सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं का अस्तित्व एवं व्यापार मॉडल का विवरण एमएसटीसी द्वारा उनसे छिपाया गया था, जिसे सीबीआई द्वारा ईसीजीसी की फाइलों से नोटिंग के प्रकटन द्वारा गलत सिद्ध कर दिया था, जबकि सम्पूर्ण व्यापार मॉडल, सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं का अस्तित्व तथा अन्य विवरण उनके कोलकाता क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा ईसीजीसी के मुंबई मुख्यालय को स्पष्ट रुप से बता दिया गया था - जब कस्टोमाईजड् नीति के लिए सिफारिश की जा रही थी।

टिप्पणियाँ/अवलोकन ***Comments of the Comptroller and Auditor General of India***	*प्रबंधन का उत्तर* ***Management's Reply***
	(ii) Since ECGC had wrongfully repudiated MSTC's claims on account of protracted default by the foreign buyers for exports made under discounting made. MSTC filed 36 cases for 36 foreign buyers against ECGC with National Consumer Dispute Redressal Commission. The amount involved is Rs.45000 lakhs. Both sides have already submitted their affidavit of evidence before the Commission. As per the evidence submitted, position of MSTC is very strong. The hearing for the cases is at final stage. Management is quite hopeful that the award will be issued by the Commission in its favour. Main ground of ECGC's repudiation that the details of business model and existence of associate suppliers of gold jewellery were hidden from them by MSTC has proved to be wrong by disclosure of notings from the files of ECGC by CBI where complete business model, existence of associate suppliers and other details were clearly spelt out by their Kolkata Regional Manager to ECGC's Mumbai Head Office while recommending for the customised policy. (iii) स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) ने एमएसटीसी से फैक्टरिंग मोड के अधीन किए गए निर्यात के लिए प्राप्य को खरीद लिया था उन्होंने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड से उसे बीमा करवा दिया था। एससीबी नें बाम्बे उच्च न्यायालय में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के विरुद्ध समरी मामला फाइल किया है, जो कि बीमा कंपनी द्वारा उनके दावे के अस्वीकार करने के खिलाफ है। बाम्बे उच्च न्यायालय ने एक्सपार्टी आदेश जारी किया है, जिसमें प्रतिवादी को रु.14416लाख एवं साथ ही 21.10.2010 से मूलधन पर @12.25% व्याज की रकम एससीबी को अदा करने का आदेश दिया है। यह रकम भी लेखापरीक्षा द्वारा की गई रु.58963.18 लाख की टिप्पणी का अंश है। (iii) Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables for exports done under factoring mode from MSTC and they insured the same with ICICI Lombard. SCB filed a summary suit against ICICI Lombard at Bombay High Court against repudiation of their claims by the insurance company. The High Court has passed an exparte decree ordering the defendant to pay to SCB a sum of Rs.14416 lakhs along with interest @12.25% on the principal amount from 21.10.2010. This amount is also a part of Rs.58963.18 lakhs commented upon by Audit. (iv) एमएसटीसी ने सभी 6 सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध करार ज्ञापन के अनुसार पंचनिर्णय में भेजा है तथा तीन सहयोगियों के खिलाफ पक्ष में डिक्रि भी प्राप्त हो चुकी है, जिसका मूल्य रु.34723 लाख है। पंचफैचले का निर्णय क्रियान्वनयन के लिए प्रस्तुत किया गया है। शेष तीन सहयोगियों के विरुद्ध पंचनिर्णय जारी है।

टिप्पणियाँ/अवलोकन ***Comments of the Comptroller and Auditor General of India***	*प्रबंधन का उत्तर* ***Management's Reply***
	(iv) MSTC invoked arbitration against all the 6 associate suppliers as per Memorandum of Agreement and have already got favourable decree against 3 associates valuing Rs.34723 lakhs. The arbitral awards have been put for execution. Arbitration against remaining 3 associates is continuing. (v) उपर्युक्त कदमों तथा उसमें हुई प्रगति के अलावा एमएसटीसी ने रु.3900 लाख मूल्य (2010 में किया गया मूल्यांकन) की बंधक रखी गई सम्पत्ति की बिक्री के लिए भी कारवाई प्रारंभ कर दी है, जो को लेटरल के रुप में एक सहयोगी से प्राप्त हुई थी. इसके अतिरिक्त सीबीआई एवं ईडी ने भी रु.11640 लाख मूल्य की परिसम्पत्तियाँ एवं प्रोपर्टी जब्त की है। एमएसटीसी ने ज्बत सम्पत्ति को एमएसटीसी को हस्तांतरित करने के लिए सीबीआई न्यायालय से सम्पर्क के लिए कारवाई शुरु कर दी है। उपर्युक्त के मद्देनजर, सम्पूर्ण बकाया रकम की वसूली के प्रति कंपनी आशान्वित है तथा यह महसूस करती है कि इस स्तर पर कोई भी प्रावधान करना उचित नहीं होगा, इस विचार के साथ कि प्राप्य तीन वर्ष से अधिक पुराना हो चुका है। तथापि, वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान प्रबंधन द्वारा इसकी समीक्षा की जाएगी। (v) Apart above mentioned steps and development thereof, MSTC have initiated action for sale of mortgaged landed property for a value of Rs.3900 lakhs (valuation done in 2010) received from one of the associates as collateral. In addition, CBI and ED have seized assets and properties worth Rs.11640 lakhs. MSTC has already initiated action for approaching CBI Court to transfer the seized assets to MSTC. In view of above, Company is hopeful of recovery of the entire outstanding amount and feels that it will not be proper to make any provision at this stage just on the consideration that the receivables have become more than three years old. However, this will be reviewed by the management during FY 2013-14.

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

एस के त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

कोलकाता/Kolkata
दिनांक/Date 16.09.2013

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड
के सदस्यों को,

वित्तीय विवरणों पर प्रतिवेदन

हमने 31 मार्च 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लि॰(कंपनी) के वित्तीय विवरणों का आंकेक्षण किया है, जिसमें उसी तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए तुलन–पत्र, लाभ–हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण शामिल है तथा महत्वपूर्ण लेखा नीतियों एवं अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचनाएं भी है।

वित्तीय विवरणों पर प्रबंधन की जिम्मेदारी

भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों, कंपनी अधिनियम, 1956 ('अधिनियम') की धारा 211 (3सी) के संदर्भ में लेखा मानकों सहित, के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, कार्यनिष्पादन तथा नकद प्रवाह का सही एवं साफ सुथरी तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। इस जिम्मेदारी में शामिल है– वित्तीय विवरण तैयार करने एवं प्रस्तुत करने के लिए आंतरिक नियंत्रण की डिजाइन, क्रियान्वयन एवं रखरखाव, जो सही एवं साफ–सुथरी छवि देती है एवं ठोस झुठे वक्तव्यों से मुक्त हो, चाहे वह गलती से हो या धोखाधड़ी से।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने अंकेक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करें। हमने भारत के सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी अंकेक्षण मानक के अनुसार अपना अंकेक्षण किया है। उन मानकों में इस बात की जरूरत है कि हम नैतिक जरूरतों व प्लानों को पूरा करें, ताकि इस संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त हो सके कि वित्तीय विवरण ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त हो।

एक ऑडिट में वित्तीय विवरणों का खुलासा तथा रकम के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य हासिल करने के लिए प्रक्रियाओं का कार्यनिष्पादन जुड़ा होता है चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें वित्तीय विवरणों व झूठे वक्तव्यों के जोखिम का आकलन भी शामिल है। चाहे वह धोखाधड़ी से हो यो फिर गलती से। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षक आंतारिक नियंत्रण पर विचार करता है, जो आंकेक्षण पद्धति की डिजाइन करने के लिए वित्तीय विवरणों का कंपनी द्वारा तैयार करना तथा साफ–सुथरा प्रस्तुत करना जुड़ा होता है। इस्तेमाल की गयी लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा अनुमान का औचित्य और साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समय प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन भी अंकेक्षण मे शामिल होते हैं।

हमें विश्वास है कि हमे जो आंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त हुआ है, वह हमारे आंकेक्षण मत के लिए पर्याप्त एवं उचित आधार प्रदान करता है।

योग्य राय के लिए आधार :

I) *लेखों पर द्रष्टव्यो के नोट सं॰ 15 (क) की ओर संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, नियति पर विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव पर लाभ/हानि एएस–11 के अनुसार लेखांकित नहीं किया गया है।*

Independent Auditors' Report

To the Members of
MSTC LIMITED

Report on the Financial Statements

We have audited, the accompanying financial statements of MSTC LIMITED ("the company") which comprise the Balance Sheet as at 31 March 2013, the Statement of Profit and Loss and the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, 'financial performance and cash flows of the Company in accordance with the Accounting Standards referred to In sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956 ("the Act").This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Company's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness ol the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Basis for Qualified Opinion

I. *Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes to Accounts, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11.*

यदि कंपनी एस-।। का पालन करती तो वर्ष का विनिमय लाभ ₹ 4,688 लाख बढ़ जाता (संचयी31.03.2013 तक ₹14,778 लाख)। फलस्वरूप व्यापार प्राप्य ₹14,778 लाख कम दिखाया गया हैं। करार के अनुसार, उपर्युक्त के संबंधित विनिमय लाभ/हानि को सहयोगी आपूर्तिकर्ता को उन्हें देय रकम तक पास कर दिया गया है। इसप्रकार व्यापार देय ₹14556 लाख कम दिखाया गया है ओर उपर्युक्त लाभ का शुद्ध प्रभाव से कंपनी के शुद्ध लाभ वर्ष के लिए ₹71 लाख कम दिखाया गया है (संचयी ₹222 लाख, 31.03.2013 तक)।

II) कुल व्यापार प्राप्यों ₹450,180 लाख तथा व्यापार देयों ₹361,452 लाख में से क्रमश: ₹256,491 लाख एवं ₹361,452 लाख के संबंध में पुष्टि कंपनी द्वारा पार्टियों से प्राप्त नहीं की गयी है। इन शेषों पर पुष्टि के कारण उत्पन्न होने वाले प्रभाव पर हम टिप्पणी करने में असमर्थ है।

III) व्यापार प्राप्यों से संबंधित लेखों पर द्रष्टव्य के नोट सं॰ 15 (सी) के मद्दे नजर, जो कि वित्त वर्ष2008-09 के दौरान सामानों की आपूर्ति के लिए ₹6,278 लाख की रकम शेसा इन्टरनेशनल से बकाया है, जिसके खिलाफ कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया शुरू की गयी है वह प्रगति पर है। इस मामले में, बंदरगाह पर पड़े हुए माल के निपटान से कंपनी ने ₹223 लाख वसूला गया है तथा ₹102 लाख का शेष माल के लिए बिक्री की रकम अभी तक रिसीवर के पास रखी गयी है। चूंकि ₹5,953 लाख की शेष रकम का कोई प्रावधान नहीं किया गया है, कंपनी का शुद्ध लाभ अधिक दिखाया गया है तथा उसी सीमा तक प्रावधान कम दिखाया गया है।

IV) कंपनी ने जुलाई, 2010 मे कोनरॉस स्टील प्रा॰लि॰(सीएसपीएल) के लिए ₹929 लाख मूल्य का2500 मेट हॉट रोल्ड (एचआर) क्वायल खरीदा था, जिसमें से उन्होंने ₹367 लाख मूल्य का माल अप्रैल, 2012 से नहीं उठाया है। वह सीएसपीएल से वसूली योग्य है तथा उसने व्यापार प्राप्य में शामिल कर लिया है (नोट सं॰15)। इस बीच, सीएसपीएल की अन्य खरीद एजेंसी स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लि॰ ने दावा किया तथा न उठाए गए एच आर क्वापल का कब्जा इस आधार पर ले लिया कि उक्त माल उनके पास बंधक है। मामला अभी पंचाट के अधीन है तथा विभिन्न न्यायालयों में मामले लंबित हैं। हमारी राय में वर्तमान लेखा पद्धति के अनुसार ₹10 लाख की प्रतिभूति जमा के सामयोजन के बाद ₹357 लाख अवसूली के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए। अत: इस रकम का प्रावधान न करने के फलस्वरूप लाभ ₹357 लाख अधिक दिखाया गया है तथा उस सीमा तक प्रावधान कम दिखाया गया है।

V) सुविधादाता मोड के अधीन खरीदे गए सामग्री की दिशा में सर्वश्री तिरूपति फ्युल्स प्रा. लि. से बकाया (लेखा द्रष्टव्य के नोट सं॰ 15 देखे) ₹6554 लाख व्यापार प्राप्य में शामिल है। तथापि, वर्ष 2010-11 से उठाने की पद्धति संतोषजनक नहीं रही है। पार्टी ने

Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have increased by ₹4,688 lacs for the year (cumulative ₹14,778 lacs upto 31.03.2013). Consequently Trade Receivables are understated by ₹14,778 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate 'suppliers upto to the amount payable to them. Thus trade payables are understated by ₹ 14,556 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of net profit of the Company Rs.71 lacs for the year (cumalative ₹222 lacs upto 31.03.2013).

II. Out of total Trade Receivable of ₹.450,180 lacs and Trade payable of ₹361,452 lacs, balance confirmation in respect of ₹256,491 lacs and ₹361,452 lacs respectively have not been obtained from the parties by the Company. We are unable to comment on the effect arising on confirmations of these balances.

III. In view of Note No. 15 (c) of Notes to Accounts relating to Trade Receivables amounting to ₹6,278 lacs from Sesa International for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been Initiated by the Company and in progress. The company has realized ₹223 lacs in this case from disposal of goods lying at port, and further sale proceeds for balance material ₹102 lacs is kept with the receiver till now. Since no provision has been made in respect of the balance amount of ₹5,953 lacs the net profit of the company has been overstated and provision has been understated to that extent.

IV. The Company had procured 2500 M. T. of Hot Rolled (HR) Coils valuing Rs. 929 lacs in July, 2010 for Conros Steels Private Limited (CSPL), out of which they did not lift material valuing ₹367 lacs since April, 2012. The same is recoverable from CSPL and is included in Trade Receivables (Note No.15) Meanwhile, State Trading Corporation of India Limited (STC), another procurement agency of CSPL claimed and took possession of such unlifted HR Coils on the ground that the said goods are pledged to them. The matter is presently under arbitration and suits are pending in various courts. In our opinion, as per prudent accounting practice, provision should have been made for unrealised ₹357 lacs after adjustment of Security Deposit of ₹10 lacs. Thus, non-provisioning of the amount has resulted in overstatement of profit by ₹357 lacs and understatement of provision to that extent.

V. Trade Receivable include ₹6554 lacs (Refer Note No. 15 of Notes to Accounts) due from M/S.Tirupati Fuels Private Limited (TFPL) towards materials procured under facilitator mode. However, lifting pattern has not been

औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआईएफआर) के पास नवम्बर, 2012 में रुग्न होने पर आवेदन दिया है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा एमएसटीसी को दिनांक 19.03.2013 को निर्देश दिया गया कि बीआईएफआर से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किए बगैर टीएफपीएल के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न करे। हमारी राय में, वर्तमान लेखा पद्धति के अनुसार ₹560 लाख के बदले ₹1026 लाख की प्रतिभूति जमा का समायोजन करने के उपरान्त ₹5528 लाख की रकम का प्रावधान किया जाना चाहिए था, जिसके लिए कंपनी प्रावधान रखती है। इसके फलस्वरूप लाभ मे ₹4968 लाख अधिक दिखाया गया है तथा प्रावधान में कम दिखाया गया है।

VI) कंपनी ने मेहर किरन एण्टरप्राइजेस लि॰ (एमकेईएल) के लिए ₹6,000 लाख मूल्य का 27,500 एमटी कोकिंग कोल खरीदा था, अगस्त 2008 में। तथापि, एमकेईएल माल उठाने में नाकाम रहा तथा जुलाई, 2009 में एक करार समझौता में एमएसटीसी के साथ प्रवेश किया, आगे कोकिंग कोल की खरीद तथा पूर्व में आयातित कोकिंग कोल के बकाए को नियमित करने के लिए। मूलधन की वसूली अनिश्चित होने के कारण कंपनी ने जून, 2012 में एक संशोधित योजना के अंतर्गत प्रवेश किया जिसके अनुसार एमकेईएल से बकाया ₹5,020 लाख को 36 महीने में वसूल किया जाय। परन्तु वसूली की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया तथा कुल बकाया 31.03.2013 तक बढ़कर ₹7,090 लाख हो गया, जो कि व्यापार प्राप्य में दर्शाया गया है (नोट सं॰15)। चूंकि ₹7090 लाख की वसूली की संभावना बेहद क्षीण है, वर्तमान लेखा नीति का अनुसरण करते हुए, की गयी बिक्री ₹576 लाख तथा बंधक स्टॉक का मूल्य ₹2235 लाख प्राप्य की दिशा में तथा प्रतिभूति जमा/गिरवी ₹1395 लाख का समायोजन करने के बाद ₹2,944 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए। इस खाते मे कंपनी ने ₹967 लाख का प्रावधान किया है। शेष रकम का प्रावधान न किए जाने के परिणाम स्वरूप ₹1977 लाख की रकम लाभ में अधिक दिखाई गई है और प्रावधान उस सीमा तक कम दिखाया गया है।

VII) कंपनी के पास पार्टियों के चालू खाते में दर्ज डेबिट एवं क्रेडिट पर क्रमश: 15% वार्षिक और 7% वार्षिक की दर से व्याज चार्ज करने का प्रावधान यानी आउटफ्लो एवं इनफ्लो पर। तथापि, यह देखा गया था कि सर्वश्री इण्डो अमेरिकन इलेक्ट्रिकल लि॰, एवं क्रेस्ट स्टील एण्ड पावर प्रा॰लि॰ के खाते में व्याज लेखा नहीं किया गया और सर्वश्री तिरूपति फ्यूल्स प्रा॰लि॰ तथा मेहर किरन एण्टरप्राइजेस लि॰ के मामले में चार्ज नहीं किया गया।

इसके फल स्वरूप ₹228 लाख तथा ₹473 लाख की रकम तक ब्याज से आय में हानि हुई है, क्रमश: इण्डो अमेरिकन इलेक्ट्रिकल लि॰ तथा क्रेस्ट स्टील एण्ड पावर प्रा.लि. के मामले में। पुन: सर्वश्री तिरूपति फ्यूल्स प्रा.लि. तथा मेहर किरन इण्टरप्राइजेस लि॰ के मामले में ब्याज की हिसाव न लगाए जाने के कारण हानि का निर्धारण नहीं किया जा सकता।

satisfactory since 2010-11. The party had applied to Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) on becoming sick in November, 2012. MSTC has been directed by the Hon'ble High Court on 19.03.2013 not to take any coercive action against TFPL without prior approval of BIFR. In our opinion, as per prudent accounting practice, provision should have been made for the amount of ₹5528 lacs after adjusting security deposit of ₹1026 lacs instead of ₹560 lacs for which the company holds provision. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹4968 lacs.

VI. The Company had procured 27,500 M.T. of coking coal valuing ₹6,000 lacs for Meherkiran Enterprises Ltd (MKEL) in August, 2008. However, MKEL failed to lift the material and entered into a Memorandum of Agreement in July, 2009 with MSTC for further procurement of coking coal as well as to regularize the dues of coking coal imported earlier. The recovery of principal amount being uncertain, the Company entered into a revised scheme in June 2012 according to which total dues of ₹5,020 lacs from MKEL had to be recovered within 36 months, but the status of recovery had not improved and total dues has increased to ₹7,090 lacs as on 31.03.2013 as Included in trade Receivables (Note No.15). As the possibility of recovery of ₹7,090 lacs is remote, following prudent accounting policy, provision should have been made for an amount of ₹2,944 lacs after adjusting security deposit / collateral security of ₹1,395 lacs, receivable towards sales made ₹516 lacs and value of pledged stock of ₹2,235 lacs. The company holds a provision of ₹967 lacs on this account. Non provisioning of the balance amount has resulted in overstatement of profit for an amount of ₹1,977 lacs and understatement of provision to that extent.

VII. The company has a policy of charging Interest of 15% p.a. and 7% p.a. on the debits and credits recorded in the current account of parties i.e. on the net outflows and inflows, respectively. However, it was observed that interest has not been accounted for in case of M/s. Indo American Electricals Ltd., M/s. Crest Steel & Power Pvt. Ltd., and not charged in case of M/s. Tirupati Fuels Pvt Ltd. & M/s Meherkiran Enterprises Ltd.

As a result of above, there is loss of Interest Income to the tune of ₹228 lacs and ₹473 lacs in case of M/s. Indo American Electricals Ltd. and M/s. Crest Steel & Power Pvt. Ltd. respectively. Further in case of M/s. Tirupati Fuels Pvt. Ltd. and M/s Meherkiran Enterprises Ltd., loss cannot be ascertained due to non calculation of interest.

यद्यपि उपर्युक्त पार्टियों के लिए ब्याज से आय लेखांकित नहीं किया गया था कंपनी उन्हें नियमित आधार पर खरीद/बिक्री की सुविधा प्रदान करती है। हमारा विचार है कि इस प्रकार के ब्याज के गैर-लेखांकन के लिए इस प्रकरण के ब्याज से आय को कम दिखाया गया है साथ ही व्यापार प्राप्य भी उस सीमा तक कम दिखाया गया है।

VIII) आयात, खरीद एवं बिक्री के मामले में लेन-देन लेखा पुस्तक में बिल ऑफ लेडिंग की तारीख को प्रचलित दर के बजाय लेटर ऑफ़ क्रेडिट की निर्धारित-तारीख को विनिमय दर पर लेखा बद्ध किया जाता है, बहरहाल, कंपनी के लाभ पर प्रभाव नहीं पड़ा, परन्तु बिक्री एवं खरीद के आंकड़ों को उस सीमा तक अधिक / कम दिखाया गया, जिस सीमा तक विदेशी मुद्रा लाभ / हानि लखों में चिह्नित नहीं किया गया। हम रकम को बताने में असमर्थ हैं, क्योकि वह निर्धारणयोग्य नहीं है।

यह लेखा मानक 11 "विदेशी मुद्रा विनिमय दर में परिवर्तन का प्रभाव" का भी उल्लंघन है।

IX) "प्रचालन से राजस्व" जैसा कि नोट सं॰ 18 (ए) में प्रकट किया गया है की ₹21 लाख सेवा शुल्क तथा ₹908 लाख प्रतिभूति जमा पर ब्याज के वापसी के बाद नटैड ऑफ किया गया है। "अन्य प्रचालन राजस्व" के आधीन समूहबद्ध, जिसे पुर्ववर्ती वर्षो में गलती से आय के रूप में बुक किया गया था।

लेखा मानक-5 अवधि के शुद्ध लाभ व हानि पर के अनुसार पूर्व अवधि आइटमों तथा लेखा नीतियों के परिवर्तन, इस प्रकार के पूर्व अवधि आइटमों को इस तरीके से लाभ व हानि विवरण में दर्शाया जाना चाहिए कि चालू वर्ष के लाभ पर इसके प्रभाव का अंदाजा आसानी से लगाया जा सके। चूंकि इस प्रकार के रिवर्सल को पुर्वावधि आइटम के रूप मे चिह्नित नहीं किया गया है, यह लेखा मानक-5 की प्रकटन आवश्यकता का विरोधाभास है।

X) जैसा कि लेखो पर द्रष्टव्य के नोट सं॰ 15 (बी) में बताया गया है, व्यापार प्राप्यों में शामिल ही ₹59,863 लाख की रकम 46 पार्टियों को सोने के जेवरात के निर्यात व्यापार प्राप्य जो कि विभिन्न स्तरों पर न्यायालयाधीन है। उपलब्ध सूचना के अनुसार इन मामलों में वसूली नहीं हुई है। ऐसे मामलों में गैर-वसूली तथा कम वसूली को संभावित रूप से पूरा करने के लिए कंपनी के पास ₹900 लाख का प्रावधान है। हमें प्रदान की गयी सूचना/दस्तावेजों के आधार पर इस प्रकार के प्रावधान की पर्याप्तता के बारे में हम कोई टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।

सशर्त राय

हमारी राय में तथा हमारे द्वारा प्राप्त सर्वोत्तम सूचनाओं एवं हमें दिये गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त सशर्त राय के आधार पर पैराग्राफ I, III से VII तथा IX से X की शर्तों के अधीन जिसके समग्र प्रभाव से ₹11554 लाख अधिक दिखाया गया लाभ (निश्चितयोग्य सीमा तक),

Even though Interest Income had not been accounted for the abovementioned parties, the company has been providing them with facilities of purchase/sale on a regular basis. We are of opinion that non-accounting of such interest has led to understatement of income and understatement of Trade receivables to that extent.

VIII. In case of Imports, Purchase and Sales transaction are accounted for in the Books of Account at the Exchange Rates on the due date of Letter of Credit instead of exchange rates prevailing on the date of Bill of Lading. However, there is no impact on the profitability of the Company but sales and purchases figures are over / under stated to that extent to which foreign exchange gain/loss is not recognized in the Books of Accounts. We are unable to quantify the amount as the same is not ascertainable.

This is also in violation of Accounting Standard 11 "Effects of changes in foreign exchange rates"

IX. "Revenue from Operations" as disclosed in Note No. 18 (a) is netted off after reversal of service charge of ₹21 lacs and Interest on security deposit of ₹908 lacs (Grouped under "Other operating revenue") wrongly booked as income In earlier years.

As per Accounting Standard 5 on Net Profit or Loss for the period; prior period items and change in accounting policies, such prior period items should have been disclosed in the face of Statement of Profit and Loss in a manner that its impact on the current year's profit can be easily perceived. Since such reversal have not been recognized as prior period item, this is in contradiction to disclosure requirements of Accounting Standard-5

X. As stated In Note No. 15 (b) of Notes on Account, trade receivable include ₹59,863 lacs for export trade receivable of gold Jewellery involving 46 parties which are under litigation at various levels. As per information available, no recovery has been made in these cases. The company holds provision for ₹900 lacs to cover-possible non recovery / short recovery in these cases. We are unable to comment on the adequacy of such provision on the basis of documents / information provided to us.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, subject to paragraph I, III to VII and IX to X of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit of ₹11,554 lacs (to the extent ascertainable),

अधिनियम में वांछित सूचना के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा नीतियाँ की पुष्टि में वांछित तरीके से सही व साफ तस्वीर पेश की गयी है।

I) तुलत–पत्र के विषय में 31 मार्च, 2013 को कंपनी के कार्यो की स्थिति,

II) लाभ व हानि खाते के विषय में उसी तारीख को समाप्त वर्ष में कंपनी को हुए लाभ की स्थिति,

III) नकद प्रवाह विवरण के विषय में उसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष में कंपनी का नकद प्रवाह विवरण

बल देने वाले मामले:

I. कुल बयाना राशि जमा की रकम रु.46,130 लाख (संदर्भ नोट सं.7) में से, जो कि कंपनी द्वारा संविदा / नीलामी पूरा होने पर पुनर्भुगतानयोग्य देयताओं का प्रतिनिधित्व करती है, रु.10,292 लाख की पार्टिवार विवरण तथा रु.46,130 लाख एजिंग का विवरण कंपनी द्वारा हमें उपलब्ध नहीं कराया गया।

II. कंपनी द्वारा किए गए अग्रिमों के मामले से संबद्ध खर्च के विरुद्ध समायोजित अग्रिमों के लिए लेखों में विलम्ब हुआ है। ऐसी लेखा पद्धति दर्शाती है कि लेन-देन को वास्तविक समय के आधार पर लेखबद्ध नहीं किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अग्रिम - पार्टियों आपूर्तिकर्ता सेवाओं को अग्रिम की रकम रु.23 लाख लेखों में अभी भी असमायोजित रह गई है।

III. सुविधा प्रदाता मोड के अंतर्गत पार्टियों के पास पड़े बंधक सामग्रियों को सिर्फ कैश एण्ड कैरी आधार पर उठाने की अनुमति दी जा रही है। तथापि, हल्दिया पेट्रोकेमिकल लि. (एचपी) के ठेके सं. सी-13 में 1000 एमटी नेप्था की रकम रु.514 लाख जारी कर दी गयी दिसंबर, 2012 में, जो कि करार ज्ञापन के क्लॉज कैश एण्ड कैरी का उल्लंघन है।

IV. पूर्व बोली बयाना राशि जमा की प्राप्ति एवं भुगतान के लिए बैंक ऑफ इंडिया के साथ मुंबई कार्यालय द्वारा रखे जा रहे यूएसडी खाते के मामले में, लेन-देन लेखों में दर्ज नहीं किए गए हैं। वर्ष के अंत में शेष के लिए कंपनी के लेखे में पार्टियों से प्राप्त अग्रिम के रूप में तथा अगले वित्त वर्ष के प्रारंभ में उसे विपरीत (रिवर्स) कर दिया गया।

अन्य विधिक एवं नियामक जरूरतों पर रिपोर्ट

I. कंपनीज (आडिटर्स रिपोर्ट) आर्डर 2003 (आदेश) यथा वांछित भारत सरकार द्वारा जारी यथा संशोधित अधिनियम की धारा 227 की उपधारा (4ए) की शर्तों के अधीन आदेश के पैरा 4 एवं 5 में उल्लिखित मामलों जारी यथा संशोधित पर वक्तव्य हम अनुलग्नक में दे रहे हैं।

the aforesaid Financial Statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Principles generally accepted in India:

i. in the case of the balance sheet, of the state of affairs of the Company as at 31 March 2013;

II. in the case of the statement of profit and loss, of the profit for the year ended on that date, and

III. in the case of the cash flow statement, of the cash flows for the year ended on that date.

Emphasis of Matter

I. Out of total Earnest Money Deposit amounting to ₹46,130 lacs (Refer Note No - 7) which represents a liability repayable on completion of a Contract/Auction by the company, partywise detail for ₹10,292 lacs and ageing for ₹46,130 lacs could not be provided to us by the company.

II. In case of advances made by the company, there is delay In accounting for the advances adjusted against the relevant expense. Such an accounting practice reflects that the transactions are not being accounted on real time basis as a result of which an advance - "Advance to Parties/ Suppliers/ Services" amounting to ₹23 lacs still stands unadjusted In the books of accounts.

III. Pledged material lying with the party under the facilitator mode is being permitted for liftment on cash and carry basis only. However, in contract no C-13 of Haldla Petrochemicals Ltd. (HPL), 1000 MT of Naptha amounting to ₹514 lacs has been released In December, 2012 in violation of cash and carry clause of Memorandum of Agreement.

IV. In case of USD A/c maintained by Mumbai office - with Bank of India for receipt and payment of Pre-bid Earnest Money Deposit, the transactions are not recorded for in the books. The company account for balances standing at the year end as advance received from parties and the same is reversed on the opening day of the next financial year.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2003 ("the Order"), as amended, issued by the Central Government of India in terms of sub-section (4A) of section 227 of the Act, we give in the Annexure a statement on the matters specified in paragraphs 4 and 5 of the Order.

II. अधिनियम की धारा 227(3) में यथा वांछित हम रिपोर्ट देते हैं कि -

(क) सशर्त राय के पैराग्राफ (II) के लिए आधार के यथा वर्णित मामले के प्रभाव को छोड़कर हमने वे सभी स्पष्टीकरण एवं सूचनाएँ प्राप्त की हैं, जो हमारे सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेख-परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(ख) हमारी राय में कंपनी द्वारा उचित लेखा अभिलेख रखा गया है जैसे कानून आवश्यक है तथा उन लेखों की हमारी परीक्षा से जैसा प्रतीत होता है।

(ग) इस रिपोर्ट के साथ संव्यवहृत तुलन-पत्र, लाभ व हानि खाता तथा नकद प्रवाह लेखों के अनुरूप हैं।

(घ) विशेषित राय के पैराग्राफ (I, VIII तथा IX) के लिए आधार में यथा वर्णित मामलों के प्रभाव छोड़कर तुलन-पत्र लाभ व हानि विवरण तथा नकद प्रबाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उपधारा 3 (ग) में संदर्भित मानकों के अनुसार है।

(ङ) कंपनी मामलों के विभाग की अधिसूचना एवं जीएसआर-829 (ई) दिनांक 21 अक्तूबर 2003 की शर्तों के अनुसार सरकारी कंपनी होने के नाते कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274 (1) (जी) के प्रावधान जो निदेशक के अयोग्यता से संबंधित है, इस पर लागू नहीं है।

(च) चूँकि केंद्र सरकार ने न तो कोई अधिसूचना जारी की है कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 441 के अधीन किस दर पर सेस जमा करना है और न ही उक्त धारा के अंतर्गत उसने कोई नियम ही जारी किए हैं जिसमें उस तरीके का उल्लेख हो कि कैसे सेस जमा किया जाय, अतः कोई सेस बकाया कंपनी द्वारा देय नहीं है।

कृते पी डी रुंगटा एंड कं.
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण सं. 001150सी
ह/-
(सीए प्रभु दयाल रुंगटा)
साझेदार
एम नं. 013428

कोलकाता
दिनांक 16.07.2013

2. As required by section 227(3) of the Act, we report that:

a. *Except for the effects of the matter as described in the Basis for Qualified Opinion paragraph* (ii) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

b. In our opinion proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as appears from our examination of those books

c. The Balance Sheet, Statement of Profit and Loss and Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

d. *Except for the effects of the matter as described in the Basis for Qualified Opinion paragraph(i, viii and ix),* in our opinion, the Balance Sheet, Statement of Profit and Loss and Cash Flow Statement comply with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of Section 211 of the Companies Act, 1956; and

e. Being a Government Company the provisions of Section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956 relating to disqualification of Directors are not applicable to the Company in terms of notification no. GSR 829 E dated 21/10/2003 issued by Ministry of Finance, Department of Company Affairs.

f. Since the Central Government has not issued any notification as to the rate at which the cess is to be paid under section 441A of the Companies Act, 1956 nor has it issued any Rules under the said section, prescribing the manner in which such cess is to be paid, no cess is due and payable by the Company

For **P.D. Rungta & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regd. No. 001150C
Sd/-
(CA. Prabhu Dayal Rungta)
Partner
Membership No. 013428

Place : Kolkata
Dated : 16.07.2013

लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक

लेखे परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक
(हमारे समदिनांक प्रतिवेदन के अन्य विधिक एवं निर्णायों की अपेक्षाओं शीर्षक के अधीन पैराग्राफ 1 के संदर्भ में)

I. स्थायी परिसंपत्तियों के संदर्भ में

(क) कंपनी ने उचित अभिलेख रखे हैं जिसमें इसकी स्थायी परिसंपत्तयाँ की स्थित एवं मात्रात्मक विवरण सहित पुरे विवरण दर्शाए गए है।

(ख) *वर्ष के दौरान कंपनी ने स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया है। यदि पुस्तक अभिलेख से कोई ठोस बिरुंगतियाँ पायी जाती हैं हम कोई टिप्पणी करने में असमर्थ हैं, क्योंकि प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तयों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।*

(ग) वर्ष के दौरान कंपनी ने स्थायी परिसंपत्तियों का कोई ठोस भाग की बिक्री नहीं की है, जो चालू प्रतिष्ठान की धारण को प्रभावित करे।

II. (क) वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा वस्तु सूचियों का दो बार भौतिक सत्यापन बाहर की एजेंसियों के माध्यम से करवाया गया।

(ख) हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचना के अनुसार प्रबंधक द्वारा वस्तु सूचियों के भौतिक सत्यापन के लिए अपनाई गयी प्रक्रियाएँ कंपनी के आकार एवं व्यापार के संदर्भ में उचित एवं पर्याप्त है।

(ग) कंपनी ने वस्तु सूचियों का उचित अभिलेख रखा है तथा वस्तु सूचियों के भौतिक सत्यापन से कोई ठोस विरंगति ध्यान में नहीं आई है।

III. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में सूचीवद्ध कंपनियों, फर्मों तथा अन्य पार्टियों से को सुरक्षित अथवा गैर सुरक्षित ऋण न तो दिया है और नहीं लिया है। इसके परिणामस्वरूप पैराग्राफ 4 के क्लॉज (III) (ए) से III (जी) लागू नहीं हैं।

IV. *कंपनी के पास लिखित आंतरिक नियंत्रण मैनुअल उपलब्ध नहीं हैं।* हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचना व स्पष्टीकरण के अनुसार एवं लेखों तथा अभिलेखों की जाँच के आधार पर कंपनी द्वारा अपनाई गयी आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया पर्याप्त है, सिवाए नीचे उल्लिखित क्षेत्रों केः

1.0 विपणन प्रभाग

1.0.1 *विपणन नीति, जोखिम प्रबंधक नीति (आरएमपी) (पुरानी), तथा आरएमपी (नई) (27.02.2013 से प्रभावित का सही ढंग से अनुसरण क्रियान्वयन नहीं किया गया। इतना ही नहीं, जँहा कहीं उसको सुधारने के लिए सीएमडी के अनुमोदन की आवश्यकता थी वह नहीं किया गया तो बाद में लिया गया।*

1.0.2 *करार ज्ञापन, त्रिपक्षीय करार एवं बिक्री ऐजेंसी करार को मूल करार की समाप्ति के पहले नियमित रूप से नवीकृत नहीं किया गया।*

1.0.3 *बंधा के स्टॉक के मामले में एमएसटीसी ने सर्वश्री फैरोस्क्रेप निगम लि. (उनसे पहले ट्रानसेफ सार्विसेस लि.) को कस्टोडियन नियुक्त किया, जिनसे करार के अनुसार नियमित आधार पर साप्ताहिक रिपोर्ट (शर्तों के अनुसार यथा वांछित) जमा नहीं किया। कंपनी द्वारा ना तो संज्ञान लिया गया और ना हीं फिरसे मिलान किया गया।*

2.0 क्षेत्रीय कार्यालय

2.0.1 सफलतापूर्वक की गई ई-निलामी के मामले में जिसमें खरीदार ने बयाना राशि जमा (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ प्रिंसिपल को किया

Annexure To The Auditors' Report

(REFERRED TO IN PARAGRAPH 1 UNDER "REPORT ON OTHER LEGAL AND REGULATORY REQUIREMENTS SECTION OF OUR REPORT OF EVEN DATE)

I. In respect of its Fixed Assets:

a. The Company has maintained proper records showing full particulars, including quantitativs details and situation of Fixed Assets.

b. *The company has not physically verified its fixed assets during the year. We are unable to comment if any material discrepancies in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management.*

c. During the year the Company has not discarded or disposed off any substantial part of its Fixed Assets so,as to affect its Going Concern assumption.

II. a. The inventories were physically verified twice during the year by the Management through outside agency.

b. In our opinion and according to the Information and explanations given to us, the procedures of physical verification of Inventories followed by the Management are reasonable and adequate In relation to the size of the company and nature of its business.

c. The company has been maintaining proper records of inventory and no material discrepancies were noticed on physical verification of inventory.

III. The company has neither granted nor taken any loans, secured or unsecured to/from Companies, firms or other parties covered In the register maintained under section 301 of the Companies Act, 1956. Therefore the provisions of clauses 4(lll)(a) to 4(lll)(g) of the order are not applicable.

IV. *There is no written Internal control manual available with the Company.* However, In our opinion and according to the Information and explanation given to us and on the basis of examination of the books and records, the Internal control procedures adopted by the company are adequate except in the areas as mentioned below:

1.0 Marketing department

1.0.1. *Marketing Policy, Risk Management Policy (RMP) (old) and RMP (new) (effective date 27.02.2013) were not properly followed/implemented. Moreover, wherever approval of CMD was required to ratify the same, it was not done or done postfacto.*

1.0.2. *Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.*

1.0.3. *In case of pledged stock, MSTC appointed Custodian M/S Ferro Scrap Nlgam Ltd (prior to them M/s Transafe Services Ltd.) do not submit Weekly Report (as required under the terms) on a regular basis as per agreement. Neither the same are given cognizance nor reconciled by the company,*

2.0 Regional Offices

2.0.1 In case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest money deposit (EMD)

है और उसके बाद माल उठाने में नकाम रहे हैं, कंपनी इस सूचना के अभाव में कि बयाना राशि को ज्बत कर लिया गया है की नहीं, सर्विसेस चार्ज का बिल बनाने में असमर्थ है। तथापि, वर्ष के दौरान कितनी संख्या में बयाना राशि ज्बत की गई है और उस पर बिल बनाया गया है उसे जानने के लिए कोई नियंत्रण पायंट नहीं है।

2.0.2 सेवा प्रभार बिल उस तारीख के बहुत बाद की तारीख में बनाए जाते है, जिस तारीख को खरीदार द्वारा पूरा माल उठा लिया गया हो। बिल आम तोर पर 2 से 3 महीनें के बाद प्रेषित किया जाता है।

V. हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय है कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 में संदर्भित कंपनी का कोई लेन-देन नहीं है, जिसकी जरुरत इस धारा के अधीन रखे गए रजिस्टर में इन्द्राज करने की है।

VI. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई भी जमा आम जनता से स्वीकार नहीं की है अतः कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 58ए तथा 58एए का प्रावधान एवं उसके अधीन बताए गए नियम लागू नहीं है।

VII. हमारी राय में कंपनी के पास आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है, जो कंपनी के आकार एवं व्यवसाय की प्रवृत्ति के अनुरूप है। तथापि, इसे और मजबूत करने की जरुरत है।

VIII. जैसा हमें सूचित किया गया अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के क्लॉज (घ) के अधीन लागत का रिकार्ड रखना कंपनी को लागू नहीं।

IX. (क) जैसा कि हमें सूचना तथा स्पष्टीकरण दी गयी तथा हमारे द्वारा कंपनी की अभिलेख की जाँच की गयी वर्ष के दौरान कंपनी अविवादित सांविधिक जमा उचित प्राधिकारी को जमा करने में नियमित रही है, जिनमें शामिल है - भविष्य निधि, आयकर, बिक्रीकर, संपद कर, सेवा कर सीमा शुल्क, सेस तथा लागू कोई भी आम सांविधिक कर शामिल है। कोई भी ऐसा बकाया नहीं है, जो उक्त सांविधिक बकाए के देय होने की तारीख से 6 महीने से अधिक समय से बकाया है।

(ख) बिक्री कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, प्रवेश कर, आयकर एवं सीमा शुल्क के विवादित बकाया, जो कि जमा नहीं किए गए, इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक ए में दिए गए हैं।

X. कंपनी ने 31 मार्च, 2013 को कोई संचित हानि नहीं की है। इसने चालू वित्त वर्ष में तथा इसके ठीक पहले वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं की है।

XI. हमारे द्वारा कंपनी के अभिलेखों की जांच-पड़ताल एवं हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने लेखे पर *टिप्पणी के नोट संख्या 5 में उल्लिखित इंडियन ओवरसीज बैंक से ऋण रु.138 लाख एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से ऋण रु.14416 लाख को छोड़कर वित्तीय प्रतिष्ठानों या बैंकों को बकाया राशि के भुगतान में कोई चूक नहीं की है।* कंपनी द्वारा कोई ऋणपत्र जारी नहीं किया गया है।

only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's forfeited during the year and billing thereon.

2.0.2 Service Charge bills are raised at a date much latter than the date on which entire liftment had been done by the buyer. Also the bills are dispatched generally after a time lag of 2-3 months.

V. In our opinion and according to the information and explanation given to us, there have been no transactions during the year that need to be entered In the register maintained under section 301 of the Companies Act, 1956.

VI. In our. opinion and according to the information and explanation given to us, the Company has not accepted any deposits from public during the year and as such provisions of Section 58A and 58AA of the Companies Act, 1956 and the rules made there under are not applicable.

VII. In our opinion, the Company has an internal audit system commensurate with the size and nature of its business. However it needs to be strengthened.

VIII.As informed to us, the maintenance of cost records under clauses (d) of sub-section (1) of Section 209-' of the Act is not applicable to the Company.

IX. a.According to the information and explanation given to us and the records of the company examined by us, the Company has been regular In the depositing during the year, all undisputed statutory dues including Provident Fund, Income Tax Sales Tax, Wealth Tax, Service Tax, 'Custom Duty, Cess and any other Statutory dues as applicable, with the appropriate authorities. There has been no outstanding for a period of more than 6 months from the date the aforesaid statutory dues become payable.

b.The details of disputed dues of Sales Tax, Service Tax, Excise Duty, Entry Tax, Income Tax and Custom Duty, which have not been deposited, are given In Annexure A to this report.

X. The Company does not have any accumulated losses as at 31" March 2013. It has not incurred cash losses In the current financial as well as in the immediately preceding financial year.

XI. According to the records of the Company examined by us and the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to a financial institution or bank *except for the loan from Indian Overseas Bank Rs.138 lacs and Standard Chartered Bank Rs. 14,416 lacs as mentioned in Note No. 5 of the Notes on Account.* No debentures were Issued by the Company.

XII.कंपनी ने शेयरों, ऋणों एवं अन्य प्रतिभूतियों को जमानत के रूप में गिरवी रखकर उनके आधार पर किसी को ऋण या अग्रिम राशि का कोई नहीं किया है।

XIII. चिट फण्ड निधि म्यूचुअल बेनिफिट फण्ड सोसाइटी पर लागू किसी भी विशेष नियमों का प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।

XIV. हमारी राय में, कंपनी किसी शेष, प्रतिभुति, डिबेंचर तथा अन्य निवेशों की डीलिंग अथवा लेन-देन नहीं करती है। तद्अनुसार, आदेश के क्लाज एवं 4(XIV) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है.।

XV. हमारी राय में तथा हमे दी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार किसी अन्य के द्वारा बैंक अथवा वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋणों के लिए किसी प्रकार की गाटरटी कंपनी ने नहीं की है।

XVI. हमारे द्वारा जाँचे गए कंपनी के अभिलेखों एवं हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान कोई टर्म ऋण नहीं लिया गया है।

XVII. कंपनी का समग्र तुलन पत्र की हमारे द्वारा जाँच तथा हमारी राय नें एवं हमें दी गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार अल्पकालीन आधार पर किसी राशि की उगाही नहीं की गयी, जिसका उपयोग दीर्घकालीन निवेशों के लिए किया हो।

XVIII. कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में कबर होने वाली कंपनियों तथा पार्टियों को किसी अधिमान्य शेयर का आवंटन नहीं किया है।

XIX. कंपनी ने कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है, अतः कोई प्रितभुति अथवा चार्ज बताए नहीं गए।

XX. कंपनी ने वर्ष के दौरान आय जनता से किसी भी रकम की उगाही नहीं की है।

XXI. *सीबीआई ने 29 अप्रैल 2012 को पूर्व सीएमडी सहित कंपनी के तीन अधिकारियों को वर्ष 2008 एवं 2009 में सोने के जेवरात निर्यात करने के मामले में गिरफ्तार किया था। प्रबंधक ने हमें सूचित किया है कि फरवरी 2013 में चार्जशीट फाइल कर दी गयी है।*
उपर्युक्त को छोड़कर, कंपनी के लेखों एवं अभिलेखों के हमारी जांच के दौरान, जो भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा पद्धति के अनुसार किया गया एवं हमें दी गयी सूचनाओं एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी के द्वारा अथवा सके पर किसी भी प्रकार की धोकाधड़ी का उदाहरण हमारे ध्यान में नहीं आया है।

XII The Company has not granted loans and advances on the basis of security by way of pledge of shares, debentures and other securities.

XIII.The provisions of any special statute applicable to chit fund/nfdhl/mutual benefit fund/societies are not applicable to the Company.

XIV. In our opinion, the Company Is not dealing In or trading In shares, securities, debentures and other Investments. Accordingly, the provisions of clause 4(XIV) of the order are not applicable to the Company.

XV. In our opinion and according to the Information and explanations given to us, the Company has not given any guarantee for loans taken by others from bank or other financial Institutions.

XVI.According to the records of the Company examined by us and information and explanations given to us, no term loan was obtained during the year.

XVII.On the basis of an overall examination of the Balance Sheet of the Company, in our opinion and . according to the information and explanations given to us, there are no funds raised on short term basis, which have been used for long term investment.

XVIII.The Company has not made any preferential allotment of shares to parties and companies covered in the register maintained under section 301 of the Act.

XIX.The Company has not issued any debentures and hence no securities or charge hays been created.

XX. The Company has not raised any money by public Issue during thc ycar.

XXI. *CBI has arrested three officials of the Company including ex-CMD on 29th April 2012 in the matter of Export of Gold Jewellery in the year 2008 and 2009. The management has informed us that charge sheets have teen filed by CBI in February, 2013.*

Apart from above, during the course of our examination of the books and records of the Company, carried out in accordance with the generally accepted auditing practices in India and according to the Information and explanation given to us, we have not come across any other Instance of fraud on or by the Company.

कृते पी डी रूंगटा एंड कं.
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण सं. 001150सी
ह/-
(सीए प्रभु दयाल रूंगटा)
साझेदार
एम नं. 013428

कोलकाता
दिनांक 16.07.2013

For **P.D. Rungta & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regd. No. 001150C

Sd/-
(CA. Prabhu Dayal Rungta)
Partner
Membership No. 013428

Place : Kolkata
Dated : 16.07.2013

अनुलग्नक-ए
ANNEXURE-A

(सीएआरओ के तहत रिपोर्ट का पैरा 9 (बी))
(Referred to in Paragraph 9 (b) of the Report under CARO)

संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति	राशि (रु. 000)	फोरम जिसके पास विवाद लंबित
उत्तर प्रदेश बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	46.71	बिक्री कर ट्राईबुनल/बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित
जम्मू कश्मीर बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	4.58	बिक्री कर अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
पश्चिम बंगाल बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	2.79	बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित
आंध्र प्रदेश	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	146.11	एसटीएटी/एडीसी/हाई/एसटी प्राधिकारी के पास लंबित
उड़ीसा बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	269.00	निपटान के लिए उड़िस्या उच्च न्यायालय में लम्बित
तमिलनाडु बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	13.41	बिक्री कर अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
मध्य प्रदेश बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	9.20	बिक्री कर अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
गुजरात बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	917.47	डीसी (अपील) के पास लंबित
कस्टम एक्ट	कस्टम विभाग द्वारा किया गया दावा	240.00	विवाद निपटान समिति, मंत्रिमंडल सचिवालय के पास लंबित
	कस्टम विभाग द्वारा किया गया दावा	203.81	उच्च न्यायालय के पास लंबित
आयकर एक्ट	आयकर मांग (आंकलन वर्ष 1990-91)	19.18	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
	आयकर मांग (आंकलन वर्ष 2005-06)	19.05	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
	आयकर मांग (आंकलन वर्ष 2006-07)	31.44	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
	आयकर मांग (आंकलन वर्ष 2009-10)	67.62	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
	आयकर मांग (आंकलन वर्ष 2010-11)	464.25	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित
सेवा कर	सेवा कर मांग (वित्तीय वर्ष 2002-03 से 2011-12)	1701.00	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित

Name of the Statute	Nature of the dues	Amount (` in '000)	Forum where dispute is pending
Uttar Pradesh Sales Tax	Claim by ST Authority	46.71	Pending before ST Tribunal/ ST Authority
J& K Sales Tax	Claim by ST Authority	4.58	Pending before ST Appellate Authority
West Bengal Sales Tax	Claim by ST Authority	2.79	Pending before ST Authority
Andhra Pradesh Sales Tax	Claim by ST Authority	146.11	Pending before STAT/ADC/ HIGH /ST Authority
Orissa Sales Tax	Claim by ST Authority	269.00	Pending Orissa High Court for disposal
Tamil Nadu Sales Tax	Claim by ST Authority	13.41	Pending with ST Appellate Authority
Madhya Pradesh Sales Tax	Claim by ST Authority	9.20	Pending with ST Appellate Authority
Gujarat Sales Tax	Claim by ST Authority	917.47	Pending with DC (Appeal)
Customs Act	Claim by Custom Dept.	240.00	Pending before Committee of Disposal of disputes Cabinate Secretariate.
	Claim by Custom Dept.	203.81	Pending before High Court
Income Tax Act	Income Tax Demand (A.Y.-1990-91)	19.18	Pending before Appellate Authority
	Income Tax Demand (A.Y.-2005-06)	19.05	Pending before Appellate Authority
	Income Tax Demand (A.Y.-2006-07)	31.44	Pending before Appellate Authority
	Income Tax Demand (A.Y.-2009-10)	67.62	Pending before Appellate Authority
	Income Tax Demand (A.Y.-2010-11)	464.25	Pending before Appellate Authority
Service Tax	Service Tax Demand (FY 2002-03 to FY 11-12)	1701.00	Pending with Appellate Authority

एमएसटीसी लिमिटेड, कोलकाता के 31 मार्च, 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के तहत् भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणीयाँ

कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट वित्तीय प्रतिवेदन के अधीन प्रदान रुपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालीखा परीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक उनके वृत्तिमूलक निकाय इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट ऑफ इंडिया द्वारा विनिर्धारित लेखांकन मानदण्डों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रकट करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनकी ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 16.07.2013 के अनुसार उनके द्वारा कर दिया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3) (ख) के अंदर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा का संचालन किया है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है और मुख्यतः सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चुनिंदा परीक्षा तक सीमित है। मेरी अनुपूरक लेखा परीक्षा के आधार पर मैं कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अधीन निम्नलिखित महत्वपूर्ण मामले पर प्रकाश डालना चाहती हूँ, जो मेरी ध्यान में आया है तथा जो मेरे विचार से लेखा परीक्षा रिपोर्ट से संबद्ध तथा वित्तीय विवरणों की बेहतर समझ के लिए आवश्यक है:

तुलन - पत्र

व्यापार प्राप्य - रु. 450180.00 लाख

लाभ व हानि लेखा

कर-पूर्व लाभ - रु. 19340.00 लाख

तीन वर्षों से अधिक समय से बकाया सोना निर्यात की दिशा में व्यापार प्राप्य बकाया रकम का प्रावधान न करने के परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्य रु. 58963.18 लाख अधिक दिखाया गया है और साथ ही साथ उतनी ही रकम कर-पूर्व लाभ में अधिक दिखाया गया है। इसका प्रावधान करने से रु. 19340.00 लाख कर-पूर्व लाभ रु. 39623.18 लाख हानि हो जाती।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
और उनकी ओर से
ह/-
(नंदन मुंशी)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और
पदेन सदस्या, लेखा परीक्षा पार्षद -1
कोलकाता

कोलकाता
दिनांक 10 सितंबर 2013

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF MSTC LIMITED, KOLKATA FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2013.

The preparation of financial statements of MSTC Limited for the year ended 31 March 2013 in accordance with the. financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the Management of the Company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor; General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956 is responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed by their professional body, the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 16-07-2013.

I on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 619(3)(b) of the Companies Act, 1956 of the financial statements of MSTC Limited for the year ended 31 March 2013. This supplementary audit has been carried out independently and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. Based on my supplementary audit, I would like to highlight the following significant matter under section 619 (4) of the Companies Act 1956 which have come to my attention and which in my view is necessary for enabling a better understanding of the financial statements and the related Audit Report:

Balance Sheet

Trade Receivables:Rs. 450180.00 lakh

Profit & Loss Account

Profit before tax: Rs.19340.00 lakh

Non-provision of outstanding amount of trade receivables towards gold export due for more than three years has resulted in over statement of trade receivables by Rs.58963.18 lakh as well as overstatement of profit before tax by the same amount. Provisioning of the same would turn profit before tax of Rs.19340.00 lakh to loss of Rs.39623.18 lakh.

For and on the behalf of the
Comptroller & Auditor General of India
Sd/-

(Nandana Munshi)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-Officio Member Audit Board-I
Kolkata

Place: Kolkata
Date: 10 September, 2013

ANNUAL ACCOUNTS

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

तुलन पत्र : 31 मार्च, 2013 BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2013

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	As at 31-3-13 को ₹	As at 31-3-12 को ₹
I. इक्विटी एवं देयताएं	**EQUITY AND LIABILITIES**			
1 शेयरधारकों की निधियां	**Shareholders' Funds**			
(a) शेयर पूंजी	Share Capital	2	880.00	220.00
(b) आरक्षित एवं अधिशेष	Reserves and Surplus	3	68,716.00	59,386.00
2 अप्रचलित देयताएं	**Non-current liabilities**			
(a) अन्य दीर्घावधि देयताएं	Other Long-term liabilities	4	953.00	947.00
3 चालू देयताएं	**Current liabilities**			
(a) अल्पावधि ऋण	Short-term borrowings	5	101,763.00	73,260.00
(b) व्यापारगत देय	Trade payables	6	361,452.00	221,969.00
(c) अन्य चालू देयताएं	Other current liabilities	7	54,845.00	51,426.00
(d) अल्पावधि प्रावधान	Short-term provisions	8	4,624.00	1,138.00
कुल	**TOTAL**		**593,233.00**	**408,346.00**
II. परिसंपत्तियां	**ASSETS**			
गैर-मौजूदा परिसंपत्तियां	**Non-current assets**			
1 (a) अचल परिसंपत्तियां	Fixed assets	9		
(i) भौतिक परिसंपत्तियां	Tangible assets		1,696.00	1,916.00
(ii) पूंजी डब्ल्यूआईपी	Capital WIP		34.00	–
(b) अप्रचलित निवेश	Non-current investments	10	1,581.00	1,581.00
(c) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	Deferred tax assets (net)	11	2,341.00	1,301.00
(d) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	Long-term loans and advances	12	1,096.00	2,048.00
(e) अन्य गैर-मौजूदा परिसंपत्तियां	Other non-current assets	13	15.00	23.00
2 चालू परिसंपत्तियां	**Current assets**			
(a) स्टॉक	Inventories	14	7,375.00	–
(b) व्यापारगत प्राप्य	Trade receivables	15	450,180.00	307,664.00
(c) नगद एवं नगदी समान	Cash and cash equivalents	16	127,457.00	91,428.00
(d) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	Short-term loans and advances	17	434.00	1,495.00
(e) अन्य चालू परिसंपत्तियां	Other current assets		1024	890.00
कुल :	**TOTAL**		**593,233.00**	**408,346.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

सह-टिप्पणियां वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं।

यह तुलन-पत्र हमारे उल्लिखित दिनांक के प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.
This is the Balance Sheet referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड
For MSTC Limited

पी डी रूंगटा एंड कंपनी के वास्ते
सनदी लेखाकार
पंजीकरण संख्या 001150C
सीए प्रभु दयाल रूंगटा
साझेदार
सदस्य सं. 013428

दिनांक/16 जुलाई 2013
Dated the 16th Day of July, 2013
कोलकाता/Kolkata

For P. D. Rungta & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 001150C

CA. Prabhu Dayal Rungta
PARTNER
M No. 013428

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(S K Tripathi)
CHAIRMAN-CUM-
MANAGING DIRECTOR

(आर. के. चौधरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A K Basu)
DIRECTOR FINANCE

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
COMPANY
SECRETARY

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि विवरण
STATEMENT OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2013

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	2012-13 ₹	2011-12 ₹
I. परिचालन से राजस्व	Revenue from operations	18	636,603.00	262,531.00
II. अन्य आय	Other income	19	8,922.00	7,061.00
III. कुल आय (I + II)	**Total Revenue (I + II)**		**645,525.00**	**269,592.00**
IV. **व्यय :**	Expenses:			
व्यापारगत माल की खरीदारी	Purchases of Stock-in-Trade	20	611.460.00	232,667.00
व्यापारगत माल के स्टॉक में परिवर्तन	Changes in inventories of Stock-in-Trade	14	(7,375.00)	1,618.00
कर्मचारी हितलाभ व्यय	Employee benefits expense	21	4,490.00	4,129.00
वित्त व्यय	Finance costs	22	13,462.00	10,155.00
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	Depreciation and amortization expense	9	245.00	208.00
अन्य व्यय	Other expenses	23	3,903.00	3,200.00
कुल व्यय	**Total expenses**		**626,185.00**	**251,977.00**
V. कर पूर्व लाभ (III-IV)	Profit before tax (III-IV)		19,340.00	17,615.00
VI कर व्यय	Tax expense:			
(1) चालू कर	Current tax		7,307.00	6,012.00
(2) आस्थगित कर	Deferred tax		(1,040.00)	(236.00)
VII **अवधि के लिए लाभ (हानि) (V-VI)**	**Profit (Loss) for the period (V-VI)**		**13,073.00**	**11,839.00**
VIII प्रति इक्विटी शेयर आय	Earnings per equity share:			
(1) बेसिक	Basic		148.56	134.53
(2) डायलूटेड	Diluted		148.56	134.53
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

सह-टिप्पणियां वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं।

यह लाभ-हानि लेखा हमारे उल्लिखित दिनांक के प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.

This is the Profit & Loss Account referred to in our report of even date.

पी डी रूंगटा एंड कंपनी के वास्ते
सनदी लेखाकार
पंजीकरण संख्या 001150सी
सीए प्रभु दयाल रूंगटा
साझेदार
सदस्य सं. 013428

दिनांक/16 जुलाई 2013
Dated the 16th Day of July, 2013
कोलकाता/Kolkata

For P. D. Rungta & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 001150C

CA. Prabhu Dayal Rungta
PARTNER
M No. 013428

कृते एमएसटीसी लिमिटेड
For MSTC Limited

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(S K Tripathi)
CHAIRMAN AND
MANAGING DIRECTOR

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A K Basu)
DIRECTOR FINANCE

(आर. के. चौधरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
COMPANY
SECRETARY

31.03.2013 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां

1. महत्वपूर्ण लेखा-नीतियां

1.1 लेखा का आधार

कंपनी ने अपना लेखा भारत सरकार द्वारा निर्धारित कंपनियों के (लेखा मानक) नियम, 2006 (संशोधित) अनुसार के अधिसूचित लेखा मानकों एवं कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुरूप साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों (जीएएपी) के अनुसार की पारंपरिक पद्धति के अनुसार तैयार किया है।

1.2 आंकलन का उपयोग

गैप (जीएएपी) के अनुकूल वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए कंपनी के प्रबंधक द्वारा लिए गए निर्णय, आंकलन एवं अनुमानों, जो आस्तियों और देयताओं के उल्लिखित राशि को तथा वित्तीय विवरणों की तिथि को संभावित आस्तियों और दायित्व से संबंधित उद्घोषणाओं को तथा उल्लिखित आय और व्यय की उल्लिखित राशि को प्रभावित करता है। वास्तविक परिणाम एवं आंकलन के अंतर को उसी अवधि में स्वीकृत किया गया है, जिस अवधि में वह ज्ञात/कार्यान्वित हुआ है।

1.3 आस्तियां एवं मूल्यह्रास

स्थायी आस्तियों को क्रय मूल्य से इकिठित मूल्यह्रास को घटाकर दिखाया गया है।

लीज पर लिए गए जमीन को लीज अवधि तक दिखाया गया है।

साफ्टवेयर को, जहां यह संभावित है कि वह भविष्य में आर्थिक लाभ देगा को पूंजी में परिणत किया गया है तथा उसे अमूर्त आस्तियों के रूप में दिखाया गया है। पूंजीकीरण की लागत में लाइसेंस फीस तथा अनुपालन की लागत/तथा सिस्टम अनुकूलन सेवाओं का खर्च शामिल है। पूंजीकरण की लागत उस वर्ष में ही दिखाया गया है, जिस वर्ष में संबंधित साफ्टवेयर का इस्तेमाल आरंभ किया गया। कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची 14 में निर्धारित दर से मूल्यह्रासित मूलू पद्धति के आधार पर मूल्यह्रास का आंकलन किया गया है।

1.4 निवेश

जो निवेश एक वर्ष से अधिक के लिए हैं/किए जाने हैं, उन्हें दीर्घकालीन निवेश माना जाता है। निवेशों की गणना लागत के अनुसार की जाती है। लाभ-हानि को केवल बिक्री के वक्त आय/खर्च के रूप में जोड़ा जाता है। वर्तमान निवेश का लागत कम आंका जाता है तथा उचित मूल्य का निर्धारण व्यक्ति निवेश के आधार पर किया जाता है।

1.5 माल-भंडार

मार्गस्थ सामान सहित व्यापारगत माल-भंडार की मूल्य गणना उसके लागतमूल्य या प्राक्कलित शुद्ध प्राप्योग्य कीमत, दोनों में जो भी कम हो, के आधार पर की जाती है। लागत में क्रय मूल्य और अन्य प्रत्यक्ष खर्च जोड़ लिए जाते हैं।

NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2013

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.1 BASIS OF ACCOUNTING

The Company maintains its accounts on accrual basis following the historical cost convention in accordance with generally accepted accounting principles ["GAAP"], in compliance with the provisions of the Companies Act, 1956 and the Accounting Standards as specified in the Companies (Accounting Standard) Rules, 2006 (As amended), prescribed by the Central Government.

1.2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements in conformity with "GAAP" requires that the management of the Company make judgements, estimates and assumptions that affect the reported amount of assets and liabilities and the disclosures relating to contingent assets & liabilities as of the date of the financial statements and reported amount of income and expenses during the period. Difference between the actual results and estimates are recognised in the period in which the ressults are known / materialised.

1.3 ASSETS AND DEPRECIATION

Fixed Assets are stated at cost of acquisition less accumulated depreciation.

Leasehold land is amortised over the lease period.

Software is capitalized where it is expected to provide future enduring economic benefits and same is shown under Intangible Assets. Capitalisation cost includes Licence fees and cost of implementation / system integration services. The cost is capitalized in the year in which the relevant software is put to use.

Depreciation is charged on written down value method at the rates prescribed in Schedule XIV of the Companies Act, 1956.

1.4 INVESTMENTS

Investments held / intended to be held for a period exceeding one year are classified as long term investments and the same are stated at cost. Gains / losses on long term investments are considered as income/expenditure at the time of sale only. Current investments are stated at lower of cost and fair value determined on an individual investment basis.

1.5 INVENTORIES

Stock in trade including Material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less. The cost includes purchase cost and other direct expenses.

1.6 राजस्व गणना

क्रय, विक्रय एवं सेवा शुल्क

राजस्व की गणना यह मान कर की जाती है कि आर्थिक लाभ का प्रवाह कंपनी को होगा एवं राजस्व का समुचित आंकलन संभव है।

(1) क्रय

i) आयातित सामग्री को लदान-बिल की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, की गई खरीद को वास्तविक प्रेषण के आधार परंतु एवं जहां इस तरह का प्रेषण वित्त वर्ष के अंत तक नहीं हुआ हो, पर माल बुक किया गया हो वहां पहले से तय अग्रेषण विनिमय दरों या अगर अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया हो तो वित्त वर्ष के आखिरी दिन को लागू तत्कालीन विनिमय दरों पर, यथास्थिति, लेखा में सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ दर्ज किया जाता है एवं तत्पश्चात अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर किया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, खरीदों को विक्रेता के बीजकों की तारीख के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, बीजकों पर अंकित मूल्य को ही खरीद-मूल्य माना जाता है।

iii) निर्यात के लिए खरीदी गई सामग्री के मामले में, खरीद को विक्रेता के बीजक की तारीख के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

(2) विक्रय

i) हाई-सी बिक्री को हाई-सी विक्रय पत्र निर्गत होने की तारीख के आधार पर लेखे में बुक किया जाता है। जहां तक लागत का संबंध है, यदि माल बुक किया गया हो तो, पहले से तय अग्रेषण-विनिमय दरों पर या अंतिम रूप से बुक किया गया हो तो वित्त वर्ष के समापन की तारीख पर प्रचलित हाजिर विनिमय दरों पर, जहां अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया है, मूल्य की गणना सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ की जाती है तथा अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर कर दिया जाता है।

ii) डॉक के बाहर/जहाज के बाहर/बॉंड के बाहर की गई आयातित सामान की बिक्री को, पहले से तयशुदा दरों पर डिलीवरी आर्डर की तारीख बॉंड ट्रांसफर के आधार पर लेखा में लिया जाता है।

iii) यार्ड से बाहर बेचे गए सामान को, पहले से तयशुदा दरों पर ग्राहकों को की गई वास्तविक डिलीवरी के आधार पर लेखा में लिया जाता है।

iv) विक्रय-अंतरण को तयशुदा दरों पर बिक्री - बीजक पर अंकित तारीख के आधार पर लेखा में लिया जाता है।

v) स्वदेशी सामग्री के मामले में, की गई बिक्री को कंपनी द्वारा जारी डिलीवरी आर्डर के आधार पर एवं जूट के लिए मिल की रसीद नोट के आधार पर लेखा में लिया जाता है।

vi) निर्यात के मामले में बिक्री को शिपमेंट की तारीख के आधार पर लेखा दर्ज किया जाता है। जहां तक मूल्यों का संबंध है, बिक्री या तयशुदा विनिमय दरों पर यदि बुक की गई है, या माल की निकासी दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट के तारीख पर दरों में निर्यात के वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन के बाद लेखे में लिया जाता है।

1.6 REVENUE RECOGNITION

PURCHASES, SALES AND SERVICE CHARGES

Revenue is recognized to the extent it is probable that the economic benefits will flow to the Company and the revenue can be reasonably measured.

(1) Purchases

i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover was not taken, as the case may be, which includes C&F / CIF price and usuance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of date of sellers' invoices. As regards value, purchases are booked based on the value of invoices.

iii) In case of purchase of material for export, purchases are booked on the basis of date of sellers' invoices.

(2) Sales

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usuance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) Ex-dock / Ex-ship / Ex-bond sale of imported materials are accounted for on the basis of the date of delivery order / transfer of bond at contracted rates.

iii) Ex-yard sale of materials are accounted for on the basis of physical delivery of the material to the customers at contracted rates.

iv) Conversion sales are accounted for on the basis of date of sale invoices at contracted rate.

v) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of delivery orders issued by the Company and on the basis of bills receipt note in the case of jute.

vi) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realization of export proceeds.

(3) सेवा शुल्क

फेसिलिटेटर मोड के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन के लिए, प्रिंसिपलों की ओर से स्क्रैप का बिक्री कार्य करने के वास्ते अथवा - नीलामी, निविदा या अन्य विधियों से सरकारी उपक्रमों और इस्पात संयंत्रों के लिए स्क्रैप के आवंटन या प्रेषण कार्य के वास्ते प्राप्त पारिश्रमिक को सेवा-शुल्क के रूप में लेखा में लिया जाता है।

सेवा शुल्क

(अ) सेवा शुल्क को तयशुदा दरों पर आय के रूप में निम्नलिखित रूप से लेखा में शामिल किया जाता है :

(i) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से की गई नीलामी-बिक्री निविदाए के मामले में, बिक्री आदेशों/डिलीवरी आदेशों के जारी होने पर।

(ii) इस्पात संयत्र की ओर से निर्धारित दर के मामले में संयत्र से वास्तविक प्रेषण के आधार पर।

(iii) ई-विक्रय के संतोषजनक समाप्ति पर।

(iv) ई-प्रोक्योरमेंट के संतोषजनक समाप्ति पर।
उपरोक्त के संबंध में ऑक्शन के बोली मूल्य पर सेवा लेखे में लिया जाता है समायोजन के साथ, अगर है, प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक प्रेषण के आधार पर।

v) कार्यक्रम होने पर, अगर कार्यक्रम के आधार पर सेवा संविदा

(ब) मध्यस्थ के रूप में क्रय से प्राप्त सेवा-शुल्क को तयशुदा दर पर लदान बिल की/रेलवे रसीद/लोरी रसीद की तारीख के आधार पर, यथा स्थिति, लेखा में लिया जाता है। आयातित सामग्री के लिए मूल्य-निर्धारण या तो अग्रेषण आवरणपत्र में अंकित दर या आंतिम दर पर किया जाता है। अंतिम समायोजा भुगताा की तारीख के आधार पर किया जाता है। स्वदेशी सामान के मामले में, मूल्य-निर्धारण तयशुदा दर पर किए गए वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है।

ई-ऑक्शन पंजीकरण

ई-ऑक्शन पंजीकरण के लिए क्रेताओं से पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। अगर रजिस्ट्रेशन की वैधता एक वर्ष के लिए है तो इसे चालू वर्ष की आय के रूप में माना जाता है। अगर पंजीकरण आजीवन अवधि के लिए है तो पंजीयन शुल्क की प्राप्त राशि को समान रूप से पांच वर्षों में बांट दिया जाता है।

अन्य आय

(i) ग्राहकों से बिलंबित उगाही, यदि कोई हो, जिसकी उगाही अनिश्चित है, उस पर ब्याज को छोड़कर संग्रहण पर आधारित ब्याज आय को लेखे में लिया जाता है।

(ii) लाभांश आय को तभी स्वीकृत किया जाता है जब लाभांश प्राप्त करने का अधिकार प्रमाणित होता है।

(iii) किराए आय को संग्रहण के आधार पर स्वीकृत किया जाता है।

3) **Service Charges**

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode, conducting sales on behalf of Principals, allotment or despatches of scrap of Public Sector Undertakings and steel plants, whether by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

SERVICE CHARGES

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i) Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii) Fixed price sale on behalf of Steel Plants on the basis of actual despatches by the plants.

iii) On satisfactory completion of e-sales.

iv) On satisfactory completion of e-procurement.
In respect of above, service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals.

v) On occurrence of event , in case of service contract on event basis.

(b) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at provisional rate. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

E-AUCTION REGISTRATION

E-auction Registration fees collected from buyers are considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

OTHER INCOME

(i) Interest income is accounted for on accrual basis except interest on overdue recoverable from customers, if any, where realization is uncertain.

(ii) Dividend income is recognized when right to receive dividend is established.

(iii) Rental Income is recognized on accrual basis.

1.7 आय पर कर

कर खर्चे में वर्तमान और आस्थगित कर शामिल हैं। भारतीय आयकर अधिनियम के अनुसार कर प्राधिकरण को भुगतान करने के लिए दिया जाता है। आस्थगित कर मान्यता प्राप्त है, समय के अंतर के विवेचना से एक ही अवधि के कर योग्य आय और लेखा आय का भेद एवं एक या अधिक अवधि में पलटने में सक्षम है।

1.8 दावा

कंपनी द्वारा भेजे गए दावे को पार्टी द्वारा स्वीकार करने के साथ लेखे में शामिल किया जाता है। कंपनी पर किए गए दावे को कंपनी की स्वीकृति के बाद लेखे में शामिल किया जाता है। संविदानुसार ठेकों का निष्पादन करने में विफल होने पर सप्लायरों से वसूली गई रकम को केवल प्राप्तकर्ताओं के बीच आनुपातिक बटवारे के समय विविध आय के रूप में लेखे में शामिल किया जाता है।

1.9 पूर्व-अवधि समायोजन

पूर्व वर्षों से संबंधित आय और व्यय को, जो गलती या चूक से हिसाब में नहीं लिए गए थे, पूर्व-अवधि समायोजन के रूप में लेखा में लिया गया है। परंतु, किसी विशेष वर्ष में लिए गए निर्णय के फलस्वरूप हुए आय और व्यय को यद्यपि वे पिछले वर्षों से संबंधित रहे हों, उस विशेष वर्ष के लेनदेन के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है, जिसमें निर्णय लिया गया।

1.10 प्रावधान एवं आकस्मिक दायित्व

मात्रा के आंकलन का पर्याप्त डिग्री जिसे तब रेखांकित किया गया है जब वर्तमान दायित्व गत घटना का परिणाम है, को प्रावधान में शामिल किया गया है एवं यह संभव है कि संसाधन का बहिर्प्रवाह होगा एवं दायित्व राशि के आधार पर एक विश्वसनीय आंकलन किया जा सके। इन सबों पर पुनर्विचार प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर किया गया है और वर्तमान उचित आंकलन के सामने इसका समायोजन किया गया है। प्रबंधन एवं/स्वतंत्र विशेषज्ञ के निर्णय के आधार पर आकस्मिक दायित्व का निर्णय किया जाता है। इन सबों पर प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर विचार किया गया और प्रबंधन के वर्तमान आंकलन के सामने समायोजन किया गया।

1.11 कर्मचारियों का हित

लघु अवधि लाभ

लघु अवधि कर्मचारी हित का लेखा उनके ऑनडिसकाउंटेड राशि के लिए उस वर्ष में ही किया जाता है, जिस वर्ष में सेवाएं प्रदान की गई हैं।

नियोजन पश्चात हित एवं अन्य दीर्घ अवधि कर्मचारी हित

कंपनी में सेवानिवृत्ति लाभ की गई योजनाएं जैसे कि भविष्य निधि, आनुतोषिक योजना, सेवापरांत चिकित्सा लाभ, छुट्टी नकदीकरण आदि लागू हैं।

आनुतोषिक निधि में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना की शर्तों के अनुसार ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है।

1.7 TAXES ON INCOME

Tax expenses comprises of current and deferred tax. Current income tax is measured at the amount expected to be paid to the tax authorites in accordance with the Indian Income Tax Act. Deferred tax is recognized, subject to consideration of prudence on timing differences representing the difference between the Taxable income and Accounting income that originate in one period and are capable of reversal in one or more subsequent periods.

1.8 CLAIMS

Claims preferred by the Company are accounted for as and when accepted by the party. Claims against the Company are accounted for on acceptance by the Company. Amount realised from suppliers for non-performance of contract is accounted as miscellaneous income only at the time of proportionate disbursement amongst the receivers.

1.9 PRIOR PERIOD ADJUSTMENT

Due to error/omission in the earlier years, income and expenditure relevant to those years are accounted as prior period adjustment in the account. But income and expenditure arising out of decisions taken in a particular year, though pertaining to earlier years, are accounted as transactions during that particular year in which decision is taken.

1.10 PROVISIONS AND CONTINGENT LIABILITIES

Provisions involving substantial degree of estimation in measurement (without being discounted to its present value) are recognized when there is a present obligation as a result of past events and it is probable that there will be an outflow of resources and a reliable estimate can be made of the amount of the obligation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimate. Contingent liabilities are disclosed on the basis of judgement of the management / independent experts. These are reviewed at each balance sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

1.11 EMPLOYEE BENEFITS

Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period which the services are rendered.

Post employment benefits and other long term employee benefits

The company has various schemes of retirement benefit such as Provident Fund, Gratuity Schemes, Post - retirement medical benefits, Leave Encashment, etc.

Contributions to Gratuity Fund are made in accordance with the terms of the Schemes of the Life Insurance Corporation of India through trust.

भविष्य निधि का संचालन स्वतंत्र रूप से गठित न्यास के न्यासियों द्वारा किया जाता है। भविष्य निधि में किए गए मासिक अंशदान को राजस्व के रूप में लिया जाता है। भविष्य निधि ट्रस्ट को देय निश्चित ब्याज (सरकारी अधिसूचना के अनुसार) के लिए डेफिसिट (कमी) यदि कोई हो, को वास्तविक के आधार पर लेखा में शामिल किया गटन्या है।

अस्पताल में दाखिला जैसी सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा सुविधाएं भारतीय यूनिट ट्रस्ट और न्यू इंडिया ऐसुरेंस तथा ईउनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की बीमा पालिसी के तहत रखी गई हैं। चिकित्सा खर्चों की अवकाश प्राप्ति के पश्चात अधिवर्ष संबधि इलाज के लिए समय समय पर निर्धारित अधिकार के अनुसार वास्तविक भुगतान के आधार पर बुक किया गया है।

अवकाश प्राप्ति पर छुट्टियों का नगदीकरण भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप लीव इंकैशमेंट स्कीम पॉलिसी के तहत रक्षित है। भविष्य निधि ट्रस्ट को देय गारंटीशुदा ब्याज की कमी को नकद आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है।

1.12 संपत्तियों की हानि

आय स्रोत एवं संपत्तियों के लागत पर हानि का मूल्यांकन वर्ष के अंत में किया जाता है। हानि को तभी माना जाता है जब प्राप्त राशि की तुलना में मूल लागत अधिक हो। शुद्ध प्राप्त राशि अथवा वर्तमान मूल्य में जो भी अधिक है वही प्राप्य राशि है।

1.13 विदेशी मुद्रा अंतरण

विदेशी मुद्रा में लेनदेन को या तो वायदा बुकिंग दर या हाजिर दर के अनुसार लेखे में लिया जाता है, एवं जहां वर्ष के समापन के वक्त ऐसी रकम (प्रेषणाधीन) बकाया है वहां तयशुदा वायदा विनिमय दरों पर या फिर वित्त वर्ष के आखिरी तारीख को प्रचलित हाजिर विनिमय दरों के आधार पर, यथास्थिति, लेखा में लिया जाता है। निर्यात के मामले में विदेशी मुद्रा में लेनदेन को फरवर्ड बुकिंग दर के आधार पर अथवा कस्टम के क्लीयारेंस प्रमाण पत्र के अनुसार शिपमेंट की तारीख को हाजिर पर रिकॉर्ड किया जाता है और वर्ष के अंत में अगर इस तरह की राशि बकाया है तो अगले वर्ष निर्यात के लिए वास्तविक रूप से मिली राशि का समायोजन किया जाता है।

1.14 कर्ज की लागत

(i) अधिग्रहण और विशेष आस्तियों के निर्माण के लिए ली गयी निधि का पूंजीकरण उस आस्तियों को इस्तेमाल करने की तिथि तक तथा (ii) अन्य उद्देश्यों से ली गयी निधि से संबंधित ऋण लागत को लाभ एवं हानि लेखा में दिखाया गया है।

The Provident Fund is administered by an independently constituted trust. Monthly contributions to the funds are charged to revenue. Deficit if any for guaranteed interest due (as per Government Notification) to Provident Fund Trust are accounted for on actual basis.

Post Retirement medical benefit for hospitalistion is covered by Insurance Policy from Unit Trust of India , New India Assurance Co. Ltd and United India Insurance Co Ltd. Medical expenses are booked on actual payment basis as per entitement frixed from time to time for post retirement domiciliary treatment.

Leave Encashment on retirement are covered by Group Leave Encashment Scheme Policy from Life Insurance Corporation of India.

1.12 IMPAIRMENT OF ASSETS

Carrying amount of cash generating units / assets is reviewed for impairment at the end of year. Impairment, if any, is recognized where the carrying amount exceeds the recoverable amount, the latter being the higher of net realizable price and value in use.

1.13 FOREIGN CURRENCY TRANSLATION

Transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, as the case may be. In case of export, transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate on shipment date as per custom clearance document and where such remittance are outstanding at the close of the year, it is adjusted in the subsequent year on actual realization of export proceeds.

1.14 BORROWING COST

Borrowing Cost relating to (i) funds borrowed for acquisition/construction of qualiying assets are capitalized upto the dates the assets are put to use, and (ii) funds borrowed for other purposes are charged to Profit & Loss Account.

टिप्पणी 2 : शेयर पूंजी
Note 2. : Share Capital

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

शेयर पूँजी	Share Capital	As at 31st March 2013 को		As at 31st March 2012 को	
		Number	₹	Number	₹
प्राधिकृत	Authorised				
प्रत्येक रु.10/- के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹10/- each	50,000,000	5,000.00	5,000,000	500.00
जारी, अभिदत्त एवं पूर्णत: प्रदत्त	Issued, Subscribed & fully Paid up				
प्रत्येक रु.10/- के इक्विटी शेयर	Equity Shares of ₹10/- each	8,800.000	880.00	2,200,000	220.00
कुल	**Total**	**8,800,000**	**880.00**	**2,200,000**	**220.00**

टिप्पणी 2(ए): प्रतिवेदित अवधि के आरंभ और समाप्ति पर बकाया शेयरों की संख्या का मिलना प्राधिकृत विवरण

Note 2(a): A Reconciliation of the number of shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period:

विवरण	Particulars	As at 31st March 2013 को		As at 31st March 2012 को	
		Number	₹	Number	₹
वर्ष के आरंभ में बकाया शेयर	Shares outstanding at the beginning of the year	2,200,000	220.00	2,200,000	220.00
सामान्य आरक्षित से 3:1 अनुपात में बोनस शेयर जारी	Bonus Shares issued in the ratio 3:1 out of General Reserve	6,600,000	660.00		
वर्ष के समाप्ति पर बकाया शेयर	Shares outstanding at the end of the year	8,800,000	880.00	2,200,000	220.00

टिप्पणी 2(बी): कंपनी में केवल एक ही श्रेणी का सामान्य शेयर (इक्विटी शेयर) है, जिसकी कीमत प्रति शेयर रु.10/- है। सामान्य शेयर (इक्विटी शेयर) के प्रत्येक धारक प्रति शेयर के लिए एक वोट के हकदार और लाभांश के हकदार हैं तथा बंद किए जाने की स्थिति में अधिशेष के भागीदार हैं।

Note 2(b): The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹ 10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

टिप्पणी 2(सी): कंपनी के शेयरों की कुल मात्रा का 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रखने वाले शेयर धारक

Note 2(c): Shares in the company held by each shareholder holding more than 5 percent shares:

शेयरधारक का नाम	Name of Shareholders	As at 31st March 2013		As at 31st March 2012	
		धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	को प्रतिशत % of Holding	संख्या Number	को प्रतिशत % of Holding
भारत के राष्ट्रपति	President of India	7,906,400	89.85%	1,976,600	89.85%

टिप्पणी 3 : आरक्षित एवं अधिशेष:
Note 3 : Reserves and Surplus:

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
ए. सामान्य आरक्षित	**a. General Reserve**		
आरंभिक जमा	Opening Balance	59,386.00	50,301.00
(+) वर्तमान वर्ष का अंतरण	(+) Current Year Transfer	9,984.00	9,085.00
(-) 3:1 अनुपात में बोनस शेयर जारी हेतु शेयर पूंजी में अंतरण	(-) Transferred to Share Capital towards issue of Bonus shares in the ratio 3:1	660.00	–
(+) वित्तीय वर्ष 2011-12 में रिटेन बैक डीडीटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान	(+) Excess provision for DDT in FY 11-12 written Back	6.00	-
अंतिम शेष	**Closing Balance**	**68,716.00**	**59,386.00**
बी. अधिशेष	**b. Surplus**		
आरंभिक जमा	Opening balance	–	–
चालू वर्ष के लिए (+) शुद्ध लाभ/(शुद्ध हानि)	(+) Net Profit/(Net Loss) For the current year	13,073.00	11,839.00
(-) प्रस्तावित लाभांश	(-) Proposed Dividends	2,640.00	609.00
(-) अंतरिम लाभांश	(-) Interim Dividends		1,760.00
(-) लाभांश वितरण कर	(-) Dividend Distribution Tax	449.00	385.00
(-) आरक्षित में अंतरण	(-) Transfer to Reserves	9,984.00	9,085.00
अंतिम शेष	Closing Balance	–	–
कुल	**Total**	**68,716.00**	**59,386.00**

टिप्पणी 4: अन्य दीर्घावधि देयताएं:
Note 4 : Other Long Term Liabilities:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
(ए) ई-ऑक्शन पंजीकरण से अग्रिम प्राप्त आय	(a) Income received in advance - E auction Registration	326.00	334.00
(बी) एमएसएमई को छोड़कर अन्य व्यापारगत देय	(b) Trade Payable other than MSME	2.00	6.00
(सी) आरबिट्रेशन के लिए जमा	(c) Deposit for arbitration	223.00	223.00
(डी) कर्मचारी हित के लिए देयताएं	(d) Liability for staff benefit	117.00	97.00
(ई) ग्राहकों से जमा	(e) Deposit from customers	259.00	261.00
(एफ) अन्य	(f) Others	26.00	26.00
कुल	**Total**	**953.00**	**947.00**

टिप्पणी 5: अल्पावधि उधार:
Note 5 : Short Term Borrowings:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
प्रतिभूत	**Secured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से	From Banks	48,185.00	18,706.00
(मियादी जमा रसीद पर लियेन द्वारा प्रतिभूत रु. 91,079 लाख, गत वर्ष रु.71,914 लाख)	(Secured By Lien on FDR ₹ 91,079 Lacs, Previous year ₹ 71,914 Lacs)		
कार्यगत पूंजी ऋण (चालू आस्तियों के विरुद्ध प्रतिभूत)	Working Capital Loan (Secured against Current Assets)	29,162.00 77,347.00	18,706.00
अप्रतिभूत	**Unsecured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से	From Banks	24,416.00	54,554.00
कुल	**Total**	**1,01,763.00**	**73,260.00**

उपरोक्त अनारक्षित ऋण में शामिल है :

a) इंडियन ओवरसिज बैंक (आईओबी) से ऋण राशि रु.138 लाख: (19.9.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि बैंक अपने दावे की प्रतिरक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई शुल्क के रूप में भुगतान किया है। यह कंपनी इसका माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के समक्ष प्रतिवाद कर रहा है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के पास आईओबी के विरुद्ध रु.3656 लाख (जिसमें रु.2798 लाख एलसी मूल्य डेबिट हेतु एवं रु.858 लाख कानूनी खर्चे के लिए डेबिट शामिल है।)

b) स्टैंडर्ड चाटर्ड बैंक से रु.14,416 लाख का ऋण:

स्वर्ण आभूषण के निर्यात का कुल प्राप्य रु.63,821लाख में से स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने रिसिववल परचेज एग्रिमेंट के तहत रु.18,466 लाख का प्राप्य खरीदा था। एससीबी द्वारा खरीदी गई कुल राशि के प्राप्य के विरुद्ध 31.03.13 को बकाया शेष राशि रु.14,416 लाख है। एससीबी ने विदेशी ग्राहकों से इस राशि को डेबिट किया एवं प्रारंभिक रूप से प्रत्येक ग्राहकों के लेखे के विरुद्ध एमएसटीसी में क्रेडिट किया है एवं ग्राहकों से प्राप्त भुगतान डेबिट के विरुद्ध। वर्ष 2009 में इन सभी भुगतान की देय तिथि समाप्त है। चूंकि तब से ग्राहकों से भुगतान नहीं आ रहा था, मार्च, 2012 में एससीबी ने कुल शेष को बकाया बीजक में अंतरण किया है। ब्याज सहित कुल रु.19,158.00 लाख एमएसटीसी का ऋण है एवं एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी मुंबई में मामला दर्ज किया है। एससीबी ने खरीदारों द्वारा भुगतान करने में असमर्थ होने के लिए आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के साथ प्राप्त योग्य करार के तहत उनके द्वारा कुल खरीदी गई राशि के तहत बीमा किया है।

बहरहाल, इंश्योरेंस कंपनी ने ऊपर उल्लिखित बकाया प्राप्य के लिए उनके दावे को इंकार किया है। आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बदले एससीबी ने पहले अवैध रूप से बकाया को एससीबी के पास एमएसटीसी के ऋण में अंतरण किया है और जैसे कि ऊपर में बताया गया है कि एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी में प्रकिया किया है। एमएसटीसी ने इसको डीआरटी में आपत्ति की एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड एवं एससीबी के विरुद्ध अलीपुर कोर्ट में मामला दर्ज किया है कि उनके प्राप्य को एससीबी द्वारा ऋण में परिवर्तन करने की रोकथाम में तथा एससीबी को बीमाकर्ता से उनके दावे को प्राप्त करने के लिए लगे रहना चाहिए। अलीपुर कोर्ट ने एससीबी के विरुद्ध इंजक्शा मंजूर किया है। कंपनी डीआरटी में प्रक्रियाओं में रूकावट डालने के लिए अलीपुर कोर्ट की राय को डीआरटी के समक्ष प्रस्तुत करने जा रही है।

कंपनी ने इसके बुक में एससीबी के रु.21,755 लाख के कुल दावे के विरुद्ध ब्याज सहित रु.20,370 लाख की देयताओं को दर्शाया है। रु.1385 लाख शेष दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है, कानूनी मामले का निर्णय लंबित है। एससीबी ने तत्पश्चात बम्बई उच्च न्यायालय में बीमा का कंपनी आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के खिलाफ केस दर्ज किया है। एससीबी को अपने पक्ष में बीमा कंपनी के खिलाफ एकतरफा बिक्री मिल गयी है।

Above unsecured loan includes:

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹138 lacs: (lying since 19.9.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company is protesting before the Hon'ble Calcutta High Court. Apart from these, MSTC has also preferred case in Hon. High Court of Calcutta against IOB for ₹3656 lacs (which includes ₹2798 lacs towards debit of LC value & ₹858 lacs as debit towards legal expenses).

b) Loan from Standard Chartered Bank of ₹14,416 lacs:

Out of the total receivables of ₹63,821 lacs on account of export of gold jwellery, Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables amounting to ₹18,466 lacs under a Receivable Purchase Agreement. Against the total amount of receivables purchased by SCB, a balance amount of ₹14,416 lacs remain outstanding as on 31.3.2013. SCB had debited this amount to the foreign buyer and credited the amount to MSTC against each individual buyer's account initially and set off the payments received from the buyers against the debit. The due dates of all these payments expired by 2009. As payments were not forthcoming from the buyers since then, in March 2012, SCB converted the total balance against the outstanding invoices including interest aggregating to ₹19,158 lacs into debt of MSTC and filed a case against MSTC in DRT, Mumbai. SCB had also insured the total amount purchased by them against the Receivables Purchase Agreement with ICICI Lombard for default in payment by the buyers.

However, their claim for the outstanding receivables mentioned above was repudiated by the insurance company. Instead of initiating a legal case against ICICI Lombard, SCB first illegally converted the outstanding as debt of MSTC to SCB and proceeded in DRT against MSTC as stated above. MSTC challenged this in DRT and also filed a case against SCB and ICICI Lombard in Alipore Court to stop giving effect of converting their receivables into debt by SCB and also that SCB should pursue its claim with the insurer. The Alipore Court has granted injunction against SCB. The company is going to present the verdict of the Alipore Court before the DRT to stall the proceedings in DRT.

Against the total claim of ₹21,755 lacs of SCB the Company has already shown as liability in its books for ₹20,370 lacs inclusive of interest. Balance claim of ₹1,385 lacs has been shown as contingent liability, pending the outcome of the legal cases SCB subsequently filed case against ICICI Lombard, the Insurance Co. in Bombay High Court. SCB has got ex-party decree against the Insurance Co. in its favour.

टिप्पणी 6: व्यापारगत देय:
Note 6 : Trade Payable:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
एमएसएमई के अलावा व्यापारगत देय	(Trade Payable other than MSME	361,452.00	221,969.00
कुल	Total	361,452.00	221,969.00

31.03.2013 तक ऐसा कोई भी माइक्रो, छोटे एवं मझले इंटरप्राइजेज के पास मूलधन एवं ब्याज बाकी/देय नहीं है।
There is no reported Micro, Small and Medium Enterprises with whom principal amount and interest due/payable thereon as on 31.03.13.

टिप्पणी 7: अन्य चालू देयताएं:
Note 7 : Other Current Liabilities

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
(ए) ब्याज प्रद्भूत लेकिन उधार पर देय नहीं	(a) Interest accrued but not due on borrowings	5,954.00	4,187.00
(बी) ब्याज प्रद्भूत एवं उधार पर देय	(b) Interest accrued and due on borrowings	8.00	440.00
(सी) ई-ऑक्शन पंजीकण से अग्रिम आय प्राप्ति	(c) Income received in advance - E auction Registration	209.00	218.00
(डी) अप्रदत्त लाभांश*	(d) Unpaid dividends*	59.00	59.00
(इ) अन्य देय	(e) Other payables		
i) लेखा परीक्षकों का देय मानदेय	i) Auditor's Remuneration Payable	4.00	2.00
ii) देय बिक्री कर	ii) Sales Tax Payable	49.00	269.00
iii) देय टीडीएस	iii) TDS Payable	465.00	114.00
iv) पार्टियों से अग्रिम	iv) Advance from parties	338.00	347.00
v) अन्य**	v) Others**	47,759.00	45,790.00
कुल	Total	54,845.00	51,426.00

* तुलन पत्र की तिथि को निवेशक शिक्षा एवं प्रतिरक्षा निधि में रु.1 लाख बकाया को क्रेडिट करना है, ऐसे कोई राशि को 20.4.13 को अंतरित किया गया था।
** पार्टियों से प्राप्त की गई ईएमडी राशि, बकाया खर्चे आदि शामिल हैं।
* ₹ 1lac was outstanding to be credited to Investor Education and Protection Fund as at Balance Sheet date, which was transferred on 20.04.13.
** Includes EMD received from Parties, Outstanding Expenses etc.

टिप्पणी 8 : अल्पावधि प्रावधान :
Note 8 : Short -Term Provisions :

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
(ए) कर्मचारी हित के लिए प्रावधान	(a) Provision for employee benefits	1,535.00	430.00
(बी) अन्य-	(b) Others-		
i) लाभांश पर कर के लिए प्रावधान	i) Provision for Tax on Dividend	449.00	99.00
ii) प्रस्तावित लाभांश	ii) Proposed Dividend	2,640.00	609.00
कुल	Total	4,624.00	1,138.00

टिप्पणी 9 : अचल सम्पत्तियां
Note 9 : Fixed Assets

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

अचल सम्पत्तियाँ Fixed Asset	सकल सम्पत्ति Gross Block			संचित मूल्यह्रास Accumulated Depreciation					शुद्ध सम्पत्ति Net Block	
	1 अप्रैल 2012 को शेष Balance as on 1 April 2012	जोड़ (निपटान) Addition/ (Disposals)	31 मार्च 2013 को शेष Balance as at 31 March 2013	1 अप्रैल 2012 को शेष Balance as on 1April 2012	वर्ष के लिए मूल्य ह्रास Depreciation Charge for the year	लेखानीति में परिवर्तन हेतु समायोजन Adjustment due to change in Accounting Policy	निपटान पर On disposals	31 मार्च 2013 को शेष Balance as at 31 March 2013	31 मार्च 2013 को शेष Balance as at 31 March 2013	31 मार्च 2012 को शेष Balance as at 31 March 2012
भौतिक आस्तियाँ Tangible Assets										
पट्टावाली भूमि एवं बिल्डिंग Leasehold Land & Buildings	1,258.00	0.00	1,258.00	68.00	50.00	–	–	118.00	1,140.00	1,190.00
कंपनी फ्लैट्स Company Flats	170.00	0.00	170.00	115.00	3.00	–	–	118.00	52.00	55.00
एयर कंडीशनर एवं वाटर कूलर Air Conditioner & Water Cooler	69.00	3.00	72.00	39.00	4.00	–	–	43.00	29.00	30.00
फर्नीचर और फिक्सचर Furniture and Fixtures	320.00	0.00	320.00	178.00	26.00	–	–	204.00	116.00	142.00
ऑफिस साज-सामान Office equipment	183.00	1.00	184.00	114.00	10.00	–	–	124.00	60.00	69.00
पार्टीशन एवं क्यूबिकल्स Partition & Cubicles	235.00	0.00	235.00	138.00	17.00	–	–	155.00	80.00	97.00
मोटर व्हीकल्स Motor vehicles	13.00	9.00	22.00	7.00	2.00	–	–	9.00	13.00	6.00
ईडीपी EDP	730.00	12.00	742.00	403.00	133.00	–	–	536.00	206.00	327.00
कुल Total	**2,978.00**	**(25.00)**	**3,003.00**	**1,062.00**	**245.00**	–	–	**1,307.00**	**1,696.00**	**1,916.00**
विगत वर्ष Previous Year	3,152.00	(174.00)	2,978.00	1,414.00	199.00	9.00	(560.00)	1,062.00		

टिप्पणी 9(a): पट्टावाली भूमि एवं भवन का परिशोधन 2010-11 से प्रारंभ हुआ, जो भूमि एवं भवन के उपयोग पर पट्टे की शेष अवधि तक चलेगा।

Note 9(a): Amortisation of leasehold land and building has started w.e.f. 2010-11 on use of land and buiding over the remaining period of lease.

टिप्पणी 10 : गैर-पारंपरिक निवेश:

Note 10 : Non-Current Investment :

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
व्यापार निवेश (निम्नांकित ए के संदर्भ में)	Trade Investments (Refer A below)		
इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में निवेश	Investment in Equity instruments	1,581.00	1,581.00
	कुल/Total	**1,581.00**	**1,581.00**
घटाएं : निवेशित मूल्य में कम होने के लिए प्रावधान	Less : Provision for dimunition in the value of Investments	–	–
	कुल/Total	**1,581.00**	**1,581.00**

ए. व्यापार निवेश का विवरण

A. Details of Trade Investments

कारपोरेट बॉडी का नाम Name of the Body Corporate	शेयरों की संख्या/इकाइयां No. of Shares / Units		राशि (रु.) Amount (₹)		क्या लागत बताया गया है Whether stated at Cost
	2013	2012	2013	2012	
पूर्ण प्रदत्त, अनकोटेड, पूर्ण निजी सहायक कंपनी के इक्विटी शेयर में निवेश Investement in Equity Shares of Wholly Owned Subsidiary Company, Unquoted, Fully paid up					
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (अंकित मूल्य रु.1000/- प्रत्येक) Ferro Scrap Nigam Limited (Face Value ₹1000/- each)	20000	20000	1,581.00	1,581.00	Yes/हाँ
कुल/Total			**1,581.00**	**1,581.00**	

टिप्पणी 11: आस्थगित कर परिसंपत्तियों/(देयताओं) का विवरण नीचे है: (रु. लाख में):

Note 11 : The details of Deferred Tax Assets/(Liabilities) are as under: (₹ in lacs):

विवरण	Particulars	को/As on 31 .03.12	Tax effect for the year	को/As on 31 .03.13
संदिग्ध व्यापारगत प्राप्य के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Trade Receivables	1,321.00	468.00	1,789.00
40(ए), 43बी मूल्यह्रास के तहत प्रावधान	Provision against other expenses 40(a), 43B	–	573.00	573.00
में अंतर	Difference in depreciation	(20.00)	(1.00)	(21.00)
कुल	**Total**	**1,301.00**	**1,040.00**	**2,341.00**

टिप्पणी 12: दीर्घावधि अग्रिम एवं ऋण :

Note 12 : Long Term Loans and Advances:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
ए. अग्रिम पूंजी	**a. Capital Advances**		
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	0.00	48.00
बी. जमा	**b. Deposits**		
अनारक्षित असंदेहात्मक*	Unsecured, considered good *	646.00	636.00
सी.अन्य अग्रिम एवं ऋण	**c. Other loans and advances**		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	358.00	294.00
आयकर एवं टीडीएस का अग्रिम भुगतान (शुद्ध प्रावधान)	Advance Payment of Income Tax & TDS (net of provisions)	44.00	993.00
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पूर्व भुगतान व्यय	Unsecured, considered good - prepaid expenses	25.00	34.00
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पार्टी को अग्रिम	Unsecured, considered good - Advance to parties	23.00	43.00
कुल	**Total**	**1,096.00**	**2,048.00**

* बिक्री कर प्राधिकरण के पास जमा रु.462 लाख शामिल है। यह जमा उनके द्वारा उठाए गए दावे के विरुद्ध है। लेकिन कंपनी ने इसका विरोध किया है।

* Includes ₹ 462 lacs deposit with Sales Tax Authorities against demand raised by them which is contested by the Company.

टिप्पणी 13 : अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां :

Note 13 : Other Non-Current Assets:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
अन्य (प्रतिभूत असंदेहात्मक)	Others (Secured, considered good)		
कर्मचारी ऋण पर बकाया ब्याज	Int due on employee loans	15.00	23.00
कुल	**Total**	**15.00**	**23.00**

टिप्पणी 14: स्टॉक:
Note 14 : Inventories:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
ए. भंडारगत-माल (लागत मूल्य)	a. Stock-in-trade (Valued at cost)		
मार्गस्थ सामग्री	Goods-in transit	7,375.00	0.00
कुल	**Total**	**7,375.00**	–

टिप्पणी 15: व्यापार-प्राप्य:
Note 15 : Trade Receivables:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
भुगतान की देय तिथि से छ: महीने से ज्यादा अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्य	Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	1,196,96.00	49,542.00
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	59,695.00	63,320.00
अनारक्षित, संदेहात्मक	Unsecured, considered doubtful	5,514.00	4,070.00
घटाएं: संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Less: Provision for doubtful debts	5,514.00	4,070.00
		179,391.00	112,862.00
भुगतान की देय तिथि से छ: महीने की कम अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्य	Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	2,59,881.00	192,015.00
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	10,908.00	2,787.00
		270,789.00	194,802.00
कुल	**Total**	**450,180.00**	**307,664.00**

15 (a): 31 मार्च, 2013 को वर्ष समाप्ति पर अप्राप्त निर्यात ऋण यूएस डॉलर 137,498,823.73 (वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान रु.59863 लाख के बराबर) था, इतना ही वित्त वर्ष की शुरुआत में था। वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर (यूएसडी 1= रु.54.2850) को लेते हुए ऋण का वर्षांत शेष रु. 74641 लाख है एवं रु.14778 लाख का आनुमानिक लाभ होता जिसको लेखा में न-हीं लिया गया है, क्योंकि इसके वास्तविक वसूली पर समायोजन किया जाएगा एवं सहयोगियों को दे दिया जाएगा।

15 (b): वित्त वर्ष 2008-09 में कुल निर्यात राशि यूएस डॉलर 146,971,624.00 (रु. 63821 लाख के बराबर) में से 31.03.2012 को बकाया राशि यूएसडी 137,498,823.73 (रु.69953 लाख के बराबर) था एवं इस वर्ष के लिए लेखाबंद तारीख यानी 31.03.2013 को वही है। (31.03.13 को व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1= रु.54.2850 में रु.74641 लाख के बराबर है) ईसीजीसी के पास रु.45075 लाख का दावा किया गया है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने आईसीआईसीआई लाम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के पास यूएसडी 36,762,828.14 (वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1=रु54.2850 रु.19956 के बराबर) का दावा किया है। निर्दिष्ट इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दोनों दावाएं इंकार कर दिए गए हैं। एमएसटीसी ने ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के लिए ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली के पास आरंभ किए हैं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने भी आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड के खिलाफ कानूनी कार्रवाही की और मुंबई उच्च न्यायालय में अपने पक्ष में एक पक्षीय डिक्री प्राप्त की है।

एमएसटीसी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में सभी विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध कानूनी मामले दायर किए हैं। एमएसटीसी के पक्ष में 42 निर्णय दिए गए हैं, जिसके लिए उक्त अदालतों को निष्पादन के लए आग्रह किया गया है।

एशोसिएट सप्लायर्स द्वारा नामित विदेशी क्रेताओं के बकाया भुगतान की क्षतिपूर्ति के लिए छ: एशोसिएट सप्लायर्स के विरुद्ध पंचाट कार्रवाही भी जारी है। बाद में ईसीजीसी एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड जनरल इंश्योरेंश कंपनी द्वारा अनुमोदित है। 3 मामले में, एमएसटीसी के पक्ष में अवार्ड मिला है, जो निष्पादन की प्रक्रिया में है।

पेन को-ऑपरेटिव अरबन बैंक लिमिटेड से कुल रु. 16200 लाख (एफडीआर रु. 10000 लाख एवं बीजी रु. 6200 लाख) दावा किया है। सभी एफडीआर एवं बीजी नगदीकरण के लिए भेजे गए हैं। लेकिन 22.09.2010 से पेन अरबन को-ऑपरेटिव बैंक पर रिजर्व बैंक का प्रतिबंध होने की वजह से कार्य बंद है। इसलिए बैंक ने न तो एफडीआर या बीजी का नकदीकरण किया है न ही अवधि का विस्तार किया है। एमएसटीसी ने सर्वश्री उष्मा ज्वेलरी एण्ड प्यैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. तथा सर्वश्री स्पेस मार्केटाइल कंपनी लि. के खाते में पेन अरबन को-ऑपरेटिव बैंक के विरुद्ध 2 कानुनी कारबाई की है।

15 (a): At the year end 31.03.2013 unrealized export debtors remains USD 137,498,823.73 (equivalent to ₹59863 lacs during the FY 2008-09) which were the same as were at the beginning of the financial year. Considering the exchange rate (i.e. USD 1= ₹54.2850) prevailing on the last day of the financial year, the closing balance of debtors would have been ₹74641 lacs and there would have been a notional gain of ₹14778 lacs which has not been accounted for since this will offset against actual realization and will be passed on to the Associate Suppliers.

15 (b): Out of total export of USD 146,971,624.00 (equivalent to ₹63821 lacs) during the financial year 2008-09, there was an outstanding balance of USD 137,498,823.73 (equivalent to ₹69953lacs) as on 31.3.2012 and the same is continued for this year on closing date i.e 31.3.2013 (equivalent to ₹74641 lacs at the exchange rate of USD 1= ₹54.2850 prevailing on 31.03.2013). Claims have been lodged with ECGC for ₹45075 lacs. Similarly Standard Chartered Bank has also lodged claims with ICICI Lombard General Insurance Company for USD 36,762,828.14 (equivalent to ₹19956 lacs considering the exchange rate as USD 1 = ₹54.2850 prevailing on the last day of the financial year). Both the claims have been repudiated by the respective insurance companies. MSTC has initiated 36 cases against ECGC for the buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi. Standard Chartered Bank who has also initiated legal proceedings against ICICI Lombard has got ex-parte decree from Mumbai Highcourt in its favour.

MSTC has filed legal cases against all the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. Already 42 judgments have been awarded in favour of MSTC for which the appropriate Courts are being approached for execution.

Arbitration proceedings have also been initiated against all the six associate suppliers for indemnifying against the failure in payment by the foreign buyers nominated by them and later on approved by ECGC and ICICI Lombard General Insurance Co. Award has been received in favour of MSTC in three cases, which is also in the process of execution.

A total sum of ₹16200 lacs (FDR ₹10000 lacs and BG of ₹6200 lacs) have been claimed from the Pen Cooperative Urban Bank Ltd. All the FDRs and BGs have been sent for encashment but due to RBI restriction on Pen Urban Cooperative Bank with effect from the close of business as on 22.09.10 the bank has neither encashed nor extended the FDRs or the BGs. MSTC has preferred two cases against Pen Urban Cooperative Bank on a/c of M/s Ushma Jewellary & Packaging Exports (P) Ltd and M/s Space Mercanctile company Ltd

एशोसिएट्स में से एक मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एण्ड प्यैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु.3900 लाख (सरकार पंजीकृत मूल्यांकन) मूल्य स्थावर संपत्ति गिरवी रखा है। उक्त गिरवी संपत्ति के विक्रय/हस्तांतरण के लिए मुंबई उच्च यायालय में रिट पिटिशन दायर किया है।सीबीआई और ईडी विषय की जांच कर रहे है तथा रु.15540 लाख (रु.3900 लाख मूल्य की जमीन सहित) की परिसंपत्तिया एवं संपत्तिया ज्बत कर लिया है। एमएसटीसी ज्बत की गई परिसंपत्तियों तथा संपत्तियों को अपने पक्ष में स्थानांतरित करने की अनुमति के लिए सीबीआई कोर्ट से अनुरोध करने की योजना बना रही है।

प्रबंधन विदेशी क्रेताओं/इंश्योरेंस कंपानियों/एशोसिएट स्पलायर्सों से यथासंभव ब्याज, कानूनी खर्चें सहित कर्ज वसूली के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

लंबित मध्यस्थम और कानूनी मामले 31.03.2013 तक एशोसिएट के पास उसके पास करार के अनुसार ब्याज की आय रु.30212 लाख प्राप्य है, जिसका प्रावधान लेखे में नहीं किया गया है तथा वास्तविक वसूली के समय उसको लेखे में लिया जाएगा।

15 (c): व्यापार प्राप्य में शामिल रु.6278 लाख, जो सेसा इंटरोशनल के पास बकाया है। पार्टी ने दस्तावेज में विसंगतियों के कारण इसको स्वीकार करने से इंकार किया है। एमएसटीसी द्वारा तदनुरूप इंडियन ओरवसिज बैंक (बैंक) को सूचित किया गया है। बैंक पर विदेशी अदालतों के अनुसार विभिन्न तिथियों पर बैंक के आदेश के तहत एमएसटीसी खाते से डेबिट कर सप्लायर्स के बैंक को रकम भेज दी है। चूंकि यह समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार अदालत के आदेश के विरुद्ध है, सेसा इंटरनेशाल एमएसटीसी की क्षतिपूर्ति के लिए बाध्य है।

तदुनसार, एमएसटीसी ने सेसा इंटरनेशनल के विरुद्ध मध्यस्थम कार्रवाई शुरू किया है, जो प्रक्रियाधीन है। अतएव प्रबंधन रकम वसूली के आशान्वित है। पोर्ट में स्थित सामग्रियों के निपटान के विरुद्ध कोर्ट - ने रु.223 लाख प्राप्त किए हैं, जिसको लेखे में जमा के रूप में दर्शाया गया है। कोर्ट आर्डर केअनुसार रु.102 लाख के शेष सामग्री की विक्रय प्रक्रिया प्रापक के पास मियादी जमा के रूप में रखा गया है।

15 (d): व्यापार प्राप्य विभिन्न लिमिट के विरुद्ध पैरी पसु के आधार पर लैंडिंग बैंकिंग के हाइपोथिकेशन के तहत है। यह रु.48185 लाख के डिमांड पर देय ऋण को छोड़कर जो एफडीआर पर लियेन द्वारा प्रतिभूत है।

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹3900 lacs (valuation In 2010 by Govt Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court.CBI and ED investigating the matter has seized assets and proprperties worth ₹15540 lacs (including land valued ₹3900lacs)). MSTC is planning to approach CBI Court requesting for permission to transfer the seized assets and properties in its favour.

The Management is taking all possible steps to recover the dues as much as possible along with interest, legal expenses, etc. from the foreign buyers/Insurance Cos/Associate suppliers.

Pending arbitration and legal cases, as on 31.03.2013 interest income due on Associates as per agreement with them of ₹30212 lacs have not been provided in the accounts and same will be accounted for at the time of actual realization.

15 (c): Trade Receivables includes ₹6278 lacs due from Sesa International. The party has refused to accept the documents due to discrepancy therein, which have been intimated to Indian Overseas Bank ('Bank') accordingly by MSTC. But pursuant to Foreign Court order on Bank, they have remitted to supplier's Bank by debiting MSTC's account on various dates. As it is against Court order, as per MOA terms Sesa International is bound to indemnify MSTC.

Accordingly, MSTC have invoked arbitration proceeding against Sesa International which is under process and the management is hopeful to recover the amount. Against disposal of goods lying at port through court court receiver an amount of ₹223 lacs has been receieved which has been shown in the books as Deposit.Sale proceeds for balance material amounting to ₹102 lacs is kept with the receiver as fixed deposit as per Court order.

15 (d) Trade Receivables are under hypothication of lending banker on parri passu basis against various limits except for "Loans payable on Demand" of ₹48185lacs, which is secured by way of lien on FDR.

टिप्पणी 16 : नगद एवं नगद समान:

Note 16 : Cash & Cash equivalents :

विवरण	Particulars	31 मार्च 2013 को As at 31 March 2013		31 मार्च 2012 को As at 31 March 2012	
		₹	₹	₹	₹
ए. बैंक शेष	a. Balances with banks				
चालू खाता में	In Current Accounts		21,585.00		4,782.00
लाभांश लेखा में	In Dividend Accounts		59.00		59.00
सावधि जमा खाता में	In Term Deposit Accounts				
स्थायी जमा	Fixed Deposit		1,05,812.00		86,355.00
समाहित:	This includes:				
ऋण के विरुद्ध सिक्योरिटी	Security against borrowings	91,079.00		71,914.00	
गारंटी	Guarantees	2.00		23.00	
12 महीने से अधिक अवधि की परिपक्वता हेतु बैंक में जमा	Bank deposits with more than 12 months maturity	15,536.00		22,132.00	
बी. नगद राशि हाथ में	b. Cash on hand		1.00		2.00
सी. अन्य-मार्गस्थ विप्रेषण	c. Others - Remittance in transit		0.00		230.00
कुल :	**Total**		**1,27,457.00**		**91,428.00**

* Rs.1lac was outstanding to be credited to Investor Education and Protection Fund as at Balance Sheet date, which was transferred on 20.4.13.

*तुलन पत्र के तिथि में इंवेस्टर एडूकेशन एवं प्रोटेक्शन फंड में बकाया रु.1.00 लाख जमा किया गया, जिसको 20.04.13 को अंतरण किया गया है।

टिप्पणी 17: अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम :

Note 17 : Short-term loans and advances:

विवरण	Particulars	को/As at 31 March 2013	को/As at 31March 2012
		₹	₹
बी. अन्य	**b. Others**		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	146.00	132.00
अनारक्षित, असंदेहात्मक - अन्य	Unsecured, considered good - Others	110.00	27.00
अग्रिम	**ADVANCES**		
बिक्री कर एवं वैट का अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Sales Tax & VAT	25.00	145.00
जमा	**DEPOSITS**		
पार्टी के पास जमा	Deposit to parties	153.00	1,191.00
कुल :	**Total**	**434.00**	**1,495.00**

टिप्पणी 18(a): परिचालन से राजस्व:
Note 18(a) : Revenue from operations :

विवरण	Particulars	2012-13	2011-12
		₹	₹
सामग्री की बिक्री	Sale of Goods	6,11,129.00	236,807.00
सेवा शुल्क	Service Charges	17,799.00	20,067.00
अन्य परिचालित राजस्व	Other Operating Revenues	7,675.00	5,657.00
कुल :	**Total**	**636,603.00**	**262,531.00**

टिप्पणी 18 (b) - वर्ष के दौरान इ-ऑक्शन पंजीकरण हेतु रु.259 लाख (विगत वर्ष रु.313 लाख) संग्रह किया गया था। चालू वर्ष के समग्र संग्रह से रु.201लाख (विगत वर्ष रु.250 लाख) देयताओं के पास रखा गया है, जो चार वर्षों में वितरित किया जाएगा, क्योंकि यह पंजीकरण आजीवन वैध है। अवितरित शेषों का संचयन 31.03.2013 को रु.535 लाख (विगत वर्ष रु.551 लाख) है। शेष राशि, जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष के लिए वैध है उसको चालू वर्ष के आय के रूप में लिया जाता है।

Note 18 (b) - During the year, an amount of ₹259 lacs (previous year ₹313 lacs) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹201 lacs (previous year ₹250 lacs) has been kept in liabilities to be distributed in four years, since that registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2013 is ₹535 lacs (previous year ₹551 lacs). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

टिप्पणी 19 - अन्य आय :
Note 19 : Other Income :

विवरण	Particulars	2012-13	2011-12
		₹	₹
ब्याज से आय	Interest Income		
i) स्थायी जमा पर ब्याज	i) Interest on fixed deposit	8,687.00	6,696.00
ii) आईडीबीआई में जमा से ब्याज	ii) Interest on Deposit with IDBI	0.00	9.00
iii) कर्मचारी द्वारा लिए गए अग्रिम पर ब्याज	iii) Interest on Employee Advances	23.00	15.00
iv) अन्य ब्याज	iv) Interest others	1.00	124.0
लाभांश आय	Dividend Income	40.00	40.00
विविध आय	Miscellaneous Income	171.00	177.00
कुल :	**Total**	**8,922.00**	**7,061.00**

बैंक जमा के ऊपर ब्याज से सोर्स पर कर कटौती रु. 622 लाख (विगत वर्ष रु.567 लाख)। अन्य ब्याज आय एवं सेवा प्रभार के ऊपर टीडीएस रु. 1135लाख (विगत वर्ष रु.621लाख है)।

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹622 lacs (previous year ₹567 lacs). Tax deducted at source amounted to ₹1135 lacs (previous year ₹621 lacs) on service charge & other interest income.

टिप्पणी 20 : भंडारगत माल का क्रय :
Note 20 : Purchase of Stock-in-Trade :

विवरण	Particulars	2012-13	2011-12
		₹	₹
सामग्री की खरीद	Purchase of goods	609,897.00	231,912.00
अन्य सीधे व्यय	Other Direct Expenses		
i) बीमा	i) Insurance	0.00	3.00
ii) बैंक शुल्क	ii) Bank Charges	1,563.00	752.00
कुल :	**Total**	**611,460.00**	**232,667.00**

टिप्पणी 21: कर्मचारी हितलाभ व्यय:
Note 21 : Employee Benefits Expenses :

विवरण	Particulars	2012-13	2011-12
		₹	₹
(a) वेतन एवं इंसेंटिव	(a) Salaries and incentives	3,836.00	2,975.00
(b) पीएफ में नियोक्ता का अंशदान	(b) Employer Contribution to PF	193.00	177.00
(c) ग्रैच्यूटी निधि में अंशदान	(c) Gratuity fund contributions	38.00	405.00
(d) कर्मचारी वेलफेयर व्यय	(d) Staff welfare expenses	331.00	305.00
(e) अवकाश नगदीकरण	(e) Leave encashment	92.00	267.00
कुल :	**Total**	**4,490.00**	**4,129.00**

लेखा मानक 15 (संशोधित 2005) में परिभाषित हित दायित्वों के संदर्भ में कर्मचारी हितों के लिए अपेक्षित घोषणाएं-
Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations:

तालिका 31.03.13 तक के दायित्व के सं. की वर्तमान स्थिति में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।
Table showing changes in present value in ₹ of obligation as on 31.03.13:

विवरण	Particulars	Gratuity उपदान	Leave Salary छुट्टी वेतन
वर्षारंभ में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at beginning of year	1,293.00	937.00
ब्याज लागत	Interest cost	103.00	75.00
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	33.00	77.00
चुकाए गए हित	Benefits paid	(194.00)	(146.00)
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial (Gain)/Loss on obligations	38.00	39.00
वर्षांत में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at end of year	1,273.00	982.00

तालिका 31.03.13 तक की योजना संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।
Table showing changes in the fair value of plan assets as on 31.03.13

विवरण	Particulars	Gratuity उपदान	Leave Salary छुट्टी वेतन
वर्ष के प्रारंभ में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at beginning of year	1,439.00	958.00
योजना संपत्ति पर संभावित आय	Expected return on plan assets	129.00	87.00
अंशदान	Contributions	33.00	56.00
चुकाए गए हित	Benefits paid	(194.00)	(146.00)
योजना संपत्ति पर लाभ/हानि	Acturial gain/(loss) on plan assets	38.00	NIL
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at the end of year	1,407.00	955.00
निधिक स्थिति	Funded status	134.00	(27.00)

31.03.13 को बीमांकिक लाभ/हानि के रूप में पहचाना
Acturial Gain/Loss recognized as on 31.03.13

विवरण	Particulars	Gratuity उपदान	Leave Salary छुट्टी वेतन
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Acturial (gain)/loss on obligations	(38.00)	(39.00)
वर्ष के योजना संपत्ति के लिए बीमांकिक (लाभ)/हानि	Acturial (gain)/loss for the year – plan assets	NIL	NIL
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Acturial (gain)/loss on obligations	38.00	39.00
वर्ष के बीमांकिक (लाभ)/हानि के रूप में पहचाना	Acturial (gain)/loss recognized in the year	38.00	39.00

तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत राशि
The amounts to be recognized in the balance sheet and statements of profit and loss.

विवरण	Particulars	Gratuity उपदान	Leave Salary छुट्टी वेतन
वर्षांत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present value of obligations as at the end of year	1,273.00	982.00
वर्षांत में योजना सम्पत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets as at the end of the year	1,407.00	955.00
निधिक स्थिति	Funded status	134.00	(27.00)
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल आस्तियां (देयताएं)	Net asset/(liability) recognized in balance sheet	134.00	27.00

लाभ-हानि लेखा विवरण में स्वीकृत खर्च
Expenses recognized in statement of Profit and loss.

विवरण	Particulars	Gratuity उपदान	Leave Salary छुट्टी वेतन
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	33.00	77.00
ब्याज लागत	Interest cost	103.00	75.00
योजना सम्पत्तियों पर संभावित आय	Expected return on plan assets	(129.00)	(87.00)
वर्ष में बीमांकिक निवल (लाभ)/हानि	Net acturial (gain)/loss recognized in the year	38.00	39.00
स्वीकृत खर्च लाभ-हानि लेखा विवरण में	Expenses recognized in statement of profit and loss	45.00	104.00

टिप्पणी 22 : वित्त लागत :
Note 22 : Finance Costs :

विवरण	Particulars	2012-13 ₹	2011-12 ₹
ब्याज व्यय	Interest expense	13,462.00	10,155.00
कुल :	Total	13,462.00	10,155.00

टिप्पणी 23 : अन्य व्यय :

Note 23 : Other Expenses :

विवरण	Particulars	2012-13 ₹	2011-12 ₹
मरम्मत एवं रख-रखाव	Repairs and Maintenance	250.00	328.00
इंश्योरेंस	Insurance	2.00	2.00
भाड़ा	Rent	270.00	253.00
दर एवं कर	Rates and Taxes	28.00	44.00
बैंक शुल्क	Bank Charges	7.00	14.00
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	380.00	295.00
प्रशिक्षण, बैठक एवं कांफरेंस	Training, Meeting and Conference	38.00	10.00
निदेशक बैठक शुल्क	Directors' Sitting Fees	4.00	3.00
लेखा परीक्षा शल्क	Audit Fees	6.00	2.00
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (सांविधिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Statutory Auditor)	4.00	3.00
स्टॉक यार्ड व्यय	Stock Yard Expenses	13.00	20.00
टैलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	Telex, Postage and Telegram	39.00	33.00
इलेक्ट्रिसिटी	Electricity	100.00	83.00
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing and Stationery	40.00	35.00
इंटरटेनमेंट	Entertainment	18.00	12.00
टेलीफोन शुल्क	Telephone Charges	38.00	38.00
एडवरटाइजमेंट	Advertisement	72.00	49.00
विधि व्यय*	Legal Expenses *	652.00	657.00
कंसलटेंसी शुल्क	Consultancy Charges	47.00	66.00
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	Internal Audit Fees	24.00	24.00
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	5.00	5.00
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	34.00	5.00
स्टाफ नियुक्ति व्यय	Staff Recruitment Expenses	10.00	9.00
समाचार-पत्र, किताब एवं पेरिडिकल्स	Newspaper, Books and Periodicals	3.00	8.00
नैगमिक सामाजिक दायित्व	Corporate Social Responsibility	169.00	183.00
ऑक्शन/टेंडर व्यय	Auction/Tender Expenses	118.00	166.00
संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	1,528.00	826.00
पूर्व अवधि उत्पाद	Prior Period Items	4.00	17.00
परिसंपत्ति की बिक्री से हानि	Loss on sale of Assets	0.00	10.00
कुल :	**Total**	**3,903.00**	**3,200.00**

* स्वर्ण आभूषण निर्यात से संबंधित मामले के लिए रु.457 लाख (लगभग) शामिल है। विगत वर्ष के लिए रु.530 लाख (लगभग) है।

* Includes ₹ 457 lacs (appx.) previous yr. 530 lacs (appx.) pertains to cases relating to Gold Jewellary Export.

टिप्पणी 24 : विदेशी मुद्रा में व्यय (भुगतान आधार पर) :

Note 24 : Expenditure incurred in Foreign Currency (on payment basis):

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण	Particulars	2012-13 ₹	2011-12 ₹
सामग्री का आयात	Import of Goods	660,870.00	142,409.00
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	24.00	10.00
अन्य	Others	397.00	329.00
कुल :	**Total**	**661,291.00**	**142,748.00**

टिप्पणी 25 : प्रबंधकीय मानदेय :

Note 25 : Managerial Remuneration:

ए) (a)

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण	Particulars	2012-13 ₹	2011-12 ₹
निदेशकों के वेतन एवं भत्ते	Director's Salaries & Allowances	68.00	56.00
भविष्य निधि में कंपनी का योगदान	Company's Contribution to Provident Fund	5.00	5.00
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Medical expenses	1.00	1.00
निदेशकों की बैठक का शुल्क	Directors' Sitting Fees	4.00	3.00

बी) चूंकि निदेशकों को कंपनी द्वारा लिमिटेड माइलेज के लिए कार के निजी व्यवहार की सुविधा प्रदान किए गए हैं, उस सुविधा को हित लाभ/परक्यूजिट के रूप में नहीं लिया गया है।

b) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the Company to Directors, such facility has not been considered as benefit/perquisite.

सी) ग्रुप इंश्योरेंस/ग्रुप ग्रैच्यूटी स्कीम की मास्टर पॉलिसी के लिए प्रीमियम का भुगतान किया है, जो निदेशकों के लिए भी किया जाता है, को परक्यूजिट के रूप में नहीं लिया गया है क्योंकि यह अनिश्चित है।

c) Premium paid for Master policy of Group Gratuity Scheme /Group Insurance which also covers Directors has not been considered as perquisite since it is unascertainable

टिप्पणी 26: संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण (एएस 18 के संदर्भ में)

Note 26: Related party disclosure (in terms of AS 18)

कंपनी राज्य नियंत्रित उपक्रम है एवं एएस - 18 के अनुसार अन्य राज्य नियंत्रित उपक्रमों के साथ लेनदेन प्रकट करने की जरूरत नहीं है।
The Company is a state controlled enterprise and the transactions with other state controlled enterprises are not required to be disclosed as per AS - 18.

संबंधित पार्टी -शून्य

ए) शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक-

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री ए के बसु,निदेशक (वित्त)

श्री बी बी सिंह,निदेशक (वाणिज्य)

बी) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन:

लेनदेन की प्रकृति	केएमपी	अन्य
प्रदत्त प्रबंधकीय मानदेय	रु. 78 लाख	----
	(रु. 65 लाख)	----

सी) शेष बकाया शून्य है।

Related Party – Nil

a) Key Managerial Personel

Shri S. K Tripathi - Chairman-cum-Managing Director

Shri A. K. Basu – Director (Finance)

Shri B. B. Singh – Director (Commercial)

b) Transaction with related party during the year:

Nature of Transaction	KMP	Others
Managerial Remuneration Paid	₹ 78 lacs	—
	(₹ 65 lacs)	—

c) Balance outstanding is Nil.

टिप्पणी 27:एएस-17 के अनुसार विभाजित रिपोर्टिंग :

Note 27 : Segmental Reporting as per AS – 17 :

कंपनी ने एएस-17 के शर्तों के अनुसार ई-कॉमर्स एवं विपणन को अपने दो प्राथमिक व्यवसाय प्रभाग के रूप में चिन्हित किया है। यहां कोई गौण क्षेत्र नहीं है।

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commece as its two Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण Particulars	विपणन Marketing	इ-कॉमर्स E-Commerce	अन्य/Others (अनलोकेटेड)(unallocated)	कुल Total
कुल आय	633,420.00	11,012.00	1,093.00	645,525.00
Total Revenue	(254,743.00)	(13,969.00)	(880.00)	(299,592.00)
कुल व्यय	617.651.00	252.00	8,282.00	626,185.00
Total Expenses	(244,440.00)	(406.00)	(7,131.00)	(251,977.00)
परिणाम (करपूर्व लाभ)	15,769.00	10,760.00	(7,189.00)	19,340.00
Result (Profit before Tax)	(10,303.00)	(13,563.00)	(-6,251.00)	(17,615.00)
कर व्यय				6,267.00
Tax Expense				(5,776.00)
अवधि के लिए लाभ-हानि (-)				13,073.00
Profit Loss (-) for the period				(11,839.00)

आस्तियों एवं देयताओं के अनाबंटित प्रकृति के कारण विभाजित नहीं कर पाया।

Assets & liabilities could not be segmented due to their unallocable nature

टिप्पणी 28 : कुछ व्यापार प्राप्य, व्यापार देय एवं ओंग्रिमों का शेष पुष्टि के ऊपर निर्भर करता है।

Note 28 : Balances of some cases of the Trade Receivables, Trade Payables and Advances are subject to confirmation.

टिप्पणी 29: प्रति शेयर आय नीचे के अनुसार कंप्यूटरीकृत किया गया है:-

Note 29 : Earning per share has been computed as under :

विवरण	Particulars	2012-13	2011-12
करोपरांत लाभ (रु. लाख में)	Profit after Tax (₹ in lacs)	13,073.00	11,839.00
शेयरों की संख्या (सं.)	No. of shares (Nos.)	8800000	8800000
करोपरांत लाभ पर प्रति शेयर आय (प्रति शेयर अंकित मूल्य रु.10) बेसिक/डाइलूटेड	Earnings per share on profit after tax (face value ₹ 10/- per share) – Basic/Diluted (₹)	148.56	134.53

* एएस-20 के अनुसार 3:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने हेतु विगत वर्ष के ईपीएस को पुनःवर्णित किया गया है।

* Previous years EPS has been restated for issue of Bonus Shares in the ratio of 3:1 as per AS 20

टिप्पणी 30 : कंपनी ने कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 441ए के तहत देय सेस के लिए प्रावधान नहीं बनाया है। चूंकि अधिसूचना प्रयोज्यता की तिथि के संबंध में एवं निश्चित दर देना है, जो अभी तक बताया नहीं गया है।

Note 30 : The Company has not made provision for Cess payable under section 441A of the Companies Act, 1956 as the notification as regards the date of applicability and the exact rate to be applied has not yet been issued.

टिप्पणी 31: एएस - 21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण के तैयारी की जरूरत नहीं है चूंकि कंपनी लिस्टेड नहीं है, पहले भी इस तरह का विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही कोई सांविधिक जरूरतों के अनुपालन के लिए दायबद्ध है।

Note 31: Preparation of consolidated financial statements as per AS – 21 is not required as the Company, not being a listed Company, has neither presented such statement previously nor is liable to comply with the requirements of any statute.

टिप्पणी 32 : आकस्मिक देयताओं में शामिल कंपनी के विरुद्ध दावे को ऋण के रूप में नहीं लिया गया:

Note 32 : Contingent Liabilities include claims against the Company not acknowledged as debt:

(₹ in lacs) (₹ लाख में)

विवरण	Particulars	2012-13	2011-12
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	Sales Tax & Customs	1,853.00	1,987.00
धन संबंधी वाद	Money Suits	2,392.00	2,392.00
नौवहन वाद	Admiralty Suits	37.00	37.00
विवाचन	Arbitration	3,369.00	3,630.00
विधि व्यय	Legal Expenses	325.00	-
आयकर	Income Tax	602.00	137.00
सेवा कर	Service Tax	1,713.00	1,710.00
कुल :	**Total**	**11,176.00**	**9,893.00**

टिप्पणी 33 : रु.5231 लाख (विगत वर्ष रु. 1575 लाख) को कंपनी द्वारा कानुनी कार्रवाई के माध्यम से किए गए दावे को वित्तीय विवरण में नहीं लिया गया है।

Note 33 : Claims lodged by the Company through legal processes not recognized in financial statements are ₹ 5231 lacs (previous year ₹ 1575 lacs).

टिप्पणी 34 (a): 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं समाप्त स्टॉक का विवरण:-

Note 34(a) : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31.03.2013

(मात्रा 000 टन) (मूल्य रु. लाख में)

(Qty '000 Tonnes) (Value ₹ in lacs)

सामग्री का विवरण	शुरुआती स्टॉक Opening Stock		क्रय Purchases		विक्रय Sales		बंद स्टॉक Closing Stock	
Description of material	मात्रा Qty	मूल्य Value	मात्रा Qty	मूल्य Value	मात्रा Qty	मूल्य Value	मात्रा Qty	मूल्य Value
मेल्टिंग स्क्रैप	–	–	3.00	800.00	3.00	825.00	–	–
Melting Scrap	–	–	(10.00)	(2,984.00)	(10.00)	(3,065.00)	–	–
पिलेट्स	–	–	0.00	0.00	0.00	0.00	–	–
Pellets	–	–	(20.00)	(2,115.00)	(20.00)	(2,175.00)	–	–
नेफ्था	–	–	317.00	162,567.00	317.00	164,924.00	–	–
Naptha	–	–	(142.00)	(73,517.00)	(142.00)	(74,584.00)	–	–
कोक/कोल			6,436.00	382,016.00	6,242.00	379,587.00	194.00	7,375.00
Coke/Coal	(53.00)	(1,618.00)	(2,215.00)	(135,107.00)	(2,268.00)	(138,360.00)	0.00	0.00
बिलेट्स	–	–	0.00	0.00	0.00	0.00	–	–
Billets	–	–	(5.00)	(1,904.00)	(5.00)	(1,961.00)	–	–
जूट	–	–	218.00	5,782.00	218.00	5,825.00	–	–
Jute	–	–	(246.00)	(7,028.00)	(246.00)	(7,080.00)	–	–
आयरन ओर			584.00	44,257.00	584.00	45,076.00		
Iron Ore			(0)	(0)	(0)	(0)		
एच आर क्वायल	–	–	30.00	12,990.00	30.00	13,202.00	–	–
H R Coils	–	–	(28.00)	(11,617.00)	(28.00)	(11,875.00)	–	–
				608,412.00		609,439.00		
				(234,272.00)		(239,100.00)		
जोड़:	अंतिम बिल समायोजन			1,485.00		1,690.00		
Add :	Final Bill Adj.			(-2360.00)		(-2293.00)		
				609,897.00		611,129.00		
				(231,912)		(236,807)		

टिप्पणी 34 (b): ऊपर के अलावा कंपनी ने फेसिलेटेटर के रूप में निम्नोक्त के अनुसार सामग्री खरीदी:

Note 34(b) : In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below:

(मात्रा 000 टा) (मूल्य रु. लाख में)
(Quantity in '000 Tonnes) (Value ₹ 'lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	मात्रा Qty.	खरीद मूल्य Purchase Value	अर्जित सेवा प्रभार Service Charges Earned
एच आर क्वायलस HR Coils	226.00 (127.00)	17,238.00 (55,013.00)	274.00 (900.00)
कोक/कोल Coke/Coal	601.00 (491.00)	62,779.00 (62,098.00)	1,714.00 (1,535.00)
बिलेट्स Billets	93.00 (149.00)	27,430.00 (47,771.00)	625.00 (896.00
पिलेट्स Pellets	4.00 (31.00)	367.00 (3,812.00)	7.00 (71.00)
कॉपर वायर रॉड Copper Wire Rods	1.00 (1.00)	3,535.00 (6,887.00)	65.00 (127.00)
नेफ्था Naptha	389.00 (100.00)	221,521.00 (54,036.00)	3,273.00 (784.00)
कैपिटल आईटम Capital Items	0.00 (22.00)	0.00 (2,308.00)	17.00 (26.00)
स्क्रैप Scrap	1.00 (19.00)	347.00 (64,852.00)	6.00 (109.00)
डीआरआई DRI	0.00 (2.00)	0.00 (410.00)	0.00 (6.00)
आयरन ओर Iron Ore	291.00 (492.00)	20,482.00 (35,841.00)	417.00 (685.00)
मैंगेनीज ओर Manganese Ore	71.00 (50.00)	6,616.00 (6,698.00)	150.00 (125.00)
सी आर क्वायल C R Coil	9.00 (2.00)	3,339.00 (920.00)	50.00 (14.00)
पिग आयरन Pig Iron	49.00 (87.00)	14,400.00 (23,517.00)	266.00 (435.00)
स्पंज आयरन Sponge Iron	53.00 (101.00)	14,013.00 (25,633.00)	259.00 (463.00)
ब्लूम Bloom	0.00 (10.00)	0.00 (3,144.00)	0.00 (66.00)
सीएलओ CLO	0.00 (34.00)	0.00 (2,045.00)	0.00 (38.00)
कंज्यूमेबल Consumables	0.00 (0)	0.00 (176.00)	0.00 (2.00)
एचएमएस HMS	1.00 (30.00)	456.00 (7,541.00)	23.00 (205.00)
कुल/Total	**1,789.00**	**392,523.00**	**7,147.00**
	(1,748.00)	**(342,702.00)**	**(6,487.00)**

35. विगत वर्ष के आकड़ो को जहां जरूरत है वहां पुनव्यवस्थित एवं पुनः ग्रुप किया गया है।
35. Figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड
For MSTC Limited

पी डी रूगटा एंड कंपनी के वास्ते
सनदी लेखाकार
पंजीकरण संख्या 001150C
सीए प्रभु दयाल रूंगटन
साझेदार
सदस्य सं. 013428
दिनांक/16 जुलाई 2013
Dated the 16th Day of July, 2013
कोलकाता/Kolkata

For P. D. Rungta & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 001150C
CA. Prabhu Dayal Rungta
PARTNER
M No. 013428

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(S K Tripathi)
CHAIRMAN-CUM-
MANAGING DIRECTOR

(आर. के. चौधरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R.K. Chadhuari)
GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A K Basu)
DIRECTOR FINANCE

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
COMPANY
SECRETARY

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण
CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2013

			2012-13	2011-12
परिचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह	**Cash Flow from Operating Activities :**		**Rs.(lacs)**	**Rs.(lacs)**
कराधान एवं असाधारण मद पूर्व निवल लाभ	Net Profit before Taxation and extraordinary items		19340	17615
मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Depreciation		245	208
लाभांश से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Dividend Income		(40)	(40)
ब्याज से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Interest Income		(8710)	(6711)
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating Profit before Working Capital Changes**		10835	11072
व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/ कमी	(Increase)/Decrease in Trade receivables		(142516)	(86105)
अन्य चालू/गैर चालु आस्थियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current/Non current Assets		(126)	830
दीर्घावधि/अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in long term/short term Loans & Advances		1064	(621)
स्टॉक/इंवएटरीस् में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Stock/Inventories		(7375)	1618
व्यापार देय/चालू, गैर चालू देताएं/प्रावधानों मे वृद्धि/(कमी)	Increase/(Decrease) in Trade payables/Current/Non current liabilities/provisions		144013	121400
प्रचालन से नकद प्राप्ति	Cash Generated from Operation		5895	48194
अग्रिम आयकर भुगतान	Advance Income Tax Paid		(6358)	(6181)
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नगद प्रवाह (अ)	Net Cash Flow from Opertaing Activities	(A)	(463)	42013
निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह	**Cash Flow from Investing Activities :**			
अचल परिसम्पत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी की खरीद	Purchase of Fixed Assets/CWIP		(59)	(386)
प्राप्त लाभांश	Dividend Received		40	40
प्राप्त ब्याज	Interest Received		8710	6711
निवेश गतिविधियों से निवल नगद प्राप्ति (ब)	Net Cash generated from Investing Activities	(B)	8691	6365
वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह	**Cash Flow from Financing Activities :**			
अल्पावधि उधार से प्राप्ति	Proceeds from Short Term Borrowings		28503	(43109)
प्रदत्त लाभांश	Dividend Paid		(609)	(1980)
लाभांश पर कर	Tax on Dividend		(93)	(308)
वित्तीय गतिविधियों में लगा निवल नगद (स)	Net Cash used in Financing Activites	(C)	27801	(45397)
नगद एवं नगद समानक में निवल वृद्धि (अ+ब+स)	Net Increase in Cash & Cash Equivalent	(A+B+C)	36029	2981
नगद एवं नगद समानक- प्रारंभिक	Cash & Cash Equivalent - Opening		91428	88447
नगद एवं नगद समानक- अंतिम	Cash & Cash Equivalent - Closing		127457	91428
नोट 16 के अनुसार नकद एवं नकद समानक	Cash & Cash Equivalent as per Note 16			
नगद एवं स्टाम्प हाथ में	Cash and Stamp on hand		1	2
मार्गस्थ परिशोधन	Remittance in transit		0	230
चालु खाता	Current Accounts		21585	4782
लाभांश खाता	Dividend Accounts		59	59
जमा खाता	Deposit Accounts		105812	86355
			127457	91428

नोट : अवधि के अंत में नकदी एवं नकदी समानक में दावा नहीं किए गए लाभांश रु.59 लाख एवं सावधि जमा रु.2 लाख प्रतिभूति (गारंटी) स्वरूप रखे गए हैं, जो कंपनी के व्यवहार के लिए उपलब्ध नहीं हैं, शामिल हैं।

Note : Cash and cash equivalents at the end of the period include unclaimed dividend of Rs.59 lakh and term deposit of Rs.2 lakh furnished as guarantee against claims which are not available for use to the Company.

पी डी रूगटा एंड कंपनी के वास्ते
सनदी लेखाकार
पंजीकरण संख्या 001150C
सीए प्रभु दयाल रूंगटा
साझेदार
सदस्य सं. 013428

दिनांक/16 जुलाई 2013
Dated the 16th Day of July, 2013
कोलकाता/Kolkata

For P. D. Rungta & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 001150C

CA. Prabhu Dayal Rungta
PARTNER
M No. 013428

कृते एमएसटीसी लिमिटेड
For MSTC Limited

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(S K Tripathi)
CHAIRMAN AND
MANAGING DIRECTOR

(आर. के. चौधरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R.K. Chadhuari)
GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A K Basu)
DIRECTOR FINANCE

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
COMPANY
SECRETARY

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 212(3) के अनुरूप सहायक कंपनी के संबंध में 31 मार्च, 2013 तक के तुलनपत्र में संलग्न विवरण

1.	सहायक कंपनी का नाम	:	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
2.	वित्तीय वर्ष का अंत	:	31 मार्च 2013
3.	ईक्विटी शेयर में नियंत्री कंपनी का ब्याज	:	100% (पूर्णत नगद प्रदत्त प्रत्येक ₹ 1000/- में। 20,000 के ईक्विटी शेयर धारण करती है)
4.	सहायक कंपनी के लाभ (हानि) की शुद्ध संकलित राशि को, जहां तक उसका संबंध नियंत्री कंपनी के सदस्यों से है.		
	(क) नियंत्री कंपनी के खाते में शामिल नहीं किया गया है		
	(i) 31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ	:	₹ 1,96,06,000/-
	(ii) 31 मार्च 2012 को समाप्त वित्तीय बर्ष के लिए करोत्तर लाभ	:	₹ 1,37,49,000/-
	(ख) नियंत्री कंपनी के खाते में शामिल किया गया है		
	(i) 31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ	:	शून्य
	(ii) 31 मार्च 2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ	:	शून्य

Statement attached to the Balance Sheet as at 31st March, 2013 regarding Subsidiary Company, Pursuant to Sec. 212(3) of the Companies Act, 1956

1.	Name of Subsidiary Company	:	Ferro Scrap Nigam Limited
2.	Financial Year ending	:	31st March, 2013
3.	Holding Company's interest in Equity Shares	:	100% (holding 20,000 equity Shares of ₹ 1000/- each fully paid up in cash)
4.	The net aggregate amount of subsidiary Company's Profit/(Loss) so far it concerns the members of the Holding Company.		
	(A) Not dealt with in Holding Company's accounts :		
	(a) Profit after Tax for the year ended 31.03.2013	:	₹ 1,96,06,000/-
	(b) Profit after Tax for the year ended 31.03.2012	:	₹ 1,37,49,000/-
	(B) Dealt with in Holding Company's accounts	:	
	(a) Profit after Tax for the year ended 31.03.2013	:	NIL
	(b) Profit after Tax for the year ended 31.03.2012	:	NIL

एफएसएनएल वार्षिक 2013 रिपोर्ट

FSNL Annual Report 2013

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

Ferro Scrap Nigam Limited

(A Government of India Undertaking)

34 वीं वार्षिक प्रतिवेदन 2012-2013
34th ANNUAL REPORT

विषयसूची

* निदेशक का प्रतिवेदन 3
* लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन 34
* भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ 46
* तुलन पत्र 48
* लाभ व हानि विवरण 50
* नगद प्रवाह विवरणी 52

CONTENTS

* Directors' Report 3
* Auditors' Report 35
* Comments of Comptroller and Auditor General of India (CAG) 47
* Balance Sheet 49
* Statement of Profit and Loss 51
* Cash Flow Statement 53

निदेशक मण्डल

श्री एस. के त्रिपाठी
अध्यक्ष (19.04.2012 से) एवं
अतिरिक्त प्रभार
-प्रबंध निदेशक (22.08.2012 अपराह्न से)

श्री एन्टोनी चाको
प्रबंध निदेशक - (22.08.2012 पूर्वाह्न तक)

श्री डी. बी. सिंह
(09.09.2011से12.12.2012 तक)

श्री एस. पी. भारद्वाज
(13.12.2012 से)

श्री बी. बी. सिंह

श्री आर. रामाराजू
(17.01.2012 से 27.05.2013 तक)

श्री जी. एस. चुघ
(13.02.2012 से 12.08.2012 तक)

BOARD OF DIRECTORS

Shri S. K. Tripathi
Chairman (w.e.f. 19.04.2012) and
Additional Charge of
Managing Director (w.e.f. 22.08.2012 afternoon)

Shri Antony Chacko
Managing Director (upto 22.08.2012 forenoon)

Shri D. B. Singh
(from 09.09.2011to 12.12.2012)

Shri S. P. Bhardwaj
(w.e.f. 13.12.2012)

Shri B. B. Singh

Shri R. Ramaraju
(from 17.01.2012 to 27.05.2013)

Shri G. S. Chugh
(from13.02.2012 to 12.08.2012)

कम्पनी सचिव
श्री आदित्य प्रकाश शर्मा

लेखापरीक्षक
राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल

बैंकर्स
भारतीय स्टेट बैंक
बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन बैंक
आंध्रा बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा
पंजाब नेशनल बैंक
यूको बैंक
कार्पोरेशन बैंक

COMPANY SECRETARY
Shri Aditya Prakash Sharma

AUDITORS
M/S. RAJENDRA PRASAD
Chartered Accountants

BANKERS

State Bank of India
Bank of India
Indian Bank
Andhra Bank
Bank of Baroda
Punjab National Bank
UCO Bank
Corporation Bank

पंजीकृत कार्यालयः
एफ.एस.एन.एल. भवन,
इक्विपमेन्ट चौक,
सेन्ट्रल एवेन्यू, पोस्ट बॉक्स न. 37,
भिलाई (छ.ग.)
फोन : (0788) 222-2474/2475
फैक्स : (0788) 222-0423/3884

Registered Office:
F.S.N.L. Bhawan,
Equipment Chowk, Central Avenue,
Post Box No. 37,
Bhilai (C. G.)
Phone : (0788) 222-2474/2475
Fax : (0788) 222-0423/3884

E-mail : fsnl_co@rediffmail.com
Visit us at : //www.fsnl.nic.in

निदेशक का प्रतिवेदन

प्रति,
सदस्यवृन्द
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

महानुभाव,

आपके निदेशकगण को दिनांक 31/03/2013 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी की कार्यप्रणाली पर परीक्षित लेखाओं के साथ 34वीं वार्षिक प्रतिवेदन के साथ-साथ लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन तथा नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों को प्रस्तुत करते हुए हर्ष है।

निष्पादन मुख्यांश

भौतिकीय

कम्पनी, दीर्घावधिक अनुबंधों के नवीनीकरण न होने तथा मार्च '13 से आई आई एल, डोलवी में प्रचालन के बंद होने जैसी विपरीत बाधाओं के बावजूद भी सभी मूल संचालनीय क्षेत्रों में भौतिक लक्ष्यों को अच्छी तरह से बनाए रखी है। एफएसएनएल 23.26 लाख टन स्क्रैप का प्रेषण एवं 46.23 लाख टन स्लैग ढुलाई करने में सफलता प्राप्त की है। वर्तमान उद्भव तथा पुराने ढेर से भी स्क्रैप के आवक में कमी के बावजूद भौतिक निष्पादन को प्राप्त किया गया है। हमने रेल-व्हील फैक्ट्री, बंगलूरू में एक नई इकाई भी खोली है तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान प्रचालनों को प्रारम्भ किया है। स्क्रैप तथा स्लैग का यह निष्पादन नए कार्यो को जोड़कर तथा वर्तमान संयंत्रों में पुराने स्टॉक के परिसमापन से संभव हो सका। वर्ष के दौरान, कम्पनी ने वेयर हाउस मैनेजमैंट की सेवा से ₹ 138.02 लाख का राजस्व अर्जित किया । यह उपलब्धियाँ उत्कृष्ट कार्य-संस्कृति, टीम-भावना, कठिन परिश्रम तथा सभी कर्मचारियों के समर्पण के साथ-साथ ग्राहकों से प्राप्त सहयोग एवं मदद से संभव हो सकी है।

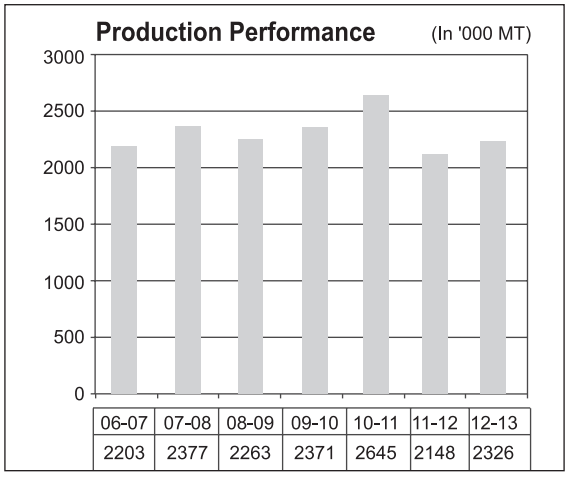

इस्पात निर्माण में प्रौद्योगिक विकास/आधुनिकीकरण से इस्पात संयंत्र में स्क्रैप का जनन कम हो गया है तथा फलस्वरूप स्लैग से स्क्रैप की उपलब्धतता क्रमशः घट गयी है। विकास तथा लाभप्रदता में सुधार करने एस एफ एन एल नए कार्यो को हाथ में लेने का अवसर तलाश रही है।

DIRECTORS' REPORT

To
The Members
FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

GENTLEMEN

Your Directors have the pleasure in presenting the 34th Annual Report on working of the company with the audited accounts for the year ended 31st March 2013 along with the Auditor's report and comments of the Comptroller and Auditor General of India.

PERFORMANCE HIGHLIGHTS

PHYSICAL

The Company maintained well in physical targets in all key operational areas despite obstacles like non-renewal of long term agreements and closure of operation at IIL, Dolvi, from March' 13. FSNL achieved a dispatch of 23.26 lakh tonnes of scrap and 46.23 lakh tonnes of slag haulage. The physical performance has been achieved despite reduction in input of scrap from current arisals and also from old dumps. We have also opened a new Unit at RWF, Bengaluru and commenced operations during the financial year 2012-13.This achievement of scrap and slag was possible by addition of new jobs and liquidating the old stock in the existing plants. During the year company has earned a revenue of ₹138.02 lakh by rendering the services of warehouse management. Such achievements have been possible due to the excellent work culture, team spirit, hard work and dedication of all the employees as well as cooperation and support received from customers.

The technological upgradation / modernization in steel making has brought down the generation of scrap in steel plants and as a result the availability of scrap from slag has gradually reduced. To improve the growth and profitability, FSNL is exploring opportunity to secure new jobs.

वित्तीय

कम्पनी का कुल उपार्जन गत वर्ष के आँकड़े क्रमशः ₹ 17,448.85 लाख तथा ₹ 16,462.83 लाख की तुलना में ₹ 18,678.88 लाख के सेवा प्रभार सहित ₹19,781.44 लाख था। वर्ष के दौरान कंपनी का सकल मार्जिन तथा कर पूर्व लाभ गत वर्ष के आँकड़े क्रमशः ₹ 1367.80 लाख तथा ₹ 202.90 लाख की तुलना में ₹ 1,465.39 लाख तथा ₹ 252.55 लाख था।

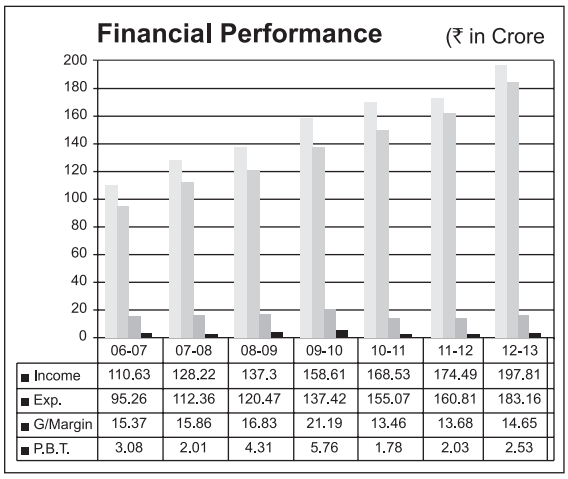

	06-07	07-08	08-09	09-10	10-11	11-12	12-13
Income	110.63	128.22	137.3	158.61	168.53	174.49	197.81
Exp.	95.26	112.36	120.47	137.42	155.07	160.81	183.16
G/Margin	15.37	15.86	16.83	21.19	13.46	13.68	14.65
P.B.T.	3.08	2.01	4.31	5.76	1.78	2.03	2.53

इस्पात संयंत्रों द्वारा कम खपत के कारण प्रेषित स्क्रैप की मात्रा में कमी होने तथा डोलवी इकाई में अनुबंधों के नवीनीकरण न होने के कारण राजस्व में घाटा होने के वावजूद कम्पनी की लाभप्रदता में ₹ 49.65 की वृद्धि दर्शायी गयी है।

सामान्य आरक्षितियाँ :

कम्पनियों (लाभों का आरक्षित निधि में अंतरण) के नियम, 1975 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 (2ए) का अनुसरण करते हुए ₹ 150.00 लाख को लाभ एवं हानि खाता से सामान्य आरक्षिति में अंतरित करना प्रस्तावित है तथा अधिशेष ₹ 0.58 लाख को तुलन-पत्र में अग्रेनित किया जाएगा।

लाभांश

इस विषय में डी पी ई दिशा-निर्देश (डीपीई ओ.एम.सं. 15(10)/2004-डीपीई(जीएम), दिनांक 18 अक्टूबर, 2004 के अनुरूप, आपके निदेशकगण वर्ष 2012-2013 के लिए ₹ 40 लाख की रकम की समादत्त अंश पूंजी पर 20 प्रतिशत की दर से लाभांश की सहर्ष अनुशंसा करते हैं।

विदेशी मुद्रा अर्जन तथा निर्गम

वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा उपार्जन निरंक है। हालाँकि, कंपनी स्टोर्स तथा कल-पूर्जो पर ₹ 11.95 लाख का विदेशी मुद्रा खर्च की है।

FINANCIAL

The total earnings of the company was ₹ 19,781.44 lakhs including service charges of ₹ 18,678.88 lakhs as compared to the previous year's figure of ₹17,448.85 lakhs and ₹16,462.83 lakhs respectively. The company's gross margin and the profit before tax during the year was ₹1,465.39 lakhs and ₹ 252.55 lakhs as compared to the previous year's figure of ₹ 1,367.80 lakhs and ₹ 202.90 lakhs respectively.

The profitability of the company has shown improvement of ₹ 49.65 lakhs inspite of reduction in the quantity of scrap dispatched due to lesser consumption by the Steel Plants and loss of Revenue in Dolvi unit due to non renewal of contracts.

GENERAL RESERVES

Pursuant to section 205(2A) of the Companies Act 1956, read with the Companies (transfer of Profit to Reserve) Rules 1975 an amount of ₹ 150.00 lakhs is proposed to be transferred to General Reserve from Profit and Loss Account leaving a balance of ₹ 0.58 lakhs to be carried forward to the Balance Sheet.

DIVIDEND

Your Directors are pleased to recommend a dividend @20 % on the paid up equity share capital amounting to ₹ 40 Lakhs for the year 2012-2013 in line with the DPE Guideline issued in this regard (DPE O.M. No.: 15(10) / 2004-DPE(GM) dated 18th October, 2004.

FOREIGN EXCHANGE EARNING & OUTGO

Foreign exchange earning during the year is NIL. However, the company spent foreign exchange of ₹ 11.95 lakhs towards stores and spare parts.

उर्जा संरक्षण तथा प्रौद्योगिकी अवशोषण एवं नव-श्रृजन

उर्जा संरक्षण

उर्जा का संरक्षण एक मूल क्षेत्र होता है जहाँ कंपनी खपत को निरंतर अनुवीक्षण के द्वारा व्यर्थ बचाकर उर्जा बचाने का प्रयास कर रही है।

कंपनी (निदेशक मण्डल के प्रतिवेदन में ब्यौरा का प्रकटीकरण) नियम, 1988 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1)(ई) के प्रावधानों के अन्तर्गत उर्जा के संरक्षण तथा तकनीकी अवशोषण से संबंधित जो अपेक्षित जानकारी क्रमशः संलग्नक 'प्रपत्र-क' तथा 'प्रपत्र-ख' में दी गयी है, इस प्रतिवेदन के भागरूप हैं।

प्रौद्योगिकी अवशोषण एवं नव–श्रृजन

प्रौद्योगिकी के अवशोषण के परिप्रेक्ष्य में ब्यौरा :

(क) विकास वृद्धि तथा अभियांत्रिक

1) भिलाई में नए चुम्बकीय सेपरेटर (इकाई सं. एस-4147) का निर्माण व स्थापना एवं चालू करने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण एवं प्रवर्तित हुआ।

2) लघु क्षमता के सेपरेटर का निर्माण, स्थापना एवं चालू करने का कार्य को बनाने, स्थापना एवं प्रवर्तन का कार्य भिलाई इकाई में सफलतापूर्वक पूर्ण एवं प्रवर्तित हुआ।

3) बोकारो इकाई में 248ए स्थल का विद्युतीकरण कार्य प्रगति में है।

अनुसंधान व विकास :

सीपीएसई हेतु अनुसंधान व विकास पर डीपीई द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन सं. 3(9)2010-डीपीई(एमओयू), दिनांक 23.09.2011 के दिशा-निर्देशों को कार्यान्वित की गयी है। '10 मि.मी. आकार से नीचे के स्क्रैप फाईन्स की एफ ई संवृद्धि' हेतु एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना कार्य शुरू की गयी है। परियोजना का पहला चरण अर्थात प्रयोगशाला स्तर पर नमूनाओं पर प्रयोगताम्क अध्ययन, उत्पादनों के एफ ई सामग्री की जाँच तथा प्रक्रिया प्रवाह योजना के विकास को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

ENERGY CONSERVATION & TECHNOLOGY ABSORPTION AND INNOVATION

ENERGY CONSERVATION

The conservation of energy has been one of the key areas where company is striving for saving energy by avoiding waste through continuous monitoring of consumption.

Information as required under provisions of Section 217(1)(e) of the Companies Act,1956, read with the Companies (Disclosure of Particular in the report of Board of Director) Rules 1988, regarding conservation of energy and Technology Absorption, are given in the Annexure-I "Form-A" and "Form-B" respectively forming part of this report.

TECHNOLOGY ABSORPTION AND INNOVATION

PARTICULARS WITH RESPECT TO ABSORPTION OF TECHNOLOGY

DEVELOPMENT & ENGINEERING

1. Fabrication and erection & commissioning of new Magnetic Separator (unit no. S-4147) at Bhilai unit are completed & commissioned successfully.

2. Fabrication, erection & commissioning of small capacity Separator (unit no. S-4420) are completed and commissioned successfully at Bhilai Unit.

3. Electrification job of 248A site at Bokaro unit is in progress.

RESEARCH & DEVELOPMENT:

The DPE guidelines on Research and Development for CPSEs issued vide office memorandum no: 3(9)2010-DPE(MOU) dated 23.09.2011 has been implemented. A Research and Development project for "Fe enrichment of scrap fines below 10mm size" has been undertaken. The first phase of project i.e. experimental study on samples at lab level, testing of Fe content of outputs and development of process flow scheme, has been completed successfully.

स्क्रैप रिकवरी संविदाओं की स्थिति

1. सेल संयंत्र

निम्नलिखित सेल संयंत्रों के साथ दीर्घावधिक अनुबंध 31.03.2013 तक वैद्य थे :

(क) **राउरकेला इस्पात संयंत्र :** आर एस पी, सेल ने अनुबंध को 30.06.2013 तक बढ़ाया है। एम ओ यू पर अंतिम निर्णय होने तक अनुबंध को आगे बढ़ाने के लिए आर एस पी से अनुरोध किया गया है।

(ख) **इस्को इस्पात संयंत्र :** आई एस पी ने एम ओ यू पर अंतिम निर्णय होने तक अनुबंध को बढ़ा दिया है जो कि 01.04.2013 से प्रभावी होगा।

(ग) **भिलाई इस्पात संयंत्र :** बी एस पी, सेल ने 30.06.2013 तक अनुबंध को बढ़ा दिया है। एम ओ यू पर अंतिम निर्णय होने तक 30.06.2013 के उपरांत अनुबंध को आगे बढ़ाने के लिए बी एस पी से अनुरोध किया गया है।

(घ) **बोकारो इस्पात संयंत्र :** बी एस एल, सेल ने नया समझौता पर अंतिम निर्णय होने तक अनुबंध को बढ़ा दिया है जो कि 01.04.2013 से प्रभावी होगा।

(ङ) **दुर्गापुर इस्पात संयंत्र :** डी एस पी, सेल ने नया समझौता पर अंतिम निर्णय होने तक अनुबंध को बढ़ा दिया है जो कि 01.04.2013 से प्रभावी होगा।

2. *विशाखापट्टणम इस्पात संयंत्र, विशाखापट्टणम*

समझौता ता. 21.08.2012 को 01.11.2011 से 31.10.2014 की अवधि के लिए हस्ताक्षरित किया गया है।

3. *नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड, डुबुरी*

समझौता 12.05.2013 तक वैद्य था। एन आई एन एल ने नया समझौता पर अंतिम निर्णय होने तक अनुबंध बढ़ा दिया है।

4. *इस्पात इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, डोलवी*

आई आई एल के साथ समझौता 14.03.2013 तक वैद्य था। गतिविधियों का समापन करने कार्रवाई की गयी है।

5. भेल, हरिद्वार

समझौता 31.07.2013 तक वैद्य था। अनुबंध को बढ़ाने हेतु भेल को अनुरोध किया गया है।

6. रेल व्हील फैक्ट्री, बंगलूरू :

समझौता 10.09.2013 तक वैद्य है।

STATUS OF SCRAP RECOVERY CONTRACTS

1. SAIL Plants

Long Term Agreements with the following SAIL plants were valid upto 31.03.2013.

a) **Rourkela Steel Plant :** RSP, SAIL has extended the contract upto 30.06.2013. Request has been made to RSP for further extension of the contract after 30.06.2013 till the finalization of the MOU.

b) **IISCO Steel Plant :** ISP has extended the contract till finalization of the MOU, which will be effective from 01.04.2013.

c) **Bhilai Steel Plant :** BSP, SAIL has extended the contract upto 30.06.2013. Request has been made to BSP for further extension of the contract after 30.06.2013 till the finalization of the MOU.

d) **Bokaro Steel Plant :** BSL, SAIL has extended the contract till finalization of the new agreement, which will be effective from 01.04.2013.

e) **Durgapur Steel Plant:** DSP, SAIL has extended the contract till the finalization of the MOU which will be effective from 01.04.2013.

2. Visakhapatnam Steel Plant

Agreement has been signed on 21.08.2012 for the period 01.11.2011 to 31.10.2014.

3. Neelachal Ispat Nigam Limited, Duburi

Agreement was valid upto 12.05.2013. NINL has extended the contract, pending finalization of the new agreement.

4. Ispat Industries Ltd., Dolvi

Agreement with IIL was valid upto 14.03.2013. Action has been taken to wind up the activities.

5. BHEL, Haridwar

Agreement is valid upto 31.07.2013. Request has been made to BHEL for extension of the contract.

6. Rail Wheel Factory, Bengaluru

Agreement is valid upto 10.09.2013.

कार्मिक

दिनांक 31/03/2013 को 140 कार्यपालकों तथा 911 कार्यपालकेत्तर कर्मचारियों को मिलाकर कम्पनी की कुल जनशक्ति संख्याँबल 1051 थी। दिनांक 31 मार्च, 2013 को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग समुदायों के कर्मचारियों का समग्र प्रतिनिधित्व क्रमशः 18.36 प्रतिशत, 11.22 प्रतिशत एवं 12.74 प्रतिशत था। नियुक्तियों में अजा/अजजा/अपिव एवं विकलांग कर्मियों के लिए रिक्तियों के आरक्षण के संबंध में समय समय पर जारी राष्ट्रपतिय निदेशों का एफएसएनएल द्वारा सख्ती से पालन किया जाता है।

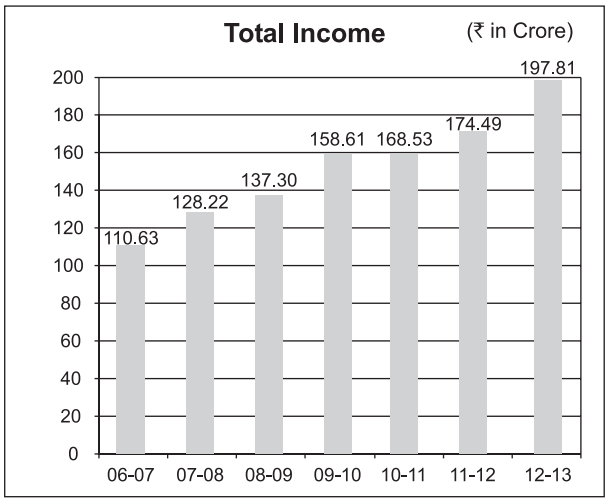

दिनांक 31/03/2013 को कर्मचारियों की 1051 की कुल संख्याँबल में से पुरूष तथा महिला कर्मचारियों की संख्याँ क्रमशः 1032 एवं 19 थी।

1. दिनांक 31 मार्च, 2013 को विभिन्न समूहों में अजा/अजजा/अपिव/अल्पसंख्यक एवं शारीरिक विकलांग कर्मचारियों की स्थिति इस प्रकार थी :

समूह	कर्मचारियों की कुल संख्याँ		अजा		अजजा		अपिव		विकलांग		शारीरिक विकलांग	
	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
क	139	1	12	0	3	0	20	0	9	0	0	0
ख	624	07	98	0	47	0	66	0	69	2	1	0
ग	266	11	77	03	67	1	48	0	27	2	0	0
घ (सफाई कर्मचारी को छोड़कर)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
घ (सफाई कर्मचारी सहित)	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	1032	19	190	03	117	1	134	0	105	4	1	0

PERSONNEL

The total strength of manpower in the company as on 31/03/2013 was 1051, comprising of 140 Executives and 911 Non-executives. The overall representation of employees belonging to Scheduled Caste, Scheduled Tribe & OBC communities as on 31st March 2013 was 18.36%, 11.22% & 12.74%, respectively. The Presiden- tial directives issued from time to time with regard to reservation of vacancies for SC/ST/OBC & Physically challenged personnel in recruitments, are strictly adhered to by FSNL.

Out of the total strength of 1051 employees as on 31.03.2013, the strength of Male & Female employees was 1032 & 19 respectively.

1. The position of SC/ST/OBC, Minority & Physically Handicapped employees in various groups, as on 31st March 2013 was as follows:-

Group	No. of Employees		SC		ST		OBC		Minority		Physically Handicaped	
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
A	139	1	12	0	3	0	20	0	9	0	0	0
B	624	07	98	0	47	0	66	0	69	2	1	0
C	266	11	77	03	67	1	48	0	27	2	0	0
D (Excl. Safai Karmachari)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
D (Including Safai Karmachari)	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0
TOTAL	1032	19	190	03	117	1	134	0	105	4	1	0

भर्तियाँ :

वर्ष 2012-2013 के दौरान समूह-क में 4 कार्यपालकों तथा समूह-ग में 21 कार्यपालकेत्तर कर्मचारियों को मिलाकर कुल 25 कर्मिकों की भर्ती की गयी।

RECRUITMENTS

During the year 2012-13, a total number of 25 personnel were recruited, consisting of 4 Executives in Group-A, and 21 Non-executives in Group-C.

अल्पसंख्यकों का कल्याण

कम्पनी ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित समय-समय पर जारी सभी निदेशों का अनुपालन किया है। दिनांक 31 मार्च, 2013 को 1051 कर्मचारियों में से अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित कर्मचारियों की कुल संख्याँबल 109 थी तथा दिनांक 31 मार्च, 2013 को एफ एस एन एल में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व की प्रतिशतता 10.37 प्रतिशत थी।

अल्पसंख्यक समुदायों के कर्मचारियों को कम्पनी द्वारा समग्र रूप से कर्मचारियों के लाभ हेतु समय-समय पर प्रचलित/समाविष्ट विविध कल्याण उपायों के अन्तर्गत शामिल किया जाता है।

कमजोर वर्गों का कल्याण

कम्पनी के नियम / कल्याण उपाय अजा / अजजा / अपिक समुदायों से संबंधित कर्मचारियों सहित सभी वर्गो के कर्मचारियों के लिए एक समान प्रयोज्य है तथा यह सुनिश्चित किया गया है कि कर्मचारीगण इन कल्याण उपायों से अच्छी तरह संतुष्ट हों।

मानव संसाधन विकास

प्रत्येक वर्ष की तरह कम्पनी ने वर्ष के आरंभ में बनाए गए वार्षिक योजना के आधार पर प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों के साथ-साथ मूल उपस्कर निर्माताओं के माध्यम से कम्पनी के कार्यपालकों तथा कार्यपालकेत्तर कर्मचारियों के लाभ हेतु वर्ष 2012-2013 के दौरान विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम (आन्तरिक के साथ-साथ बाहय) की व्यवस्था की ।

कर्मचारियों के वार्षिक दक्षता निरूपण प्रपत्रों में समर्थित प्रशिक्षण आवश्यकताओं के संबंध में संबंधित प्राधिकारों की अनुशंसा के आधार पर विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए कर्मचारियों का नामांकन किया गया ताकि उन्हें संबंधित क्षेत्र में अपने कौशल तथा सामर्थ्य को बढ़ाने का अवसर मिले तथा औद्योगिक प्रोद्योगिकी में दिन-प्रतिदिन विकास से स्वयं को अवगत कर सके।

प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन लक्ष्यों के ''उत्कृष्ट'' स्तर प्राप्त कर लिया गया ।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 *का अनुपालन*

आर टी आई अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों के अनुपालन में, एफएसएनएल ने निगमन कार्यालय में एक जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) तथा एक सहायक जन सूचना अधिकारी एवं इसकी 8 इकाईयों में एक-एक एपीआईओ की नियुक्ति की है। एम डी, एफएसएनएल आर टी आई अधिनियम, 2005 के तहत् प्रथम अपील प्राधिकारी हैं। कंपनी ने अधिनियम की धारा 4(1) (ख) के तहत् अपेक्षित 17 विभिन्न टेम्पलेटों/पुस्तिकाओं/स्वैच्छिक के लिए पुस्तिकाओं/स्वतः सूचनाएँ के अंतर्गत् जानकारी का पालन की है

WELFARE OF MINORITIES

The company has complied with all the directives issued from time to time with regard to implementation of Prime Minister's new 15 point programme for the welfare of Minorities. As on 31st March 2013, out of 1051 employees, the total strength of employees belonging to Minority communities was 109, and the percentage of representation of Minorities in FSNL was 10.37% as on 31st March 2013.

The employees belonging to Minority communities, get covered under Various welfare measures as in vogue/introduced by the company from time to time for the benefit of the employees as a whole.

WELFARE OF WEAKER SECTIONS

The rules/welfare measures of the company are uniformly applicable to all categories of employees, including those belonging to the SC/ST/OBC communities, and it is ensured that the employees are well satisfied with such welfare measures.

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

Like every year, the company arranged various training programmes (Inhouse as well as External) during the year 2012-13 for the benefit of Executives and Non-executive employees of the company, based on the yearly plan chalked out at the beginning of the year, through reputed training institutions as well as the OEMs.

On the basis of recommendations of the concerned authorities with regard to the training needs endorsed in the Annual Performance Appraisal forms of the employees, the nomination of employees for various training programmes were made, as a measure of enhancing their skill & abilities in the concerned field, and for acquainting them with the day-to-day developments in the industrial technologies.

"Excellent" level of MOU targets for training, has been achieved.

IMPLEMENTATION OF RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

In compliance with the mandatory provisions of the RTI Act, FSNL has appointed a Public Information Officer (PIO) and one Assistant Public Information Officer at Corporate Office and one APIO each at its 8 Units. MD, FSNL is the first appellate authority under the R.T.I Act, 2005. The company has complied the information under 17 different templates/manuals/manuals for voluntary/suo-moto

तथा उसे कम्पनी के वेबसाईट (www.fsnl.nic.in) पर लगायी है एवं प्रकाशित की जाने वाली जानकारियाँ नियमित रूप से अद्यतित की जा रही है।

कंपनी सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों का लगातार पालन कर रही है। अधिनियम के अन्तर्गत् मांगी गयी सभी जानकारी निर्धारित समय के भीतर प्रस्तुत की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान, आर टी आई अधिनियम, 2005 के तहत् कुल 29 आवेदन प्राप्त किए गए तथा सभी 29 आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिवत जवाब दिया गया।

सतर्कता गतिविधियाँ

सतर्कता विभाग ने उच्च सतर्कता भेद्यता से जुड़े क्षेत्रों मे निवारक सतर्कता ड्राइव लागू कर, समय-समय पर जाँच कर निवारक सतर्कता गतिविधियों पर अधिक जोर दिया था तथा कार्य में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाने वर्तमान नियमों/प्रक्रियाओं, यदि कोई हो, में संशोधन की अनुसंशा हेतु संबंधित विभाग प्रमुखों के साथ बातचीत भी शुरू की गयी थी। कर्मचारियों के मध्य जागरूकता उत्पन्न करने केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा मंत्रालय द्वारा जारी विविध दिशा-निर्देशों को व्यापक रूप से परिचालित किया गया।

एक नियमित गतिविधि के रूप में मंत्रालय तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग को मासिक//तमासिक/अर्द्ध-वार्षिक/वार्षिक वैधानिक विवरणियों तथा प्रतिवेदनों को प्रस्तुत किया गया। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के साथ समन्वयन बैठक भी आयोजित की गयी थी। विविध स्रोतों से प्राप्त परिवादों की जाँच की गयी। आकस्मिक आधार पर सम्पति विवरणियों की छानबीन की गयी थी।

सतर्कता विभाग अखंडता संधि के क्रियान्वयन की देखरेख करता है । 31/03/2013 तक संधि के तहत् 110 नग अनुबंध को आवरित किया गया है। सभी खुली निविदाओं को कंपनी के वेबसाईट पर लगाया गया। एक पूर्व निर्धारित ताड़ना-मूल्य पर दिए गए उक्त कार्य/संविदा/क्रय आदेश के सारांश को भी प्रतिमाह वेबसाईट पर लगाया गया।

भ्रष्टाचार के विरूद्ध जागरूकता लाने केन्द्रीय सतर्कता आयोग के प्रयास के मुताबिक दि. 29 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2012 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित की गयी थी जिस दौरान कर्मचारियों के मध्य जागरूकता लाने स्लोगन स्पर्धा, निबंध स्पर्धा, कर्मचारियों द्वारा शपथ लेने आदि जैसे विविध क्रिया-कलापों को स्थानीय समाचार पत्रों में इसका प्रचार कर किया गया।

सुरक्षा

सुरक्षा तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों के बारे में कर्मचारियों के मध्य जागरूकता लाने के लिए एफ एस एन एल की सभी एकाईयों के साथ-साथ निगमन कार्यालय में सुरक्षा दिवस समारोहों का आयोजन किया गया। समारोह में सुरक्षा तथा सहबद्ध क्षेत्रों पर वाद-विवाद

disclosure as required under Section 4(1) (b) of the Act and hosted the same on the company's website "fsnl.nic.in" and the information so published are being regularly updated.

The company is proactively complying with the provisions of Right to Information Act, 2005. All information sought under the Act is being furnished within the stipulated time period.

During the financial year 2012-13, a total number of 29 application were received under the RTI Act, 2005 and all 29 applications were duly replied to within the stipulated time frame.

VIGILANCE ACTIVITIES

The Vigilance Department had laid more stress on preventive vigilance activities enforcing preventive vigilance drive, periodical checks were conducted in the areas involving high vigilance vulnerability and interaction was also taken up with concerned HODs for recommendation of amendment in existing rules / procedures, if any, to have more transparency in work. The various guidelines issued by CVC and Ministry were widely circulated to create awareness amongst employees.

As a routine activity, monthly/quarterly / half yearly / yearly statutory returns and reports were submitted to ministry and CVC. A co-ordination meeting was also held with the CBI. Investigation on the complaints received from various sources were carried out Property Returns were scrutinized on a random basis.

Vigilance department has been overseeing the implementation of Integrity Pact. Till 31/03/2013, 110 nos. of contracts have been covered under the Pact. All Open Tenders are posted on Co.'s website. A summary of Work / Contract / Purchase Order awarded above a pre-determined thresh-hold value is also posted on website every month.

In line with endeavor of CVC to create awareness against corruption, "Vigilance Awareness Week" was observed in the company from 29th October to 3rd November, 2012 during which various activities like Slogan competition, Essay competition, taking pledge by the employees etc, were carried out to create vigilance awareness among the employees giving its publicity in local Newspapers also.

SAFETY

Safety Day celebrations were organized in all the units as well as at Corporate Office of FSNL for creating awareness among the employees about safety & safe working practices. The celebration

को शामिल किया गया था। इन प्रतिस्पर्धाओं के लिए कर्मचारियों से उमंगी सहभागिता मिली थी तथा विजेताओं को अनुकूल उपहार दिए गए।

उक्त के अलावे, संबंधित इस्पात संयंत्रों के अग्नि समन विभागों के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद आदि जैसे प्रतिष्ठित अभकरणों को अग्नि की रोकथाम/अग्नि संयोग तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए भी लगाया गया है।

प्रबंधन में श्रमिकों की सहभागिता

किसी संस्थान के सुचारू संचालन में प्रबंधन में श्रमिकों की सहभागिता एक प्रमुख भूमिका निभाती है। एफएसएनएल इस पहलू को हमेशा महत्व देता है। इस उद्देश्य से कंपनी ने संयुक्त मंच समिति गठित की है जिसमें प्रबंधन तथा निगमन कार्यालय स्तर के विभाग प्रमुखों सहित मान्यताप्राप्त संघों से समान संख्याँ में प्रतिनिधि होते हैं। कर्मचारियों के हितों के मामलों को संयुक्त मंच समिति विचार-विमर्श की जाती है। संयुक्त मंच समिति के संयुक्त संयोजक प्रबंधन की तरफ से नामित हैं तथा संयुक्त संयोजक के रूप में संघों के प्रतिनिधि नामित हैं। आमने-सामने बैठकर वार्ता करने तथा मामले के निपटारे हेतु संयुक्त मंच समिति की नियमित बैठकें की गयी तथा प्रबंधन के साथ-साथ सभी कामगारों की पूरी संतुष्टि से, जहाँ इसे आवश्यक माना गया, निपटारों के अनुबंधों/ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किया गया ।

समस्याओं की गहराई में जाने तथा उचित संभव समाधान खोजने के लिए एक सौहार्दपूर्ण माहौल में आमने-सामने बैठकर यह आपसी वार्ता संघों के साथ-साथ प्रबंधन को पर्याप्त अवसर प्रदान करता है ।

इस प्रकार, एफ एस एन एल में प्रबंधन में श्रमिकों की सहभागिता एक नियमित तथा निरंतर घटना है ।

औद्योगिक संबंध

यहाँ हड़ताल, घेराव/बंद आदि की किसी घटना के परिणामस्वरूप उत्पादन अथवा मानव घंटे की क्षति नहीं हुई है। पूरे वर्ष भर कम्पनी में सौहार्दपूर्ण तथा मधुर औद्योगिक संबंध प्रबल रहा ।

राजभाषा नीति

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पर समय-समय पर जारी शासकीय निदेशों का एफएसएनएल द्वारा सर्वदा सख्ती से अनुपालन किया जाता है ।

हिन्दी नोटिंग/ड्राफ्टिंग स्पर्धाएँ आयोजित की गयी तथा योजना के अनुसार विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए। कर्मचारियों को भी हिन्दी में उनके दैनंदिन कार्यो के लिए प्रेरित किया गया ।

consisted of debates on safety & allied areas. There was an enthusiastic participation from the employees for such competitions, and the winners were given away suitable gifts.

Apart from the above, the Fire service departments of the concerned Steel Plants as well as the reputed agencies like National Safety Council etc., are also engaged for imparting training to the employees on prevention of fire/fire hazards and safe working practices.

WORKERS' PARTICIPATION IN MANAGEMENT

Considering the fact that Workers' Participation in Management plays a key role in smooth functioning of any organization, FSNL gives utmost importance to this aspect. For this purpose, the company has constituted a Joint Forum Committee, which consists of equal number of representatives from Management & the recognized Unions, including Heads of Department at Corporate level. The matters of employees' interests are discussed in the Joint Forum Committee's meetings. Convenor of JFC is nominated from Management's side and a representative of the Unions is nominated as the Jt. Convenor. Regular meetings of the Joint Forum Committee is convened for holding discussions and sorting out the issues across the table, and Agreements/Memorandum of Settlements are also signed, wherever necessary, to the entire satisfaction of the management as well as the workmen as a whole.

Such mutual discussion across the table provides ample opportunities to the Unions as well as to the Management to go into the details of the problems and to find out the best possible solution, in a congenial atmosphere.

Thus, the workers' participation in Management is a regular & continuous phenomenon in FSNL.

INDUSTRIAL RELATIONS

There has not been any incident of Strike, Gherao/ Bandh etc., resulting in loss of production or manhour. A cordial and smooth industrial relations prevailed in the company throughout the year.

OFFICIAL LANGUAGE POLICY

Strict adherence of Government directives issued from time to time on implementation of Official Language policy are always ensured by FSNL.

Hindi Noting/Drafting competitions were conducted and the winners were given away the Cash Awards as per the scheme. Employees were also constantly motivated to do their day-to-day jobs in Hindi.

हर वर्ष की तरह कम्पनी के निगमन कार्यालय के साथ-साथ सभी इकाईयों में माह सितम्बर, 2012 में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया था। इस अवसर के दौरान हिन्दी निबन्ध लेखन, हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता, हिन्दी वाद-विवाद स्पधर्ाएँ आदि आयोजित की गयी जिसमें कर्मचारियों की सहभागिता उल्लेखनीय थी।

निगमन कार्यालय, भिलाई के कुल 53 कार्यपालकों एवं कार्यपालकेत्तर कर्मचारियों को 8 जनवरी 2013 से 28 फरवरी 2013 की अवधि के दौरान सभी कार्य दिवसों पर एक घंटा के लिए एक व्यावसायिक एजेन्सी के माध्यम से कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य/टंकण से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के समापन उपरांत कर्मचारियों के मध्य कम्प्यूटर पर हिन्दी में टंकण पर एक परीक्षण भी आयोजित की गयी तथा विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कार प्रदान किए गए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दुर्ग-भिलाई के 51 सदस्य संस्थानों के लिए 27.02. 2013 को एफएसएनएल में 'तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' भी आयोजित की गयी थी तथा विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कार प्रदान किए गए। अवसर के दौरान, जजों, जो कि अंचल के प्रख्यात हिन्दी कवि भी हैं, ने भी अपनी कविताओं/ साहित्यिक कृतियों को प्रस्तुत किया जिसका दर्शकों ने खूब आनंद उठाया।

भिलाई इस्पात संयंत्र से अतिथि को आमंत्रित कर दि. 27 फरवरी, 2013 को एक राजभाषा कार्यशाला भी आयोजित की गयी थी। कार्यशाला के दौरान एक ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी थी जिसमें सभी कर्मचारीगणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर के दौरान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में एफएसएनएल द्वारा किए जा रहे कार्यो पर एक प्रस्तुतिकरण भी दी गयी थी जिसकी सभी ने सराहना की ।

इस प्रकार, राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी एफएसएनएल एक अनुकरणीय निष्पादन का प्रदर्शन कर रहा है।

निगमित सामाजित उत्तरदायित्व :

''निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीति'' को प्रतिपादित किया गया है तथा मण्डल द्वारा दिए गए अनुमोदन के आधार पर एफ.एस.एन.एल. द्वारा नीति को अंगीकार किया गया है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के तहत् वर्ष 2012-2013 के दौरान एफएसएनएल ने ₹ 9.00 लाख का बजट आवंटित किया। योजित गतिविधियों के अलावे, एफएसएनएल भिलाई (छत्तीसगढ़) के निकट रसमड़ा ग्राम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में प्रयोगशाला के उद्देश्य से एक हॉल निर्माण करने प्रतिबद्ध है तथा कार्य प्रगति में है।

As done every year, in the month of September 2012 Hindi Pakhwada (Hindi Fortnight) was organized at Corporate Office, as well as all units of the company. During this occasion, Hindi Essay writing, Hindi Gyan Pratiyogita, Hindi Debate competitions etc., were organized wherein the participation of the employees was remarkable.

A total number of 53 Executives & Non-executives employees of Corporate Office, Bhilai, were imparted training with regard to working/typing in Hindi on Computers, through a professional agency for One Hour on all working days, during the period from 8th January 2013 to 28th February 2013.

After completion of the training a test on typing in Hindi on Computers was also held among the employees and the winners were given away suitable prizes.

"Tatkalik Bhashan Pratiyogita" was also organized in FSNL on 27.2.13 for the 51 member concerns of Nagar Rajbhasha Karyanyan Samithi, Durg-Bhilai, and the winners were given away suitable prizes. During the occasion, the judges, who were also the renowned Hindi Poets of the region, had also presented their poems/ literary works which was enjoyed by the audience.

A Rajbhasha Karyashala was also organized on 27th February 2013, inviting guests from Bhilai Steel Plant. A Gyan Pratiyogita (Quiz competition) was also conducted during the Karyashala which was attended by all the employees enthusiastically.

A presentation on the jobs being carried out by FSNL in the field of implementation of Official Language Policy was also made during the occasion, which was appreciated by one & all.

Thus, in the area of implementation of official language policy also FSNL is exhibiting an exemplary performance.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITIES

"Corporate Social Responsibility Policy" has been formulated and on the basis of approval accorded by the Board, the policy has been adopted by FSNL.

Under the discharge of Corporate Social Responsibility for the year 2012-13, FSNL has allocated a budget of ₹ 9.00 Lakhs. Out of the planned activities, FSNL is committed to construct a hall for the purpose of Laboratory in the Government Higher Secondary School at Rasmada Village near Bhilai (Chattisgarh), and the job is under progress.

शिकायत सुधार संगठन :

जन शिकायतों को सुधारने हेतु एफ एस एन एल में एक 3-पंक्ति शिकायत सुधार संगठन है।

जनता को इन **शिकायत पेटियों** तक आसान पहुँच के लिए इकाईयों/निगमन कार्यालय के स्वागत पटल पर एक शिकायत पेटी को रखी गयी है। प्राप्त होने वाले शिकायतों को इस कार्य हेतु नामित जन शिकायत अधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक शुक्रवार को **शिकायत पंजी** नामक पंजी में पृष्ठांकित किया जाता है।

किसी भी शिकायत के निर्विघ्न निवारण के लिए कर्मचारी अथवा जनता से कोई एक भी अपने लोक शिकायत अधिकारी के साथ शुरूआत तीन चरणों में संपर्क कर सकते है, उसके बाद इकाई प्रमुख/निगमन कार्यालय में प्रचालनों के विभाग प्रमुख तथा उसके बाद निगमन कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक। प्रत्येक चरण में निर्धारित अवधि के भीतर उन्हें जवाब दिया जाता है। घटना में पीड़ित व्यक्ति किसी चरण में कर्मचारी के साथ संतुष्ट नहीं होते हैं तो वह प्रबंध निदेशक से अपना अपील कर सकते हैं।

प्रबंध निदेशक, उक्त 3 चरणों में प्राधिकारियों द्वारा की गयी कार्रवाई के जाँच के उपरांत शिकायतों का विश्लेषण करेंगे तथा संबंधित शिकायतकर्ता को अपील की प्राप्ति के 15 दिवसों के भीतर अपने फैसले पर बातचीत करेंगे।

01-04-2012 से 31-03-2013 तक कार्मिक शिकायत निवारण की स्थिति

1.04.2012 को शेष शिकायत	अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतो की संख्याँ	निवर्तित प्रकरणों की संख्याँ	लंबित प्रकरणों की संख्याँ
2	11	13	0

01-04-2012 से 31-03-2013 की अवधि के लिए जन शिकायतों की स्थिति

1.04.2012 को शेष शिकायत	अवधि के दौरान प्राप्त शिकायत की संख्याँ	निवर्तित प्रकरणों की संख्याँ	लंबित प्रकरणों की संख्याँ
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

कार्य-स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कम्पनी में एक समिति है।

नागरिक सनद

एफ एस एन एल ने सात चरण प्रतिमान अंगीकार कर एक नागरिक सनद प्रतिपादित की है जो संस्थान की वचनबद्धता को पूरा करने हेतु नागरिक/ग्राहक से संस्थान की अपेक्षा सहित

GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

For redressal of Public Grievances, FSNL has a **3-Tier Grievance Redressal Machinery.**

A Grievance Box has been kept at the reception counter of the Units/Corporate Office for easy accessibility of these boxes to the Public. The Grievances so received, are endorsed in a register called **Grievance Register** on every Friday in the presence of Public Grievance Officers, nominated for this purpose.

For smooth redressal of one's grievance the employee or even any one from Public can approach FSNL under 3 stages beginning with its Public Grievance Officer, then the Unit Head/HOD of Operations at Corporate Office & then CGM at Corporate Office. At each stage he is responded within a stipulated time schedule. In the event the aggrieved person is not satisfied with the employee at any stage, he can make his appeal to the Managing Director.

The MD, after examining the actions taken by the authorities at the above 3 stages, would analyze the grievances & communicate his decision to the concerned complainant within 15 days of the receipt of the appeal.

Status of Staff Grievance Redressal from 01-04-2012 to 31-03-2013

Grievances outstanding As on 1.4.2012	No. of Grievances received during the period	No. of cases Disposed Off	No. of cases Pending
2	11	13	0

Status of Public Grievances for the period 01-04-2012 to 31-03-2013

Grievances outstanding As on 1.4.2012	No. of Grievances received during the period	No. of cases Disposed Off	No. of cases Pending
Nil	Nil	Nil	Nil

There is a Committee in the company for prevention of sexual harassment of women at work place.

CITIZEN CHARTER

FSNL has formulated a Citizen's Charter by adopting the Seven Step Model, representing a systematic effort to focus on the commitment of the Organizations

सेवाओं के मानक, जानकारी, विकल्प तथा परामर्श, गैर-विभेदकारी एवं अभिगम्य, शिकायत सुधार, शिष्टाचार तथा मुद्रा हेतु मान के परिप्रेक्ष्य में इसके नागरिकों/ग्राहकों के प्रति संस्थान की वचनबद्धता पर सकेंद्रित करने एक क्रमबद्ध प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।

जोखिम प्रबंधन नीति

कम्पनी के पास एक जोखिम प्रबंधन नीति है जिसे मण्डल द्वारा अंगीकार किया गया है ।

सीटी धौंकनी नीति :

यदि कर्मचारी कंपनी में अनैतिक तथा अनुपयुक्त कार्य अथवा कोई अन्य त्रुटिपूर्ण आचरण पाते हैं तथा कर्मचारियों के विरुद्ध किसी प्रतिकूल कार्मिक कार्रवाई करने से प्रबंधकीय कार्मिकों को निषेध करने हेतु लेखा परीक्षण समिति को पूर्ण विश्वास में लेने कर्मचारियों को एक अवसर देने के लिए कंपनी में एक सीटी धौंकनी नीति को क्रियान्वित की गयी है। यह नीति इस संबंध में लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर आधारित है ।

सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित सूत्रपात :

* निगमन कार्यालय तथा इकाईयों के विभिन्न विभागों को कम्प्यूटर प्रदान की गयी है। वेतन पत्रक, वित्तीय लेखांकन, सामग्री प्रबंधन से संबंधित क्षेत्रों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है। निगमन कार्यालय तथा इकाईयों में इन्टरनेट कनेक्शन संस्थापित की गयी है ।
* एमआईएस अनुप्रयोग पैकेज के बाहर बनायी जा रही है ।
* इकाईयों को इन्टरनेट कनेक्शन के माध्यम से जोड़ा गया है।
* कंपनी के वैधानिक अनुपालक की पूर्ति जैसे भविष्य निधि, आयकर, निविदा, ई-फिलिंग आदि ।
* कंपनी ने अधिनियम की धारा 4(1)(ख) के तहत् अपेक्षित 17 विभिन्न टेम्पलेटों/पुस्तिकाओं/स्वैच्छिक के लिए पुस्तिकाओं/स्वतः सूचनाओं के अंतर्गत् जानकारी का पालन की है तथा उसे कम्पनी के वेबसाईट (www.fsnl.nic.in) पर लगायी है एवं प्रकाशित की जाने वाली जानकारियाँ नियमित रूप से अद्यतित की जा रही है।
* निविदाओं को कम्पनी के वेबसाईट www.fsnl.nic.in पर लगाया गया है ।
* इनवेन्टरी प्रबंधन, प्रचालन व अनुरक्षण, स्थायी आस्तियाँ, परियोजन माड्यूल एवं विधि माड्यूल सहित माड्यूल, इनवेन्टरी व वेतन पत्रक, वित्त व लेखा, सामग्री प्रबंधन के लिए एड-ऑन के साथ एसएपी बी-1 क्रियान्वयन के अंतिम चरण में है तथा परियोजना का सितम्बर, 2013 की समाप्ति तक पूर्ण होने का अनुमान है ।

towards its Citizens/Clients in respect of Standard of Services, Information, Choice and Consultation, Non-discrimination and Accessibility, Grievances Redress, Courtesy and Value for money, including expectation of the Organization from the Citizen/Client for fulfilling the commitment of the Organization.

RISK MANAGEMENT POLICY

The company has a risk management policy which has been adopted by the Board.

WHISTLE BLOWER POLICY

A Whistle Blower policy has been implemented for providing an opportunity to the employees to access in good faith, to the Audit Committee, in case they observe unethical and improper practices or any other wrongful conduct in the company, and to prohibit managerial personnel from taking any adverse personnel action against those employees. The policy is based on the guidelines issued by the Department of Public Enterprises in this regard.

Information Technology Related Initiatives:

- The various departments of Corporate Office and Units have been provided with computers. The areas related to payroll, financial accounting, materials management have been computerized. Internet connection has been installed at C.O. & Units.
- MIS is being generated out of application packages.
- Units are linked up through internet connections.
- Fulfillment of Statutory compliance of the company such as PF, Income Tax, Tendering, e-filling etc.
- The company has complied the information under 17 different templates/manuals/manuals for voluntary/suo-moto disclosure as required under Section 4(1) (b) of the Act and hosted the same on the company's website "fsnl.nic.in" and the information so published are being regularly updated.
- Tenders are hosed on Company's website – fsnl.nic.in
- SAP B1 with Add-ons (100 licenses) for modules, Inventory & Payroll, F&A, MM including Inventory Management, Operation & Maintenance, Fixed Assets, Project Module & Law Modules are under final implementation stage and project is expected to be completed by the end of Sept. 2013.

* निगमन कार्यालय में सर्वर को स्थापित कर दिया गया है तथा एड-ऑन के साथ एसएपी बी-1 को सर्वर पर स्थापित कर दिया गया है एवं इकाईयाँ इन्टरनेट कनेक्शन के माध्यम से पहुँच रही है।
* फायरवॉल फोर्टिगेट 80सी को स्थापित कर दिया गया है।
* निगमन कार्यालय में सीएटी 6 लोकल एरिया नेटवर्किंग को स्थापित कर दिया गया है।

सतत विकास गतिविधियाँ :

दि. 23.09.2011 के कार्यालय ज्ञापन सं. 3(9)2010-डीपीई(एमओयू) के अंतर्गत सीपीएसई हेतु सतत विकास पर जारी डीपीई दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित कर दिया गया है तथा सतत विकास के तहत् वर्ष 2012-13 में ली गयी परियोजनाओं की स्थिति अधोवर्णित है :

1. आर एंड डी भवन के उपर 5कि. वाट सौर उर्जा संयंत्र की स्थापना–5कि. वाट उर्जा संयंत्र के प्रदाय तथा स्थापना के लिए कार्यादेश दे दिया गया है।
2. भिलाई इकाई में जल संचयन की सुविधा की स्थापना-जल संचयन की सुविधा का निर्माण व स्थापना के लिए कार्यादेश दे दिया गया है।
3. एफएसएनएल के भिलाई, बर्नपुर, हरिद्वार, विजाग तथा राउरकेला इकाईयों में 125 नग वृक्ष लगाए गए हैं।

कर्मचारियों का ब्यौरा

यहाँ कम्पनी का कोई भी कर्मचारी ऐसा नहीं है जिसने कम्पनी (कर्मचारियों का ब्यौरा) नियम, 1975 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2ए) के अन्तर्गत निर्धारित सीमाओं से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त किया हो।

निदेशक का उत्तरदायित्व विवरणी

जैसा कि कम्पनी (संशोधित) अधिनियम, 2000 की धारा 217 (2एए) के उपाबंधों के अन्तर्गत अपेक्षित है, निदेशक मण्डल सूचित करते है कि :-

(क) वार्षिक लेखाओं को तैयार करने में भौतिक रवानगी से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखा मानकों का अनुसरण किया गया है।

(ख) हमने ऐसी लेखा नीतियाँ चुनी हैं तथा उसे सुसंगतपूर्ण प्रयुक्त किया है एवं निर्णय और आकलन दिया है कि वह वास्तविक व विवेकी हो ताकि 31/03/2013 को कम्पनी के कार्य-कलाप तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए कम्पनी के लाभ का सही एवं स्वच्छ दृश्य दर्शावे ।

- Server has been installed at C.O. and SAP B1 with Add-ons has been installed on Server and units are accessing through internet connection.
- Firewall Fortigate 80C has been installed.
- CAT 6 Local Area Networking has been installed at C.O.

SUSTAINABLE DEVELOPMENT ACTIVITIES:

The DPE Guidelines on Sustainable Development for CPSEs issued vide office memorandum No. 3(9)2010-DPE(MOU) dated 23.09.2011 has been implemented and the status of projects undertaken in year 2012-2013 under sustainable development are as under :

(i) Installation of 5KW Solar Power Plant over R&D hall building work-order has been placed for supply & installation of 5KW power plant.

(ii) Installation of water harvesting facility at Bhilai unit-work order has been placed for construction & installation of water harvesting facility.

(iii) 125 nos. of trees have been planted at FSNL's units at Bhilai, Burnpur, Haridwar, Vizag & Rourkela.

PARTICULARS OF EMPLOYEES:

There was no employee of the Company who received remuneration in excess of the limits prescribed under Sec 217(2A) of the Companies Act,1956 read with the Companies (Particulars of Employees) Rules, 1975.

DIRECTORS RESPONSIBILITY STATEMENT

As required under the provisions of Section 217(2AA) of the Companies (Amendment) Act, 2000 board of directors states that:

(a) In the preparation of annual accounts the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures.

(b) We have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company as at 31/03/2013 and of the profit of the company for the financial year 2012-13.

(ग) हमने कम्पनी की परिसम्पतियों के सुरक्षा तथा कपट एवं अन्य अनियमितताओं का पता करने तथा रोकथाम के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसरण में समुचित लेखा अभिलेखों के अनुरक्षण हेतु उपयुक्त एवं पर्याप्त ध्यान रखा है।

(घ) हमने दि. 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए चालू समुत्थान आधार पर वित्तीय विवरणियों को बनाया है।

लेखा परीक्षक

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों, जैसा कि कम्पनी संशोधित अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत संशोधित है, के अनुसार नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक ने राजेन्द्र प्रसाद, सनदी लेखापाल को समीक्षाधीन अवधि के लिए कंपनी का वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया।

प्रबंधन के जवाब के साथ कम्पनी के लेखाओं पर दिनांक 31 मार्च, 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वैधानिक लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन उपाबंध-2 में दिया गया है।

प्रबंधन के जवाब के साथ कम्पनी के लेखाओं पर दिनांक 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अन्तर्गत नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक द्वारा टिप्पणियाँ उपाबंध-3 में दी गयी है।

निदेशक मण्डल

निदेशकगण

श्री एस.के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एम एस टी सी लि. को 19.04.2012 के प्रभाव से कम्पनी का अंशकालिक अध्यक्ष नियुक्त किया ।

श्री एन्टोनी चाको, प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल का एचएमटी लिमिटेड में निदेशक (प्रचालन) के पद पर नियुक्ति होने के परिणामस्वरूप मंत्रालय के दि. 2 अगस्त, 2012 के आदेश सं. 4(4)/2007-एमएफ के अनुसार श्री एस.के.त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एम एस टी सी लि. ने 22.08.2012 के प्रभाव से

(c) We have taken proper and sufficient care for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

d) We have prepared the financial statements for the year ended 31st March, 2013 on a going concern basis.

AUDITORS:

In pursuance of the powers conferred by sub-section (2) of Section 619 of the Companies Act,1956 as amended vide the Companies (Amendment) Act, 2000 the Comptroller & Auditor General of India appointed RAJENDRA PRASAD, Chartered Accountants as the Statutory Auditor of the Company for the period under review.

The Statutory Auditors' Report on the Accounts of the Company for the financial year ended on 31st March, 2013 is placed at Annexure II.

The comments on the accounts for the year ended 31st March 2013 by the Comptroller & Auditor General of India under Sec 619(4) of the Companies Act,1956 is placed at Annexure III.

BOARD OF DIRECTORS

DIRECTORS:

Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC Ltd. was appointed as part time chairman of the company w.e.f. 19.04.2012.

Consequent upon appointment of Shri Antony Chacko, MD, FSNL as Director (Operation) in HMT Limited, Shri S.K.Tripathi, CMD-MSTC and Chaiman-FSNL took the additional charge of the post of MD,FSNL, w.e.f. 22.08.2012 as per Ministry's order no: 4(4) / 2007-MF dated 2nd August, 2012.

प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाला।

भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के दिनांक 13/12/2012 के पत्र सं.: 12(25)/2008-एम/एफ, ने श्री एस.पी.भारद्वाज, निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार को श्री डी.बी.सिंह, निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान पर कम्पनी के बोर्ड में अतिरिक्त निदेशक नियुक्ति किए गए। श्री भारद्वाज कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक के समापन तक अधिकार रखेंगे तथा खुद की पुनर्नियुक्ति प्रस्ताव के पात्र होंगे।

मंत्रालय के दिनांक 13 फरवरी, 2013 के आदेश सं.: 4(4)/2000-एमएफ के अनुसार श्री जी. एस.चुघ, पूर्व–अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, वेस्टर्न कोलफिल्ड लिमिटेड, जिनकी दि. 13/02/2012 को कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति हुई थी, ने निदेशक के रूप दि. 12/08/2012 तक अपने पद पर बने रहे।

श्री आर.रामाराजू, पूर्व-प्रबंध निदेशक, भिलाई इस्पात संयंत्र-सेल, जिनकी दि. 17/01/2012 को कम्पनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्ति हुई थी, ने दि. 28/05/2013 के प्रभाव से कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया।

आपके निदेशकगण प्रबंध निदेशक-एफएसएनएल के रूप में श्री एन्टोनी चाको तथा स्वतंत्र निदेशकों श्री जी.एस.चुघ तथा श्री आर.रामाराजू की बहुमूल्य सेवाओं का सराहना की भावना से लेखबद्ध करना चाहते हैं।

श्री बी.बी. सिंह आगामी वार्षिक आम बैठक तक बने रहेगे तथा वे पुनर्नियुक्ति के पात्र हैं।

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन तथा प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण पर पृथक प्रतिवेदन उपाबद्ध-4 तथा इस वार्षिक प्रतिवेदन के भाग के रूप इसके साथ संलग्न हैं।

पुरस्कार

कम्पनी को इण्डियन इन्सटिट्यूट ऑफ इन्डस्ट्रियल इन्जीनियरिंग द्वारा दि. 15.06.2012 को श्री सी.पी.जोशी, माननीय मंत्री, भारत सरकार के द्वारा उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित समारोह में ''परफारमैन्स एक्सिलेन्ट अवार्ड 2011'' से सम्मानित किया गया ।

Govt. of India, Ministry of Steel vide letter no: 12(25)/2008-M/F dated 13/12/2012 appointed Shri S. P. Bhardwaj, Director, MOS, GOI as additional director on the Board of the company in place of Shri D. B. Singh, Director, MOS, GOI. Shri Bhardwaj will hold office till the conclusion of the ensuing Annual General Meeting of the company and being eligible offers himself for re-appointment.

As per the Ministry order no: 4(4)/2000-MF dated 13th February, 2013 Shri G. S. Chugh, ex-CMD, Western Coalfield Limited who was appointed as non-official director on the Board of the company on 13/02/2012 vacated office as director as his tenure was upto 12/08/2012.

Shri R. Ramaraju, ex-MD, Bhilai Steel Plant-SAIL who was appointed as non-official director on the Board of the company on 17/01/2012 resigned from directorship of the company w.e.f. 28/05/2013.

Your directors would like to place on record their deep sense of appreciation for the valuable services of Shri Antony Chacko as Managing Director-FSNL and non-official Directors Shri G.S.Chugh and Shri R.Ramaraju.

Shri B.B.Singh is due to retire in the ensuing Annual General Meeting and is eligible for re-appointment.

CORPORATE GOVERNANCE

Separate report on Corporate Governance and Management Discussions and Analysis are attached herewith as Annexure-IV and forms part of this Annual report.

AWARD

FSNL has been conferred with the "PERFORMANCE EXCELLENCE AWARD 2011" by Indian Institution of Industrial Engineering in a function organized at Udaipur (Rajasthan) through Shri C.P.Joshi, Hon'ble Minister, Govt. of India, on 15.06.2012.

आभार

मण्डल महत्वपूर्ण ग्राहकों, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र के एकीकृत इस्पात संयत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र का इस्पात संयंत्र है, से प्राप्त सद्भावी सहयोग को अंकित करता है। मण्डल इस्पात एवं खान मंत्रालय तथा भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों और विभागों एवं तथा आन्ध प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिमबंगाल, कर्नाटक, उत्तराखंड और दिल्ली के राज्य सरकारों को उनके निरंतर सहयोग तथा मार्ग दर्शन के लिए भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है ।

निदेशक मण्डल कम्पनी के लक्ष्यों की उपलब्धि के लिए सभी स्तरों के हरेक कर्मचारियों के योगदान की प्रसंशा करते हैं ।

वास्ते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

दिनांक : 16 अगस्त, 2013 एस. के. त्रिपाठी
स्थान : कोलकाता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ACKNOWLEDGEMENT

The Board records sincere support received from the valued customers who are Public Sector integrated steel plants as well as Private Sector steel plants. Board also express gratitude to the Ministry of Steel and Mines and other ministries and department of Govt. of India and State Govt. of Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Jharkhand, Maharastra, Orissa, West Bengal Karnataka, Uttarakhand and Delhi for their continued support and guidance.

The Board of Directors appreciates the contribution of all the employees at all levels towards attainment of Company's objectives.

For and on behalf of Board of Directors

Dated : 16 August, 2013 S. K. Tripathi
Place : Kolkata Chairman and Managing Director

प्रपत्र - क

उर्जा के संरक्षण से संबंधित ब्यौरों के प्रकटन हेतु प्रपत्र

	सम्प्रति वर्ष (2012-2013)	विगत वर्ष (2011-2012)
क. विद्युत तथा इंधन खपत		
1. विद्युत		
(क) क्रय किए गए		
इकाई किलो वाट़ हर्टस	**1252395**	1363146
कुल रकम	**₹ 70,08,667**	₹ 71,27,435
दर/इकाई (क्रय के परिप्रेक्ष्य में)	**5.60**	5.23
(ख) निजी जनन		
(i) डीजल जनित इकाई द्वारा	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
डीजल तेल की इकाई/लीटर	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
लागत/इकाई	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
(ii) वाष्प टर्बाइन/जनित इकाईयों	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
तेल/गैस की प्रति लीटर इकाई	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
2. कोयला		
मात्रा (टन)	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
कुल लागत	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
औसत दर	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
3. भट्ठी तेल मात्रा (किलो लीटर)		
मात्रा (किलो लीटर)	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
कुल रकम	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
औसत दर	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
4. अन्य/आन्तरिक जनन		
मात्रा	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
कुल लागत	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
इकाई दर	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य

ख. उत्पादन की प्रति इकाई खपत

	मानक (यदि कोई हो)	सम्प्रति वर्ष (2012-2013)	विगत वर्ष (2011-2012)
उत्पादः लौह एवं इस्पात स्क्रैप			
विद्युत (इकाई/मी.टन)	अप्रयोज्य	**4.06**	4.58
भट्ठी तेल	अप्रयोज्य	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य
कोयला	अप्रयोज्य	**अप्रयोज्य**	अप्रयोज्य

ANNEXURE - I

FORM - A

FORM FOR DISCLOSURE OF PARTICULARS WITH RESPECT TO CONSERVATION OF ENERGY

	Current Year (2012-2013)	Previous Year (2011-2012)
A. POWER AND FUEL CONSUMPTION		
1. Electricity		
(a) Purchased Unit KWH	**1252395**	1363146
Total Amount	**₹ 70,08,667**	₹ 71,27,435
Rate/Unit (in respect of purchase)	**5.60**	5.23
(b) Own Generation		
(i) Through Diesel Generator Unit	**N.A.**	N.A.
Unit	**N.A.**	N.A.
Unit/Ltr. of Diesel Oil	**N.A.**	N.A.
Cost/Unit	**N.A.**	N.A.
(ii) Through Steam Turbine/Generator Units	**N.A.**	N.A.
Unit	**N.A.**	N.A.
Unit per Ltr.of Oil/Gas	**N.A.**	N.A.
2. Coal		
Quantity(Tonnes)	**N.A.**	N.A.
Total Cost	**N.A.**	N.A.
Average Rate	**N.A.**	N.A.
3. Furnace Oil Quantity (K.Ltrs.)		
Quantity (K.Ltrs.)	**N.A.**	N.A.
Total Amount	**N.A.**	N.A.
Average Rate	**N.A.**	N.A.
4. Others/Internal Generation		
Quantity	**N.A.**	N.A.
Total Cost	**N.A.**	N.A.
Rate /Unit	**N.A.**	N.A.

B. CONSUMPTION PER UNIT OF PRODUCTION

	Standards (if any)	**Current Year (2012-2013)**	Previous Year (2011-2012)
Products : Iron & Steel Scrap			
Electricity (Unit/MT)	N.A.	**4.06**	4.58
Furnace Oil	N.A.	**N.A.**	N.A.
Coal	N.A.	**N.A.**	N.A.

प्रपत्र - ख

प्रौद्योगिकी अवशोषण अनुसंधान एवं विकास से संबंधित ब्यौरों के प्रकटीकरण हेतु प्रपत्र

1.	विर्निदिष्ट क्षेत्रों, जिनमें कम्पनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्य किया गया है	निरंक
2.	उक्त अनुसंधान एवं विकाश के परिणामस्वरुप प्राप्त लाभ	अप्रयोज्य
3.	भावी कार्य योजना	अप्रयोज्य
4.	अनुसंधान व विकास का व्यय	
	(क) पूँजी	निरंक
	(ख) आवर्ती (राजस्व)	निरंक
	(ग) कुल	निरंक
	(घ) कुल व्यापारावर्त की प्रतिशत के रूप में कुल अनुसंधान व विकास व्यय	अप्रयोज्य

प्रौद्योगिकी अवशोषण, अनुकूलन तथा प्रवर्तन

1.	प्रौद्योगिकी अवशोषण तथा प्रवर्तन के परिप्रेक्ष्य में किए गए प्रयास;	कम्पनी पूर्व हेकेट इन्जीनियरिंग कंपनी द्वारा भारत में उसके परिचालित व्यापार को अधिकार में लेते समय प्रयोजित प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही है।
2.	उक्त प्रयासों, जैसे उत्पाद अभिवृद्धि, लागत में कमी, उत्पाद विकास, आयात प्रतिस्थापन आदि के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ।	अप्रयोज्य
3.	यदि आयातीत तकनीक हो (वित्तीय वर्ष के आरंभ से गणना कर गत 5 वर्षो के दौरान आयातीत), तो अधोवर्णित प्रस्तुत करें:	
	(क) आयातीत प्रौद्योगिकी	अप्रयोज्य
	(ख) आयात वर्ष	अप्रयोज्य
	(ग) क्या प्रौद्योगिकी पूर्ण रूपेण अवशोषित की गयी है।	अप्रयोज्य
	(घ) यदि पूर्ण अवशोषित नहीं है तो वह क्षेत्र, जहॉ उसे नहीं किया गया। उसके कारणों और भावी कार्य योजना।	अप्रयोज्य

वास्ते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

दिनांक : 16 अगस्त 2013
स्थान : कोलकाता

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ANNEXURE - I

FORM - B

FORM FOR DISCLOSURE OF PARTICULARS WITH RESPECT TO TECHNOLOGY ABSORPTION RESEARCH AND DEVELOPMENT

1.	Specific areas in which R & D carried out by the Company	NIL
2.	Benefits derived as a result of the above R & D	N.A
3.	Future plan of action	N.A.
4.	Expenditure of R&D	
	(a) Capital	NIL
	(b) Recurring (Revenue)	NIL
	(c) Total	NIL
	(d) Total R&D Expenditure as a percentage of total turnover	N.A.

TECHNOLOGY ABSORPTION, ADAPTATION AND INNOVATION

1.	Efforts, in brief, made towards Technology absorption and innovation	Company is using the technology used by erstwhile Heckett Engineering Co. in India at the time of taking over of their running Business.
2.	Benefit derived as a result of the above efforts e.g. products improvement, cost reduction, product development, import substitution etc.	N.A.
3.	In case of imported Technology (imported during last 5 years reckoned from the beginning of the financial year) following information may be furnished.	N.A.
	(a) Technology imported	N.A.
	(b) Year of Import	N.A.
	(c) Has technology been fully absorbed	N.A.
	(d) If not fully absorbed areas where this has not taken place, reasons therefor and future plan of action	N.A.

For and on behalf of Board of Directors

Dated : 16 August,.2013
Place : Kolkata

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

निगमित अभिशासन

कम्पनी के दर्शन

निगमित अभिशासन के संबंध में कम्पनी का दर्शन पारदर्शिता, प्रकटीकरणों तथा सूचनाओं को सुनिश्चित करता है तथा समग्र संस्थान में नैतिक आचरण को बढ़ावा देता है। यह स्वीकार करता है कि मण्डल अंशधारक और मण्डल के प्रत्येक सदस्य के प्रति अपनी पहली कर्तव्य की रक्षा करने तथा कम्पनी के हित को आगे बढ़ाने के लिए जवाबदेह है।

निर्देशक मण्डल :

संयोजन :

कम्पनी के निदेशक मण्डल में अध्यक्ष श्री एस.के.त्रिपाठी, जो मंत्रालय के आदेश सं. 4(4)/2007-एमएफ, दि. 2 अगस्त, 2012 के अनुसार दि. 22.08.2012 के प्रभाव से प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल के पद का प्रभार भी धारित किए हैं, श्री बी.बी.सिंह, एमएसटीसी लिः के मनोनीत निदेशक तथा श्री एस.पी. भारद्वाज, बोर्ड में शासकीय मनोनीत निदेशक हैं।

वर्तमान में दो स्वतंत्र निदेशकों का पद रिक्त है ।

नव नियुक्त निर्देशकों की संक्षिप्त जानकारी :

श्री एस.पी. भारद्वाज, भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के निदेशक हैं।

निदेशकों का पारिश्रमिक :

स्वतंत्र निदेशकगण बैठक शुल्क के अलावे किसी पारिश्रमिक के पात्र नहीं होते हैं। बैठक शुल्क अध्यक्ष, शासकीय निदेशक तथा एम एस टी सी के मनोनीत निदेशक को नहीं दी जाती है। पूर्णकालिक नियोजन में होने के कारण प्रबंध निदेशक नियोजन की शर्तो के अनुसार पारिश्रमिक के पात्र हैं।

निदेशक द्वारा धारित निदेशक पदः

श्री एस.के.त्रिपाठी, अध्यक्ष एमएसटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं तथा श्री बी.बी. सिंह एमएसटीसी लि० में निदेशक वाणिज्यिक के रूप में कार्य कर रहे हैं ।

निदेशक मण्डल के समक्ष रखी गयी जानकारी :

निदेशक मण्डल ने कम्पनी के भीतर सूचनाओं के लिए उपयोग पूरा किया । परस्पर सूचना बोर्ड को नियमित प्रदान की गयी जिसमें शामिल हैं :-

- वार्षिक प्रचालन योजनाएँ तथा बजट और कोई भी अद्यतन।
- पूँजीगत बजट, राजस्व बजट तथा कोई भी अद्यतन ।
- कंपनी का आवधिक भौतिक एवं वित्तीय निष्पादन ।
- कंपनी के लेखा समिति तथा अन्य समितियों की बैठक का कार्यवृत्त ।
- किए गए निवेश का आवधिक ब्यौरा ।
- निदेशको द्वारा हितो का प्रकटीकरण ।
- मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा कम्पनी सचिव की नियुक्ति अथवा हटाने सहित बोर्ड स्तर से ठीक नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती तथा पारिश्रमिक पर जानकारी ।

बोर्ड की बैठक तथा उपस्थिति :

दि. 30.06.2012, 28.09.2012, 11.12.2012 तथा 14.03.2013 को बोर्ड की चार बैठकों हुई ।

वित्तीय वर्ष 2012-2013 में आयोजित कम्पनी के बोर्ड की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का ब्यौरा :

बोर्ड की बैठक सं. तिथि	बोर्ड के बैठक की तिथि	श्री एस. के त्रिपाठी	श्री एन्टोनी चाको	श्री डी.बी. सिंह	श्री एस. पी भारद्वाज	श्री बी.बी. सिंह	श्री आर. रामाराजू	श्री जी.एस. चुघ
144	30.06.2012		उपस्थित	उपस्थित		उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
145	28.09.2012	उपस्थित		उपस्थित		उपस्थित		
146	11.12.2012	उपस्थित				उपस्थित	उपस्थित	
147	14.03.2013	उपस्थित			उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	

अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक एवं लेखा समिति के अध्यक्ष 07 सितम्बर, 2012 को आयोजित कम्पनी की 33 वीं वार्षिक आम बैठक में उपस्थित थे।

ANNEXURE- IV

CORPORATE GOVERNANCE

COMPANY'S PHILOSOPHY

The philosophy of the company in relation to corporate governance is to ensure transparency, disclosures and reporting and to promote ethical conduct throughout the organization. It recognizes that the Board is accountable to shareholder and each member of the Board owes his / her first duty to protect and furthering the interest of the company.

BOARD OF DIRECTORS

COMPOSITION :

Board of Directors of the company consists of Chairman Shri S. K. Tripathi, who also hold the additional charge of the post of MD,FSNL, w.e.f. 22.08.2012 as per Ministry's order no: 4(4) / 2007-MF dated 2nd August,2012, Shri B. B. Singh-nominee Director of MSTC Ltd and Shri S. P. Bhardwaj, a Govt. nominee on the Board.

Presently the position of two non-official directors are vacant.

BRIEF INFORMATION OF THE NEWLY APPOINTED DIRECTORS

Shri S. P. Bhardwaj is Director, Govt. of India, Ministry of Steel.

REMUNERATION TO THE DIRECTORS

Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees. Sitting fees are not given to Chairman, Government Director and MSTC nominated Director. Managing Director being in whole-time employment is entitled to remuneration as per terms of employment.

DIRECTORSHIP HELD BY THE DIRECTOR:

Shri S. K. Tripathi, Chairman is Chairman and Managing Director of MSTC Limited and Shri B. B. Singh is working as Director commercial in MSTC Ltd.

Information placed before the Board of Directors:

The Board of Directors has complete access to information within the company. The information inter alia regularly supplied to the Board includes :

- Annual operating plans and Budgets and any updates.
- Capital Budget, Revenue Budget and any updates.
- Periodical physical and financial performance of the company.
- Minutes of the Meeting of the Audit Committee and other Committees of the company.
- Periodical details of investment made.
- Disclosure of interest by Directors.
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary.

BOARD MEETING & ATTENDANCE :

Four Board Meetings took place on 30.06.2012, 28.09.2012, 11.12.2012 and 14.03.2013.

Details of the Directors attendance at the Board Meetings of the company held in the financial year 2012-2013.

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri S. K Tripathi	Shri Antony Chacko Singh	Shri D.B. Singh	Shri S. P. Bhardwaj	Shri B.B. Singh	Shri R. Ramaraju	Shri G. S. Chugh
144	30.06.2012		Attended	Attended		Attended	Attended	Attended
145	28.09.2012	Attended		Attended		Attended		
146	11.12.2012	Attended				Attended	Attended	
147	14.03.2013	Attended			Attended	Attended	Attended	

Chairman and Managing Director and the Chairman of the Audit Committee were present in the 33rd Annual General Meeting of the Company held on 7th September, 2012.

- मानव संसाधनों/औद्योगिक संबंधों जैसे वेतन समझौता, अतिरिक्त संसाधन जनन योजना में कोई महत्वपूर्ण विकास ।
- विभिन्न न्यायालयों में लंबित विधिक प्रकरणों पर जानकारी ।
- राजकोषीय कानूनों, जैसे सेवा कर, मूल्य वर्धित कर, आयकर आदि के तहत लंबित प्रकरणों पर जानकारी ।

बोर्ड की समितियाँ

कम्पनी के मण्डल में दो स्वतंत्र निदेशकों के प्रवर्तन पर निदेशकों का बोर्ड स्तरीय समितियाँ का गठन किया गया, अर्थातः

लेखा परीक्षा समिति

दो स्वतंत्र निदेशकों श्री आर.रामाराजू, श्री जी.एस.चुघ तथा एक शासकीय मनोनीत निदेशक श्री डी.बी.सिंह एवं समिति के सचिव के रूप में कार्य कर रहे कम्पनी के कम्पनी के सचिव को मिलाकर 06.03.2012 को बोर्ड द्वारा लेखा परीक्षा समिति का गठन किया गया। स्वतंत्र निदेशक श्री आर.रामाराजू लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष हैं ।

श्री जी.एस.चुघ के कार्यकाल की समाप्ति तथा कम्पनी के बोर्ड में शासकीय मनोनीत निदेशक में परिवर्तन होने पर अध्यक्ष के रूप में श्री आर.रामाराजू एवं इसके सदस्यों के रूप में श्री बी.बी. सिंह तथा श्री एस, पी. भारद्वाज को लेकर उक्त समिति का पूनर्गठन किया गया था ।

समिति की शर्ते एवं अभिदेश निगमित अभिशासन पर जारी लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार है।

आलोच्य वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा समिति की 4 बैठकें आयोजित की गयी । सदस्यों की उपस्थिति का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :-

क्रम सं.	बैठक सं.	बैठक तिथि	लेखा परीक्षा समिति की सं.	उपस्थित सदस्यों की सं.
1.	1	11.04.2012	3	2
2.	2	13.06.2012	3	2
3.	3	29.06.2012	3	3
4.	4	13.03.2013	3	3

पारिश्रमिक समिति

लोक उद्यम विभाग द्वारा केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए जारी कम्पनी प्रशासन दिशा-निर्देशों के अनुसार दो स्वतंत्र निदेशकों श्री आर.रामाराजु, श्री जी.एस.चुघ तथा शासकीय मनोनीत निदेशक श्री डी.बी.सिंह, एवं समिति के सचिव के रुप में कार्य कर रहे कम्पनी के कम्पनी सचिव को मिलाकर 06.03.2012 को बोर्ड द्वारा पारिश्रमिक समिति का गठन किया गया था । स्वतंत्र निदेशक श्री जी.एस.चुघ पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष थे । समिति का विचारार्थ विषय लोक उद्यम विभाग के जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार है।

श्री जी.एस.चुघ के कार्यकाल की समाप्ति तथा कम्पनी के बोर्ड में शासकीय मनोनीत निदेशक में परिवर्तन होने पर अध्यक्ष के रूप में श्री आर.रामाराजू एवं इसके सदस्यों के रूप में श्री बी.बी. सिंह तथा श्री एस, पी. भारद्वाज को लेकर उक्त समिति का पूनर्गठन किया गया था ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 11.04.2012 व 13.03.2013 को पारिश्रमिक समिति की 2 बैठकें आयोजित की गयी ।

क्रम सं.	बैठक सं.	बैठक तिथि	पारिश्रमिक समिति की सं.	उपस्थित सदस्यों की सं.
1.	1	11.04.2012	3	2
2.	2	13.03.2013	3	3

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व प्रबोधन समिति

श्री जी.एस.चुघ तथा एमएसटीसी मनोनीत निदेशक श्री बी.बी.सिंह एवं समिति के सचिव के रूप में कार्य कर रहे कम्पनी के कम्पनी सचिव मिलाकर 06.03.2012 को बोर्ड द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति का गठन किया गया है। स्वतंत्र निदेशक श्री जी.एस. चुघ निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति के अध्यक्ष थे । निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्य-कलापों के हेतु प्रस्ताव की निगरानी करने समिति का गठन किया गयी थे ।

श्री जी.एस.चुघ के कार्यकाल की समाप्ति तथा कम्पनी के बोर्ड में शासकीय मनोनीत निदेशक में परिवर्तन होने पर अध्यक्ष के रूप में श्री आर.रामाराजू एवं इसके सदस्यों के रूप में श्री बी.बी. सिंह तथा श्री एस, पी. भारद्वाज को लेकर उक्त समिति का पूनर्गठन किया गया था ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 12.04.2012, 27.07.2013 एवं 13.03.2013 को निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति की 3 बैठकें आयोजित की गयी ।

क्रम सं.	बैठक सं.	बैठक तिथि	निग.सामा. उत्तर. निगरानी समिति की सं.	उपस्थित सदस्यों की सं.
1.	1	12.04.2012	2	1
2.	2	27.07.2012	2	1
3.	3	13.03.2013	3	3

- Any Significant development in human Resources / Industrial Relations viz wage agreement, Additional Resource Generation Scheme.
- The information on legal cases pending in different courts.
- The information on pending cases under fiscal laws such as service tax, Vat, Income tax etc.

COMMITTEES OF THE BOARD

On induction of two independent directors, Board level committees of directors were constituted namely :

Audit Committee

Audit Committee constituted by the board on 06.03.2012 consisting of two independent directors Shri R.Ramaraju, Shri G.S.Chugh and a Govt. nominee director Shri D.B.Singh, and company secretary of the company serves as the secretary to the committee. Independent Director Shri R.Ramaraju was the Chairman of the Audit Committee.

On the expiry of tenure of Shri G.S.Chugh, and the change in the Govt. nominee director on the Board of the company, the above committee was reconstituted consisting of Shri R.Ramaraju as its Chairman and Shri B.B.Singh and Shri S.P.Bhardwaj as its members.

The terms of reference of the committee are in line with the DPE Guidelines issued on Corporate Governance.

During the year under report, 4 Meetings of the Audit Committee were held. The details of the attendance of the Members are indicated below:

Sl. No.	Meeting No.	Meeting Date	Strength of Audit Committee	No. of Members Present
1.	1	11.04.2012	3	2
2.	2	13.06.2012	3	2
3.	3	29.06.2012	3	3
4.	4	13.03.2013	3	3

Remuneration Committee

In accordance to Corporate Governance guidelines for CPSEs issued by DPE, the Remuneration Committee was constituted by the board on 06.03.2012, consisting of two independent directors Shri R. Ramaraju, Shri G. S. Chugh and Govt. nominee director Shri D. B. Singh, and company secretary of the company serves as secretary to the committee. Independent Director Shri G. S. Chugh was the Chairman of the Remuneration Committee. The terms and reference of the committee is in line with the DPE Guideline.

On the expiry of tenure of Shri G.S.Chugh, and the change in the Govt. nominee director on the Board, the above committee was reconstituted consisting of Shri R.Ramaraju as its Chairman and Shri B.B.Singh and Shri S.P.Bhardwaj as its members.

During the year under report, 2 Meetings of the Remuneration Committee were held on 11.04.2012 and 13.03.2013.

Sl. No.	Meeting No.	Meeting Date	Strength of Remuneration Committee	No. of Members Present
1.	1	11.04.2012	3	2
2.	2	13.03.2013	3	3

CSR Monitoring Committee

CSR Monitoring Committee was constituted by the board on 06.03.2012, which consists of Shri G. S. Chugh and MSTC nominee director Shri B. B. Singh, and company secretary of the company serves as secretary to the committee. Independent Director Shri G. S. Chugh was the Chairman of the CSR Monitoring Committee. The committee was constituted to monitor the proposal for CSR activities.

On the expiry of tenure of Shri G.S.Chugh, and the change in the Govt. nominee director on the Board, the above committee was reconstituted consisting of Shri R.Ramaraju as its Chairman and Shri B.B.Singh and Shri S.P.Bhardwaj as its members.

During the year under report, 3 Meetings of the CSR Monitoring Committee were held on 12.04.2012, 27.07.2012 and 13.03.2013.

Sl. No.	Meeting No.	Meeting Date	Strength of CSR Monitoring Committee	No. of Members Present
1.	1	12.04.2012	2	1
2.	2	27.07.2012	2	1
3.	3	13.03.2013	3	3

सतत विकास निगरानी समिति

श्री आर.रामाराजू, स्वतंत्र निदेशक तथा एमएसटीसी मनोनीत निदेशक श्री बी.बी.सिंह एवं समिति के सचिव के रूप में कार्य कर रहे कम्पनी के कम्पनी सचिव को मिलाकर 11.12.2012 को बोर्ड द्वारा सतत विकास निगरानी समिति का गठन किया गया था। स्वतंत्र निदेशक श्री आर.रामाराजू सतत विकास निगरानी समिति के अध्यक्ष थे । सतत विकास क्रिया-कलापों हेतु प्रस्ताव की निगरानी करने समिति गठित की गयी थी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 13.03.2013 को सतत विकास निगरानी समिति की 1 बैठक आयोजित की गयी । जिसमें सभी सदस्य उपस्थित थे ।

इन समितियों की वर्तमान प्रास्थिति

दि. 28.05.2013 के प्रभाव से एक स्वतंत्र निदेशक श्री आर.रामाराजू के इस्तीफे के साथ इन निदेशकों की लेखा परीक्षा समिति, पारिश्रमिक समिति, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति तथा सतत विकास निगरानी इन समितियों में स्वतंत्र निदेशकों की कमी में कार्य नही कर रही है तथा इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त स्वतंत्र निदेशकों को शामिल कर यथावधि समय में नई समितियों को फिर से गठित किया जाएगा ।

आचरण संहिता :

कम्पनी ने कम्पनी के निदेशकों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक व्यापक संहिता की रूपरेखा बनायी है। संहिता कम्पनी के सभी निदेशकों तथा वरिष्ठ प्रबंधन में सदस्य को परिचालित की गयी है। आचरण संहिता कम्पनी की वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यू डब्ल्यू.एफएसएनएल.एनआईसी.आईएन पर उपलब्ध है । सभी बोर्ड सदस्यों तथा नामीत वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक ने आचरण संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय की घोषणा इस प्रतिवेदन की अन्त में दी गयी है।

प्रबंधन विवेचन तथा विश्लेषण प्रतिवेदन :

उद्योग संरचना एवं विकास

एफ.एस.एन.एल. इस्पात मंत्रालय के अधीन भारत सरकार की एक कम्पनी है। यह पूर्णरूपेण एमएसटीसी लि० की स्वामित्व वाली सहायिका है तथा अंश पूंजी ₹ 200 लाख है।

एफ एस एन एल की पूर्वाधिकारी हेकेट इन्जीनियरिंग कंपनी, यू एस ए, 1957 में भारत में प्रचालन आरंभ किया तथा इसने इस्पात संयंत्रों में स्क्रैप की उगाही तथा प्रकमण का कार्य शुरु की। एफ एस एन एल वर्ष 1979 में इस्पात मंत्रालय के अधीन भारत सरकार की कम्पनी के रूप में शामिल किया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य हेकेट इन्जीनियरिंग कं० के कारोबार को अधिकार में लेने तथा स्टील मिल स्लैग का प्रक्रमण एवं लौह तथा इस्पात स्क्रैप की रिकवरी के लिए अन्य अस्वीकृत का कारोबार करना था। कम्पनी जून, 2002 में एमएसटीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायिका हो गयी है। एफ.एस.एन.एल. पिछले कुछ वर्षो से इस्पात मिल सेवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में विकास की है। वर्तमान में कम्पनी देश में 7 इस्पात संयंत्रों तथा दो विनिर्माण संयंत्रों में कार्य संचालित कर रही है तथा अन्य विश्व अग्रणियों को तुलनीय प्रौद्योगिकी के साथ सेवाएँ प्रदान करती है।

सुअवसर एवं आशंकाएँ :

सामर्थ्य :

- एक आईएसओ 9001 : 2008, आईएसओ 14001: 2004 तथा ओएचएसएएस 18001:2007 प्रमाणित कम्पनी।
- उत्कृष्ट कार्य संस्कृति
- अत्यधिक कुशल श्रम शक्ति
- बहु-अनुशासनिक व्यापार
- इस्पात मिल सेवाओं में उच्चतर बाजार अंश
- कुशल अनुभव तथा समर्पित कार्यबल के साथ एकीकृत इस्पात संयंत्रों की समग्र स्क्रैप रिकवरी तथा स्लैग ढुलाई कार्य संभालने की क्षमता।
- गोदाम प्रबंधन में अनुभव
- धातु रिकवरी, प्रक्रमण तथा सामग्री प्रहस्तन पर सलाहकार की पेशकश करने योग्य एवं अनुभवी अनुसंधान व विकास दल।

कमजोरी :

- एकल व्यापार–मुख्यतः स्क्रैप तथा स्लैग प्रक्रमण।
- ग्राहकों की अपेक्षितियों को पूरा करने उच्च प्रतिक्रिया समय। सार्वजनिक क्षेत्र होने के नाते कम्पनी को ग्राहकों की अपेक्षितियों का उत्तर देने के पूर्व विविध औपचारिकताएँ पूरी करने की आवश्यकता होती है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के उच्च वेतनों के कारण प्रचालन की उच्च लागत।
- निजी ठेकेदारों द्वारा एफ एस एन एल से बहुत कम मजदूरी का भुगतान से प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल।

सुअवसर :

- हमारे वर्तमान ग्राहकों की क्षमता में विस्तार से रिकवरी की माँग, स्क्रैप का प्रक्रमण तथा स्लैग की ढुलाई में वृद्धि होगी।
- सार्वजनिक तथा निजी पक्षों द्वारा स्थापित किए जा रहे हरित एकीकृत इस्पात संयंत्र कम्पनी को इस्पात मिल तथा सहबद्ध कार्यो के लिए सेवाओं की पेशकश करने का अवसर प्रदान करता है।
- खनन एवं सहबद्ध क्षेत्रों में सुअवसरों की खोज।
- अन्य ठोस अपशिष्ट तथा सामग्री प्रहस्तन प्रबंधन में विविधीकरण की गुंजाइश।

Sustainable Development Monitoring Committee

Sustainable Development Monitoring Committee was constituted by the board on 11.12.2012, which consists of Shri R. Ramaraju, independent director and MSTC nominee director Shri B. B. Singh, and company secretary of the company serves as secretary to the committee. Independent Director Shri R. Ramaraju was the Chairman of the Sustainable Development Monitoring Committee. The committee was constituted to monitor the proposal for sustainable development activities.

During the year under report, 1 meeting of the Sustainable Development Monitoring Committee were held on 13.03.2013. All directors attended the meeting.

Present Status of these Committees:

With the resignation of Shri R. Ramaraju, an independent director, w.e.f. 28.05.2013, the Audit Committee, the Remuneration Committee, the CSR Monitoring Committee and the Sustainable Development Monitoring Committee of the directors are not functional for want of independent directors on these committee and fresh committees shall be re-constituted in due course of time by inducting the independent directors appointed by the MOS,GOI.

CODE OF CONDUCT:

The company has designed a comprehensive code for directors as well as senior management of the company. The code is circulated to all the directors and members in the senior management of the company. The code of conduct is available on the website of the company www.fsnl.nic.in. All Board members and designated senior management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct. A declaration to this effect signed by the Chairman and `managing Director is given at the end of this report.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS REPORT:

INDUSTRY STRUCTURE & DEVELOPMENTS

FSNL is a Government of India Company under Ministry of Steel. It is a wholly owned subsidiary of MSTC Ltd. and the share capital is ₹ 200 lakhs.

Heckett Engineering Company, USA, predecessor of FSNL commenced operation in India in 1957 and had been undertaking the job of recovery and processing of scrap in the Steel Plants. FSNL was incorporated in 1979 as a Government of India company with the main objective to take over the running business of Heckett Engineering Co. and to carry on the business of processing of Steel Mill Slag and other refuse for the recovery of Iron and Steel Scrap.

The Company became a wholly owned subsidiary of MSTC in June,2002. FSNL has over the years evolved as a pioneer organization in the field of Steel Mill services. The company at present operates in 7 Steel Plants & two manufacturing plants in the country and offers services with technology comparable to other world leaders.

OPPORTUNITIES AND THREATS:

Strength:

- An ISO 9001:2008, ISO 14001:2004 and OHSAS 18001:2007 certified Company.
- Excellent work culture.
- Highly skilled manpower.
- Multi-disciplinary trade.
- Highest market share in Steel Mill Services.
- Capacity to handle entire scrap recovery and slag handling of integrated steel plants having efficient experienced and dedicated work force.
- Experience in Warehouse Management.
- Qualified & experienced R&D team to offer consultancy on Metal Recovery, Processing & Material Handling.

Weakness:

- Single line of business - mainly scrap and slag processing.
- High response time to meet customers requirement. Being a public sector the company is required to comply with various codal formalities before responding to customer's requirement.
- High cost of operation due to high wages of PSU.
- Difficult to compete with private contractors paying much lower wages than FSNL.

Opportunities:

- Expansion in capacity, of our existing customers will increase demand of recovery, processing of scrap and handling of slag.
- The greenfield integrated steel plants, being commissioned by public and private parties provides the opportunities for the company to offer services for Steel Mill and allied activities.
- Exploring opportunities in Mining & allied sectors.

आशंकाएँ :

– इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण ने उन्नत प्रौद्योगिकियाँ शुरु की है जिसके परिणामस्वरूप स्क्रैप कम उत्पन्न होती है।

– नवागतों, विशेषकर निजी कम्पनियाँ, रिकवरी के क्षेत्र में स्क्रैप का प्रक्रमण तथा स्लैग की ढुलाई कर रही है।

दृष्टिकोण :

हाल के वर्षों में भारत में इस्पात उद्योग विश्व अर्थव्यवस्था के साथ पूर्णतः एकीकृत हुआ है । उद्योग बहुत ही प्रतिस्पर्धी माहौल में परिचालित हो रहा है। उक्त व्यापार माहौल में एफ.एस.एन.एल. की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि इसका संचालन मूल क्षेत्रों में इस्पात संयंत्रों के संचालन के साथ एकीकृत है । वर्तमान में 60 प्रतिशत का बाजार अंश एफ.एस.एन.एल. के पास है। इस्पात उद्योग, अर्थात सेल एवं आरआईएनएल, जो कि एफएसएनएल का प्रमुख ग्राहक है, वर्ष 2013-2014 तक विकास के लिए 30 लाख टन तक पहुँचने के लिए अग्रसर है । एफ.एस.एन.एल. भी अपने वर्तमान ग्राहकों के साथ आगे बढ़ेगा तथा अनुमान है कि आने वाले वर्षों में हेव्ही इण्डस्ट्रिज आदि जैसे नए ग्राहकों को जोड़ेगा । कम्पनी को गोदाम प्रबंधन, खनन के क्षेत्र में अधिक कार्य की उम्मीद है । कम्पनी ने चुनौतियों का सामना करने तथा उसे सामर्थ्य में बदलने की क्षमता को सिद्ध किया है। एफ.एस.एन.एल. के प्रचालन की विशेषता से अपशिष्ट सामग्री से धातु नुकसान तथा उर्जा एवं मूल्यवर्धन की बचत होती है । धात्विक की रिकवरी तथा स्लैग पुनश्चक्रण से इस्पात संयंत्रों को प्रति वर्ष लगभग ₹ 6,885 करोड़ की रकम का वित्तीय लाभ होता है। इसके अतिरिक्त गुणवत्ता में सुधार के कारण धात्विक का बाजार मूल्य सारतः बढ़ा है जिससे इस्पात संयंत्रों को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

जोखिम एवं सरोकार :

कम्पनी के लिए मुख्य जोखिम तथा सरोकार क्षेत्र धात्विक की उपलब्धतता में कमी अर्थात स्लैग में स्क्रैप की कम आवक है । इसके कारण प्रचालन की लागत बढ़ गयी है चूँकि इससे धात्विक की उगाही कम हो जाएगी, हालाँकि किए जाने वाले आवश्यक कार्य अपरिवर्तित रहेंगी, जहाँ तक कि कभी भी और अधिक प्रयास की आवश्यकता है जिससे आगे प्रचालन की लागत जुड़ेगा । हाल के दिनों में यहाँ प्रचालन की लागत तथा उपस्कर के अनुरक्षण एवं श्रम शक्ति की लागत में महत्वपूर्ण वृद्धि होने से, जिसकी वृद्धि होने का अनुमान है, प्रचालन की लागत में वृद्धि होगी । उक्त कथित स्थितिया तो वैश्विक या घरेलू स्तर पर किसी भी पक्ष से धात्विक उगाही में उन्नत प्रौद्योगिकी प्राप्त करने के लिए देखने हेतु कम्पनी को विवश कर रही है । हालाँकि, दी गयी सेवाओं के लिए ग्राहकों से प्राप्त पारिश्रमिक व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त नही है जो काफी हद तक कम्पनी का तुलन पत्र प्रभावित किया है । कुछ प्रकरणों में कम्पनी एनआईएमएल तथा सेल संयंत्रों से लंबे समय से बकाया देय राशि जारी कराने में कठिनाई भी झेल रही है ।

खण्ड प्रतिवेदन :

कम्पनी भारत में विभिन्न इस्पात संयंत्रों, आरडब्ल्युएफ - बंगलूरु तथा भेल - हरिद्वार में स्क्रैप रिकवरी एवं सहबद्ध कार्यो के व्यापार में लगी है जो कि कम्पनी का प्रमुख व्यापार क्रिया-कलाप है । स्क्रैप रिकवरी तथा सहबद्ध कार्यो के अलावा कम्पनी ने गोदाम प्रबंधन की सेवाएँ प्रदान की है । हालाँकि, लेखा मानक 17 के अनुच्छेद 27 (ए) के अनुसार व्यापार खंड को प्रतिवेद्य खंड के रूप में चिन्हित किया जाएगा यदि बाहय ग्राहकों को विक्रय से तथा अन्य खंडों के साथ लेने-देन से इसका राजस्व सभी खंडों के कुल राजस्व, बाह्य तथा आन्तरिक का 10 प्रतिशत अथवा ज्यादा है । गोदाम प्रबंधन के नामे प्राप्त कुल सेवा प्रभार अर्जित राजस्व से दस प्रतिशत कम है, इस वजह से भूत प्रतिवेद्य खंड का गठन नहीं करता है । भौगोलिक भाग प्रासंगिक नही है क्योंकि कम्पनी ने भारत के बाहर कारोबार संचालित नहीं की है।

प्रचालनीय निष्पादन से संबंधित वित्तीय निष्पादन पर विवेचन :

कम्पनी के कुल आय गत वर्ष के आँकड़े क्रमशः ₹ 17,448.85 लाख तथा ₹ 16,462.83 लाख की तुलना में ₹ 18,678.88 लाख के सेवा प्रभार सहित ₹ 19,781.44 लाख थी। गत वर्ष की तुलना में प्रचालन की लागत 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शायी गयी है। खर्चों में वृद्धि मुख्यतः निवेशों की लागत, जैसे डीजल तथा स्नेहकों में वृद्धि तथा महंगाई भत्ता में वृद्धि तथा कार्यपालकेत्तर कर्मचारियों के वेतन में पुनरीक्षण हेतु प्रावधान होने के कारण से हुई है।

मानव संसाधन विकास

प्रत्येक वर्ष की तरह कम्पनी ने वर्ष के आरंभ में बनायी गयी वार्षिक योजना के आधार पर प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों के साथ-साथ मूल उपस्कर निर्माताओं के माध्यम से कम्पनी के कार्यपालकों तथा कार्यपालकेत्तर कर्मचारियों के लाभ हेतु वर्ष 2012-13 के दौरान विविध प्रशिक्षण (आन्तरिक के साथ-साथ बाहरी) कार्यक्रम आयोजित की है।

कर्मचारियों के वार्षिक दक्षता निरूपण प्रपत्रों में समर्थित प्रशिक्षण आवश्यकताओं के संबंध में संबंधित प्राधिकारों की अनुशंसा के आधार पर विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए कर्मचारियों का नामांकन किया गया ताकि उन्हें संबंधित क्षेत्र में अपने कौशल तथा सामर्थ्य को बढ़ाने का अवसर मिले तथा औद्योगिक प्रौद्योगिकीयों में दिन-प्रतिदिन विकासों से स्वयं को अवगत कर सके।

प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन लक्ष्यों का 'उत्कृष्ट' स्तर को प्राप्त कर लिया गया है।

- Scope of diversification in other Solid Waste and Material Handling Management.

Threats:

– Modernization of Steel Plants has introduced advanced technologies resulting in less generation of scrap.

– New entrants, specially private companies, in the area of recovery, processing of scrap and handling of slag.

Outlook:

Steel industry in India has fully integrated with the world economy in the recent years. The Industry is operating in a very competitive environment. In the above business environment FSNL is having a very important role as their operation is integrated with the Steel Plants' operation in the core areas. FSNL is having a market share of 60% at present. The steel industry viz. SAIL and RINL, the major customers of FSNL is poised for growth to reach 30 million ton by 2013-14. FSNL will also grow with the existing customers and expected to add new customers such as Heavy Industries etc. in the coming years. Company is expecting more jobs in the area of Warehouse Management and Mining. The company has a proven ability to face challenges and turn them into strength. The special feature of FSNL's operation results in saving of metal loss and energy and value addition to the waste material. Financial benefit to the Steel Plants from recovery of metallics and recycling of slag amounts to around ₹6,885 crores per year. Further due to improvement in quality the market value of metallics has increased substantially which fetch additional revenue to the Steel Plants.

Risks & Concerns:

The main risk and the area of concern for the Company is reduction in availability of metallics i.e. less arisal of scrap in the slag. Due to this the cost of operation has increased since there will be less recovery of metallics although the activities required to be carried out will remain unchanged, even sometimes more effort is required which further adds cost of operation. There is significant increase in the cost of operation and maintenance of equipment and cost of manpower in the recent past which is likely to be increased further resulting in increase in the cost of operation. The aforesaid situation forcing the company to look for to acquire an upgraded technology in metallic recovery from any of the party either at global or domestic level. However, the remuneration received from the customers for the services provided is not enough to meet the expenditure which in turn has affected the balance sheet of the company to a great extent. In some of the cases, company is also facing difficulties in releasing long outstanding dues from NINL and SAIL-Plants.

SEGMENT REPORTING :

Company is engaged in the business of Scrap Recovery and Allied Jobs in various Steel Plants in India, RWF – Bengaluru and BHEL – Haridwar, which is the principal business activity of the company. Beside scrap recovery and allied jobs, company has rendered serviced of warehouse management. However, as per Para 27 (a) of Accounting Standard 17, a business segment should be identified as a reportable segment if it's revenue from sales to external customers and from transactions with other segments is 10 percent or more of the total revenue, external and internal, of all segments. Total service charges received against warehouse management is less than ten percent of the revenue earned; hence the former does not constitute a reportable segment. The geographical segmentation is not relevant as the company has no business operation outside India.

DISCUSSION ON FINANCIAL PERFORMANCE WITH RESPECT TO OPERATIONAL PERFORMANCE :

The total earnings of the company was ₹19,781.44 lakhs including service charges of ₹18,678.88 lakhs as compared to the previous year's figure of ₹17,448.85 lakhs and ₹16,462.83 lakhs respectively. The cost of operation has shown an increase of 15% as compared to the previous year. The increase in the expenditure is mainly attributable to increase in the cost of inputs like diesel & lubricants and increase in the wages of employees due to increased Dearness Allowances and provision for revision in the wages of non-executive employees.

HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT

Like every year, the company had arranged various training programmes (Inhouse as well as External) during the year 2012-13 for the benefit of Executives and Non-executive employees of the company, based on the yearly plan chalked out at the beginning of the year, through reputed training institutions as well as the OEMs.

On the basis of recommendations of the concerned authorities with regard to the training needs endorsed in the Annual Performance Appraisal forms of the employees, the nomination of employees for various training programmes were made, as a measure of enhancing their skill & abilities in the concerned field, and for acquainting them with the day-to-day developments in the industrial technologies.

"Excellent" level of MOU targets for training, has been achieved.

आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली तथा उसकी पर्याप्तता :

कम्पनी के कारोबार उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कम्पनी में आन्तरिक नियंत्रण की एक सफल प्रणाली है जो अन्य बातों के साथ शुद्धता तथा वित्तीय खण्डों की तत्परता, प्रचालनों की दक्षता, निर्धारित नीतियों एवं प्रक्रियाओं के साथ पालन तथा कानून एवं नियमनों के साथ पालन करता है।

आन्तरिक लेखा परीक्षा कार्य में स्वतंत्रता सुनिश्चित करने प्रणालियों तथा आन्तरिक नियंत्रणों में पारदर्शिता पर बल देने हेतु कम्पनी का आन्तरिक लेखा परीक्षा सनदी लेखापाल के बाहरी फर्म को सौंपा गया है । आन्तरिक लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन प्रबंधन को संशोधन कार्यवाही के लिए आवधिक प्रस्तुत किया जाता है।

सजग वक्तव्य :

प्रबंधन चर्चा तथा विश्लेषण में विवरणियों कम्पनी के उद्देश्य तथा अपेक्षाओं का वर्णन करता है, को आगे विवरणियों में देख सकते है । वास्तविक परिणाम हकीकत में व्यक्त अथवा निहित से अलग हो सकता है जो सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयत्र से नामांकन के आधार पर कारोबार की निरंतरता सहित कम्पनी के प्रचालनों के लिए एक फर्क कर सकता है।

निदेशक मण्डल के वास्ते एवं उनकी ओर से,

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दिनांक : 16 अगस्त, 2013
स्थान : कोलकाता

प्रबंध निदेशक की घोषणा

मैं घोषित करता हुँ कि कम्पनी द्वारा मण्डल के सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन के लिए अभिकल्पित एवं अंगीकृत आचार संहिता प्रतिमान दि. 30.04.2008 को परिसंचरित संकल्प के अनुसार है तथा मण्डल के सभी सदस्य तथा वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए आचार संहिता का दृढ़ता से पालन करने की पुष्टि की है।

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

INTERNAL CONTROL SYSTEM AND THEIR ADEQUACY :

The company has an efficient system of internal control for achieving the business objectives of the company which inter-alia includes accuracy and promptness of financial reporting. Efficiency of operations, compliance with the laid down policies and procedures and compliance with law and regulations.

To ensure independence to the internal audit function emphasizing transparency in the systems and internal controls, the internal audit of the company is entrusted to external firms of Chartered Accountants. The reports of Internal Audit are periodically submitted to the management for corrective action.

CAUTIONARY STATEMENT:

Statements in the Management Discussion and Analysis describing the Company's objectives and expectations may be forward looking statements. Actual results may differ materially from those expressed or implied which could make a difference to the company's operations including continuation of business on nomination basis from the public sector steel plant.

For and on behalf of Board of Directors

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

Dated : 16 August, 2013
Place : Kolkata

MD'S DECLARATION

I declare that the Model Code of Conduct for Board Members and Senior Management designed and adopted by the company vide resolution by circulation on 30.04.2008 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the Financial Year 2012-2013.

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

सचिवीय लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन
(निगमित अभिशासन पर)

सेवा में
सदस्यगण,
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड,
भिलाई - छत्तीसगढ़

हमने 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड द्वारा निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की परीक्षा की है, जो कि भारी उद्योग मंत्रालय एवं सार्वजनिक उपक्रम, सार्वजनिक उपक्रमों का विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी परिपत्र संख्या 18(8)2005- जीएम दिनांक 14 मई, 2010 में केंन्द्रीय लोक उद्योग 2010 के निगमित अभिशासन पर दिए गए दिशा-निर्देश में उल्लिखित है ।

निगमित अभिशासन की शर्तो के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है । हमारी जांच केवल प्रक्रिया और उसके अनुपालन तक सीमित थी, जिसे कंपनी में निगमित अभिशासन के लिए अपनाया गया था । यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर विचार की अभिव्यक्ति है ।

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार हम प्रमाणित करते हैं कि निम्नलिखित को छोड़कर कम्पनी ने यथाविनिर्दिष्ट कम्पनी प्रशासन की शर्तो के साथ मोटे तौर पर पालन किया है:

1. *दि. 13.08.2013 से कम्पनी के निदेशक मण्डल में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्याँ नहीं हो रही है।*
2. *जुलाई -सितम्बर, 2012 तथा अक्टूबर-दिसम्बर, 2012 तिमाहियों के लिए इसके द्वारा लेखा परीक्षा समिति की बैठक आयोजित नहीं की जा सकी । दि. 31.03.2013 को समाप्त तिमाही के लिए आयोजित बैठक हेतु लेखा परीक्षा समिति की संरचना बिन्दु क्र. 1 के कारण दिशा-निर्देशों के अनुसार नही था ।*

इसके आगे हमारा यह कथन हैं कि इस तरह का अनुपालन न तो कम्पनी की भविष्य व्यवहार्यता के रूप में एक आश्वासन है न ही प्रभावशील की दक्षता के साथ, जिसका प्रबंधन ने कम्पनी के मामलों का संचालन किया ।

वास्ते, क.स. ब्रजेश आर. अग्रवाल

स्वामी
सदस्यता क्र. : एफसीएस 5771
प्रमाण-पत्र पी. क्र. 5649

स्थान : रायपुर
दिनांक : 3 जुलाई, 2013

SECRETARIAL AUDITORS' CERTIFICATE

(On Corporate Governance)

To
The Members of
Ferro Scrap Nigam Limited
Bhilai- Chhattisgarh

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance of M/s. Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended 31st March, 2013 as stipulated in Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises 2010 vide their O.M. 18(8)/ 2005-GM dated 14th May, 2010.

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of the Management. Our examination was limited to procedures and implementation thereof adopted by the Company for ensuring the compliance of the conditions of the Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statements of the Company.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we certify that the Company has broadly complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated except the following:

1. *The Company is not having the required numbers of the Independent Directors on its Board of Directors since 13.08.2012.*
2. *The Audit Committee Meeting could not be held by it for the Quarter July- September 2012 and October-December 2012. The composition of Audit Committee for meeting held for the Quarter ending on 31.03.2013 was not as per the guidelines due to point no. 1.*

We further state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Company nor the efficiency of effectiveness with which the Management has conducted the affairs of the Company.

For, CS Brajesh R. Agrawal

(Brajesh R. Agrawal)

Proprietor
Membership No.: FCS 5771
Certificate P. No: 5649

Place: Raipur
Date: 03rd July 2013

स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के सदस्यों के लिए

हमने **फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड** (कम्पनी) की वित्तीय विवरणियों का लेखा परीक्षण किया जिसके साथ दिनांक 31 मार्च, 2013 के तुलन-पत्र तथा उसके साथ समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता की विवरणी एवं नगदी प्रवाह विवरणी और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश व अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएँ समावेश हैं।

वित्तीय विवरणियों के लिए प्रबंधन का दायित्व

इन वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है कि कम्पनी अधिनियम, 1956 (अधिनियम) की धारा 211 की उप-धारा (3सी) में वर्णित लेखा मानकों के अनुसार कम्पनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन तथा नकदी प्रवाहों का सही एवं उचित पर्यवलोकन प्रदान करता है । इस उत्तरदायित्व में रूपरेखा, वित्तीय विवरणियों को बनाने तथा प्रस्तुतिकरण करने से संबंधित कार्यान्वयन एवं आन्तरिक नियंत्रण का अनुरक्षण सही तथा उचित तस्वीर प्रदान करता है और भौतिक अयथार्थ से मुक्त है, चाहे छल अथवा त्रुटि के कारण हुई हो ।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा दायित्व हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर विचार व्यक्त करना है । हमने अपना लेखा परीक्षण भारत के सनदी लेखापालों के संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार किया है। उन मानकों के अनुसार अपेक्षित है कि हमने नीति शास्त्र अपेक्षितियों के अनुसार अनुपालन किया एवं वास्तविक आश्वासन प्राप्त करने लेखा परीक्षण कार्यक्रम व निष्पादन किया कि वित्तीय विवरणियाँ तात्विक रूप से मिथ्या बयान से मुक्त है ।

लेखा परीक्षण में वित्तीय विवरणियों में रकमों तथा प्रकटीकरणों के बारे में लेखा परीक्षण साक्ष्यों को प्राप्त करने प्रक्रियाएं पालन करना शामिल है । चयनित प्रक्रियाएँ वित्तीय विवरणियों की तात्विक गलत विवरण के जोखिमों के निर्धारण सहित लेखा परीक्षकों के फैसलों पर निर्भर करता है कि क्या वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण तो नही है । उन जोखिम निधारण करने में लेखा परीक्षक लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं को अभिकल्पन करने के उद्देश्य से, जो कि परिस्थितियों में उचित है, कम्पनी की तैयारी से संबंधित आन्तरिक नियंत्रण तथा वित्तीय विवरणियों की निष्पक्ष प्रस्तुति मानते हैं । लेखा परीक्षण में उपयोग किए गए लेखांकन नीतियों के औचित्य का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की युक्तियुक्तता के साथ साथ वित्तीय विवरणियों का समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी सम्मिलित है ।

हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षा साक्ष्य, जिसे हमने प्राप्त किया है, हमारे लेखा परीक्षण राय के लिए एक आधार देने पर्याप्त एवं उपयुक्त है ।

अभिमत

हमारी राय में तथा हमारी उत्तम जानकारी के लिए एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार वित्तीय विवरणियाँ इसलिए अपेक्षित ढंग से कार्य में अधिनियम द्वारा अभिष्ट जानकारी देती है तथा भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धान्तों के अनूरूप खरा एवं उचित दृष्टिकोण प्रदान करता है ।

1. 31 मार्च, 2013 को कंपनी के कार्य-कलाप के तुलन-पत्र के मामले में ।
2. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ को लाभ एवं हानि खाता की विवरणी के मामले में, तथा
3. उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाहों के नकदी प्रवाह विवरणी के मामले में ।

अन्य विधिक तथा नियामक अपेक्षाओं पर प्रतिवेदन

1. जैसा कि अधिनियम की धारा 227 की उप धारा (4ए) की शर्तो में भारत के केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी कंपनियों (लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन) का आदेश, 2003 (आदेश) द्वारा अपेक्षित है, हम संलग्नक में आदेश के अनुच्छेद 4 तथा 5 वर्णित विषयों पर एक विवरणी देते हैं ।

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT
TO THE MEMBERS OF FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

We have audited the accompanying financial statements of **Ferro Scrap Nigam Limited** ('the company'), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2013, and the Statement of Profit and Loss and Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Company in accordance with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956 ("the Act"). This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Company's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Company as at March 31,2013;

(ii) in the case of the Statement of Profit and Loss, of the profit for the year ended on that date; and

(iii) in the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2003 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (4A) of section 227 of the Act, we give in the Annexure, a statement on the matters specified in paragraphs 4 and 5 of the Order.

2. जैसा कि अधिनियम की धारा 227(3) के तहत अपेक्षित है, हम सूचित करते हैं की :-

अ. हमने सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरणों को, जो कि हमारे लेखा परीक्षण के प्रयोजन के उद्देश्य हेतु हमारी जानकारी एवं विश्वास के लिए आवश्यक थे, प्राप्त किया।

ब. हमारी राय मे, कंपनी ने समुचित लेखा खाताओं को रखा है, जैसा कि कानूनी रूप से जरूरी है, अब तक के उन बही-खातों के हमारे परीक्षण से हमें प्रकट होता है । (हमारे लेखा परीक्षा के उद्धेश्य से पर्याप्त समुचित विवरणियों को हमारे द्वारा मुआईना नहीं किए गए शाखाओं से प्राप्त किया गया है)।

स. इस प्रतिवेदन के साथ व्यवहृत तुलन-पत्र, लाभ एवं हानि खाता की विवरणी तथा नगदी प्रवाह विवरणी लेखा के खाता की शर्तो के साथ है (तथा हमारे द्वारा मुआईना नही किए गए शाखाओं से प्राप्त विवरणियों के साथ है ।

द. हमारी राय में, इस प्रतिवेदन के साथ व्यवहृत तुलन-पत्र, लाभ एवं हानि खाता की विवरणी तथा नगदी प्रवाह विवरणी कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उप-धारा (3सी) में संदर्भित लेखांकन मानकों का अनुपालन करता है।

इ. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, कंपनी कार्य विभाग अधिसूचना क्र. जीएसआर 829 (ई), दिनांक 21 अक्टूबर, 2003 की शर्तो में सरकारी कंपनियो को अधिनियम की धारा 274 की उप-धारा (1) के खंड (जी) के प्रावधान की प्रयोज्यता से छूट है।

वास्ते राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल
एफआरएन नं. 000203सी

राहुल खण्डेलवाल
साझेदार
सदस्यता क्र. 079628

स्थान : रायपुर
दिनांक : 28 जून, 2013

2. As required by section 227(3) of the Act, we report that:

   a. we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

   b. in our opinion proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as appears from our examination of those books [and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from branches not visited by us];

   c. the Balance Sheet, Statement of Profit and Loss, and Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account [and with the returns received from branches not visited by us];

   d. in our opinion, the Balance Sheet, Statement of Profit and Loss, and Cash Flow Statement comply with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956;

   e. In terms of government of India, Ministry of Finance, Department of Company Affairs Notification No. GSR 829(E) dated 21st October' 2003 Government companies are exempt from the applicability of provision of clause (g) of sub-section (1) of section 274 of the Act;

For RAJENDRA PRASAD
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN No. 000203C

RAHUL KHANDELWAL
Partner
Membership No. 079628

Place : Raipur
Date : 28 June, 2013

लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन का संलग्नक

समतिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुच्छेद 3 को संदर्भितः

1. (क) कंपनी ने आस्तियों, जिसका वास्तविक लागत पाँच हजार रूपये से अधिक नहीं है, को छोड़कर स्थायी आस्तियों का मात्रात्मक ब्यौरा तथा अवस्थिति सहित संपूर्ण ब्यौरा दर्शाते हुए समुचित अभिलेख बनाए रखा है।

   (ख) वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान कंपनी द्वारा आपने स्थाई संपत्तियों का भौतिकीय जांच एक व्यावसायिक सनदी लेखापाल संस्था द्वारा कराया गया है । प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, व्यावसायिक संस्था प्रदत्त प्राथमिक प्रेक्षण अभी तक कंपनी की इकाइयाँ/ विभागों के मध्य समाधान/पुष्टिकरण के दौर में है । जैसा कि हमें सूचित किया गया ऐसे प्रेक्षण जिन पर प्रथम-दृष्टया कमी संपुष्टित होती है, प्रबंधन द्वारा भूल-सुधारक कार्रवाई की गई है । तद्नुसार, प्रबंधन से अंतिम अनुपालन प्रतिवेदन की प्राप्ति तक हम इस भौतिकीय जांच के निष्कष के संबंध में कोई टिप्पणी देने में असमर्थ हैं ।

   (ग) वर्ष के दौरान स्थायी आस्तियों का कोई सारगर्भित खण्ड का निपटारा नहीं किया गया तथा इसलिए यह चलित संस्थान धारणा को प्रभावित नहीं करता है । यद्यपि निदेशक मण्डल द्वारा दिनांक 14 मार्च, 2013 को संपन्न बैठक में, वर्ष 1998-99 से 2009-10 के दौरान किए गए कैपिटल मरम्मतों के खर्चो को वापस लिए जाने के निर्णय के पश्चात जिन्हें मद 1.4 में उल्लिखित प्रकटित लेखा नीति के तहत संदर्भित वर्षो में पूंजिगत किया जा चुका था, एवं चूंकि कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2009-10 तक ऐसी वृद्धियों पर सम्पूर्ण मूल्यह्रास का दावा पेश किया गया था, प्रबंधन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि ग्रॉस ब्लॉक से ₹ 7.01 करोड़ को तद्नुसार लेखा परीक्षण वर्ष के दौरान संचित मूल्यह्रास को वापस लिया जाए । निदेशक मण्डल द्वारा संदर्भित बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि रू. 16.49 करोड़ मूल्य के ऐसे पुराने संपत्तियों को सर्वेक्षित निपटारा किया जाए जिनका संपूर्ण उपभोग किया जा चुका है, और जो संचालन हेतु प्रयुक्त नहीं किए जा रहे हैं । मरम्मत खर्चो/सर्वेक्षित पुरानी संपत्तियों की वापसी में कोइ निवर्तन प्रयुक्त नहीं है ।

2. (अ) वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा एवं आंतरिक लेखापरीक्षक द्वारा भौतिकीय जांच की गई । हमारी राय में जांच की आवृत्ति उचित है।

   (ब) हमारे राय में, कंपनी के कारोबार की प्रकृत्ति एवं कंपनी के आकार के अनुसार प्रबंधन द्वारा वस्तुसूचियों के भौतिकीय जांच हेतु प्रयुक्त प्रकिया उचित एवं उपयुक्त है।

   (ग) वस्तु-सूची अभिलेखों की जांच के आधार पर, हमारी राय में कंपनी द्वारा समुचित रूप में वस्तु-सूचियों का अभिलेख रखा जा रहा है । वस्तु-सूचियों की भौतिकीय जांच के दौरान पुस्त अभिलेखों की तुलना में पाए गए ₹ 24.47 लाख की कमी एवं ₹ 11.67 लाख की अधिकता, कंपनी के संचालन के मद्धेनजर हमारी राय में उतने मायने नहीं रखते हैं । वस्ततः, लेखा पुस्तों में इन्हें सही ढंग से दर्शाया गया है।

3. (क) कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अंतर्गत पोषित पंजी में सम्मिलित कंपनियों, फर्मो अथवा अन्य पक्षों को कोई भी प्रतिभूत या अप्रतिभूत ऋणों को मंजूर नहीं किया गया है । तदनुसार आदेश का अनुच्छेद (3)(अ) से (3)(द) लागू नहीं है ।

   (ख) कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अंतर्गत पोषित पंजी में सम्मिलित कंपनियों, फर्मो अथवा अन्य पक्षों से कोई प्रतिभूत या अप्रतिभूत ऋण नहीं लिया है । तदनुसार आदेश का अनुच्छेद (3)(ई) से (3)(जी) लागू नहीं है।

4. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार, स्थायी आस्तियों के क्रय एवं माल के विक्रय के लिए यहाँ कंपनी के आकार तथा इसके व्यापार की प्रकृति के अनुरूप एक पर्याप्त आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली है। जबकि, कंपनी के खातों एवं अभिलेखों का हमारे परीक्षण के आधार पर तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार हम न तो उसके पार आते हैं न ही हमें कथित आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में बड़ी खामियों को सुधारने हेतु कोई निरंतर विफलता की सूचना दी गयी है।

5. कम्पनी ने ऐसे कोई मामलों को दर्ज नहीं की है जिसे कि अधिनियम की धारा 301 के अनुसार पंजी मे दर्ज किया जाना आवश्यक है।

6. कंपनी ने जनता से जमाओं को स्वीकार नहीं की है। तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद (6) लागू नहीं है।

7. हमारी राय में कम्पनी का आन्तरिक लेखा परीक्षण प्रणाली सामान्यतः इसके कारोबार के आकार तथा प्रकृति के अनुरूप है ।

8. कंपनी द्वारा प्रदत्त किसी भी सेवा के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 209 की उप-धारा (1) के खंड (डी) के अंतर्गत लागत अभिलेखों का अनुरक्षण निर्धारित नहीं किया गया है।

9. (क) हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा कम्पनी के अभिलेखों का हमारे परीक्षण के आधार पर भविष्य निधि (भविष्य निधि बकायों को उसके अपने छूट प्राप्त भविष्य निधि बकायों को उसके अपने छूट प्राप्त भविष्य निधि न्यास में जमा किया जाता है) सहित अविवादित वैधानिक बकाया, आयकर, विक्रय कर/मूल्य समाहित कर, धन कर, सीमा शुल्क, उपकर एवं कोई अन्य वैद्यानिक बकायों, जैसा कि कंपनी के लिए प्रयोज्य है, को उपयुक्त प्राधिकारों को नियमित रूप से जमा किया गया है।

   जैसा हमें यह बताया गया है कि निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, विक्रय कर एवं आबकारी शुल्क के परिप्रेक्ष्य में कंपनी पर बकाया नहीं था।

   कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 441- ए के तहत उपकर के परिप्रेक्ष्य में यहाँ कोई देय नहीं था क्योंकि केन्द्र सरकार द्वारा अभी तक पूर्वोक्त धारा को प्रभावशील नहीं किया गया है।

ANNEXURE TO AUDITOR'S REPORT

Referred to paragraph 3 of our report of even date,

i. (a) The company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets except the assets whose actual cost does not exceed five thousand rupees.

(b) The company has conducted physical verification of its entire fixed asset through professional chartered accountant firms during FY 2012-13. As informed by the management, the preliminary observations of the professional agency are still in process of reconciliation/ confirmation between the units/departments of the company. As informed to us, management has taken corrective measures on observations wherein records are prima facie deficient. Accordingly, in the absence of final compliance report from the management, we are unable to comment on the outcome of such physical verification.

(c) No substantial part of fixed assets were disposed off during the year, and therefore, do not affect the going concern assumption. However, pursuant to decision taken by the board vide meeting dated 14th March 2013 for withdrawal of capital overhauling expenditure incurred from the period 1998-99 to 2009-10 which had been capitalized in the respective years pursuant to policy stated in para no.1.4 of the significant accounting policy and since the company has claimed depreciation against such additions in entirety upto FY 2009-10, the management has decided to withdraw an amount of ₹ 7.01 crore from the gross block and correspondingly from the accumulated depreciation during the year under audit. Also, the board on the even meeting has decided to survey off old assets amounting to ₹ 16.49 cr. where the assets had achieved their useful life and had been lay off from operational usage. The withdrawal of overhauling expenditure/ surveyed off old assets does not envisage any disposal of assets.

ii. (a) The inventory has been physically verified by the management as well as internal auditors during the year. In our opinion, the frequency of verification is reasonable.

(b) In our opinion, the procedures of physical verification of inventories followed by the management are reasonable and adequate in relation to the size of the company and the nature of its business.

(c) On the basis of our examination of the inventory records, in our opinion, the company is maintaining proper records of inventory. Shortage of ₹24.47 lacs and excess of ₹11.67 lacs had been noticed on physical verification of inventory as compared to book records which in our opinion were not so material having regard to the operations of the company. However, the same has been properly dealt with in books of account.

iii. (a) The company has not granted any loans, secured or unsecured to companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 301 of the Act. Accordingly paragraphs (iii) (a) to (iii) (d) of the order are not applicable

(b) The company has not taken any loans, secured or unsecured from companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 301 of the Act. Accordingly paragraphs (iii) (e) to (iii) (g) of the order are not applicable.

iv. In our opinion and according to information and explanation given to us, there is an adequate internal control system commensurate with the size of the company and the nature of its business, for the purchase of fixed assets and for the sale of goods. Further, on the basis of our examination of books and records of the Company and according to the information and explanations given to us, we have neither come across nor have been informed of any continuing failure to correct major weakness in the aforesaid internal control system.

v. The company has not entered into any such transactions that are required to be entered into register in pursuance of section 301 of the Act.

vi. The Company has not accepted deposits from the public. Accordingly, paragraph (vi) of the order is not applicable.

vii. In our opinion, the company's internal audit system is generally commensurate with the size and nature of its business.

viii. The Central Government has not prescribed the maintenance of cost records under clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Act for any of the services rendered by the company.

ix. (a) According to the information and explanation given to us and on the basis of our examination of the records of the company, undisputed statutory dues including Provident Fund (Provident Fund dues is deposited to its own exempted Provident Fund Trust), Income Tax, Sales Tax/ VAT, Wealth Tax, Custom Duty, Cess and any other statutory dues as applicable to the Company have generally been regularly deposited with the appropriate authorities.

As explained to us the Company did not have dues on account of Investor Education and Protection Fund, Employee State Insurance scheme, sales tax and excise duty.

There were no dues on account of cess under section 441A of the Companies Act, 1956 since the aforesaid section has not yet been made effective by the Central Government.

(ख) हमें दी गयी सूचना के अनुसार यहाँ विवादित वैधानिक बकाया है जिसे जमा नहीं किया गया है, जैसा कि नीचे दिया जा रहा है

अध्यादेश का नाम	*बकाया का प्रकार*	*राशि (लाख ₹ में)*	*अवधि, जिससे रकम संबंधित है*	*फोरम, जहाँ विवाद लंबित है*
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	*डुबुरी इकाई में 'कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं' पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद जाजपुर के अधीक्षक ने मांग की है (किया गया शुद्ध भुगतान)*	*47.02*	*नवम्बर, 2002 से अप्रैल, 2004*	*अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता)*
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	*भिलाई, दुर्गापुर, विजाग, डोलवी एवं डुबुरी इकाई में 'व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, रायपुर के आयुक्त द्वारा आदेशित है*	*716.26*	*10.09.2004 से 28.02.2005*	*अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, नई दिल्ली)*
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	*बोकारो इकाई में 'व्यापार पूरक सेवाओं' पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, राँची के आयुक्त द्वारा आदेशित है*	*1,517.42*	*01.03.2005 से 31.1.2008*	*आयुक्त, रॉची एवं अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता)*
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	*बर्नपुर इकाई में 'व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय अतिरिक्त आयुक्त, बोलपुर एवं सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, आसनसोल द्वारा आदेशित है*	*78.01*	*सितम्बर, 2004 से फरवरी, 2005 एवं अप्रैल, 2005 से सितंबर, 2006*	*आयुक्त (अपील), कोलकाता*
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	*बर्नपुर इकाई में 'व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, बोलपुर द्वारा आदेशित है*	*106.05*	*सितम्बर, 2004 से फरवरी, 2005*	*अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता) (आयुक्त (अपील) ने कंपनी के पक्ष में पारित आदेश सीइएसटीएटी से पूर्व सेवा कर विभाग से अपील की गई है)*
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	*भिलाई इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, रायपुर के आयुक्त द्वारा आदेशित है*	*357.62*	*जुलाई, 2003 से सितंबर, 2007*	*अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, नई दिल्ली)*
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	*भिलाई इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, रायपुर के आयुक्त द्वारा आदेशित है*	*1,522.64*	*जुलाई, 2003 से मार्च, 2008*	*अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, नई दिल्ली)*

(b) According to the information given to us, there are disputed statutory dues which have not been deposited as given herein below:

Name of the Statute	Nature of Dues	Amount (₹ in lacs)	Period to which the amount ralates	Forum where the disputes are pending
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Suptd. of Central Excise, Jajpur. (net of payment made)	47.02	Nov 2002 to Apr 2004	Apellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bhilai Durgapur, Vizag, Dolvi & Duburi unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs, Raipur	716.26	10.09.2004 to 28.02.2005	Apellate Authorities, (CESTAT, New Delhi)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bokaro Unit as ordered by Commissioner, Central Excise and Custom, Ranchi	1,517.42	01.03.2005 to 31.01.2008	Commissioner, Ranchi and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Central Excise & Customs, Bolpur and Assistant Commissioner, Central Excise and Custom, Asansol	78.01	Sept. 2004 to Feb. 2005 & Apr 2005 to Sept 2006	Commissioner (Appeals), Kolkata
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Joint Commissioner Central Excise Bolpur	106.05	Sept 2004 to Feb 2005	Apellate Authorities, (CESTAT, Kolkata) (order passed in favour of Company by Commissioner (Appeal) has been appealed by Service Tax Department before CESTAT)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Cargo handling Services" at Bhilai unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs, Raipur	357.62	July 2003 to Sept 2007	Apellate Authorities, (CESTAT, New Delhi)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo handling Services" at Bhilai unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs, Raipur	1,522.64	July 2003 to Mar 2008	Appellate Authorities, (CESTAT, New Delhi)

अध्यादेश का नाम	बकाया का प्रकार	राशि (लाख ₹ में)	अवधि, जिससे रकम संबंधित है	फोरम, जहाँ विवाद लंबित है
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	डुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर के आयुक्त ने मांग की है	333.65	मई 2004 से मार्च 2007	आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर - 1
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	डुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद भुवनेश्वर ने मांग की है	197.31	अप्रैल, 2007 से मार्च 2009	आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र एवं एलॉय इस्पात संयंत्र में 'व्यापार पूरक सेवाओं'तथा कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवाकर	2,111.55	अप्रैल, 2003 से मार्च, 2008 एवं अक्टुबर, 2003 से नवंबर, 2008	अपील प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में 'व्यापार पूरक सेवाओं'तथा कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर	524.54	अप्रैल, 2008 से मई, 2009 एवं जून, 2009 से सितंबर, 2009	आयुक्त कोलकाता एवं अपीली प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	डुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद भुवनेश्वर के आयुक्त ने मांग की है	83.11	अप्रैल, 2009 से मार्च, 2010	अपीली प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (अद्यतन संशोधित)	दुर्गापूर इस्पात संयंत्र में व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, बोलपुर ने मांग की है	90.06	अक्टुबर, 2009 से मार्च, 2010	अपीली प्राधिकार (सीइएसटीएटी, कोलकाता)
ओडिशा विक्रय कर अधिनियम, 1947	राउरकेला इकाई में विक्रय कर तथा प्रवेश कर के लिए जैसा कि उड़ीसा विक्रय कर विभाग ने मांग की है	43.56	2002-03	विक्रय कर न्यायाधिकरण, कटक
उड़ीसा नगरपालिका अधिनियम, 1950	अधिसूचित क्षेत्र परिषद, राउरकेला (इस्पात नगरी) द्वारा डम्परों, डोजरों आदि जैसे भारी भू-उपस्करों पर चुंगी	11.13		उड़ीसा उच्च न्यायालय

(10) वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक कंपनी को कोई संचित घाटा नहीं है तथा हमारे लेखा परीक्षण के द्वारा आवरित वित्तीय वर्ष तथा ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान नकद नुकसान उपगत नहीं हुआ। तदनुसार आदेश का अनुच्छेद (10) लागू नहीं है ।

(11) कंपनी ने वित्तीय संस्थानों अथवा बैंकों को बकाया राशि की चुकौती में चूक नहीं की है ।

(12) कंपनी ने अंशों, ऋण-पत्रों तथा अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी के द्वारा सुरक्षित कर कोई ऋण एवं अग्रिम मंजूर नहीं की है । तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद (12) कंपनी पर लागू नहीं है ।

Name of the Statute	Nature of Dues	Amount (₹ in lacs)	Period to which the amount ralates	Forum where the disputes are pending
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	333.65	May 2004 to March 2007	Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar -1
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	197.31	April 2007 to March 2009	Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Service and Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant and Alloy Steel Plant	2,111.55	April 2003 to March 2008 & Oct 2003 to Nov 2008	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Service and Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant	524.54	April 2008 to May 2009 & June 2009 to Sep 2009	Commissioner, Kolkata and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Bhubaneswar	83.11	April 2009 to March, 2010	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended up to date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Durgapur unit as demanded by Commissioner, Central Excise, Bolpur	90.06	Oct 2009 to March, 2010	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Orissa Sales Tax Act, 1947	For Sales Tax and Entry Tax at Rourkela unit as demanded by Orissa Sales Tax Department	43.56	2002-03	Sales Tax Tribunal, Cuttack
Orissa Municipal Act,1950	Octroi on heavy earthmoving equipment like Dumpers, Dozers etc. by Notified Area Council, Rourkela (Steel Township)	11.13		Orissa High Court

x. The company does not have any accumulated losses at the end of the financial year and has not incurred any cash loss during the financial year covered by our audit or in the immediately preceding financial year, accordingly clause (x) of the Order in not applicable.

xi. The company has not defaulted in repayment of dues to a financial institution or bank.

xii. The company has not granted any loans and advance on the basis of security by way of pledge of shares, debentures and other securities. Accordingly, paragraph (xii) of the order is not applicable to the company.

(13) कंपनी चिट फंड अथवा निधि/म्यूचुअल बेनीफिट फंड/सोसाईटी नहीं है । तदनुसार, आदेश का परिच्छेद (13) कंपनी पर लागू नहीं है ।

(14) कंपनी अंशों, प्रतिभूतियों, ऋण-पत्रों तथा अन्य विनिवेशों में लेन-देन अथवा व्यापार नहीं कर रही है।

(15) कंपनी ने बैंक अथवा वित्तीय संस्थानों से अन्य द्वारा लिए गए ऋणों के लिए कोई जमानत नहीं दी है।

(16) कंपनी ने कोई सावधि ऋण प्राप्त नहीं की है, अतएव संबद्ध अनुच्छेद लागू नहीं है ।

(17) अल्पकालिक आधार पर उठाए गए निधियों का उपयोग लंबी अवधि के लिए नहीं की गयी है तथा अल्पावधिक आस्तियाँ में पूंजी लगाने के लिए किसी दीर्घकालिक निधियों का उपयोग नहीं किया गया है ।

(18) कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अन्तर्गत पोषित पंजी में आने वाले पक्षों तथा कंपनियों को अंशों की कोई पूर्वाधिमानी आवंटन नहीं की है ।

(19) अनुच्छेद (19) की विषय-वस्तु कंपनी के लिए लागू नहीं है क्योंकि कंपनी ने वर्ष के दौरान किसी ऋण-पत्रों को जारी नहीं की है ।

(20) कम्पनी ने वर्ष के दौरान लोक-विवाद्यक द्वारा किसी रकम को समुत्थापित नहीं की है। अतएव, इस अनुच्छेद की प्रावधानें लागू नहीं है ।

(21) हमें दी गयी सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार हमारे लेखा परीक्षण अवधि के दौरान कंपनी पर अथवा कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नही देखी गयी अथवा न ही सूचित की गयी।

वास्ते राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण क्र. 000203C

राहुल खण्डेलवाल
साझेदार
सदस्यता क्र. 079628

स्थान : रायपुर
दिनांक : 28 जून, 2013

xiii. The company is not a chit fund or a nidhi/mutual benefit fund/society. Accordingly, paragraph (xiii) of the order is not applicable to the company.

xiv. The company is not dealing or trading in shares, securities, debentures and other investments.

xv. The company has not given any guarantee for loans taken by others from bank or financial institutions.

xvi. The company has not obtained any term loans hence the relevant paragraph is not applicable.

xvii. No funds raised on short-term basis have been used for long term investment and no long term funds have been used to finance short term assets.

xviii. The company has not made any preferential allotment of shares to parties and companies covered in the Register maintained under section 301 of the Act.

xix. The content of paragraph (xix) is not applicable to the company as the company has not issued any debentures during the year.

xx. The Company has not raised any money by public issues during the year. Hence, provisions of this paragraph are not applicable.

xxi. According to the information and explanation given to us, no fraud on or by the company has been noticed or reported during the period of our audit.

For RAJENDRA PRASAD
Chartered Accountants
FRN No.000203C

RAHUL KHANDELWAL
Partner
Membership No. 079628

Place : Raipur
Date : 28 June, 2013

दि. 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्कैप निगम लिमिटेड के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अन्तर्गत नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत विहित वित्तीय विवरणी ढाँचा के अनुसार 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के वित्तीय विवरणियों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधन का दायित्व है। भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान के वृत्तिक निकास द्वारा निर्धारित लेखा परीक्षण तथा विश्वास मानक के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षण के आधार पर कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अन्तर्गत इन वित्तीय विवरणियों पर राय अभिव्यक्त करने के लिए कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के तहत् नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखा परीक्षक उत्तरदायी हैं। इसे दिनांक 28 जून, 2013 के उनके लेखा परीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार उनके द्वारा पूरा किया गया।

मैंने नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की वित्तीय विवरणियों का कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अन्तर्गत पूरक लेखा परीक्षण किया। इन पूरक लेखा परीक्षण को वैधानिक लेखा परीक्षकों के कार्य-पत्रों के बिना स्वतंत्र रूप से संपादित किया गया तथा यह प्राथमिक रूप से वैधानिक लेखा परीक्षकों तथा कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ एवं कुछ लेखा अभिलेखों की जाँच-पड़ताल तक सीमित था। मेरे लेखा परीक्षण के आधार पर मेरी जानकारी में कोई भी अभिप्राय मेरे ध्यान में नहीं आया है तथा जिसपर अथवा कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के तहत वैधानिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन के परिशिष्ट पर कोई टिप्पणी उद्धृत की जा सके।

नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक एवं
के वास्ते उनकी ओर से,

सुशील कुमार जायसवाल
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक
राँची

स्थान : राँची
दिनांक : 05 अगस्त , 2013

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF FERRO SCRAP NIGAM LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2013

The preparation of financial statements of Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended 31 March 2013 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 are the responsibility of the management of the company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956 is responsible for expressing opinion on these financial statements under section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the auditing and assurance standards prescribed by their professional body the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 28.06.2013.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India have conducted a supplementary audit under section 619(3)(b) of the Companies Act, 1956 of the financial statements of Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended 31 March 2013. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to Statutory Auditor's Report under section 619(4) of the Companies Act, 1956.

For and on the behalf of the
Comptroller and Auditor General of India

Sushil kumar Jaiswal
Principal Director of Commercial Audit
Ranchi

Place : Ranchi
Date : 05 August, 2013

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
31 मार्च, 2013 का तुलन-पत्र

राशि (₹ लाख में)

ब्यौरा	पत्री	चालू वर्ष 31.03.2013	गत वर्ष 31.03.2012
साम्य व देनदारियाँ			
अंशधारियों की निधि			
अंश पूंजी	2	**200.00**	200.00
आरक्षित एवं अधिशेष	3	**13,781.19**	13,631.62
गैर वर्तमान दायित्व			
अन्य दीर्घावधिक दायित्व	4	**297.11**	254.81
दीर्घावधिक प्रावधान	5	**2,836.28**	2,359.17
वर्तमान दायित्व			
अल्पावधिक प्रावधान	6	**875.08**	2,683.26
देय व्यापार	7	**1,839.86**	2,215.18
अन्य वर्तमान दायित्व	8	**1,552.94**	1,547.64
अल्पावधिक प्रावधान	9	**939.41**	483.23
	योग	**22,321.87**	23,374.91
आस्तियाँ			
गैर वर्तमान आस्तियाँ			
स्थायी आस्तियाँ	10		
मूर्त आस्तियाँ	10.1	**5,271.01**	5,577.49
अमूर्त आस्तियाँ	10.2	**9.30**	5.78
कार्यानुगत् पूंजी	10.3	**171.65**	107.94
विकास के अन्तर्गत अमूर्त आस्तियाँ	10.3	**67.25**	67.25
आस्थगित कर आस्तियाँ (शुद्ध)	11	**427.99**	309.64
दीर्घावधिक ऋण एवं अग्रिम	12	**827.99**	681.64
अन्य गैर वर्तमान आस्तियाँ	13	**4,691.76**	729.70
वर्तमान आस्तियाँ			
वस्तु सूचियाँ	14	**438.04**	529.89
प्राप्य व्यापार	15	**1,595.56**	1,982.37
नकद तथा बैंक अधिशेष	16	**5,596.56**	9,529.08
लघु ऋण एवं अग्रिम	17	**250.11**	184.71
अन्य वर्तमान आस्तियाँ	18	**2,974.65**	3,669.42
	योग	**22,321.87**	23,374.91

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं खाताओं पर पत्रियाँ 1 से 47

उक्त संदर्भित पत्रियाँ वित्तीय विवरणियों का एक अभिन्न खंड है ।

सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

वास्ते राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण क्र. 000203C

राहुल खण्डेलवाल
साझेदार
सदस्यता क्र. 079628
स्थान : भिलाई
तिथि : 28.06.2013

वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से

ए. पी. शर्मा
कंपनी सचिव

एस. के चक्रवर्ती
सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

बी. बी. सिंह
निदेशक

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

FERRO SCRAP NIGAM LIMITED
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2013

₹ in Lakhs

Particulars	Note	Current Year 31.03.2013	Previous Year 31.03.2012
EQUITY AND LIABILITIES			
Shareholders' funds			
Share capital	2	**200.00**	200.00
Reserves and surplus	3	**13,781.19**	13,631.62
Non-current liabilities			
Other Long term liabilities	4	**297.11**	254.81
Long-term provisions	5	**2,836.28**	2,359.17
Current liabilities			
Short-term borrowings	6	**875.08**	2,683.26
Trade payables	7	**1,839.86**	2,215.18
Other current liabilities	8	**1,552.94**	1,547.64
Short-term provisions	9	**939.41**	483.23
	TOTAL	**22,321.87**	23,374.91
ASSETS			
Non-current assets			
Fixed assets	10		
Tangible assets	10.1	**5,271.01**	5,577.49
Intangible assets	10.2	**9.30**	5.78
Capital work-in-progress	10.3	**171.65**	107.94
Intangible assets under development	10.3	**67.25**	67.25
Deferred tax assets (net)	11	**427.99**	309.64
Long-term loans and advances	12	**827.99**	681.64
Other non-current assets	13	**4,691.76**	729.70
Current assets			
Inventories	14	**438.04**	529.89
Trade receivables	15	**1,595.56**	1,982.37
Cash and Bank Balances	16	**5,596.56**	9,529.08
Short-term loans and advances	17	**250.11**	184.71
Other current assets	18	**2,974.65**	3,669.42
	TOTAL	**22,321.87**	23,374.91

Significant Accounting Policies & Notes on Accounts 1 to 47

The accompanying notes are integral part of the Financial Statements

As per our report of even date

For RAJENDRA PRASAD
CHARTERED ACCOUNTANTS
Firm Regn. No.000203C

RAHUL KHANDELWAL
Partner
Membership No. 079628
Place : Bhilai
Date : 28.06.2013

For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited

A. P. SHARMA
Company Secretary

S. K. CHAKRABORTY
Assistant General Manager (F&A)

B. B. SINGH
Director

S. K. TRIPATHI
Chairman and Managing Director

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि विवरण

राशि (₹ लाख मे)

ब्यौरा	पत्री	चालू वर्ष 31.03.2013	गत वर्ष 31.03.2012
प्रचालनों से राजस्व			
सेवा प्रभार	19	**18,678.88**	16,462.83
अन्य आय	20	**1,102.57**	986.02
कुल राजस्व		**19,781.45**	17,448.85
खर्चे			
प्रयुक्त सामग्रियों की लागत	21	**2,718.88**	2,440.04
कर्मचारी अनुलाभ खर्च	22	**7,507.31**	6,549.74
वित्त लागतें	23	**150.84**	90.10
अवमूल्यन तथा परिशोधन खर्च	10	**1,065.86**	1,078.40
अन्य खर्चे	24	**8,092.61**	6,782.42
कुल खर्चे		**19,535.50**	16,940.70
असाधारण एवं खास मदों तथा कर के पूर्व लाभ		**245.95**	508.15
असाधारण मदें	25	**5.47**	305.82
असाधारण मदें एवं कर के पूर्व लाभ		**240.48**	202.33
जोड़ें-पूर्वावधिक आय/(खर्च)	26	**12.08**	0.57
कर पूर्व लाभ		**252.56**	202.90
कर खर्च:			
(1) चालू कर		**174.85**	248.71
(2) आस्थगित कर		**(118.35)**	(183.30)
अवधि के लिए लाभ (घाटा)		**196.06**	137.49
प्रति साम्यांश उपार्जन (₹ में)			
(1) मौलिक	27	**980.31**	687.43
(2) तनूकृत	27	**980.31**	687.43

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं खाताओं पर पत्रियाँ 1 से 47

उक्त संदर्भित पत्रियाँ वित्तीय विवरणियों का एक अभिन्न खंड है ।

सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

वास्ते राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण क्र. 000203C
राहुल खण्डेलवाल
साझेदार
सदस्यता क्र. 079628
स्थान : भिलाई
तिथि : 28.06.2013

वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से

ए. पी. शर्मा
कंपनी सचिव

एस. के. चक्रवर्ती
सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

बी. बी. सिंह
निदेशक

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

FERRO SCRAP NIGAM LIMITED
STATEMENT OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2013 ₹ in lacs

Particulars	Note	Current Year 31.03.2013	Previous Year 31.03.2012
Revenue From Operations			
Sale of Services	19	**18,678.88**	16,462.83
Other income	20	**1,102.57**	986.02
Total Revenue		**19,781.45**	17,448.85
Expenses:			
Cost of materials consumed	21	**2,718.88**	2,440.04
Employee benefits expense	22	**7,507.31**	6,549.74
Finance costs	23	**150.84**	90.10
Depreciation & Amortization expense	10	**1,065.86**	1,078.40
Other expenses	24	**8,092.61**	6,782.42
Total expenses		**19,535.50**	16,940.70
Profit before exceptional and extraordinary items and tax		**245.95**	508.15
Exceptional items	25	**5.47**	305.82
Profit before Prior Period Adjustments and tax		**240.48**	202.33
Add: Prior Period Income/(Expense)	26	**12.08**	0.57
Profit Before Tax		**252.56**	202.90
Tax expense:			
(1) Current tax		**174.85**	248.71
(2) Deferred tax		**(118.35)**	(183.30)
Profit (Loss) for the period		**196.06**	137.49
Earnings per equity share:			
(1) Basic	27	**980.31**	687.43
(2) Diluted	27	**980.31**	687.43
Significant Accounting Policies & Notes on Accounts	1 to 47		

The accompanying notes are integral part of the Financial Statements

As per our report of even date

For RAJENDRA PRASAD
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN No. 000203C

RAHUL KHANDELWAL
Partner
Membership No. 079628
Place : Bhilai
Date : 28.06.2013

For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited

A. P. SHARMA
Company Secretary

S. K. CHAKRABORTY
Assistant General Manager (F&A)

B. B. SINGH
Director

S. K. TRIPATHI
Chairman and Managing Director

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

नकदी प्रवाह विवरणी वर्ष 2012-2013 के लिए

₹ लाख में

	ब्यौरा		2012-2013		2011-2012
क.	**प्रचालन कार्य-कलापों से नकदी प्रवाह**				
	लाभ एवं हानि की विवरणी के अनुसार कर तथा असाधारण मदों के पूर्व शुद्ध लाभ		**245.95**		508.15
	जोड़/(कटौती)				
	अवमूल्यन तथा परिशोधन खर्चे	**1,065.86**		1,078.40	
	सावधि जमा प्राप्तियों से ब्याज आय	**(899.79)**	**166.07**	(849.34)	229.06
	कार्यरत पूंजी परिवर्तन के पूर्व प्रचालन नकदी लाभ		**412.02**		737.21
	जोड़/(कटौती) :				
	अल्पावधिक उधार (प्रतिभूत) में वृद्धि/(कमी)	**(1,808.18)**		3,316.91	
	देय व्यापार में वृद्धि/(कमी)	**(375.32)**		(510.60)	
	अन्य वर्तमान दायित्वों में वृद्धि/(कमी)	**5.30**		302.95	
	अल्पावधिक प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)	**456.18**		(261.20)	
	वस्तु सूचियों में वृद्धि/(कमी)	**91.85**		44.60	
	प्राप्य व्यापार में वृद्धि/(कमी)	**386.81**		(492.83)	
	लघु आवधिक ऋणों एवं अग्रिमों में वृद्धि/(कमी)	**(65.40)**		53.88	
	अन्य वर्तमान आस्तियों में वृद्धि/(कमी)	**3,555.25**	**2,246.49**	(5,436.52)	(2,982.81)
	प्रचालनों से उत्पन्न नगद		**2,658.51**		(2,245.60)
	प्रत्यक्ष कर		**174.85**		248.71
	पूर्वावधिक समायोजनों के पूर्व नकदी प्रवाह		**2,483.66**		(2,494.31)
	जोड़ : पूर्वावधिक आय		**12.08**		0.57
	असाधारण मदों के पूर्व शुद्ध नकदी प्रवाह		**2,495.74**		(2,493.74)
	घटावें : असाधारण मदें (शुद्ध खर्चे)		**(5.47)**		(305.82)
	असाधारण मदों के बाद प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह		**2,490.27**		(2,799.56)
	जोड़/(कटौती) :				
	असंचलित वस्तु सूचियों में (वृद्धि)/कमी	**(28.10)**		(12.57)	
	अन्य गैर वर्तमान आस्तियों में वृद्धि	**(4,105.84)**		6,114.23	
	अन्य दीर्घकालिक दायित्वों में वृद्धि/(कमी)	**42.30**		17.19	
	दीर्घकालिक प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)	**477.11**	**(3,614.53)**	452.25	6,571.10
	असाधारण मदों तथा अन्य गैर वर्तमान आस्तियों एवं दायित्वों के समायोजन उपरांत प्रचालन गतिविधियों के दौरान शुद्ध नकदी प्रवाह (बहिर्वाह)		**(1,124.26)**		3,771.54
ख.	**निवेश गतिविधियों से उत्पन्न होने वाला नकद प्रवाह**				
	अन्तर्वाह				
	पूंजी परियोजनाओं के लिए वस्तु सूची में कमी	**117.45**		13.18	
	स्थायी आस्तियों के बट्टा-खाता सहित विक्रय	**86.13**		—	
	प्राप्त ब्याज	**899.79**	**1,103.37**	849.34	862.52
	वहिर्वाह				
	निपटान के इंतजार में मूर्त आस्तियाँ	**67.37**		—	
	सी डब्ल्यू आइ पी शुद्ध अंतरण स्थायी आस्तियों का अभिग्रहण	**912.74**		1,132.35	
	पूंजीगत परियोजनोओं के लिए वस्तु सूची में वृद्धि	**—**	**980.11**	49.36	1,181.71
	निवेश गतिविधियों के दौरान शुद्ध नकद प्रवाह/(बहिर्वाह)		**123.26**		(319.19)
ग.	**वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न होने वाला नकद प्रवाह**				
	अन्तर्वाह				
	वहिर्वाह				
	प्रदत्त लाभांश	**40.00**		40.00	
	लाभांश वितरण कर	**6.49**	**46.49**	6.49	46.49
	वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह		**(46.49)**		(46.49
	नकद एवं समतुल्य नकदी में शुद्ध वृद्धि (क+ख+ग)		**–1,047.49**		3,405.86
	नकद एवं समतुल्य नकदी (आरंभिक)		**3,632.55**		226.69
	नकद एवं समतुल्य नकदी (अंतिम)		**2,585.06**		3,632.55

सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार
वास्ते राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण क्र. 000203C

राहुल खण्डेलवाल
साझेदार
सदस्यता क्र. 079628
स्थान : भिलाई
तिथि : 28.06.2013

वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से

ए. पी. शर्मा
कंपनी सचिव

एस. के. चक्रवर्ती
सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

बी. बी. सिंह
निदेशक

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR 2012-13

₹ in l acs

	Particulars		2012-2013		2011-2012
A.	**Cash flow arising from Operating Activities**				
	Net Profit before Tax and Exceptional items as per Statement of Profit and Loss:		**245.95**		508.15
	Add/(Deduct) :				
	Depreciation and Amortisation expenses	**1,065.86**		1,078.40	
	Interest Income from FDR	**(899.79)**	**166.07**	(849.34)	229.06
	Operating cash profit before working capital changes		**412.02**		737.21
	Add/(Deduct) :				
	Increase/(Decrease) in Short Term Borrowing (secured)	**(1,808.18)**		3,316.91	
	Increase/(Decrease) in Trade Payables	**(375.32)**		(510.60)	
	Increase/(Decrease) in Other Current Liabilities	**5.30**		302.95	
	Increase/(Decrease) in Short Term Provisions	**456.18**		(261.20)	
	(Increase)/Decrease in Inventories	**91.85**		44.60	
	(Increase)/Decrease in Trade Receivable	**386.81**		(492.83)	
	(Increase)/Decrease in Short Term Loans & Advances	**(65.40)**		53.88	
	(Increase)/Decrease in Other Current Assets	**3,555.25**	**2,246.49**	(5,436.52)	(2,982.81)
	Cash generated from operations		**2,658.51**		(2,245.60)
	Direct Taxes		**174.85**		248.71
	Cash flow before prior period adjustments		**2,483.66**		(2,494.31)
	Add : Prior Period Income		**12.08**		0.57
	Net Cash Flow before Exceptional Items		**2,495.74**		(2,493.74)
	Less: Exceptional Items (Net Expenses)		**(5.47)**		(305.82)
	Net Cash flow from operating activities after Exceptional Items		**2,490.27**		(2,799.56)
	Add/(Deduct) :				
	(Increase)/Decrease in Non Moving Inventories	**(28.10)**		(12.57)	
	(Increase)/Decrease in Other Non Current Assets	**(4,105.84)**		6,114.23	
	Increase/(Decrease) in Other Long term liabilities	**42.30**		17.19	
	Increase/(Decrease) in Long-term provisions	**477.11**	**(3,614.53)**	452.25	6,571.10
	Net Cash Inflow/(outflow) in the course of operating activities after exceptional items and after adjustment of Other Non Current Assets & Liabilities		**(1,124.26)**		3,771.54
B.	**Cash flow arising from Investing Activities**				
	Inflow:				
	Decrease in Inventory for Capital Projects	**117.45**		13.18	
	Sale including write off of Fixed Assets	**86.13**		—	
	Interest received	**899.79**	**1,103.37**	849.34	862.52
	Outflow:				
	Tangible Assets Awaiting Disposal	**67.37**		—	
	Acquisition of fixed assets net of transfer from CWIP	**912.74**		1,132.35	
	Increase in Inventory for Capital Projects	**—**	**980.11**	49.36	1,181.71
	Net Cash inflow/(Outflow) in the course of Investing Activities		**123.26**		(319.19)
C.	**Cash flow arising from Financing Activities**				
	Inflow				
	Outflow:				
	Dividend Paid	**40.00**		40.00	
	Dividend Distribution tax	**6.49**	**46.49**	6.49	46.49
	Net Cash from Financing Activities		**(46.49)**		(46.49)
	Net increase in Cash and Cash Equivalents (A+B+C)		**–1,047.49**		3,405.86
	Cash & Cash Equivalents (Opening)		**3,632.55**		226.69
	Cash & Cash Equivalents (Closing)		**2,585.06**		3,632.55

As per our report of even date

For RAJENDRA PRASAD
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN No. 000203C

RAHUL KHANDELWAL
Partner
Membership No. 079628
Place : Bhilai
Date : 28.06.2013

For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited

A. P. SHARMA
Company Secretary

S. K. CHAKRABORTY
Assistant General Manager (F&A)

B. B. SINGH
Director

S. K. TRIPATHI
Chairman and Managing Director

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

निगमित जानकारी :

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी है । इसकी स्थापना 28/03/1979 को हुई थी। वर्तमान में भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत् ''मिनी रत्न–II कंपनी'' है। एम.एस.टी.सी. लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एफ.एस.एन.एल. इस्पात संयंत्रों के लौह एवं इस्पात से प्राप्य स्क्रैप रिकवरी और प्रक्रमण का कार्य करती है। फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड अपने ग्राहकों की आवश्यकतानुसार धमन भट्ठी एवं स्टील मेल्टिंग शॉप, स्लैग यार्ड एवं इस्पात स्कल्स, मिल रिजेक्ट एवं स्क्रैप अनुरक्षण, खुदाई तथा ढोने की विशेषीकृत सेवाएँ देता है। एफ.एस. एन.एल. सिन्टररिंग प्लांट धमन भट्ठी एवं रेल ब्लॉस्ट में एल डी स्लैग का स्कार्पिंग, क्रसिंग एवं स्क्रीनिंग भी करता है। यह जमा राख स्लैग्ड कम्पार्टमेंट एवं राख तालाबों से निकासित होता है।

1. महत्वपूर्ण लेखा नीतियॉ :

1.1 लेखा का आधार

वित्तीय विवरणियाँ को कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 (3 सी) तथा उससे संबद्ध प्रावधानों के अन्तर्गत सामान्यतः स्वीकार्य लेखा सिद्धान्तों लेखा मानकों के अनुसार लेखाओं को प्रोदभूत आधार पर ऐतिहासिक लागत समागम के तहत चालु समुत्थान के रुप में तैयार किया गया है ।

1.2. प्राक्कलनों का उपयोग

वित्तीय विवरणियाँ को बनाने में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा सिद्धान्तों के साथ अनुरूपता में प्राक्क्लनों तथा उसको प्रभावित करने वाले अनुमानों की जरूरत होती है जिसका प्रभाव वित्तीय विवरणियों की तिथि पर आस्तियों के प्रतिवेदित रकमों तथा दायित्वों एवं प्रतिवेदित अवधि के दौरान राजस्वों और व्ययों के प्रतिवेदित रकमों पर पड़ता है। वास्तविक परिणामों तथा प्राक्कलनों के मध्य में भिन्नताओं को अवधि, जिसमें परिणाम ज्ञात/कार्यान्वित होता है, में माना जाता है।

1.3 स्थायी अस्तियाँ

स्थायी परिसम्पतियों संचित अवक्षयण तथा ह्रास, यदि कोई हो, अशोधित मूल्य योजित कर प्रणाली (मोडवैट)/केन्द्रीत मूल्य योजित कर (सेनवैट) की शुद्ध लागत से कम पर कथित है। अपने उत्पादकता को बढ़ाने के लिए ध्यान में रखे गए मुख्य मरम्मत/पूरी जॉच पर व्यय लागत में समाहित है।

कार्यानुगत् पूंजी का मूल्यांकन लागत पर है तथा जिसमें पारगमन में उपस्कर तथा स्थायी आस्तियों की लागत, जो कि सूचना की तिथि तक उसके आशयित उपयोग के लिए अब तक तैयार नही है, समाहित है।

बेकार/फालतू स्थायी आस्तियाँ शुद्ध खाता मूल्य तथा अनुमानित शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य से कम पर मूल्यांकित है।

"नियत परिसम्पत्ति अवैटिंग निपटान" अधोवर्णित वर्गीकृत "अन्य गैर-वर्तमान परिसम्पत्ति" की बिक्री/नीलामी हेतु सेवानिवृत्ति पूर्व औपचारिक कॉन्टनिंग संचालन पहले ही किया जाता है । आगे जहॉ प्रबंधन को उम्मीद है कि किसी भी हिस्से की परिसम्पत्ति कहां परिसम्पत्ति संभावना से बंद हुए झुकाव एक वर्ष के अंदर तुलन-पत्र तिथि, वर्गीकृत वर्तमान परिसम्पत्ति है ।

1.4 ह्रास

स्थायी आस्तियों पर ह्रास को संयंत्र/मशीनरी की मुख्य मरम्मत/पूरी जाँच के परिप्रेक्ष्य में पूंजीगत व्यय को छोड़ कर संबंधित परिसम्पतियों के अवशिष्ट जीवन को ध्यान में रखकर लिखे गए व्यय पर दरों पर तथा कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची-14 में वर्णित रीति में खड़ी रेखा पद्धति पर दिया गया है तथा जहाँ तकनीकी रूप से मूल्यांकित अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर निर्धारित दर, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है, पर अवमूल्यन प्रभारित है :

गरम स्लैग हैण्डलिंग हेतु प्रयुक्त संयंत्र एवं मशीनरी : 20.00 प्रतिशत

पंखे, वातानुकूलन, कूलर, रेफ्रिजरेटर तथा कार्यालय उपस्करः 13.91 प्रतिशत

अमूर्त आस्तियों के रूप में वर्गीकृत संगणक सॉफ्टवेयर : 16.21 प्रतिशत

1.5 आस्तियों की क्षीणता

क्षीणता क्षति को वहनीय रकम की सीमा से बढ़ाकर उसकी बरामदगी रकम तक दिया गया है। क्षीणता क्षति को

FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

Corporate Information

Ferro Scrap Nigam Limited is a joint sector company, incorporated on 28-3-1979. Presently it is "Mini Ratna II PSU" (IMS Certified) a Government of India company under Ministry of Steel. It is a wholly owned subsidiary of MSTC Limited. FSNL undertakes the job of recovery and processing of scrap from slag and refuse generated during iron and steel making at Steel Plants. Ferro Scrap Nigam Limited offers specialized services for Dig and haul of Blast Furnaces & Steel Melting Shop slag at slag yards, Processing of iron and steel skulls, mill rejects & maintenance scrap as per customer's requirement. FSNL also offers scarping of slabs, crushing and screening of LD slag to be used in sinter plant, blast furnace and rail ballast. It removes sludge & ash deposit from sludge compartments & ash ponds.

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.1. BASIS OF ACCOUNTING

The financial statements are prepared as of a going concern under historical cost convention on accrual basis of accounting in accordance with the generally accepted accounting principles. Accounting Standards notified under Sec 211(3c) of the Companies Act, 1956 and the relevant provisions thereof.

1.2. USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements in conformity with generally accepted accounting principles require estimates and assumptions to be made that affect the reported amounts of assets and the liabilities on the date of the financial statements and the reported amounts of revenues and expenses during the reported period. Differences between actual results and estimates are recognized in the period in which results are known/materialized.

1.3. FIXED ASSETS

Fixed Assets are stated at cost net of eligible modvat / cenvat less accumulated depreciation and impairments, if any. Cost includes the expenditure on major repairs / overhauling considered to have enhanced their productivity.

Capital Work-in-Progress is valued at cost and includes equipment in transit and the cost of fixed assets that are not yet ready for their intended use at the reporting date.

The Scraped/redundant fixed assets are valued at lower of the net book value and estimated net realizable value.

“Fixed Assets Awaiting Disposal” is classified under “Other non-current Assets” at their net written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale/auction. Further, where the management expects that any part of said asset is likely to be disposed off within one year on the Balance Sheet date, the same to be classified as current assets.

1.4 DEPRECIATION

Depreciation on fixed assets has been provided on Straight-line method at the rates and in the manner prescribed in schedule XIV to the Companies Act, 1956 except for capital expenditure in respect of major repairs / overhauling of plant and machinery which is depreciated at rate worked out taking into consideration the residual life of the underlying assets that was subject to such repair /overhaul. Moreover on the following class of assets depreciation is charged at rates determined on the basis of technically assessed estimated useful life as shown hereunder.

Plant and Machinery used for hot slag handling	20.00%
Fans, Air-Conditioners, Cooler, Refrigerator and Office Equipment	13.91%
Computer Software classified as Intangible Asset	16.21%

1.5 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment loss is provided to the extent of the carrying amount exceeds their recoverable amount. An

वर्ष में लाभ एवं हानि खाता से प्रभारित किया जाता है जिसमें कोई सम्पति क्षीणता के रूप में पहचानी जाए।

1.6 स्टॉक सूचियाँ

असंचलित स्टॉक सूचियों को छोड़कर स्टॉक सूचियों लागत अथवा बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित है। लागत में मूल्य, विक्रय कर/मूल्य समाहित कर, भाड़ा तथा अपने वर्तमान स्थान तथा स्थिति से सूचियाँ लाने में व्यवहृत सभी अन्य लागत समाहित है किन्तु उन वस्तुओं पर आबकारी शुल्क वर्जित है जहाँ केन्द्रीत मूल्य योजित कर (सेनवैट) साख नियम, 2004 के नियम 3(1) के अनुसरण में केन्द्रीत मूल्य योजित कर (सेनवैट) साख लेने के लिए पात्र है। स्टॉक सूची सामग्रियों, जिसे तीन वर्षों से अधिक अवधि से संचलित नहीं किया गया, को असंचलित सूचियों के रूप में माना गया।

असंचलित स्टॉक सूचियों का मूल्यांकन वर्ष 2001-2002 से प्रति वर्ष लागत का 10 प्रतिशत कम पर निर्धारित है।

स्क्रैप/अनावश्यक भण्डारण मदें लागत अथवा शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित है।

1.7 उधार लागत

उधार लागत, परिमाण को छोड़कर जहाँ उधार लागत आस्तियों के अधिग्रहण, निर्माण अथवा अर्हकारी आस्तियों की उत्पत्ति उसके आशयित उपयोग के लिए पेश होने तक सीधे उधार लागत अवधि में खर्च के रूप में मान्य है, जिसमें वह खर्च हुआ, उस आस्तियों के लागत के भागरूप में पूंजीकृत है।

1.8 कर्मचारी अनुलाभ

(क) भविष्य विधि :

आयकर प्राधिकरण से मान्यताप्राप्त न्यास द्वारा भविष्य निधि प्रशासित किया जाता है तथा इस निधि में अंशदान राजस्व के लिए प्रभारित किया जाता है। निवृत्ति अनुलाभ कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के द्वारा सुरक्षित है।

(ख) सेवा उपादान :

सेवा उपादान के परिप्रेक्ष्य में दायित्व भारतीय जीवन बीमा निगम के समूह उपादान जीवन बीमा योजना के अन्तर्गत आवरित की जाती है तथा इसे इस उद्देश्य हेतु कम्पनी द्वारा बनाए गए अलग अटल न्यास के द्वारा प्रशासित किया जाता है। योजना के लिए अंशदान राजस्व को प्रभारित किया जाता है।

(ग) परिवार अनुलाभ योजना :

कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना के अन्तर्गत निःशक्त कर्मचारी/मृतक कर्मचारियों के कानूनी वारिसों को भविष्य में किए जाने वाले भुगतानों से संबंधित प्रावधान को वर्ष के अंत में वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर बनाया जाता है एवं वास्तविक नफा/नुकसान के साथ लाभ एवं हानि खाता को प्रभारित किया जाता है।

(घ) अन्य अनुलाभ :

प्रोद्भूत छुट्टी, दीर्घवर्धिक सेवा पुरस्कार, सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा तथा निपटारा अनुलाभों के परिप्रेक्ष्य में प्रावधान को वर्ष के अंत में वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर बनाया जाता है एवं वास्तविक नफा/नुकसान के साथ लाभ एवं हानि खाता को प्रभारित किया जाता है।

1.9 पूर्वावधिक समायोजन :

पूर्व अवधि से संबंधित प्रत्येक मामले में अधिक से अधिक दस हजार रुपये से अधिक नहीं के आय/व्यय को सम्प्रति वर्ष का आय/व्यय माना जाता है।

1.10 सेवा प्रभार :

सेवा प्रभार कंपनी द्वारा संबंधित इस्पात संयंत्रों को सहमत/अनुदित दरों पर स्क्रैप के प्रकमण तथा विविध कार्यों के लिए अर्जित आय का प्रतिनिधित्व करता है।

विविध देनदारों को संबंधित इस्पात संयंत्रों से वसूली हेतु सहमत/प्रस्तावित/अनुमानित सेवा प्रभार की दरों के आधार पर दर्शाया जाता है।

1.11 विदेशी मुद्रा संव्यवहार :

कल-पूर्जो के आयात तथा पूंजीगत मदों के लिए अपेक्षित रकम को मालों के आयात हेतु साख-पत्र के माध्यम से दस्तावेजों की बातचीत की तिथि को विनिमय दर से भारतीय मुद्रा में परिवर्तित कर भुगतान किया जाता है।

impairment loss is charged to the profit & loss account in the year in which an asset is identified as impaired.

1.6 INVENTORIES

Inventories other than non-moving inventories are valued at cost or net realizable value whichever is less. Cost includes price, sales tax/VAT, freight and all other costs incurred in bringing the inventories to their present location and condition but exclude excise duty on such goods where the company is eligible to take cenvat credit in accordance with rule 3 (1) of the Cenvat Credit Rules 2004.

The inventory items, which have not moved for more than three years, are considered as non-moving inventories. Non-moving inventories are valued at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001-2002.

The scrapped/redundant stores items are valued at cost or net realizable value whichever is lower.

1.7 BORROWING COSTS

Borrowing costs are recognized as an expense in the period in which they are incurred, except to the extent where borrowing costs that are directly attributable to the acquisition, construction, or production of a qualifying asset till put into its intended use is capitalized as part of the cost of that asset.

1.8 EMPLOYEE BENEFITS

a) Provident Fund:

Provident Fund is administered by a Trust recognized by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioners Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

b) Service Gratuity:

Liability on account of service gratuity is covered under Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose. Contribution to the scheme is charged to revenue.

c) Family Benefit Scheme:

The provision towards future payments to the disabled employee/ legal heirs of deceased employees under the Employees Family Benefit Scheme is made based on the actuarial valuation as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

d) Other benefits:

The provision towards accrued leave, long term service award, post retirement medical and settlement benefits, are made based on the actuarial valuation as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

1.9 PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS

Income/expenditure relating to prior period not exceeding rupees ten thousand in each case is treated as income/expenditure of the current year.

1.10 SERVICE CHARGES

Service charges represent the income earned for processing of scrap and miscellaneous jobs done by the Company at the rates agreed with / offered to the respective Steel Plants.

Sundry Debtors are shown based on rates of service charges agreed with / offered to / expected to realize from the respective Steel Plants.

1.11 FOREIGN CURRENCY TRANSACTION

The amount required for import of spare parts and capital items are paid in Indian currency converted at the exchange rate on the date of negotiation of documents through Letter of Credit for import of goods.

1.12 उपस्कर बीमा :

उपस्कर की प्रकृति तथा बीमा की भारी लागत की संभावना के लिए किसी भी बीमा अनुलाभ में परिणाम नहीं को देखते हुए गरम पिट के दायरे में काम करने वाला उपस्करों को छोड़कर कंपनी के स्वामित्व वाले संयंत्र तथा मशीनरी को प्रबंधन की नीति मानते हुए किसी प्रकार के जोखिम/क्षति के विरुद्ध बीमा नहीं कराया जाता है।

1.13 आयकरः

वर्तमान आयकर दायित्व के लिए आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर योग्य आय पर अनुज्ञेय कर छूटो, कटौतियों तथा नामंजूरियों को ध्यान में रखकर प्रावधान किया गया है । इस दायित्व को प्रयोज्य कर दर अथवा आयकर अधिनियम, 1961 के 115 जे बी धारान्तर्गत न्यूनतम वैकल्पिक कर दर, जैसा भी मामला हो, पर संगणना की जाती है।

1.14 आस्थगित कर

आस्थगित कर आस्ति अथवा दायित्व के सृजन हेतु वित्तीय विवरणी के अनुसार आयकर के लिए की गयी लाभ की संगणना तथा खाता लाभ के मध्य समय के अंतर के कारण आस्थगित कर दायित्व के लिए भी प्रावधान बनायी जाएगी । इस दायित्व को केवल महसूस किया गया कि यदि यहाँ युक्तिसंगत निश्चितता है तो आस्थगित कर आस्तियों/दायित्व का सृजन होगा तथा प्रत्येक तुलन-पत्र की तिथि पर पुनर्विलोकन किया जाएगा । इस दायित्व की संगणना प्रयोज्य कर दर अथवा आयकर अधिनियम, 1961 के 115 जे.बी. धारान्तर्गत न्यूनतम वैकल्पिक दर, जैसा भी मामला हो, पर की जाती है। कालमापन भिन्नता से आस्थगित कर आस्तियाँ उस सीमा तक माना गया है जहाँ वास्तविक निश्चितता हो कि आस्तियाँ भविष्य में उगाही की जा सके ।

1.15 खंड विवरणी :

खंडों की पहचान :

कंपनी व्यवसायो का संचालन संगठित और अलग से उत्पाद प्रकृत्ति की कामयाबी तथा सेवा शर्तो के अनुरुप प्रत्येक खंड का प्रतिनिधत्व एक सामरिक विभिन्न बाजार व्यापार इकाई का प्रस्ताव पृथक उत्पाद सर्व कार्य करता है ।

अंतर खंड अंतरण :

कंपनी सामान्यतः खातों के लिए जहॉ से वर्तमान बाजार मूल्य को दृष्टिगत रखते हुए विक्रय या स्थानान्तरण पृथक-पृथक तृतीय पार्टी हेतु करता है ।

आम लागत का आबंटन :

सामान्य लागत जिसका आबंटन के लिए प्रत्येक खंड अनुसार से सापेक्ष योगदान की प्रत्येक खंड से संपूर्ण है ।

अनावंटित मदें :

सामान्य निगमित आय और व्यय मद जों नोट है, आबंटन से कोई व्यापार खंड निगमित और अन्य खंड शामिल है ।

1.16 प्रावधान, संभाव्य दायित्व तथा संभाव्य आस्तियाँ :

खाता से नोट्स द्वारा उद्घाटित और इलाज जैसे आकस्मिक नहीं बशर्ते देनदारियों के लिए जो हैं, सामग्री ओर जिसका परिणाम भविष्य में नहीं कर सकते, होना यथोचित निर्धारित है । प्रंबंधन योग्यता आधार पर संबंधित मामलो की अंतिम निपटारा पर विचार वर्तमान आंकलन प्रबंधन तिथिवार समीक्षा समायोजित किया जाता है ।

संभाव्य आस्तियों को वित्तीय विवरणियॉ में स्वीकार्य अथवा अनावृत्त नही किया गया है ।

कंपनी में जहॉ कोई विधिक प्रावधान स्वीकार्य है अथवा जहॉ रचनात्मक कर्तब्य विश्वासपात्र आकलन कर सकते हैं, कर्तव्य राशि के निमित्त कर्तव्य और जैसा परिणाम की अतीत घटना के लिए जो यह संभावित है, आर्थिक लाभ होना अपेक्षित है, कर्तव्य संतुलित तिथि है । प्रत्येक तुलन-पत्र की तिथिवार समीक्षा की और वर्तमान संभावनाओं को करने हैतु समायोजित कर रहे है ।

1.12 EQUIPMENT INSURANCE

Keeping in view the nature of equipment and heavy cost of insurance not likely to result in any insurance benefit, the plant and machinery owned by the Company is not insured against any kind of risk / loss as a matter of management policy except equipments working near hot pit area.

1.13 INCOME TAX

Provision for current income tax liability is made on Taxable Income under Income Tax Act, 1961 after considering permissible tax exemptions, deductions and disallowances. This liability is calculated at the applicable tax rate or minimum alternate tax rate u/s 115JB of The Income Tax Act, 1961 as the case may be.

Additional income tax or corporate dividend tax is provided on the basis of rates applicable for the year in which the said dividend is declared, distributed or paid by the company.

1.14 DEFERRED TAX

Provision is also made for deferred tax liability arising due to timing differences between profits computed for Income tax and the book profits as per the financial statement, for creation of a deferred tax asset or a liability. This liability is recognized only if there is a reasonable certainty that the deferred tax assets / liability will be created and are reviewed at each balance sheet date. This liability is calculated at the applicable tax rate or minimum alternate tax rate u/s 115JB of the Income Tax Act, 1961 as the case may be. Deferred tax assets arising from timing differences are recognized to the extent there is reasonable certainty that the assets can be realized in future.

1.15 SEGMENT REPORTING

Identification of segments:

The Company's operating businesses are organised and managed separately according to the nature of products and services provided, with each segment representing a strategic business unit that offers different products and serves different markets. The analysis of geographical segments is based on the areas in which major operating divisions of the Company operate.

Inter segment Transfers:

The Company generally accounts for intersegment sales and transfers as if the sales or transfers were to third parties at current market prices.

Allocation of common costs:

Common allocable costs are allocated to each segment according to the relative contribution of each segment to the total common costs.

Unallocated items:

The Corporate and Other segment includes general corporate income and expense items which are not allocated to any business segment.

1.16 PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS

Liabilities which are material and whose future outcome cannot be reasonably ascertained are treated as contingent and not provided for and disclosed by way of notes to the accounts. These are reviewed at each Balance Sheet date and are adjusted to reflect the current management estimate considering final disposal of respective cases on merit basis as assessed by the management.

Contingent assets are not recognized or disclosed in the financial statements.

Provisions are recognised, where the Company has any legal or constructive obligation or where reliable estimate can be made for the amount of the obligation and as a result of past events, for which it is probable that an outflow of economic benefits will be required to settle the obligation at the balance sheet date. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimates.

खाताओं पर पत्री

पत्री 2 : अंश पूँजी

₹ लाख में

ब्यौरा	31 मार्च, 2013 की स्थिति संख्याँ	31 मार्च, 2013 की स्थिति रकम ₹	31 मार्च, 2012 की स्थिति संख्याँ	31 मार्च, 2012 की स्थिति रकम ₹
प्राधिकृत				
प्रत्येक ₹ 1,000/- का साम्यांश	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00
जारी, समर्थित तथा प्रदत्त				
प्रत्येक ₹ 1,000/- का साम्यांश	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00
योग	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00

कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम तथा पूर्णतया एम एस टी सी लि० के स्वामित्व वाली है ।

कंपनी ने अंशों का एक ही वर्ग ₹ 1000/- के एक समतुल्य मूल्य के साम्यांश के रूप में करने के लिए भेजा है । साम्यांशों का प्रत्येक धारक प्रति अंश एक मत का हकदार है ।

कंपनी भारतीय रूपया में लाभांश की घोषणा तथा भुगतान करती है। लाभांश की मात्रा सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए लागू लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों पर आधारित है। निदेशक मण्डल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में अंशधारियों के अनुमोदन के अधीन है ।

कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, समस्त प्राथमिकतापूर्ण राशियों के बंटवारे के बाद बचने वाले कंपनी की आस्थियों को इकिवटी शेयर धारक प्राप्त करने के हकदार होगे ।

31 मार्च, 2013 को सामाप्त वर्ष के दौरान साम्यांशधारकों को वितरण के रूप में मान्यताप्राप्त प्रति अंश लाभांश की रकम ₹ 200/- थी । 31 मार्च, 2013 को सामाप्त वर्ष के लिए लाभांश में अंतिम लाभांश का प्रति अंश ₹ 200/- भी शामिल है । कुल लाभांश विनियोग ₹ 46,48,900/- की राशि में ₹ 6,48,900/- का निगमित लाभांश कर शामिल है।

बकाया अंशों की संख्याँ का समाधान

₹ लाख में

ब्यौरा	साम्यांश 31 मार्च, 2013 की स्थिति संख्याँ	31 मार्च, 2013 की स्थिति रकम ₹	31 मार्च, 2012 की स्थिति संख्याँ	31 मार्च, 2012 की स्थिति रकम ₹
वर्ष के आरंभ में बकाया अंश	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00
वर्ष के दौरान जारी अंश	**—**	**—**	—	—
वर्ष के दौरान वापस लिए गए अंश	**—**	**—**	—	—
कोई अन्य गतिविधि (कृपया निर्दिष्ट करें)	**—**	**—**	—	—
वर्ष की समाप्ति पर बकाया अंश	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00

नियंत्री कंपनी द्वारा धारित अंशो का ब्यौरा

ब्यौरा	संबंध की प्रकृति	31 मार्च, 2013 की	31 मार्च, 2012 की
एम एस टी सी लिमिटेड	नियंत्री कंपनी	**20,000**	20,000

NOTES ON ACCOUNTS

Note 2 : SHARE CAPITAL

₹ in lacs

Particulars	As at 31 March, 2013 Number	Amount ₹	As at 31 March, 2012 Number	Amount ₹
Authorised				
Equity Shares of ₹ 1,000 each	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00
Issued, Subscribed & Paid Up				
Equity Shares of ₹ 1,000 each	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00
Total	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00

The company is a public sector undertaking and a wholly owned subsidiary of MSTC Ltd.

The company has only one class of shares referred to as equity shares having a par value of ₹1000/-. Each holder of equity shares is entitled for dividend and one vote per share.

The company declares and pays dividend in Indian Rupees. The quantum of dividend is based on DPE guideline as applicable to all CPSU. The dividend proposed by the Board of Directors is subject to the approval of the shareholders in the ensuing Annual General Meeting.

In the event of liquidation of the company, the holders of equity shares will be entitled to receive any of the remaining asset of the company, after distribution of all preferential amounts. However, no such prefrential amounts exist currently. The distribution will be in proportion to the number of equity shares held by the shareholders

During the year ended March 31, 2013, the amount of per share dividend recognised as distributions to equity shareholders was ₹ 200/-.The dividend for the year ended March 31, 2013 includes ₹ 200/- per share of final dividend. Total dividend appropriation amounted to ₹ 46,48,900/- which includes corporate dividend tax of ₹ 6,48,900/-.

Reconciliation of the number of Shares Outstanding

₹ in lacs

Particulars	Equity Shares			
	As at 31 March, 2013 Number	Amount ₹	As at 31 March, 2012 Number	Amount ₹
Shares outstanding at the beginning of the year	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00
Shares Issued during the year	**—**	**—**	—	—
Shares bought back during the year	**—**	**—**	—	—
Any other movement (please specify)	**—**	**—**	—	—
Shares outstanding at the end of the year	**20,000**	**200.00**	20,000	200.00

Details of Shares Held by Holding Company

Particulars	Nature of Relationship	As at 31 March 2013	As at 31 March 2012
MSTC Limited	Holding Co	**20,000**	20,000

खाताओं पर पत्री

पत्री 3 : आरक्षित एवं अधिशेष

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
क. पूंजी आरक्षित		
आरंभिक शेष	**37.36**	37.36
जोड़: सम्प्रति वर्ष अंतरण	**—**	—
घटावें: सम्प्रति वर्ष में अपलिखित	**—**	—
अंतिम शेष	**37.36**	37.36
ख. सामान्य आरक्षित		
आरंभिक शेष	**13,593.25**	13,503.25
जोड़: सम्प्रति वर्ष अंतरण	**150.00**	90.00
घटावें: सम्प्रति वर्ष में अपलिखित	**—**	—
अंतिम शेष	**13,743.25**	13,593.25
ग. अधिशेष		
आरंभिक शेष	**1.01**	0.01
जोड़: सम्प्रति वर्ष के लिए शुद्ध लाभ/(शुद्ध हानि)	**196.06**	137.49
घटावें: प्रस्तावित लाभांश	**40.00**	40.00
घटावें: लाभांश वितरण कर	**6.49**	6.49
घटावें: सामान्य आरक्षित से अंतरण	**150.00**	90.00
अंतिम शेष	**0.58**	1.01
योग	**13,781.19**	13,631.62

पत्री 4 : अन्य दीर्घकालिक दायित्व

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
अन्य		
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना के तहत् जमाएं	**296.98**	254.50
कर्मचारी से संबंधित अन्य दायित्व	**0.31**	0.31
योग	**297.11**	254.81

पत्री 5 : दीर्घकालिक प्रावधान

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
कर्मचारी अनुलाभों के लिए प्रावधान		
सेवानिवृत्ति (अनिधिक)	**37.83**	35.04
अवकाश नकदीकरण (अनिधिक)	**1,539.53**	1,234.35
सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ	**731.57**	605.27
दीर्घ सेवा पुरस्कार (अनिधिक)	**4.65**	4.25
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना (अनिधिक)	**298.15**	266.71
अन्य		
वृद्धि दावाओं के विरुद्ध विक्रेता को देय दावा	**224.55**	213.55
योग	**2,836.28**	2,359.17

NOTES ON ACCOUNTS

Note - 3 : RESERVES & SURPLUS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
a. Capital Reserves		
Opening Balance	**37.36**	37.36
Add: Current year transfer	**—**	—
Less: Written back in current year	**—**	—
Closing Balance	**37.36**	37.36
b. General Reserve		
Opening balance	**13,593.25**	13,503.25
Add: Current Year Transfer from Surplus	**150.00**	90.00
Less: Written Back in Current Year	**—**	—
Closing Balance	**13,743.25**	13,593.25
c. Surplus		
Opening balance	**1.01**	0.01
Add: Net Profit/(Net Loss) For the current year	**196.06**	137.49
Less: Proposed Dividends	**40.00**	40.00
Less: Dividend Distribution Tax	**6.49**	6.49
Less: Transfer to General Reserve	**150.00**	90.00
Closing Balance	**0.58**	1.01
Total	**13,781.19**	13,631.62

Note - 4 : OTHER LONG TERM LIABILITIES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Others		
Deposits under EFBS Scheme	**296.98**	254.50
Other Employee Related Liabilities	**0.13**	0.31
Total	**297.11**	254.81

Note - 5 : LONG TERM PROVISIONS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Provision for employee benefits		
Superannuation (unfunded)	**37.83**	35.04
Leave Encashment (unfunded)	**1,539.53**	1,234.35
Post Retirement Medical Benefit	**731.57**	605.27
Long Service Award (unfunded)	**4.65**	4.25
Employee Family Benefit Scheme (unfunded)	**298.15**	266.71
Others		
Claim payable to vendor against escalation claim	**224.55**	213.55
Total	**2,836.28**	2,359.17

खाताओं पर पत्री

पत्री 6 : अल्पावधिक उधार

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
प्रतिभूत		
कार्यरत् पूंजी ऋण		
बैंकों से		
इण्डियन बैंक, भिलाई के साथ ओव्हरड्राफ्ट सीमा	**875.08**	1,207.83
आन्ध्रा बैंक, भिलाई के साथ ओव्हरड्राफ्ट सीमा	**—**	1,475.43
(उक्त ऋणों को संबंधित बैंकरों के पास रखे गए कंपनी के सावधिक जमाओं को बन्धक रखकर प्रतिभूतित किया गया है। जमा की परिपक्वता अवधि तुलन पत्र निधि को एक वर्ष से कम है।		
योग	**875.08**	2,683.26

पत्री 7 : देय व्यापार

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
एम एस एम ई को देय	**5.63**	10.06
अन्य को देय	**1,834.23**	2,205.12
योग	**1,839.86**	2,215.18

पत्री 8 : अन्य वर्तमान आस्तियाँ

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
अन्य देय		
कर्मचारी से संबंधित दायित्व	**434.62**	388.31
वैधानिक देय राशि	**306.91**	322.90
अन्य दायित्व	**804.04**	823.35
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना	**7.37**	13.08
योग	**1,552.94**	1,547.64

NOTES ON ACCOUNTS

Note 6 : SHORT TERM BORROWINGS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Secured		
Working Capital Loan		
From banks		
Overdraft limit with Indian Bank, Bhilai	**875.08**	1,207.83
Overdraft limit with Andhra Bank, Bhilai	—	1,475.43
(The above loans are secured by pledge on fixed deposits of the company held with respective bankers. The maturity period of deposit is less than one year as on the balance sheet date)		
Total	**875.08**	2,683.26

Note 7 : TRADE PAYABLES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Due to MSME's	**5.63**	10.06
Due to Others	**1,834.23**	2,205.12
Total	**1,839.86**	2,215.18

Note 8 : OTHER CURRENT LIABILITIES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Other payables		
Employee Related Liabilities	**434.62**	388.31
Statutory Dues	**306.91**	322.90
Other Liabilities	**804.04**	823.35
Employee Family Benefit Scheme	**7.37**	13.08
Total	**1,552.94**	1,547.64

खाताओं पर पत्री

पत्री 9 : अल्पावधिक प्रावधान

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
(क) कर्मचारी अनुलाभों के लिए प्रावधान		
वेतन पुनरीक्षण के लिए	**595.46**	199.27
एआरजीएस के लिए	**107.84**	56.10
सेवानिवृत्ति पश्चात् अनुलाभ योजना के लिए		
अवकाश नकदीकरण (अनिधिक)	**50.42**	44.23
सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ (अनिधिक)	**30.63**	28.15
दीर्घ सेवा पुरस्कार (अनिधिक)	**0.46**	0.30
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना (अनिधिक)	**72.12**	71.04
सेवा निवृत्ति (अनिधिक)	**1.93**	1.71
(ख) अन्य		
प्रस्तावित लाभांश	**40.00**	40.00
लाभांश वितरण कर	**6.49**	6.49
अन्य	**34.06**	35.94
योग	**939.41**	483.23

NOTES ON ACCOUNTS

Note 9: SHORT TERM PROVISIONS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
(a) Provision for employee benefits		
Towards Wage Revision	**595.46**	199.27
Towards ARGS	**107.84**	56.10
Towards Post Retirement Benefit Scheme		
Leave Encashment (unfunded)	**50.42**	44.23
Post Retirement Medical Benefit (unfunded)	**30.63**	28.15
Long Service Award (unfunded)	**0.46**	0.30
Employee Family Benefit Scheme (unfunded)	**72.12**	71.04
Superannuation (unfunded)	**1.93**	1.71
(b) Others		
Proposed Dividend	**40.00**	40.00
Dividend Distribution Tax	**6.49**	6.49
Other Provision	**34.06**	35.94
Total	**939.41**	483.23

खाताओं पर पत्री

पत्री 10 : स्थायी आस्तियाँ

पत्री 10.1 : मूर्त आस्तियाँ

₹ लाख में

ब्यौरा	सकल खंड				अवमूल्यन/अपाकरण				शुद्ध खंड	
	1.4.2012 को	परिवर्धने	कटौतियाँ/ समायोजन	**31.3.2013** को	1.4.2012 को	वर्ष के लिए	कटौतियाँ/ समायोजन	**31.3.2013** तक	**31.3.2013 को**	31.3.2012 को
मूर्त आस्तियाँ										
भूमि	4.13	—	—	4.13	2.91	0.13	—	3.04	1.09	1.22
योग (i)	4.13	—	—	4.13	2.91	0.13	—	3.04	1.09	1.22
गत वर्ष (i)	4.13	—	—	4.13	2.78	0.13	—	2.91	1.22	1.35
मूर्त आस्तियाँ (पट्टा अन्तर्गत)										
भवन	414.40	3.40	1.03	416.77	128.72	11.60	0.01	140.31	276.46	285.68
संयंत्र एवं उपस्कर	19,227.67	786.08	2,309.90	17,703.85	14,085.42	1,013.85	2,229.02	12,870.25	4,833.60	5,142.25
फर्नीचर एवं जुड़नार	71.18	3.15	0.63	73.70	54.53	2.22	0.15	56.60	17.10	16.65
वाहन	347.22	9.87	18.94	338.15	269.56	22.06	17.99	273.63	64.52	77.66
कार्यालय उपकरण	229.78	41.46	44.06	227.18	175.75	14.45	41.26	148.94	78.24	54.03
योग (ii)	20,290.25	843.96	2,374.56	18,759.65	14,713.98	1,064.18	2,288.43	13,489.73	5,269.92	5,576.27
गत वर्ष (ii)	19,064.71	1,235.78	(10.24)	20,290.25	13,632.64	1,077.00	4.34	14,713.98	5,576.27	5,432.07
योग क = (i+ii)	20,294.38	843.96	2,374.56	18,763.78	14,716.89	1,064.31	2,288.43	13,492.77	5,271.01	5,577.49
गत वर्ष (i+ii)	19,068.84	1,235.78	(10.24)	20,294.38	13,635.42	1,077.13	4.34	14,716.89	5,577.49	5,433.42

पत्री 10.2 : अमूर्त आस्तियाँ

ब्यौरा	सकल खंड				अवमूल्यन				शुद्ध खंड	
	1.4.2012 को	परिवर्धने	कटौतियाँ/ समायोजन	**31.3.2013 को**	1.4.2012 को	वर्ष के लिए	कटौतियाँ/ समायोजन	**31.3.2013** तक	**31.3.2013 को**	31.3.2012 को
अमूर्त आस्तियाँ										
संगणक साफटवेयर	**11.38**	**5.07**	—	**16.45**	**5.60**	**1.55**	—	**7.15**	**9.30**	**5.78**
योग (ख)	**11.38**	**5.07**	—	**16.45**	**5.60**	**1.55**	—	**7.15**	**9.30**	**5.78**
योग (ख)	**11.38**	—	—	**11.38**	**4.33**	**1.27**	—	**5.60**	**5.78**	**7.05**

पत्री 10.3 : कार्यानुगत् पूंजी

₹ लाख में

ब्यौरा	31 मार्च 2013 को शेष	31 मार्च 2012 को शेष
कार्यानुगत् पूंजी	**171.65**	107.94
विकास के अंतर्गत अमूर्त आस्तियों	**67.25**	67.25
कुलयोग	**238.90**	175.19

राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विजाग, दुर्गापुर, डोलवी, डुबुरी हरिद्वार तथा आरडब्लुएफ (बेगलूरू) में वे भूखंड, जिनपर कंपनी का संयंत्र एवं भवन है, न तो पूर्ण स्वामित्व में है और न ही पट्टाधृत है।

कंपनी ने सेवा अनुबंधों के भाग के रूप में भू-स्वामियों से निःशुल्क उपयोग करने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। जबकि, कंपनी ने सेल, बी.एस.पी. से दि. 29 दिसम्बर, 1988 के प्रभाव से 33 वर्षो के शाश्वत पट्टे पर भूमि को प्राप्त किया है, जिसपर पंजीकृत कार्यालय भवन का निर्माण किया गया है जो पटटा अवधि के दौरान अपाकरण किया जा रहा है ।

NOTES ON ACCOUNTS

Note 10 : FIXED ASSETS

Note 10.1 : Intangible Assets

₹ in lacs

PARTICULARS	GROSS BLOCK				DEPRECIATION/AMORTISATION				NET BLOCK	
	As at 1.4.2012	Additions	Deductions/ Adjustment	As at 31.3.2013	As at 1.4.2012	For The Year	Deductions/ Adjustment	Up to 31.3.2013	As at 31.3.2013	As at 31.3.2012
Tangible Assets (Under Lease)										
Land	4.13	—	—	4.13	2.91	0.13	—	3.04	1.09	1.22
Total (i)	4.13	—	—	4.13	2.91	0.13	—	3.04	1.09	1.22
Previous Year (i)	4.13	—	—	4.13	2.78	0.13	—	2.91	1.22	1.35
Tangible Assets										
Buildings	414.40	3.40	1.03	416.77	128.72	11.60	0.01	140.31	276.46	285.68
Plant and Equipment	19,227.67	786.08	2,309.90	17,703.85	14,085.42	1,013.85	2,229.02	12,870.25	4,833.60	5,142.25
Furniture and Fixtures	71.18	3.15	0.63	73.70	54.53	2.22	0.15	56.60	17.10	16.65
Vehicles	347.22	9.87	18.94	338.15	269.56	22.06	17.99	273.63	64.52	77.66
Office equipment	229.78	41.46	44.06	227.18	175.75	14.45	41.26	148.94	78.24	54.03
Total (ii)	20,290.25	843.96	2,374.56	18,759.65	14,713.98	1,064.18	2,288.43	13,489.73	5,269.92	5,576.27
Previous Year (ii)	19,064.71	1,235.78	(10.24)	20,290.25	13,632.64	1,077.00	4.34	14,713.98	5,576.27	5,432.07
Total (i+ii)	20,294.38	843.96	2,374.56	18,763.78	14,716.89	1,064.31	2,288.43	13,492.77	5,271.01	5,577.49
Previous Year (i+ii)	19,068.84	1,235.78	(10.24)	20,294.38	13,635.42	1,077.13	4.34	14,716.89	5,577.49	5,433.42

Note 10.2 : Intangible Assets

PARTICULARS	GROSS BLOCK				DEPRECIATION/AMORTISATION				NET BLOCK	
	As at 1.4.2012	Additions	Deductions/ Adjustment	As at 31.3.2013	As at 1.4.2012	For The Year	Deductions/ Adjustment	Up to 31.3.2013	As at 31.3.2013	As at 31.3.2012
Intangible Assets										
Computer software	**11.38**	**5.07**	**—**	**16.45**	**5.60**	**1.55**	**—**	**7.15**	**9.30**	**5.78**
Total	**11.38**	**5.07**	**—**	**16.45**	**5.60**	**1.55**	**—**	**7.15**	**9.30**	**5.78**
Previous Year	**11.38**	**—**	**—**	**11.38**	**4.33**	**1.27**	**—**	**5.60**	**5.78**	**7.05**

Note 10.3: Capital Work in Progress

₹ in lacs

Particulars	Balance as at 31st March 2013	Balance as at 31st March 2012
Capital Work In Progress	**171.65**	107.94
Intangible assets under Development	**67.25**	67.25
Grand Total	**238.90**	175.19

The land on which the plant and building of the company are situated at Rourkela, Burnpur, Bhilai, Bokaro, Vizag, Durgapur, Dolvi, Duburi, Haridwar and RWF(Bengaluru) are neither freehold nor leasehold.

The company has acquired right of free use from landholders as a part of service agreement. The company has however, acquired leasehold land from SAIL - B.S.P., on perpetual lease of 33 years w.e.f. 29th December 1988 on which the Registered Office Building has been constructed which is being amortised over the lease period.

खाताओं पर पत्री

पत्री 11 : आस्थगित कर

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03.2013	गत वर्ष 31.03.2012
आस्थगित कर दायित्व	**113.08**	142.96
आस्थगित कर आस्तियाँ		
संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	**2.02**	2.02
संदिग्ध दावाओं के लिए प्रावधान	**104.36**	104.70
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**2.76**	18.81
वृद्धि दावा के विरूद्ध विक्रेता को देय दावा के लिए प्रावधान	**57.42**	53.68
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	**374.51**	273.39
	541.07	452.60
योग	**427.99**	309.64

पत्री 12 : दीर्घावधिक ऋण एवं अग्रिम

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03.2013	गत वर्ष 31.03.2012
क) पूंजी अग्रिम		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया		
पूंजी परियोजनाओं के विरूद्ध अग्रिम	**—**	4.16
ख) सुरक्षित जमाएँ		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया		
शासकीय विभागों तथा अन्य पक्षों के साथ सुरक्षा जमा	**54.43**	64.02
ग) अग्रिम कर		
आयकर एवं स्रोत पर कर कटौती (शुद्ध प्रावधान)	**763.52**	603.42
तटस्थ अनुलाभ कर के विरूद्ध बकाया वापसी	**10.04**	10.04
योग	**827.99**	681.64

NOTES ON ACCOUNTS

Note 11 : DEFERRED TAXES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Deferred Tax Liabilities	**113.08**	142.96
Deferred Tax Assets		
Provision for doubtful advances	**2.02**	2.02
Provision for doubtful claim	**104.36**	104.70
Provision for doubtful debts	**2.76**	18.81
Provision for claim payable to vendor against escalation claim	**57.42**	53.68
Provision for leave encashment	**374.51**	273.39
	541.07	452.60
Total	**427.99**	309.64

Note 12 : LONG TERM LOANS & ADVANCES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
a. Capital Advances		
Unsecured, considered good		
Advance against capital projects	**—**	4.16
b. Security Deposits		
Unsecured, considered good		
Security deposit with government departments and other parties	**54.43**	64.02
c. Advance Tax		
Income Tax & TDS (net of provision)	**763.52**	603.42
Refund due against fringe benefit tax	**10.04**	10.04
Total	**827.99**	681.64

खाताओं पर पत्री

पत्री 13 : अन्य गैर वर्तमान आस्तियाँ

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013		गत वर्ष 31.03.2012	
असंचलित वस्तु-सूची का भंडार	**335.05**		283.66	
(3वर्षों से अधिक अवधि के लिए धारित)				
घटावें: असंचलित वस्तु-सूचियों के मूल्य में ह्रास के लिए प्रावधान	**134.89**	**200.16**	111.60	172.06
पूँजी परियोजना के लिए वस्तु-सूची		**83.47**		200.92
निपटान के ईंतजार में स्थायी आस्तियाँ		**131.16**		39.24
वसूली योग्य दावा तथा अन्य अग्रिम		**12.61**		1.16
अन्य बैंक शेष				
दीर्घकालिक बैंक जमाएँ *		**4,050.00**		300.00
(बारह महिनों से अधिक मूल परिपक्वता के साथ)				
दीर्घकालिक बैंक जमाएँ पर प्रोदभूत देय ब्याज		**214.36**		16.32
योग		**4,691.76**		729.70

उपरोक्त जमा राशि में रू. 25.50 करोड़ (प्रतिवर्ष रू. 3.00 करोड़ भी शामिल है जो इण्डियन बैंक से ओव्हर ड्राप्ट सुविधा एवं बैंक गारंटी प्राप्त करने के एवज में जमा हैं ।

पत्री 14 : वस्तु सूचियाँ

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
भंडारण तथा पूर्जे		
(मूल लागत अथवा प्राप्य मूल्य जो भी कम हो)		
खुले औजारों सहित भंडारण व कल-पूर्जे	**353.62**	486.91
जोड़ : पारगमन में माल	**59.63**	3.03
जोड़ : समायोजन हेतु लंबित शुद्ध कमी	**12.70**	27.68
	425.95	517.62
मुद्रण एवं लेखन सामग्री मदें	**8.21**	8.39
स्क्रैप (निपटान के लिए लंबित)	**3.88**	3.88
योग	**438.04**	529.89

NOTES ON ACCOUNTS

Note 13 : OTHER NON CURRENT ASSETS

₹ in lacs

Particulars		Current Year 31.03. 2013		Previous Year 31.03.2012
Stock of non-moving inventory (held for period more than 3 years)	**335.05**		283.66	
Less: Provision for Diminition in the Value of Non-Moving Inventory	**134.89**	**200.16**	111.60	172.06
Inventory for Capital Projects		**83.47**		200.92
Fixed Assets Awaiting Disposal		**131.16**		39.24
Claim Recoverable & Other Advances		**12.61**		1.16
Other Bank Balances:				
Long Term Bank Deposits* (with Original Maturity of more than twelve months)		**4,050.00**		300.00
Interest Accrrued But Not Due on Long Term Bank Deposits		**214.36**		16.32
Total:		**4,691.76**		729.70

* The above deposits includes Rs. 25.50 cr (PY Rs. 3.00 cr) pledged with Indian banks against Bank Guarantee & overdraft facilities.

Note 14 : INVENTORIES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Stores and spares		
(Valued at Cost or Net Realizable value whichever is lower)		
Stores & Spare parts including loose tools	**353.62**	486.91
Add: Goods in transit	**59.63**	3.03
Add: Net shortage pending adjustments	**12.70**	27.68
	425.95	517.62
Printing & stationery items	**8.21**	8.39
Scrap (pending for disposal)	**3.88**	3.88
Total	**438.04**	529.89

खाताओं पर पत्री

पत्री 15 : प्राप्य व्यापार

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
भुगतान के लिए देय की तिथि से छः माह से कम अवधि के लिए बकाया प्राप्य व्यापार		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	**1,377.45**	1,586.77
घटावें: संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**—**	—
भुगतान के लिए देय की तिथि से छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया प्राप्य व्यापार		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	**218.11**	395.60
असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	**8.51**	57.97
घटावें: संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**8.51**	57.97
	218.11	395.60
योग	**1,595.56**	1,982.37

समय-समय पर कम्पनी संकलन के लिए कम्पनी के लिए सभी ग्राहक बकायों का मूल्यांकन करती है । प्रावधान के लिए जरूरत का आकलन विनिर्दिष्ट बकायों का संकलन, उद्योग का जोखिम धारणा सहित विविध कारकों पर आधारित है जो ग्राहक सामान्य आर्थिक कारकों को संचालित करता है जो ग्राहकों के लिए व्यवस्थित करने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है । कम्पनी आमतौर पर देनदारों के लिए तुलन पत्र तिथि को बीजक तिथि से तीन वर्षो अथवा उससे अधिक समय के लिए देय बकाया उपलब्ध करती है। कम्पनी भाग या पूर्ण में बकायों की वसूली कर रही है ।

तुलन-पत्र की तारीख पर बीजक की तारीख से तीन वर्षो अथवा अधिक के देनदारों को कंपनी द्वारा समाहित किया जाता हैं ।

NOTES ON ACCOUNTS

Note 15 : TRADE RECEIVABLES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
Unsecured, considered good	**1,377.45**	1,586.77
Less: Provision for doubtful debts	**—**	—
Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
Unsecured, considered good	**218.11**	395.60
Unsecured, considered doubtful	**8.51**	57.97
Less: Provision for doubtful debts	**8.51**	57.97
	218.11	395.60
Total	**1,595.56**	1,982.37

Periodically the company evaluates all customer dues to the company for collectibility. The need for provision is assessed based on various factors including collectibility of specific dues, risk perception of the industry in which the customer operates, general economic factors which could affect the customers ability to settle. The company pursues the recovery of the dues, in part or full.

The company normally provides for debtors dues outstanding for three years or longer from the invoice date, as at the Balance Sheet date.

खाताओं पर पत्री

पत्री 16 : नकद एवं बैंक अधिशेष

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
नकद एवं समतुल्य नकदी		
हाथ में नकद	**2.91**	5.14
हाथ में चेक	**4.76**	—
बैंकों के पास शेष		
बैंकों के बचत खाता में शेष	**277.39**	269.26
कम से कम तीन महीने की जमा राशि का मूल परिपक्वता के साथ *	**2,300.00**	3,358.15
योग	**2,585.06**	3,632.55
अन्य बैंक शेष		
अधिकाधिक तीन महीने लेकिन बारह माह से कम जमा राशि का मूल परिपक्वता के साथ #	**3,011.50**	5,896.53
योग	**3,011.50**	5,896.53
योग	**5,596.56**	9,529.08

* बैंक गारंटी एवं ओव्हर ड्राप्ट सुविधा हेतु विभिन्न बैंकों में प्रतिभूति स्वरूप रखी हुई रू. निरंक (प्रतिवर्ष ₹ 14.00 करोड़) भी उपरोक्त जमा राशि में शामिल है ।

बैंक गारंटी एवं ओव्हर ड्राप्ट सुविधा हेतु विभिन्न बैंकों में प्रतिभूति स्वरूप रखी हुई रू. निरंक (प्रतिवर्ष ₹ 27.58 करोड़) भी उपरोक्त जमा राशि में शामिल है ।

पत्री 17 : अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिम

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
(क) **अन्य**		
कर्मचारियों को ऋण एवं अग्रिम		
अग्रिम एवं कर्मचारियों से होने वाली अन्य वसूली	**152.08**	106.87
1. आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	**98.03**	77.84
योग	**250.11**	184.71

पत्री 18 : अन्य वर्तमान आस्तियाँ

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
निपटान के इंतजार में स्थायी आस्तियों	**39.38**	63.93
प्राप्य दावा एवं अन्य अग्रिम		
अप्राप्यक राजस्व	**2,071.76**	2,452.25
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	**63.40**	64.82
असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	**321.64**	322.70
घटावें: संदिग्ध माना गया	**321.64**	322.70
	2,135.16	2,517.07
आवधिक जमा पर प्रोद्भूत ब्याज	**224.30**	751.95
पृथक किया गया सेवा कर	**166.17**	173.65
इस्पात संयंत्रों के पास सुरक्षा जमा	**409.64**	162.82
योग	**2,974.65**	3,669.42

NOTES ON ACCOUNTS

Note 16 : CASH & BANK BALANCES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Cash and cash equivalents		
Cash in Hand	**2.91**	5.14
Cheque in Hand	**4.76**	—
Balances with Banks		
Balances with banks in Current Accounts	**277.39**	269.26
Deposits with Original Maturity of less than three months *	**2,300.00**	3,358.15
Total	**2,585.06**	3,632.55
Other Bank Balances		
Deposits with Original Maturity of more than three months but less than twelve months #	**3,011.50**	5,896.53
Total	**3,011.50**	5,896.53
Total	**5,596.56**	9,529.08

* The above deposits includes ₹ Nil (PY ₹14.00 cr) pledged with various banks against Bank Guarantee & Overdraft facility.

The above deposits includes ₹ Nil (PY ₹27.58 cr) pledged with various banks against Bank Guarantee & Overdraft facility.

Note 17 : SHORT TERM LOANS & ADVANCES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
a. Others		
Loans & Advances To Employees		
Advance & other recoverable in cash	**152.08**	106.87
1. Advance to Suppliers		
Unsecured, considered good	**98.03**	77.84
Total	**250.11**	184.71

Note 18 : OTHER CURRENT ASSSETS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Fixed Assets Awaiting Disposal	**39.38**	63.93
Claim Recoverable & Other Advance		
Unbilled revenue	**2,071.76**	2,452.25
Unsecured, Considered Good	**63.40**	64.82
Unsecured, Considered Doubtful	**321.64**	322.70
Less: Considered Doubtful	**321.64**	322.70
	2,135.16	2,517.07
Interest Accrued on Term Deposit	**224.30**	751.95
Service Tax Set Off	**166.17**	173.65
Security deposit with steel plants	**409.64**	162.82
Total	**2,974.65**	3,669.42

खाताओं पर पत्री

पत्री 19 : प्रचालनों से राजस्व

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
स्क्रैप के प्रक्रमण तथा अन्य विविध कार्यों से सेवा प्रभार (सकल)	**18,678.88**	16,462.83
योग	**18,678.88**	16,462.83

पत्री 20 : अन्य आय

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
ब्याज आय		
सावधि जमा प्राप्तियों पर ब्याज	**899.79**	849.34
अन्य ब्याज	**0.35**	1.10
अन्य		
परिशोधित क्षतियाँ एवं अन्य वसूलियाँ	**12.70**	9.27
कर्मचारियों को जारी सामग्रियों से प्राप्ति	**0.18**	0.55
प्रावधान अब जरूरी नहीं अपलिखित	**162.57**	85.61
विविध आय	**26.98**	40.15
योग	**1,102.57**	986.02

पत्री 21 : उपभोगित सामग्री की लागत

₹ लाख में

ब्यौरा	आरंभिक भंडार	क्रय	अंतिम भंडार	चालू वर्ष 31.03. 2013 उपभोग	गत वर्ष 31.03.2012 उपभोग
लान्सिंग ट्यूब	**11.90**	**50.12**	**13.82**	**48.20**	45.90
ऑक्सीजन तथा एसीटिलिन	**0.30**	**41.72**	**0.21**	**41.81**	53.42
स्नेहक	**37.18**	**236.39**	**24.12**	**249.45**	259.76
डीजल तथा गैसोलिन	**31.41**	**1,441.29**	**35.22**	**1,437.48**	1,303.45
भंडारण तथा कल-पूर्जे	**933.68**	**651.86**	**643.60**	**941.94**	777.51
योग	**1,014.47**	**2,421.38**	**716.97**	**2,718.88**	2,440.04

NOTES ON ACCOUNTS

Note 19 : REVENUE FROM OPERATIONS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Service charges from process of scrap and other miscellaneous jobs (Gross)	**18,678.88**	16,462.83
Total	**18,678.88**	16,462.83

Note 20 : OTHER INCOME

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Interest Income		
Interest on FDR	**899.79**	849.34
Other Interest	**0.35**	1.10
Others		
Liquidated damages and other recoveries	**12.70**	9.27
Receipt from materials issued to employees	**0.18**	0.55
Provision no longer required written back	**162.57**	85.61
Miscellaneous Income	**26.98**	40.15
Total	**1,102.57**	986.02

Note 21 : COST OF MATERIAL CONSUMED

₹ in lacs

Particulars	Opening Stock	Purchase	Closing Stock	Current Year 31.03. 2013 Consumption	Previous Year 31.03.2012 Consumption
Lancing Tubes	**11.90**	**50.12**	**13.82**	**48.20**	45.90
Oxygen & Acetylene	**0.30**	**41.72**	**0.21**	**41.81**	53.42
Lubricants	**37.18**	**236.39**	**24.12**	**249.45**	259.76
Diesel & Gasolene	**31.41**	**1,441.29**	**35.22**	**1,437.48**	1,303.45
Stores & Spare Parts	**933.68**	**651.86**	**643.60**	**941.94**	777.51
Total	**1,014.47**	**2,421.38**	**716.97**	**2,718.88**	2,440.04

खाताओं पर पत्री

पत्री 22 : कर्मचारी अनुलाभ व्यय

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
(क) वेतन तथा वस्तु सूचियाँ		
बोनस	**0.06**	0.85
श्रम उपाहार	**83.00**	80.45
वेतन तथा मजदूरी	**5,199.21**	5,064.12
(ख) अंशदान से		
(i) भविष्य निधि तथा अन्य निधि	**513.51**	498.55
(ii) उपादान निधि अंशदान	**360.00**	300.00
(ग) कर्मचारी कल्याण व्यय	**1,351.53**	605.77
योग	**7,507.31**	6,549.74

पत्री 23 : वित्त लागतें

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
ब्याज खर्च	**146.98**	86.60
बैंक प्रभार	**3.86**	3.50
योग	**150.84**	90.10

पत्री 24 : अन्य व्यय

₹ लाख में

ब्यौरा		चालू वर्ष 31.03. 2013		गत वर्ष 31.03.2012
जल, विद्युत एवं ऑक्सीजन		**279.00**		315.87
ठेकेदार के माध्यम से लागत सेवा		**3,496.10**		5,218.80
उपस्कर एवं अन्य किराया		**3,186.74**		150.91
बीमा		**30.40**		26.04
दर एवं कर		**16.17**		18.16
भत्ते सहित यात्रा		**116.41**		100.87
सुरक्षा सेवाएँ		**185.09**		156.87
मरम्मत एवं अनुरक्षण				
मशीनरी की मरम्मत	**349.56**		374.51	
अन्य की मरम्मत	**51.84**	**401.40**	64.45	438.96
विविध व्यय		**378.80**		353.44
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
वैधानिक लेखा शुल्क	**1.00**		1.00	
फुटकर खर्च	**1.25**		1.25	
कर लेखा शुल्क	**0.20**		0.20	
प्रमाणन शुल्क	**0.05**	**2.50**	0.05	2.50
योग		**8,092.61**		6,782.42

NOTES ON ACCOUNTS

Note 22 : EMPLOYEE BENEFIT EXPENSES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
(a) Salaries and incentives		
Bonus	**0.06**	0.85
Labour Refreshment	**83.00**	80.45
Salary & Wages	**5,199.21**	5,064.12
(b) Contributions to -		
(i) Provident and other fund	**513.51**	498.55
(ii) Gratuity fund contributions	**360.00**	300.00
(c) Staff welfare expenses	**1,351.53**	605.77
Total	**7,507.31**	6,549.74

Note 23 : FINANCE COSTS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Interest expense	**146.98**	86.60
Bank Charges	**3.86**	3.50
Total	**150.84**	90.10

Note 24 : OTHER EXPENSES

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013		Previous Year 31.03.2012	
Water,Power & Oxygen		**279.00**		315.87
Cost of Services Through Contractor		**3,496.10**		5,218.80
Equipment & Other Rent		**3,186.74**		150.91
Insurance		**30.40**		26.04
Rates & Taxes		**16.17**		18.16
Travelling including allowances		**116.41**		100.87
Security Services		**185.09**		156.87
Repair And Maintenance				
Repairs to Machinery	**349.56**		374.51	
Repairs to Others	**51.84**	**401.40**	64.45	438.96
Miscellaneous Expenses		**378.80**		353.44
Auditors Remuneration				
Statutory Audit Fees	**1.00**		1.00	
Out of Pocket Expenses	**1.25**		1.25	
Tax Audit Fees	**0.20**		0.20	
Certification Fees	**0.05**	**2.50**	0.05	2.50
Total		**8,092.61**		6,782.42

खाताओं पर पत्री

पत्री 25 : असाधारण तथा असामान्य प्रकृति की मदों का ब्यौरा

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
1. असाधारण मदें		
क. व्यय		
क. संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**8.51**	49.51
(3 वर्षों से अधिक के बकाया ऋणों के लिए)		
ख. वृद्धि दावा के विरूद्ध विक्रेता को देय दावा के लिए प्रावधान	**11.00**	213.55
ग. बीमा दावा के विरूद्ध प्रावधान	**2.18**	84.97
ख. आय		
क. स्थायी आस्तियों का विक्रय	**16.22**	10.39
ख. प्रावधान अब जरूरी नही	**—**	31.82
योग (क-ख)	**5.47**	305.82

पत्री 26 : पूर्वावधिक मदों का ब्यौरा

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
क. आय		
केन्द्रीय मूल्य योजित कर प्रत्यय	**—**	12.32
संपत्ति पुनरूद्धार	**—**	0.63
वस्तु सूची	**8.68**	—
आस्ति प्रतिलिखित	**3.40**	—
	12.08	12.95
ख. खर्च		
माल भाड़ा	—	0.25
अवमूल्यन	—	10.17
सेवा प्रभार	—	1.96
	—	12.38
योग	**12.08**	0.57

पत्री 27 : प्रति अंश उपार्जन

₹ लाख में

ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
साम्यांश धारकों के लिए उपलब्ध लाभ एवं हानि खाता के अनुसार शुद्ध लाभ/(हानि)	**196.06**	137.49
प्रति अंश आय गणना के साम्यंशों की भारित औसत संख्याँ		
1. रू. 859.26 प्रति अंश मौलिक उपार्जन के लिए	**20,000**	20,000
2. रू. 859.26 प्रति अंश मिश्रित उपार्जन के लिए	**20,000**	20,000
प्रति अंश उपार्जन		
मौलिक	**980.31**	687.43
मिश्रित	**980.31**	687.43

NOTES ON ACCOUNTS

Note 25 : DETAILS OF ITEMS OF EXCEPTIONAL AND EXTRAORDINARY NATURE

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Exceptional Items:		
A. Expenditure		
a. Provision for Doubtful Debt	**8.51**	49.51
(for debt outstanding for more than 3 years)		
b. Provision for claim payable to vendor against escalation claim	**11.00**	213.55
c. Provision against insurance claim	**2.18**	84.97
B. Income		
a. Sale of Fixed Assets	**16.22**	10.39
b. Provision No Longer Required	**—**	31.82
Total (A-B)	**5.47**	305.82

Note 26 : DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
A. Income		
Cenvat Credit	**—**	12.32
Asset Revival	**—**	0.63
Inventory	**8.68**	—
Asset Write Back	**3.40**	—
	12.08	12.95
B. Expenses		
Freight	—	0.25
Depreciation	—	10.17
Service Charge	—	1.96
	—	12.38
Total	**12.08**	0.57

Note 27 : EARNINGS PER SHARE

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
Net Profit/(Loss) as per Profit & Loss Account available for Equity Shareholders	**196.06**	137.49
Weighted Average number of equity shares for Earnings per Share computation		
1. For Basic Earnings per Share of Rs. 859.26 each	**20,000.00**	20,000.00
2. For Diluted Earnings per Share of Rs. 859.26 each	**20,000.00**	20,000.00
Earnings per Share (In ₹)		
Basic	**980.31**	687.43
Diluted	**980.31**	687.43

पत्री 28 : समाश्रित दायित्व एवं प्रतिबद्धता

₹ लाख में

क. सं.	ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
(i)	**समाश्रित दायित्व**		
क.	**कम्पनी के विरूद्ध ऋण के रूप में अस्वीकृत दावा**		
1	अधिनिर्णय के तहत् पूर्व कर्मचारियों और अन्य लोगों के लिए क्षतिपूर्ति हेतु प्रावधान के लिए	**95.54**	91.22
2	हैदराबाद के उच्च न्यायालय के आदेशानुसार मे. पन्तलू कन्सट्रक्शन का विजाग भवन दावा के लिए	**56.90**	53.14
3	सिविल न्यायाधीश, अलीबाग के पास सिविल वाद के अनुसार मे. आउडम्बर इन्जीनियरिंग वर्क्स द्वारा डोलवी में मरम्मत कार्य के लिए	**22.84**	20.11
	उप योग	**175.28**	164.47
ख.	**सेवा कर**		
1	डुबुरी इकाई में "कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं" पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय आबकारी, जाजपुर के अधीक्षक ने मांग की है (किया गया शुद्ध भुगतान), सीईएसटीएटी, कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**47.02**	42.03
2	भिलाई, दुर्गापुर, विजाग, डोलवी एवं डुबुरी इकाई में व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय आबकारी एवं सीमा शुल्क, रायपुर के आयुक्त ने आदेश दिया है, जिसके विरूद्ध कंपनी सीईएसटीएटी, दिल्ली के समक्ष अपील की है	**716.26**	660.72
3	बोकारो इकाई में व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय आबकारी एवं सीमा शुल्क, राँची के आयुक्त ने आदेश दिया है, आयुक्त, राँची तथा सीईएसटीएटी कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**1,517.42**	1,395.92
4	बर्नपुर इकाई में व्यापार पूरक सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी एवं सीमा शुल्क, बोलपुर तथा सहायक आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी एवं सीमा शुल्क, आसनसोल ने आदेश दिया है, आयुक्त (अपील), कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**184.06**	71.93
5	भिलाई इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय आबकारी एवं सीमा शुल्क, रायपुर ने आदेश दिया है, सीईएसटीएटी, दिल्ली के समक्ष लंबित है ।	**357.62**	324.01
6	डुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर, जैसा कि आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी, भुबनेश्वर ने मई, 2004 से मार्च, 2007 की अवधि के लिए मांग की है, केन्द्रीय आबकारी, भुबनेश्वर के समक्ष लंबित है ।	**333.65**	256.02
7	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र तथा एलॉय संयंत्र में क्रमशः अप्रैल, 2003 से मार्च, 2008 तथा अक्टूबर, 2003 से नवम्बर, 2008 की अवधि के लिए व्यापार पूरक सेवा तथा "कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं" पर सेवा कर, सीईएसटीएटी, कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**2,111.55**	1,973.99
8	अप्रैल, 2008 से मई, 2009 तथा जून 2009 से सितम्बर, 2009 के अवधि के लिए क्रमशः व्यापार पूरक सेवा तथा "कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं" पर सेवा कर, सीईएसटीएटी, कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**524.54**	482.31
9	डुबुरी इकाई में "कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं" पर सेवा कर, जैसा कि अप्रैल, 2009 से मार्च, 2010 की अवधि के लिए आयुक्त, भुबनेश्वर ने मांग की है, सीईएसटी, कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**83.11**	69.64
10	दुर्गापुर इकाई में व्यापार पूरक सेवा पर सेवा कर, जैसा कि अक्टूबर, 2009 से मार्च, 2010 की अवधि के लिए आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी, बोलपुर ने मांग की है, सीईएसटीएटी, कोलकाता के समक्ष लंबित है ।	**90.06**	**74.86**

NOTES ON ACCOUNTS

Note 28 : CONTINGENT LIABILITIES & COMMITMENTS

₹ in lacs

Sl No.	Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
(i)	**Contingent Liabilities**		
A.	**Claims against the company not acknowledged as debt**		
1	For compensation to ex-employees and others under adjudication estimated at	**95.54**	91.22
2	For Vizag building claim of M/s Pantalu Construction as per order of High Court of Hyderabad	**56.90**	53.14
3	For repair job at Dolvi Unit claimed by M/s Audumber Engineering Works as per Civil Suit with Civil Judge, Alibag	**22.84**	20.11
	Sub Total	**175.28**	164.47
B.	**Service Tax**		
1	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Suptd. of Central Excise, Jajpur (net of payment made) pending before CESTAT, Kolkata.	**47.02**	42.03
2	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bhilai, Durgapur, Vizag, Dolvi & Duburi unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs Raipur against which the company preferred an appeal before CESTAT, Delhi.	**716.26**	660.72
3	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bokaro unit as ordered by Commissioner Central Excise and Customs, Ranchi, pending before Commissioner, Ranchi and CESTAT, Kolkata	**1,517.42**	1,395.92
4	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Central Excise & Customs, Bolpur and Assistant Commissioner, Central Excise and Custom, Asansol pending before Commissioner (Appeal), Kolkata	**184.06**	71.93
5	Service tax on "Cargo Handling Services" at Bhilai unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs, Raipur, pending before CESTAT, Delhi.	**357.62**	324.01
6	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar for the period from May 2004 to March 2007, pending before Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	**333.65**	256.02
7	Service tax on "Business Auxiliary Service" and "Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant and Alloy Steel Plant for the period from April 2003 to March 2008 and October 2003 to November 2008 respectively, pending before CESTAT, Kolkata.	**2,111.55**	1,973.99
8	Service Tax on "Business Auxiliary Service" and "Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant for the period April'2008 to May'2009 and June'2009 to September 2009 respectively, pending before CESTAT, Kolkata and Commissioner, Kolkata.	**524.54**	482.31
9	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Bhubaneswar for the period April'2009 to March'2010 is pending before CESTAT, Kolkata.	**83.11**	69.64
10	Service Tax on "Business Auxiliary Service" at Durgapur Unit as demanded by Commissioner, Central Excise, Bolpur for the period October 2009 to March 2010, is pending before CESTAT, Kolkata.	**90.06**	**74.86**

पत्री 28 : समाश्रित दायित्व एवं प्रतिबद्धता

₹ लाख में

क.सं.	ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
11	डुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं हेतु आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर द्वारा अप्रैल, 2007 से मार्च, 2009 की अवधि के लिए सेवा कर चुकाने हेतु दिया गया निर्देश का प्रकरण आयुक्त के पास लंबित हैं ।	**197.31**	—
12	भिलाई इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं पर सेवा कर भुगतान का प्रकरण आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद रायपुर को प्रति प्रेषित किया गया जो सीईएसटीएटी, दिल्ली के समक्ष लंबित हैं ।	**1,522.64**	—
	उप योग	**7,685.24**	**5,351.43**
ग.	**विक्रय कर तथा अन्य कर**		
1	राउरकेला इकाई में विक्रय कर तथा प्रवेश कर के लिए, जैसा कि उड़ीसा विक्रय कर विभाग ने मांग की है, विक्रय कर न्यायाधिकरण, कटक के समक्ष लंबित है ।	**43.56**	43.56
2	अधिसूचित क्षेत्र परिषद, राउरकेला (इस्पात नगरी) द्वारा डम्परों, डोजरों आदि जैसे भारी भू-उपस्करों पर चुंगी के लिए, उड़ीसा उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है ।	**11.13**	11.13
	उप योग	**54.69**	54.69
घ.	**बकाया बैंक प्रत्याभू**	**48.32**	12.00
ङ.	**बकाया साख पत्र**	**352.87**	17.43
	उप योग	**401.19**	29.43
	सकल योग	**8,316.40**	5,600.02
	(ii) प्रतिबद्धता		
क.	पंजी खाते पर निष्पादित किए जाने हेतु शेष ठेके की अनुमानिक राशि तथा जिसके लिए व्यवस्था नहीं की गयी (भुगतान का शुद्ध)	**544.50**	74.62

पत्री 29 : सी आइ एफ आधार पर आयातों का मूल्य

₹ लाख में

क.सं.	ब्यौरा	चालू वर्ष 31.03. 2013	गत वर्ष 31.03.2012
1	अवयव एवं पूर्जे	**11.93**	—
2	पूंजीगत् माल	—	—
	योग	**11.93**	—

Note 28 : CONTINGENT LIABILITIES & COMMITMENTS

₹ in lacs

Sl. No.	Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
11	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar for the period from April 2007 to March 2009, pending before Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	**197.31**	—
12	Service Tax on "Cargo Handling Service" at Bhilai unit, matter remanded to Commissioner Central Excise, Raipur, pending before CESTAT, Delhi	**1,522.64**	—
	Sub Total	**7,685.24**	5,351.43
C.	**Sales Tax and Other Taxes**		
1	For Sales Tax and Entry Tax at Rourkela unit as demanded by Orissa Sales Tax Department, pending before Sales Tax Tribunal, Cuttack.	**43.56**	43.56
2	For octroi on heavy earthmoving equipment like Dumpers, Dozers etc. by Notified Area Council, Rourkela (Steel Township), pending before Orissa High Court	**11.13**	11.13
	Sub Total	**54.69**	54.69
D.	**Outstanding Bank Guarantees**	**48.32**	12.00
E.	**Outstanding Letter of Credit**	**352.87**	17.43
	Sub Total	**401.19**	29.43
	Grand Total	**8,316.40**	5,600.02
	(ii) Commitments		
A.	Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advance)	**544.50**	74.62

Note 29: VALUE OF IMPORTS ON CIF BASIS

₹ in lacs

Sl. No.	Particulars	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
1	Components & Spares	**11.93**	—
2	Capital Goods	—	—
	Total	**11.93**	—

पत्री 30 : संबंधित पक्ष संव्यवहार

संबंधित पक्षों की सूची, जहाँ नियंत्रण मौजूद है तथा जिसके साथ लेन-देन की गयी है, संबंधित पक्ष तथा संबंध :

₹ लाख में

क.स.	संबधित पक्ष का नाम	संबधित पक्ष संबंध की प्रकृति	सव्यवहार की प्रकृति	चालू वर्ष 31.03.2013	गत वर्ष 31.03.2012
1	एम एस टी सी लि०	नियत्री कंपनी	नीलामी के लिए सेवा प्रभार	**3.93**	2.82
			माल गोदाम सेवा प्रभार पारिश्रमिक	**112.55**	—
2	श्री एन्टोनी चाको (22 अगस्त, 12 की कम्पनी छोड़ने पर)	प्रबंध निदेशक	पारिश्रमिक	**14.67**	21.25
			स्थायी आस्तियो का विक्रय	**1.19**	—

पत्री 31

गत वर्षो के आँकड़े को जहाँ आवश्यक हो, विभाजित तथा पुर्नसमूहीकृत किया गया है ताकि मौजूदा साल के आँकड़े के अनुरूप हो सके ।

पत्री 32

वर्तमान आस्तियाँ, ऋणें एवं अग्रिमें बढ़ियाँ एवं वसूली योग्य है तथा मूल्यों के लगभग है यदि जबतक व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम में कार्यान्वित होता है एवं खातों में एक सीमा तक अन्यथा न कहा गया । भुगतेय व्यापार, प्राप्य व्यापार. ऋणों एवं अग्रिमों का अधिशेष समाधान तथा पुष्टि करने के अधीन है ।

पत्री 33

तुलन पत्र तथा लाभ एवं हानि खाता उसके साथ उपाबद्ध पठित टिप्पणियाँ तैयार करता है ताकि कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत् अपेक्षित सूचना के साथ-साथ वर्षों की समाप्ति तक तथा समीक्षाधीन वर्षो के लिए कम्पनी के परिणामों का कम्पनी के कामकाज का विवरण का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण का खुलासा हो ।

34 क) भिलाई इकाई में अप्रैल '08 से सितम्वर '08 की अवधि के लिए स्क्रैप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यो के लिए ''कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं'' पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹ 152.05 लाख हेतु आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर को प्रस्तुत किया गया है तथा व्यक्तिगत सुनवाई भी हो गयी है एवं अब केवल आदेश प्राप्त होना बाकी है ।

ख) भिलाई इकाई में अक्टूबर 2009 से मार्च 2010 की अवधि के लिए स्क्रैप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यो के लिए ''कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं'' पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹ 181.68 लाख के लिए कारण बताओ नोटिस आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर ने जारी किया गया है । उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर को प्रस्तुत किया गया है तथा व्यक्तिगत सुनवाई होना बाकी है ।

ग) भिलाई इकाई में अक्टूबर 2008 से सितम्बर 2009 की अवधि के लिए स्क्रैप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यो के लिए ''कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं'' पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹ 245.72 लाख का कारण बताओ नोटिस आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर ने जारी किया है उक्त कारण बताओ नोटिस का जबाब आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर को प्रस्तुत किया गया है तथा व्यक्तिगत सुनवाई भी हो गयी है एवं अब केवल आदेश प्राप्त होना बाकी है ।

35 कंपनी अपने आप को रोकड़ उत्सर्जक इकाई मानते हुए अपने स्थाई आस्तियों के अग्रेषित राशियों का पुनर्विलोकन करती है । अतएव, कंपनी द्वारा एक रोकड़ उत्सर्जक इकाई होने के नाते अपने स्थाई आस्तियों के अग्रेषित राशियों को भावी नकदी प्रवाह के वर्तमान मूल्य से तुलना की गई है, जिसका कोई घातक परिणाम परिलक्षत नही होता है ।

Note 30: RELATED PARTY TRANSACTIONS

List of related parties where control exists and related parties with whom transaction has taken place and relationships:

₹ in lacs

Sl. No.	Name of Related Party	Nature of Related Party Relationship	Nature of Transaction	Current Year 31.03. 2013	Previous Year 31.03.2012
1	MSTC Ltd	Holding Company	Sercice Charges for Auction	**3.93**	2.82
			Warehousing Management Charges	**112.55**	—
2	Shri Antony Chacko (Left the Company on 22nd August, 2012)	Managing Director	Remuneration	**14.67**	21.25
			Sale of Fixed Assets	**1.19**	—

Note 31

Figures of Previous Years have been split up and regrouped wherever necessary so as to correspond to current year's figures.

Note 32

The current assets, loans and advances are good and recoverable and are approximately of the values, if realized in the ordinary course of business unless and to the extent stated otherwise in the accounts. Balances of trade payables, trade receivables, loans and advances are subject to reconciliation and confirmation.

Note 33

Balance Sheet and Profit & Loss Account read together with the notes thereon, are drawn up so as to disclose the information required under The Companies Act, 1956 as well as give a true and fair view of the statement of affairs of the Company as at the end of the year and results of the Company for the year under review.

34. a) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice for ₹ 152.05 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the jobs of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period April '08 to September'08. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.

b) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 181.68 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct' 2009 to March' 2010. The reply to the show cause notice has been submitted to Commissioner, Central Excise, Raipur, however personal hearing is pending.

c) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 245.72 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.

35. The company reviews the carrying amount of its fixed assets treating the entire company as a Cash Generating Unit (CGU). Hence, the company (being a CGU) has compared the carrying amount of its fixed assets with present value of future cash flows and it does not show any impairment.

36 एमएसएमई को देय राशि (जैसा कि पत्री-7 में प्रकटित है), ऐसे परिचिन्हित संस्थानों के अनुरुप है । प्रायः कंपनी द्वारा एमएसएमई इकाईयों को नियत समय पर भुगतान किया गया है एवं संसथानों से ब्याज अथवा अतिशोध्य भुगतान संबंधी कोई दावा पेश नहीं किया गया है ।

37 विशाखापट्टणम इकाई में कोक निष्कासन कार्य हेतु 9302.85 मि. टन के कार्य आदेश के अभाव में बिल निर्गत नहीं किए जा सके हैं (गत वर्ष निरंक मि. टन) जिसके लिए ₹ 26.97 लाख (गत वर्ष निरंक राशि) का अनंतिम आय लेखाबद्ध किया गया है, चूंकि संदर्भित सेवा से संबंधित खर्च इस वित्त वर्ष में किया गया है ।

1 फरवरी, 2013 से 31 मार्च, 2013 के दौरान हरिद्वार इकाई में सेवा दरों पर प्राप्य वृद्धि हेतु अंतिम थोक व्यापार मूल्य सूंचकांक के अभाव में बिल निर्गत नहीं किए जा सके । ₹ 11.85 लाख (गत वर्ष निरंक राशि) का अनंतिम आय लेखाबद्ध किया गया है, चूंकि संदर्भित सेवा से संबंधित खर्च इस वित्त वर्ष में किया गया है ।

38 वर्ष के दौरान 31 दिसंबर, 2011 से गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के भत्ते की मात्रा में पुनरीक्षण के लिए समझौता को अंतिम रूप दिया गया है । वेतन पुनरीक्षण के लिए वर्ष के दौरान 01.01.2012 के प्रभाव से ₹ 399.59 लाख अनुमानित आधार पर बनाया गया है और दिया गया ।

39 भंडारण की वस्तु सूचियों के भौतिकीय जाँच के समय विशाखापट्टणम, डोल्वी, राउरकेला एवं दुर्गापुर इकाईयों में कमी पाई गयीं, जिनके लिए ₹ 13.45 लाख की कुल कमी हेतु प्रावधान रखा गया है, तथा प्रकरण समाधान की स्थिति में है ।

40 अनुबंध के विस्तारीकरण/नवीनीकरण के अभाव में डोलवी इकाई में (जेएसडब्ल्यू इस्पात लिमिटेड, डोलवी के भीतर) संचालन 14 मार्च, 2013 के प्रभाव से बंद कर दिया गया है । प्रबंधन द्वारा इकाई की सभी आस्तियों को अन्य संचालित इकाईयों/निगमन कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा रहा है ।

41 ऐसे दावे/अग्रिम के लिए जो प्रबंधन की राय में संदेहास्पद है, आवश्यक प्रावधान किया गया है । ऐसे दायित्व/प्रावधान जो प्रबंधन की राय में भविष्य में आवश्यक नही होंगी, उनके लिए बट्टे खाते का प्रावधान किया गया है ।

42 विभिन्न भारतीय इस्पात संयंत्रों, रेल-व्हील फैक्ट्री-बैगलरु, बीएचईएल-हरिद्वार आदि मे कंपनी द्वारा स्क्रैप प्रक्रमण एवं संबंधित कार्यों का कारोबार किया जा रहा है, जो कंपनी का प्रमुख कारोबार है । स्क्रैप प्रक्रमण एवं संबंधित कार्यो के अलावा, कंपनी, द्वारा ''वेयर हाउस मैनेजमेंट'' का कार्य भी किया गया है । लेखा सिद्धान्त 17 के मद 27 (अ) के अनुसार, व्यावसायिक कारोबार का एक खण्ड, खण्ड-प्रतिवेदन के दायरे में तभी आता है जब बाहय ग्राहक को विक्रय से एवं अन्य क्षेत्रों के संव्यवहार से अर्जित राजस्व कुल राजस्व (बाहय एवं आंतरिक क्षेत्र) का 10 प्रतिशत या अधिक हो । वेयर हाउस मैनेजमेंट का कार्य खण्ड प्रतिवेदन कारोबार की श्रेणी में नहीं आता है । कंपनी का भारत के बाहर कोई कारोबार संचालित नहीं होने की वजह से भौगोलिक खण्डीकरण अप्रयोज्य है ।

43 कर्मचारी अनुलाभ :

43.1 परिभाषित अनुलाभ योजना का संक्षिप्त चित्रण :

(क) अवकाश नकदीकरण - निवृत होने पर संबंधित कर्मचारियों को देय जिनके खाते में अर्जित अवकाश एवं अर्ध - वैतरिक अवकाश संचित हों, जहां संचित अर्जित अवकाश की अधिकतम सीमा कार्यपालक वर्ग के लिए 240 दिन एवं अर्धवैतनिक अवकाश की अधिकतम सीमा 240 दिन है, तथा गैर कार्यपालक वर्ग के लिए यह सीमा क्रमशः 200 दिन एवं 240 दिन है । वर्ष के दौरान एक बार संचित अर्जित अवकाश में से अधिकतम 30 दिवसों के अवकाश का नकदीकरण का भी प्रावधान है।

(ख) सेवानिवृत्ति पश्चात् - चिकित्सा अनुलाभ मेडीक्लेम इन्श्यूरेन्स पॉलिसी के तहत् सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किसी चिकित्सालय में उपलब्ध।

(ग) सेवानिवृत्ति पश्चात निपटारा अनुलाभ - सेवानिवृत्ति करने वाले कर्मचारियों को उनके द्वारा घोषित गृह नगर में बसने के लिए भुगतेय।

(घ) दीर्घावधिक सेवा पुरस्कार - न्यूनतम 25 वर्षो की सेवा के लिए वस्तु के रूप में तथा सेवानिवृत्ति पर भी देय ।

36. The amount due to MSME (as disclosed in Note 7) is to the extent such undertakings have been identified. The company has normally made payment to MSME units in due time and there are no claim from the parties for interest or overdue payment.

37. The job for Extraction of Coke for Vizag Unit, bills have not been raised in the absence of work order for 9302.85 M.T. (Previous Year 'Nil' M.T.) for which a provisional income amounting to ₹ 26.97 Lakhs (Previous Year ₹ 'Nil') has been accounted considering that relevant expenditure against the said service has been incurred during the current financial year.

Escalation due for Service Charges at Haridwar Unit for the period 1st February 2013 to 31st March 2013, the bill could not be raised in the absence of final Whole Sales Price Index. Provisional income has been considered amounting to ₹ 11.85 Lakhs (Previous Year ₹ 'Nil') since relevant expenditure against the said service has been incurred during the current financial year.

38. The Agreement for Wage revision of Non executive employees expired on 31st December 2011. Pending finalization of the fresh agreement w.e.f. 1st January 2012, provision of ₹ 399.59 lakhs for the year towards wage revision has been estimated and provided.

39. During Physical verification of Inventories of stores, Shortages were found in the units of Vizag, Dolvi, Rourkela and Durgapur units for which provision has been made for the net shortage of ₹ 13.45 lakhs, the matter in under reconciliation stage.

40. The operation of Dolvi unit (inside JSW Ispat Ltd, Dolvi) has been closed w.e.f. 14th March 2013 due to non-extension/renewal of agreement. The management is transferring all the assets of the Unit to other Operational Units and Corporate Office.

41. Provision is made against Claims and Advances wherever such claim/advance is considered doubtful in the opinion of management. Writing back of Liabilities/Provisions are made wherever such liability/provision considered no longer required in the opinion of management.

42. Company is engaged in the business of Scrap Recovery and Allied Jobs in various Steel Plants in India, RWF – Bengaluru and BHEL – Haridwar, which is the principal business activity of the company. Beside scrap recovery and allied jobs, company has rendered serviced of warehouse management. However, as per Para 27 (a) of Accounting Standard 17, a business segment should be identified as a reportable segment if it's revenue from sales to external customers and from transactions with other segments is 10 percent or more of the total revenue, external and internal, of all segments. Total service charges received against warehouse management is less than ten percent of the revenue earned; hence the former does not constitute a reportable segment. The geographical segmentation is not relevant as the company has no business operation outside India.

43. Employee Benefits

43.1 Brief Description of Defined Benefit Scheme:

(a) Leave Encashment - Payable on separation to eligible employees who have accumulated earned leave and half pay leave, subject to maximum limit of 240 days for earned leave and 240 days of half pay leave in case of executives and maximum limit of 200 days for earned leave and 240 days of half pay leave in case of non-executives. Encashment of accumulated earned leave is also allowed upto 30 days once in a calendar year.

(b) Post Retirement Medical benefit - Available to retired employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy

(c) Post retirement settlement benefit – Payable to retiring employees for settlement at their declared home town.

(d) Long Term Service Award - Payable in kind for rendering minimum 25 years of service and also on Superannuation.

(ङ) कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना - निर्धारित जमा के बदले सेवा से पृथक विकलांग कर्मचारियों/दिवंगत कर्मचारियों के कानूनी वारिशों को निर्धारित जमा के बदले में पृथक विकलांग कर्मचारियों/दिवंगत कर्मचारियों की सेवा-निवृत्ति की तिथि तक मासिक भुगतान।

(च) भविष्य निधि : कम्पनी द्वारा भविष्य निधि न्यास को मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ता का 12 प्रतिशत अंशदान दिया गया है।

(छ) उपादान : पात्र कर्मचारियों को सेवा से नियोजन पर सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन की दर पर देय है जो कम से कम 5 वर्षो तथा अधिकतम 30 वर्षो की अवधि के लिए निरंतर सेवा देते है । उपादान की संगणना कर्मचारी द्वारा अंतिम माह के वेतन की दर पर सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष से अधिक से अधिक 30 वर्षो के लिए गणना की जाती है। कर्मचारियों को देय उपादान की अधिकतम राशि ₹ 10 लाख है।

44. प्रकटीकरण, जैसा कि परिभाषित अनुलाभ दायित्वों के परिप्रेक्ष्य में ''कर्मचारी अनुलाभों'' पर लेखा मानक -ए एस-15 (संशोधित 2005) के तहत् आवश्यक है :

क) प्रक्षेपित अनुलाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य का समन्वय :

₹ लाख में

क्र. सं.	ब्यौरा	अवकाश नकदीकरण	सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ	सेवानिवृत्ति पश्चात् निपटान अनुलाभ	दीर्घावधिक सेवा पुरस्कार	कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना	योग
i.	01 अप्रैल, 2012 को प्रक्षेपित अनुलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1278.27	633.42	36.75	4.55	337.75	2290.74
ii.	सेवा लागत	136.68	34.76	1.74	0.24	0.00	173.42
iii.	ब्याज लागत	101.45	53.13	3.03	0.38	26.16	184.15
iv.	बीमांकिक (नफा)/हानियॉ	270.81	72.18	1.29	0.09	73.54	417.91
v.	सेवा पश्चात लागत	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
vi.	संदत्त अनुलाभ	(197.26)	(31.29)	(3.05)	(0.15)	(67.18)	(298.93)
vii.	31 मार्च, 2013 को दर्शाए गए अनुलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य (i)+(ii)+(iii)+(iv)-(v)+(vi)	1589.95	762.20	39.76	5.11	370.27	2767.29

(ख) व्यय 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता की विवरणी में स्वीकारा गया :

(₹ लाख में)

क्र.	ब्यौरा	अवकाश नकदीकरण	सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ	सेवानिवृत्ति पश्चात् निपटारा अनुलाभ	दीर्घावधिक सेवा पुरस्कार	कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना
i.	सेवा लागत	136.68	34.76	1.74	0.24	0.00
ii.	ब्याज लागत	101.45	53.13	3.03	0.38	26.16
iii.	बीमांकिक (नफा)/हानि	270.81	72.18	1.29	0.09	73.54
iv.	सेवा पश्चात लागत	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
v.	आयोजित आस्तियों पर अनुमानित प्रतिफल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
vi.	कर्मचारियों के पारिश्रमिक तथा अनुलाभों को प्रभारित रकम (अनुसूची-11)	508.94	160.07	6.06	0.71	99.70

ग) बीमांकिक द्वारा पुष्टि के अनुसार यहॉ कल्पित चिकित्सा मुद्रास्फीति दर में कोई बदलाव नहीं हुई है क्योंकि सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ योजना मेडिक्लेम पॉलिसी के अन्तर्गत आधारित है।

(e) Employees Family Benefit Scheme – Monthly payment to disabled separated employees/legal heirs of deceased employees in lieu of prescribed deposit till the date of superannuation of deceased employees.

(f) Provident Fund: 12% of Basic pay and Dearness allowance contributed to the Provident Fund Trust by the company.

(g) Gratuity: Payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continuous service for a minimum period of 5 years and upto 30 years. The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years. The maximum amount of Gratuity payable to employee is ₹ 10 lakhs.

44. Disclosures as required under Accounting Standard (AS) 15 (revised 2005) on "Employee Benefits" in respect of Defined benefit obligations are:

a) Reconciliation of present value of projected benefit obligations:-

(₹ in lacs)

Sl. No.	Particulars	Leave Encashment	Post-retirement Medical Benefit	Post-retirement Settlement Benefit	Long Term Service Award	Employees' Family Benefit Scheme	Total
i.	Present value of projected benefit obligation as at 1st April 2012	1278.27	633.42	36.75	4.55	337.75	2290.74
ii.	Service cost	136.68	34.76	1.74	0.24	0.00	173.42
iii.	Interest cost	101.45	53.13	3.03	0.38	26.16	184.15
iv.	Actuarial (Gain)/ Losses	270.81	72.18	1.29	0.09	73.54	417.91
v.	Post Service cost	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
vi.	Benefit paid	(197.26)	(31.29)	(3.05)	(0.15)	(67.18)	(298.93)
vii.	Present value of projected benefit obligation as on 31st March 2013. (i)+(ii)+(iii)+(iv)-(v)+(vi)	1589.95	762.20	39.76	5.11	370.27	2767.29

b) Expenses recognized in the statement of Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2013

(₹ in lacs)

Sl. No.	Particulars	Leave Encashment	Post-retirement Medical Benefit	Post-retirement Settlement Benefit	Long Term Service Award	Employees' Family Benefit Scheme
i.	Service cost	136.68	34.76	1.74	0.24	0.00
ii.	Interest cost	101.45	53.13	3.03	0.38	26.16
iii.	Actuarial (Gain)/ Loss	270.81	72.18	1.29	0.09	73.54
iv.	Post service cost	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
v.	Expected return on plan asset	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
vi.	Amount charged to Employees' Remuneration and Benefits (Schedule -11)	508.94	160.07	6.06	0.71	99.70

c) There is no change in assumed medical inflation rate as confirmed by actuary since the post retirement medical benefit scheme is covered by Mediclaim Policy.

(घ) बीमांकिक पूर्णधारण

क्र. सं.	वर्णन	31मार्च, 2013
(i)	छूट दर	8.10%
(ii)	वेतन तथा मजदूरी मे वृद्धि की दर	गैर-कार्यपालक - 10.00% प्रथम वर्ष एवं तत्पश्चात 5% कार्यपालक - 5%
(iii)	मृत्यु दर तथा प्रत्याहरण	भारतीय जीवन बीमा का निश्चित मृत्यु दर (2006-08) (संशोधित) अंतिम
(iv)	मुद्रास्फीति, वरिष्ठता पदोन्नति तथा अन्य संबधित पहलुओं को लेकर भविष्य के वेतन की वृद्धि का प्राक्कलन बीमांकिक मूल्यांकन में माना गया ।	

45. निदेशक मण्डल द्वारा दिनांक 14 मार्च, 2013 को सम्पन्न बैठक में, वर्ष 1998-99 से 2009-10 के दौरान किए गए कैपिटल मरम्मतों के खर्चो को वापस लिए जाने के निर्णय के पश्चात, जिन्हें मद 1.4 में उल्लिखित प्रकटित लेखा नीति के तहत संदर्भित वर्षो में पूंजीगत किया जा चुका था, एवं चुंकि कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2009-10 तक ऐसी वृद्धियों पर संपूर्ण मूल्यह्रास का दावा पेश किया गया था, प्रबंधन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि ग्रास ब्लॉक से ₹ 7.01 करोड़ को एवं तदनुसार लेखा परीक्षण वर्ष के दौरान संचित मूल्यह्रास को वापस लिया जाए ।

46. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 444-ए के अन्तर्गत भुगतेय उपकर हेतु कंपनी ने प्रावधान नहीं बनाया है, चूँकि लागू होने की तिथि तथा अनुप्रयुक्त किए जाने वाले निश्चित दर से संबंधित अधिसूचना की जानकारी अबतक नहीं है।

47. वित्तीय वर्ष के दौरान निदेशक बैठक शुल्क ₹ 1,47,500/- (प्र.व. ₹ 15,000/-) भुगतान किया गया है ।

सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार
वास्ते राजेन्द्र प्रसाद
सनदी लेखापाल
फर्म पंजीकरण क्र. 000203C
राहुल खण्डेलवाल
साझेदार
सदस्यता क्र . 079628
स्थान : भिलाई
तिथि : 28.06.2013

वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से

ए. पी. शर्मा
कंपनी सचिव

एस. के चक्रवर्ती
सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

बी. बी सिंह
निदेशक

एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

d) Assumption considered by Actuary

Sl. No.	Description	As at 31st March 2013
i.	Discount Rate	8.10%
ii.	Rate of Escalation in Salaries & Wages	Non-Executive – 10.00% for first year & 5%thereafter Executives – 5.00%
iii.	Mortality and withdrawal	Indian Assured Lives Mortality (2006-08)(modified) multimate
iv.	The estimate of future salary increase is considered in actuarial valuation taking account of inflation, seniority promotion and other relevant factors.	

45. Pursuant to decision taken by the board vide meeting dated 14th March 2013 for withdrawal of capital overhauling expenditure incurred from the period 1998-99 to 2009-10 which had been capitalized in the respective years pursuant to policy stated in para no.1.4 of the significant accounting policy and since the company has claimed depreciation against such additions in entirety upto FY 2009-10, the management has decided to withdraw an amount of ₹ 7.01 crore from the gross block and correspondingly from the accumulated depreciation

46. The Company has not made provision for Cess payable under section 441A of the Companies Act, 1956 as the notification as regards the date of applicability and the exact rate to be applied has not yet come to notice.

47. Director sitting fees of ₹ 1,47,500/- (PY ₹15,000/-) has been paid during the financial year.

As per our report of even date

For RAJENDRA PRASAD
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN No. 000203C

RAHUL KHANDELWAL
Partner
Membership No. 079628
Place : Bhilai
Date : 28.06.2013

For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited

A. P. SHARMA
Company Secretary

S. K. CHAKRABORTY
Assistant General Manager (F&A)

B. B. SINGH
Director

S. K. TRIPATHI
Chairman and Managing Director

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A Govt. Of India Enterprise)

पंजीकृत एवं मुख्य कार्यालय
225 सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2990-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय
जीवन विकास बिल्डिंग, पहला तल, 30-31 A, आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110 002
दूरभाष : (011) 2321-4201, 2321-3945
फैक्स : 011-2321-6713
ई-मेल : mstcnro@mstcindia.co.in

दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय
लीलावती बिल्डिंग (दूसरा तल), 69, आरमिनियन स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001
दूरभाष : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584
फैक्स : 044-25220091
ई-मेल : mstcsro@mstcindia.co.in

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय
225-एफ, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-75S7/0568/7716/9627/7568
फैक्स : (+91-33) 2287-4915
ई-मेल : mstcero@mstcindia.co.in

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय
607-608 रहेजा सेंटर, नरीमन प्वाईंट, मुम्बई - 400021
दूरभाष : (022)2288-6261
इ-ऑकसन के जानकारी के लिए : (022) 2202-2096
फैक्स : 022-22845130
ई-मेल : mstcwro@mstcindia.co.in

शाखा कार्यालय समूह

बैंगालुरू
करीम टावर, तीसरा तल, 19/5 एंड 19/6, कनिंगहम रोड, बैंगालूरू - 560 052
दूरभाष : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417
फैक्स : 080-2225 6367
ई-मेल : mstcblr@mstcindia.co.in

विशाखापत्तनम
जीवन प्रकाश (छठा तल), एलआइसी बिल्डिंग, जीविथा बीमा रोड, विशाखापत्तनम - 530 004
दूरभाष : (0891) 274-6948, 270-1066
फैक्स : 0891-274-7053
ई-मेल : mstcsvzg@mstcindia.co.in

बड़ौदा
कमलांजलि अपार्टमेन्ट (दूसरा तल), टियूब कंपनी के सामने, ओल्ड पडरा रोड, अकोटा, बड़ौदा - 390 020
दूरभाष : (0265) 2339 672, 2310 629
फैक्स : 0265-2351 636
ई-मेल : mstcvda@mstcindia.co.in

क्षेत्रीय कार्यालय समूह

भोपाल
महाराना प्रताप नगर, जोन II, भोपाल - 462001
दूरभाष : (0755) 2552241
फैक्स : (0755) 4075720

त्रिची
क्वाटर नं. के 3/100 एफ टाइप बी के आर सेक्टर, नेहरू नगर, तिरुचिलापल्ली - 620014
दूरभाष : (0481) 252-1009
ई-मेल : natarajan@mstcindia.co.in

हैदराबाद
आकाशगंगा कम्प्लेक्स, अफिस नं. 201, दूसरा तल, डोर नं. 6-3-635 एवं 637, खैरावाद, हैदराबाद - 500 004
दूरभाष : 040-2330 से 39, 2330 1049
ई-मेल : hyd@mstcindia.co.in

तिरूपति
टीटीडी विष्णु निवासम कॉम्प्लेक्स, (तिरुपति रेलवे स्टेशन पूर्व के विपरीत), उत्तर पश्चिम ब्लाक, प्रथम तल, मिनि हाल नं. 1, तिरूपति, आंध्र प्रदेश - 517501

लखनऊ
जी-25 /26 तेज कुमार प्लाजा, 1, टी. एन. रोड, हॉजरतगंज - 226001
ई-मेल - mstclko@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2990-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Northern Regional Office (NRO)
Jeevan Vikas Building, 1st Floor, 30-31 A, Asaf Ali Road (opp : Hamdard), New Delhi - 110 002
Tel : (011) 2321-4201, 2321-3945
Fax : 011-2321-6713
E-mail : mstcnro@mstcindia.co.in

Southern Regional Office (ERO)
Leelavati Building, 2nd Floor, 69, Armenian Street, Chennai - 600 001
Tel : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584
Fax : 044-25220091
E-mail : mstcsro@mstcindia.co.in

Eastern Regional Office (ERO)
225-F, A.J.C. Bose Road, 3rd Floor, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-75S7/0568/7716/9627/7568
Fax : (+91-33) 2287-4915
E-mail : mstcero@mstcindia.co.in

Western Regional Office (WRO)
607-608 Rajeja Centre, Nariman Point, Mumbai - 400021
Tel : (022)2288-6261
For e-Auction Registration Enquiry : (022) 2202-2096
Fax : 022-22845130
E-mail : mstcwro@mstcindia.co.in

Branch Offices :

Bangaluru
Kareem Tower, 3rd Floor, 19/5 & 19/6, Cunningham Road, Bangalore - 560 052
Tel : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417
Fax : 080-2225 6367
Email : mstcblr@mstcindia.co.in

Visakhapattanam
6th Floor "Jeevan Prakash" LIC Building, Jeevitha Bima Road, Visakhapatnam - 530 004
Tel : (0891) 274-6948, 270-1066
Fax : 0891-274-7053
E-mail : mstcsvzg@mstcindia.co.in

Vadodara
21, Kamalanjali Apartment, 2nd Floor, Opp. Tube Company, Old Padra Road, Akota, Vadodara - 390 020
Tel : (0265) 2339 672, 2310 629
Fax : 0265-2351 636
E-mail : mstcvda@mstcindia.co.in

Field Offices

Bhopal
16-11, Maharana Pratap Nagar, Zone II, Bhopal - 462001
Tel : (0755) 2552241
Fax : (0755) 4075720

Trichy
Quarter No. K3/100F, Type 'B' KR Sector, Nehru Nagar, Tiruchirapally - 620014
Tel : (0481) 252-1009
E-mail : natarajan@mstcindia.co.in

Hyderabad
Akash Ganga Complex, Office No. 201, 2nd Floor, Door No. 6-3-635 & 637, Khairtabad, Hyderabad - 500004
Tel. : 040-2330 to 39, 2330 1049
email : hyd@mstcindia.co.in

Tirupati
TTD Vishnu Nivasam Complex, (Oppsosite: Tirupati Railway Station - East), North West Block, 1st Floor, Mini Hall No.1, Tirupati, Andhra Pradesh - 517501

Lucknow
G-25/26, Tej Kumar Plaza, 1, T.N. Road, Hajratganj - 226001
e-mail : mstclko@mstcindia.co.in

Visit us at : http://www.mstcauction.co.in http://www.mstcindia.co.in

e-assuring INDIA

Scan the QR code to log on to

www.mstcindia.co.in

www.mstcecommerce.com

दशक : एक दृष्टि में | Decade at a Glance

रु. करोड़ में | *Rs. in Crores*

बर्ष Year	व्यवसाय की मात्रा Volume of Business	करपूर्व लाभ (पीवीटी) Profit Before Tax (PBT)	करोत्तर लाभ (पीएटी) Profit After Tax (PAT)	प्रदत्त लाभांश Dividend paid	नेट वर्थ Net worth	प्रति कर्मचारी करपूर्व लाभ PBT per employee
2003-04	4182	33.69	18.74	3.76	83.22	0.1212
2004-05	6481	64.77	38.30	7.68	112.77	0.2226
2005-06	7784	85.70	54.68	10.96	154.96	0.3361
2006-07	7730	90.87	59.00	11.88	200.06	0.3709
2007-08	11924	134.47	92.20	18.48	270.65	0.4605
2008-09	19628	129.53	85.05	17.05	342.37	0.4099
2009-10	12738	135.99	86.10	17.22	408.45	0.4372
2010-11	14101	149.40	99.16	2.20	505.20	0.4728
2011-12	21751	176.15	118.39	23.69	596.06	0.5719
2012-13	**25507**	**193.4**	**130.73**	**26.4**	**695.96**	**0.6061**

A product of Progressive Art House +91 33 3258 4757